THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 222 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक शु.3 2081 सोमवार, 4 नवंबर-2024

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

नवाब मलिक के दामाद की मौत

मुंबई, 3 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के बीच राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता और पूर्व मंत्री नवाब मलिक के दामाद का निधन हो गया है। मलिक के परिवार में यह दुखद घटना ऐसे वक्त पर हुई है, जब नवाब मलिक और उनकी बेटी सना मलिक दोनों चुनाव के मैदान में हैं। नवाब मलिक के दामाद समीर खान 18 सितंबर को एक घटना में गंभीर तौर पर घायल हो गए थे। इसके बाद से उनका इलाज चल रहा था। नवाब मलिक ने एक्स पर इसकी जानकारी दी है। समीर खान का चोटों के बाद क्रिटिकेयर अस्पताल में इलाज चल रहा था। खान को ब्रेन क्लॉट और कई फ्रैक्चर का सामना करना पड़ा था। मलिक के दो बेटे और दो बेटियां हैं।

पीएम मोदी ने दिया अहम संदेश

2015 से 2023 तक भारत में 17.7 प्रतिशत तक कम हुए टीबी के मरीज

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। भारत में तपेदिक (टीबी) के मरीजों की संख्या में तेजी से गिरावट आ रही है। यह दावा हुआ है विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की एक रिपोर्ट से। इस रिपोर्ट को लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने एक्स पर पोस्ट भी किया। इस बीमारी के खिलाफ भारत की प्रगति को लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने भी अहम संदेश दिया है।

डब्ल्यूएचओ के आंकड़ों पर क्या बोले स्वास्थ्य मंत्री :

नड्डा ने डब्ल्यूएचओ की ओर से टीबी संक्रमण के खिलाफ भारत की लड़ाई पर जारी एक रिपोर्ट पर टिप्पणी करते हुए कहा कि केंद्र सरकार टीबी मुक्त भारत बनाने की अपनी प्रतिबद्धता पर कायम है। उन्होंने आंकड़ों का जिक्र करते हुए कहा कि डब्ल्यूएचओ ने 2015 से 2023 तक टीबी की घटनाओं में 17.7 प्रतिशत की गिरावट की बात कही है और इस बीमारी से लड़ाई में भारत की जबरदस्त प्रगति को मान्यता दी है। उन्होंने आगे कहा कि भारत में टीबी के केस कम होने की दर, वैश्विक गिरावट की 8.3 प्रतिशत की दर के मुकाबले दोगुने से भी अधिक है।

नड्डा ने टीबी के खिलाफ सरकार की योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि टीबी मरीजों को आवश्यक पोषण संबंधी सहायता मुहैया कराई जा रही है और कई तरह की दवाओं के खिलाफ प्रतिरोधी क्षमता बढ़ा चुके टीबी के इलाज के लिए भी दवा देने का नया तरीका लाया गया है। उन्होंने टीबी के मामले कम होने पर स्वास्थ्य मंत्रालय और स्वास्थ्यकर्मियों को बधाई दी।

क्या बोले पीएम मोदी :

इस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रतिक्रिया देते हुए एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने कहा, सराहनीय प्रगति! टीबी के मामलों में कमी आना भारत के समर्पित और अभिनव प्रयासों का परिणाम है। एक सामूहिक भावना के माध्यम से, हम टीबी मुक्त भारत की दिशा में काम करते रहेंगे।

केदारनाथ-यमुनोत्री के कपाट बंद

चमोली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड में स्थित चारों धामों के कपाट बंद होने का सिलसिला शुरू हो गया है। चारों धामों में अब तक 44 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए हैं।

उत्तरकाशी में स्थित गंगोत्री धाम के कपाट कल 2 नवंबर को दोपहर 12:14 बजे बंद हुए। आज सुबह 8:30 बजे सेना के बैंड और पारंपरिक वाद्य यंत्रों की धुन के साथ केदारनाथ के कपाट बंद किए गए। वहीं, यमुनोत्री धाम के गेट भी आज दोपहर 12:04 बजे बंद कर दिए गए। बद्रीनाथ में 17 नवंबर तक दर्शन किए जा सकेंगे।

बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के मीडिया इंचार्ज हरीश गौर ने कहा कि केदारनाथ के गेट बंद होने की सेरेमनी 18,000 लोगों ने देखी। वहीं, समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने कहा कि 10 मई को केदारनाथ के गेट खुले थे।

'हमें वक्फ संशोधन विधेयक को नाकामयाब करना है'

टीडीपी नेता बाबू के बयान से बढ़ सकती है राजनीतिक टेंशन

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार वक्फ संशोधन बिल लाने की योजना बना रही है। इस बीच भाजपा की सहयोगी टीडीपी ने बड़ा बयान दिया है। टीडीपी के उपाध्यक्ष नवाब जान उर्फ अमीर बाबू ने कहा कि हमें इस बिल को नाकामयाब करने के लिए आगे बढ़ना है। वह दिल्ली में आयोजित भारतीय संविधान सुरक्षा सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत की बदकिस्मती है कि पिछले 10-12 साल में यहां वह हुआ जो नहीं होना चाहिए था।

क्या होगी चंद्रबाबू नायुडू की प्रतिक्रिया

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायुडू की तारीफ करते हुए अमीर बाबू ने कहा कि वह

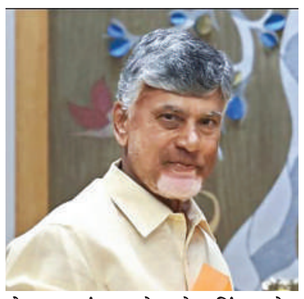

सेकुलर इंसान है और हिंदू और मुसलमान को एक ही नजर से देखते हैं। बता दें कि टीडीपी केंद्र सरकार की अहम सहयोगी है। अब टीडीपी उपाध्यक्ष के बयान पर चंद्रबाबू नायुडू की क्या प्रतिक्रिया होती है, वह देखने लायक होगी। 15 दिसंबर को आंध्र प्रदेश में जमीयत के होने वाले जलसे में चंद्रबाबू नायुडू भी शामिल हो सकते हैं।

अभी देश भर में तिरुपति तिरुमला देवस्थानम बोर्ड का मामला सुर्खियों में छाया हुआ है। हाल ही में चंद्रबाबू नायुडू ने कहा है कि जिस धर्म का जो भी बोर्ड है, उसमें उसी धर्म के लोग होने चाहिए।

बता दें कि ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने भी वक्फ संशोधन बिल को लेकर कहा कि यह बहुत ही खतरनाक है और कानून में तब्दीली की कोशिश हो रही है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने कहा कि इस बिल के आने से मस्जिद, कब्रिस्तान और मदरसे खतरे में पड़ जाएंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने बोत्सवाना का राष्ट्रपति निर्वाचित होने पर ड्यूमा बोको को बधाई दी

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बोत्सवाना का राष्ट्रपति निर्वाचित होने पर ड्यूमा बोको को रविवार को बधाई दी। पीएम मोदी ने उनके सफल कार्यकाल की कामना की। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए बोको के साथ पास से काम करने के इच्छुक हैं। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, बोत्सवाना के राष्ट्रपति के रूप में आपके निर्वाचन पर बधाइयां। आपके सफल कार्यकाल के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं।

बोत्सवाना का छठा राष्ट्रपति घोषित किया गया :

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वह दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए बोको के साथ निकटता से काम करने को उत्सुक हैं। 'अम्ब्रेला फॉर डेमोक्रेटिक चेंज' (यूडीसी) के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार ड्यूमा बोको को बोत्सवाना का छठा राष्ट्रपति घोषित किया गया है।

चुनाव में यूडीसी ने जीत हासिल की थी :

दक्षिणी अफ्रीकी देश के चुनाव में यूडीसी ने जीत हासिल की थी। इससे पहले निवर्तमान राष्ट्रपति मोकग्वेत्सी मासीसी ने हार स्वीकार कर ली थी और इसके साथ ही 1966 में ब्रिटेन से आजादी मिलने के बाद से सत्ता पर काबिज उनकी पार्टी का 58 साल पुराना शासन समाप्त हो गया।

जम्मू-कश्मीर में लाल चौक पर ग्रेनेड से हमला, एक की मौत, 12 घायल

श्रीनगर, 3 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में आतंकी हमला हुआ है। श्रीनगर में रविवार को आतंकवादियों ने ग्रेनेड से हमला किया। यह हमला टूरिस्ट रिसेप्शन सेंटर (टीआरसी) और वीकली मार्केट में हुआ। इस घटना में एक की मौत, 12 लोग घायल हो गए हैं। यह हमला शहर के बीचों-बीच एक भीड़-भाड़ वाले बाजार में हुआ। यह बाजार कड़ी सुरक्षा वाले टीआरसी के पास है। अधिकारियों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। लाल चौक श्रीनगर का काफी लाल चौक वाला इलाका काफी भीड़भाड़ वाला इलाका है। पुलिस जांच में जुट गई है कि यह किस तरह का ब्लास्ट था। जम्मू कश्मीर पुलिस के आईजी ने कहा है कि यह एक मिस्टीरियस ब्लास्ट था। पुलिस घटनास्थल पर पहुंच चुकी है और मामले की जांच कर रही है।

सीएम अब्दुल्ला ने दी प्रतिक्रिया :

यह घटना लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के एक शीर्ष पाकिस्तानी कमांडर के मारे जाने के एक दिन बाद हुई है। सुरक्षा बलों ने उसे श्रीनगर के खानयार इलाके में मार गिराया था। धमाके से इलाके में दहशत फैल गई और

लोग इधर-उधर भागने लगे। लाल चौक पर ग्रेनेड फेंके जाने पर जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने प्रतिक्रिया दी है। उमर अब्दुल्ला ने एक्स पर लिखा है कि श्रीनगर के 'रविवार बाजार' में निर्दोष दुकानदारों पर ग्रेनेड हमले की आज की खबर बेहद परेशान करने वाली है। निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाने का कोई औचित्य नहीं हो सकता। सुरक्षा तंत्र को जल्द से जल्द हमलों की इस प्रवृत्ति को रोकने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए ताकि लोग बिना किसी डर के अपना जीवन जी सकें।

"आदिवासियों की जमीन पर घुसपैठियों के खिलाफ लाएंगे सख्त कानून"

रांची, 3 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले में धालभूमगढ़ स्थित घाटशिला में एक रैली को संबोधित किया। इस दौरान शाह ने राज्य की हेमंत सोरेन की सरकार पर जमकर निशाना साधा और आदिवासियों की जमीन घुसपैठियों को देने का आरोप लगाते हुए इसे रोकने के लिए सख्त कानून लाने तक का वादा किया।

क्या बोले अमित शाह :

शाह ने कहा कि वोट बैंक की राजनीति के लिए झामुमो के नेतृत्व वाली सरकार अवैध घुसपैठ को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, बांग्लादेशी घुसपैठ के कारण झारखंड में, खासकर संथाल परगना और कोल्हान क्षेत्रों में आदिवासी आबादी में भारी गिरावट आ रही है। झामुमो-कांग्रेस-राजद गठबंधन राजनीतिक फायदे के लिए इसे बढ़ावा दे रहा है।

शाह ने कहा, हमारी 'माटी, बेटी, रोटी' पर हमला हो रहा है। भाजपा इसे जारी नहीं रहने देगी। हम आदिवासियों की जमीन को घुसपैठियों को हस्तांतरित होने से रोकने के लिए सख्त कानून लाएंगे। हम उनके द्वारा हड़पी गई जमीन भी वापस ले लेंगे और उन्हें बाहर निकाल देंगे। केंद्रीय गृह मंत्री ने रैली के दौरान कहा कि झारखंड में चुनाव व्यवस्था में बदलाव लाने और झामुमो को गरीब आदिवासियों के लिए निर्धारित धन को हड़पने से रोकने के लिए लड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए झारखंड में एक विधेयक भी लाया जाएगा।

झामुमो को बताया भ्रष्ट पार्टी :

उन्होंने कहा, झारखंड में आगामी विधानसभा चुनाव व्यवस्था में बदलाव लाने के लिए लड़ा जाएगा ताकि भ्रष्ट झामुमो को गरीब आदिवासियों के लिए निर्धारित धन हड़पने से रोका जा सके। शाह ने वादा किया कि भाजपा अगले पांच वर्षों में झारखंड से पलायन रोक देगी। उन्होंने कहा कि केवल भाजपा ही राज्य का विकास सुनिश्चित कर सकती है।

ओबीसी आरक्षण पर भी किया वादा :

इतना ही नहीं शाह ने कहा कि भाजपा झारखंड में अन्य जातियों को प्रभावित किए बिना ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करेगी। उन्होंने झामुमो पर नक्सलियों के समर्थन का आरोप लगाते हुए कहा कि झामुमो ने नक्सलवाद का समर्थन किया, केंद्र की भाजपा सरकार ने इसे समाप्त कर दिया।

उन्होंने कहा कि राज्य में अगर भाजपा सत्ता में आती है तो न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 51 वनोपजों की खरीद करेगी।

सीएम नीतीश कुमार ने छुए बीजेपी के पूर्व सांसद के पैर

पटना, 3 नवंबर (एजेंसियां)। रविवार को चित्रगुप्त पूजा के मौके पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना के नौजर घाट स्थित श्री आदि चित्रगुप्त मंदिर में पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री ने भगवान चित्रगुप्त से बिहार में शांति और खुशहाली की दुआ मांगी। इस दौरान उनके साथ कई वरिष्ठ नेता और अधिकारी भी मौजूद थे। मंदिर में भाजपा नेता और पूर्व राज्यसभा सांसद आरके सिन्हा ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। आरके सिन्हा मंदिर प्रबंधक समिति के अध्यक्ष भी हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री को मंदिर के इतिहास के बारे में बताया और उनके कार्यों की प्रशंसा की। इसके बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आरके सिन्हा के पैर ही छू लिए। इस दौरान आरके सिन्हा भी थोड़े भौंचक्के नजर आए।

आरके सिन्हा ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का धन्यवाद करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की ओर से विशेष रूप से मंदिर पर ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री के दिशानिर्देश पर ही इस मंदिर में व्यवस्था ठीक की जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के सुझाए गए चार नामों पर अब तक फैसला नहीं

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाले सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने हाईकोर्ट के न्यायाधीशों के रूप में नियुक्ति के लिए कुछ नाम सुझाए थे। हालांकि इन नामों पर अबतक कोई फैसला नहीं हो पाया है क्योंकि चंद्रचूड़ 10 नवंबर को भारत के मुख्य न्यायाधीश के पद से सेवानिवृत्त हो रहे हैं।

इन लोगों के नाम की सिफारिश की थी

कॉलेजियम ने जनवरी 2023 में अधिवक्ता सौरभ कृपाल को दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीश, आर जॉन सत्यन को मद्रास हाईकोर्ट के न्यायाधीश और अमितेश बनर्जी तथा शाक्य सेन को कलकत्ता हाईकोर्ट के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत करने का सुझाव दिया था। इसके अलावा, शीर्ष अदालत के कॉलेजियम ने बॉम्बे हाईकोर्ट के न्यायाधीश के रूप में अधिवक्ता सोमशेखर सुंदरसन का नाम भी दिया था। हालांकि, सुंदरसन को उसी साल नवंबर में पदोन्नत कर दिया गया था।

सरकार के पास फाइलें लंबित

हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की नियुक्ति की प्रक्रिया से अवगत लोगों ने कहा कि कृपाल, सत्यन, बनर्जी और सेन से संबंधित फाइलें अभी भी सरकार के पास लंबित हैं। पिछले साल जनवरी में, सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम ने दूसरी बार कलकत्ता हाईकोर्ट के न्यायाधीशों के रूप में नियुक्ति के लिए बनर्जी और सेन के नामों को दोहराया था, जिसमें कहा गया था कि सरकार के लिए बार-बार एक ही प्रस्ताव वापस भेजना संभव नहीं है।

कौन हैं बनर्जी और सेन

अधिवक्ता बनर्जी सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति यू सी बनर्जी के बेटे हैं, जिन्होंने 2006 में एक आयोग का नेतृत्व किया था जिसने गोधरा में 2002 के साबरमती एक्सप्रेस आग त्रासदी में साजिश के पहलू को खारिज कर दिया था, जिसमें 58 'कारसेवक' मारे गए थे। वहीं, वकील सेन न्यायमूर्ति श्यामल सेन के बेटे हैं, जिन्हें फरवरी 1986 में कलकत्ता हाईकोर्ट के स्थायी न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया था और बाद में वे इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बने।

लद्दाख में भारत का पहला एनालॉग अंतरिक्ष मिशन शुरू

मंगल और चंद्रमा जैसे वातावरण में होगा परीक्षण

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। भारत का पहला एनालॉग अंतरिक्ष मिशन लद्दाख के लेह से शुरू हो गया है। इसरो (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन) ने इस मिशन के तहत अंतरग्रहीय आवास में जीवन का अनुभव करना शुरू किया है, ताकि भविष्य में चंद्रमा पर मानव भेजने की योजना को सफलतापूर्वक अंजाम दिया जा सके। एनालॉग मिशन का मकसद पृथ्वी पर चंद्रमा और मंगल जैसे वातावरण में जीवन की चुनौतियों का सामना करना और उससे निपटने का अभ्यास करना है। एनालॉग स्पेस मिशन ऐसे परीक्षण हैं जो पृथ्वी पर उन स्थानों पर किए जाते हैं, जिनकी स्थिति चरम अंतरिक्ष वातावरण से भौतिक रूप से काफी मिलती-जुलती है। ये परीक्षण अंतरिक्ष उड़ान अनुसंधान में आने वाली दिक्कतों को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

लद्दाख को इस मिशन के लिए खासतौर पर इसलिए चुना गया है क्योंकि इसकी भौगोलिक स्थिति (ठंडी, शुष्क जलवायु, बंजर भूमि और ऊंचाई) मंगल और चंद्रमा की स्थितियों से काफी मेल खाती है। इस वातावरण में अंतरिक्ष यान और अंतरिक्ष यात्रियों के रहने की तकनीकों को टेस्ट किया जा सकता है, जिससे भविष्य के ग्रहों की खोज के लिए वैज्ञानिकों और अंतरिक्ष यात्रियों को प्रशिक्षित करने का आदर्श स्थल मिलता है।

इसरो ने इस मिशन को कई संगठनों के सहयोग से शुरू किया है, जिसमें मानव अंतरिक्ष उड़ान केंद्र, एएकेए स्पेस स्टूडियो, लद्दाख विश्वविद्यालय, आईआईटी बॉम्बे, और लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद शामिल हैं। अक्टूबर के मध्य में शुरू किया गया यह मिशन एक महीने तक चलेगा। इस दौरान मिशन में एक कॉम्पैक्ट, फुलाए जाने योग्य आवास हब-1 का परीक्षण किया जाएगा, जिसमें हाइड्रोपोनिक्स फार्म, रसोई और अन्य आवश्यक सुविधाएं हैं। इसरो ने इसे एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किया।

लद्दाख की ऊंचाई पर ऑक्सीजन का स्तर समुद्र तल के मुकाबले काफी कम है :

लद्दाख की ऊंचाई पर ऑक्सीजन का स्तर समुद्र तल के मुकाबले काफी कम है। यहां का ऑक्सीजन स्तर समुद्र तल का सिर्फ 40 प्रतिशत है, जो मंगल जैसी स्थितियों का अनुकरण करने में मदद करता है। इस माहौल में एएकेए स्पेस स्टूडियो की टीम जीवन समर्थन प्रणालियों और पर्यावरणीय सूट का परीक्षण कर रही है, जो भविष्य में अंतरग्रहीय मिशनों के लिए अहम होगा।

वायनाड में राहुल गांधी बोले- ये संविधान बचाने की लड़ाई

प्रियंका ने कहा- इस सरकार को बस सत्ता चाहिए

वायनाड, 3 नवंबर (एजेंसियां)। राहुल गांधी भी वायनाड लोकसभा सीट के उपचुनाव में अपनी बहन प्रियंका गांधी के लिए प्रचार रण में उतर गए हैं। रविवार को राहुल गांधी ने वायनाड में प्रियंका गांधी के लिए चुनाव प्रचार किया और एक रैली को संबोधित किया। इस दौरान राहुल गांधी ने कहा कि प्रियंका गांधी आपकी सबसे अच्छी सांसद होंगी।

राहुल गांधी बोले- प्रियंका सबसे अच्छी सांसद साबित होंगी

राहुल गांधी ने रविवार को वायनाड में आयोजित रैली के दौरान कहा कि 'मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे प्रियंका गांधी जैसी बहन मिली, अब ये आप लोगों की भी खुशकिस्मती होगी कि वे आपकी भी बहन, मां और बेटी जैसी होंगी। मुझे विश्वास है कि वे आपके लिए सबसे अच्छी सांसद साबित होंगी।' राहुल गांधी ने अपने संबोधन में जोर देकर कहा कि आज देश में पहला संघर्ष संविधान की रक्षा और उसके संरक्षण के लिए है। उन्होंने कहा कि देश का संविधान नफरत से नहीं, बल्कि विनम्रता और प्रेम से लिखा गया है।

राहुल गांधी ने कहा- ये संविधान को बचाने की लड़ाई

मनंतावडी में एक नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए कहा, 'आज देश में मुख्य लड़ाई हमारे देश के संविधान की लड़ाई है। हमें जो सुरक्षा मिलती है, हमारे देश की महानता, सब संविधान से ही आई है।' उन्होंने कहा, 'संविधान गुस्से या नफरत से नहीं लिखा गया था। इसे उन लोगों ने लिखा था जिन्होंने अंग्रेजों से लड़ाई लड़ी, जिन लोगों ने कष्ट झेले, जिन्होंने कई साल जेल में बिताए। और उन्होंने संविधान को विनम्रता, प्रेम और स्नेह के साथ लिखा।' लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि यह प्रेम और घृणा के बीच की लड़ाई है। उन्होंने कहा, 'यह आत्मविश्वास और असुरक्षा के बीच की लड़ाई है। और अगर आप वास्तव में इस लड़ाई को जीतना चाहते हैं, तो आपको अपने दिल से क्रोध, घृणा को हटाकर और उसकी जगह प्रेम, विनम्रता और करुणा को लाना होगा।' राहुल गांधी ने अपनी बहन के गुणों के बारे में बात करते हुए अपने बचपन की पुरानी यादें साझा कीं। राहुल गांधी ने याद करते हुए कहा, 'यह वही व्यक्ति हैं, जिन्होंने मेरे पिता (राजीव गांधी) की हत्या में शामिल लड़की को गले लगाया था। नलिनी से मिलने के बाद जब वह वापस आईं, तो भावुक हो गईं और फिर उन्होंने मुझसे कहा कि मुझे उनके लिए बुरा लग रहा है।'

प्रियंका गांधी ने मोदी सरकार पर हमला बोला

रैली के दौरान प्रियंका गांधी ने भी जनता को संबोधित किया। अपने संबोधन में प्रियंका गांधी ने केंद्र की मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि 'मोदी सरकार सिर्फ बड़े उद्योगपतियों के लिए काम कर रही है। उनका उद्देश्य उन्हें अच्छी जिंदगी देना है न कि नई नौकरियां देना। वे लोगों को अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं और शिक्षा भी नहीं दे रहे हैं। वे बस किसी भी तरीके से सत्ता में रहना चाहते हैं, और वो तरीके क्या हैं? वे आपको बांटना चाहते हैं, गुस्सा भड़काना चाहते हैं और नफरत फैलाना चाहते हैं।' प्रियंका गांधी ने वायनाड के लोगों से अपील करते हुए कहा कि 'इस धरती पर आप सभी लोग मिलकर रहते हैं, फिर चाहे आपका धर्म कुछ भी हो। आपका एक समृद्ध इतिहास रहा है, जिसमें कई निर्भीक नेता हुए हैं, जैसे पझासी राजा, थालक्कल चांथु और एदाचेना कुनकन आदि। आप हमेशा सही के लिए लड़े हैं, आपने हमेशा शोषण के खिलाफ आवाज उठाई है। आप हमेशा समानता के लिए लड़े हैं।' प्रियंका गांधी ने अपने भाई राहुल गांधी का समर्थन करने के लिए भी वायनाड के लोगों का शुक्रिया अदा किया।

राहुल गांधी का समर्थन करने के लिए वायनाड के लोगों को दिया धन्यवाद

प्रियंका गांधी ने कहा कि 'जब मेरे भाई, राहुल गांधी पर चारों तरफ से हमले हो रहे थे और वह मुश्किलों में थे। उनकी छवि खराब करने के लिए अभियान चलाया हुआ था, उस वक्त आप ही लोगों ने ये पहचाना कि यह व्यक्ति सच्चाई के लिए लड़ रहा है और आप उसके साथ खड़े हुए। आपने उन्हें समर्थन दिया और ये लड़ाई लड़ने की हिम्मत दी।' वायनाड सीट कांग्रेस का गढ़ मानी जाती है और राहुल गांधी के ये सीट छोड़ने के चलते यहां उपचुनाव हो रहे हैं। राहुल गांधी 2024 के लोकसभा चुनाव में वायनाड के साथ ही रायबरेली सीट से भी सांसद चुने गए हैं। ऐसे में राहुल गांधी को एक सीट छोड़नी थी तो उन्होंने वायनाड छोड़ने का फैसला किया। अब कांग्रेस पार्टी ने प्रियंका गांधी को इस सीट से चुनाव मैदान में उतारा है।

'सिगरेट से जलाया शरीर, गर्म लोहे से किया प्रताड़ित' चेन्नई में घर के टॉयलेट में मिला नाबालिग नौकरानी का शव

चेन्नई, 3 नवंबर (एजेंसियां)। चेन्नई में 15 वर्षीय घरेलू नौकरानी को कथित तौर पर प्रताड़ित करने और उसकी हत्या करने के मामले में पुलिस ने एक दंपती को गिरफ्तार किया है। इस मामले में चार अन्य लोगों को हिरासत में लिया गया है। जांचकर्ताओं के अनुसार, नाबालिग लड़की को अमिनजिकराई क्षेत्र के मेहता नगर स्थित एक फ्लैट में गर्म लोहे से दागने और सिगरेट से जलाने सहित कई यातनाएं दी गईं, जिसके बाद उसकी मौत हो गई। मोहम्मद निशाद और नासिया नामक आरोपी दंपति ने कथित तौर पर लड़की के शव को अपने शौचालय में छोड़ दिया और निशाद, पत्नी के साथ अपनी बहन के घर भाग गया। पीड़िता की मां तंजावुर जिले की विधवा है। फिलहाल, पुलिस लड़की की मौत के कारण का पता लगाने के लिए किलपौक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल से पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

पंजाब में बड़ा रेल हादसा, हावड़ा मेल के डिब्बे में हुआ धमाका, 4 घायल

फतेहगढ़, 3 नवंबर (एजेंसियां)। पंजाब में बड़ा रेल हादसा हो गया। फतेहगढ़ जिले में सरहिंद रेलवे स्टेशन के पास हावड़ा मेल के एक डिब्बे में धमाका हो गया, जिसमें चार लोग घायल हो गए। अमृतसर से हावड़ा जा रही गाड़ी संख्या- 13006 में एक सामान्य श्रेणी के डिब्बे में धमाका हुआ। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के अधिकारियों ने घटना की जानकारी दी। घटना रात करीब 10:30 बजे की है। ट्रेन के डिब्बे में पटाखों से भरी एक प्लास्टिक की बाल्टी में धमाका हुआ। इस घटना में एक महिला समेत चार यात्री घायल हो गए। जीआरपी के पुलिस उपाधीक्षक जगमोहन सिंह ने बताया कि घायलों को फतेहगढ़ साहिब के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि धमाका ट्रेन के सामान्य श्रेणी के डिब्बे में एक प्लास्टिक की बाल्टी में हुआ, जिसमें कुछ पटाखे रखे थे। उन्होंने कहा कि घटना की जांच जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि ट्रेन की बोगी में धुआं ही धुआं हो गया था, जिससे हड़कंप मच गया। यात्रियों ने छलांग लगानी शुरू कर दी। ट्रेन लुधियाना से चलकर सरहिंद जंक्शन पर रुकने के बाद अंबाला के लिए रवाना हुई थी, इसलिए उसकी स्पीड कम थी। घटना की सूचना मिलने के बाद जीआरपी के पुलिस उपाधीक्षक जगमोहन सिंह अपनी टीम समेत मौके पर पहुंचे और बोगी का मुआयना किया। जांच में सामने आया कि एक यात्री अपने गांव सामान के साथ पटाखे लेकर जा रहा था। बाल्टी में पटाखे रखे थे। बोगी में बिजली के शॉट सर्किट से पटाखों में आग लगी और धमाका हुआ। घटना में एक दंपति समेत चार यात्री घायल हुए। सबकी हालत खतरे से बाहर है।

कश्मीर में बीजेपी विधायक दल की बैठक खत्म, सुनील कुमार शर्मा के नाम पर लगी मुहर

जम्मू, 3 नवंबर (एजेंसियां)। कश्मीर के श्रीनगर में रविवार (3 नवंबर) को बीजेपी विधायक दल की बैठक हुई। बैठक में सुनील कुमार शर्मा को बीजेपी विधायक दल का नेता चुना गया है। सुनील कुमार शर्मा किश्तवाड़ से आते हैं। पिछली बार किश्तवाड़ से और इस बार पांडर नागसैनी सीट से बीजेपी के विधायक हैं।

दिल्ली में 7 नवंबर को बंद रहेंगे सरकारी व प्राइवेट स्कूल

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में 7 नवंबर को सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूल बंद रहेंगे। इसकी घोषणा मुख्यमंत्री आतिशी ने शुक्रवार को की है। यह छुट्टी दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना द्वारा मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर 7 नवंबर को अवकाश घोषित करने के अनुरोध के कुछ घंटों बाद की गई। ऐसे में दिल्ली में सभी सरकारी, निजी स्कूल और कॉलेज 7 नवंबर को बंद रहेंगे। जानकारी दे दें कि छठ बिहार और पूर्वी यूपी में मनाया जाने वाला एक प्रमुख त्योहार है। एक्स पर घोषणा करते हुए आतिशी ने लिखा, मुझे आपको यह बताते हुए खुशी हो रही है कि दिल्ली सरकार ने छठ के त्योहार के लिए 7 नवंबर को छुट्टी घोषित करने का फैसला किया है, ताकि पूर्वांचल के हमारे सभी भाई-बहन इस त्योहार को धूमधाम से मना सकें। साथ ही उन्होंने आदेश को भी शेयर किया। आदेश में कहा गया है, छठ पूजा दिल्ली के लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण त्योहार है। तदनुसार, दिल्ली सरकार ने 7 नवंबर, 2024 को 'छठ पूजा' के अवसर पर सार्वजनिक अवकाश घोषित करने का निर्णय लिया है।

4 दिनों तक चलता है महापर्व

यह त्यौहार सूर्य देव की पूजा के लिए समर्पित है और इसे लोग 4 दिनों तक चलने वाले कठोर दिनचर्या का पालन करके मनाते हैं। इस त्यौहार के अनुष्ठानों और परंपराओं में उपवास करना, उगते और डूबते सूर्य को प्रार्थना करना, पवित्र स्नान करना और पानी में खड़े होकर ध्यान करना शामिल है। जानकारी दे दें कि इस त्योहार के लिए बिहार सरकार ने पहले ही राज्य के स्कूलों को बंद कर दिया है।

फर्नीचर गोदाम में लगी आग, दो कर्मचारियों की दम घुटने से हुई मौत

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। कीर्ति नगर इलाके में रविवार तड़के फर्नीचर गोदाम में आग लगने से दो लोगों की दम घुटने से मौत हो गई। दोनों गोदाम के कर्मचारी थे और ऊपरी मंजिल पर स्थित कमरे में रहते थे। मृतकों की शिनाख्त आजमगढ़, उत्तर प्रदेश निवासी अतुल राय (45) और गया बिहार निवासी नंद किशोर दुबे (65) के रूप में हुई है। अतुल गोदाम में मजदूरी करता था और वहीं सोता था जबकि नंद किशोर रिक्शा चालक का काम करता था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि तड़के 4।30 बजे गोदाम में आग लगने की सूचना मिली। मौके पर दमकल की सात गाड़ियां पहुंच कर आग बुझाने में जुट गई। आग बुझाने के बाद परिसर की गहन जांच की गई। छत पर बना एक कमरा अंदर से बंद था। जब उसे खोला गया तो उसमें दो लोगों का शव मिला। शुरुआती जांच के बाद पुलिस ने आशंका जताई है कि दोनों की दम घुटने से मौत हुई है। क्राइम और फोरेंसिक टीम ने मौके की जांच कर कुछ साक्ष्य हासिल किए हैं। पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है।

क्या उन पर इजराइल हमला करने वाला है फडणवीस की बढ़ी सुरक्षा पर संजय राउत ने उठाए सवाल

मुंबई, 3 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से पहले राज्य के डिप्टी सीएम देवेन्द्र फडणवीस की सुरक्षा को बढ़ाया गया है। इसको लेकर उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना के नेता संजय राउत ने देवेन्द्र फडणवीस पर निशाना साधा। संजय राउत ने कहा, देवेंद्र फडणवीस इस राज्य के गृह मंत्री भी हैं और वो अचानक अपनी सुरक्षा व्यवस्था खुद ही बढ़ा रहे हैं। गृह मंत्री दूसरों को सुरक्षा देता है, लेकिन यह गृह मंत्री जो है वो अपनी सुरक्षा बढ़ा देते हैं। संजय राउत ने कहा, हम ने देखा उन के घर के बाहर फोर्स और कमांडो खड़े हैं। नागपुर में उनके घर के बाहर 200 कमांडों खड़े हैं। वो जहां जा रहे हैं उनको पूरा घेर लिया गया है। संजय राउत ने कहा, तो हमारी चिंता है कि क्या हमारे राज्य के गृह मंत्री की जान को खतरा है?

शिवसेना (उद्धव गुट) के नेता ने कहा, हमें यह समझना चाहिए कि हमारे गृह मंत्री इतने डरे हुए क्यों है, उनके ऊपर कौन हमला करना चाहता है। यह किसकी साजिश है। उन्होंने सवाल पूछते हुए कहा, अचानक ऐसा क्या हुआ है जो हमारे गृह मंत्री फोर्स वन के कमांडो के घेरे में घूम रहे हैं? क्या उनके ऊपर इजराइल हमला करने वाला है। लीबिया हमला करने वाला है। यूक्रेन के लोग आने वाले हैं। उनके साथ युद्ध होने वाला है। संजय राउत ने कहा, रश्मि शुक्ला बीजेपी की डीजी को तो इस बात को बताना चाहिए।

देवेंद्र फडणवीस की बढ़ाई गई सुरक्षा

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पूर्व उपमुख्यमंत्री और बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस की सुरक्षा को बढ़ा दिया गया है। महाराष्ट्र पुलिस की विशेष सुरक्षा इकाई की ओर से उन्हें जेड प्लस कैटेगरी के तहत सुरक्षा उपलब्ध कराई जाती है, लेकिन अब चुनाव से पहले अचानक उनकी सुरक्षा बढ़ा दी गई है और उन की सुरक्षा में फोर्स वन के पूर्व कर्मियों की तैनाती होगी। इस बीच, शुक्रवार को मुंबई पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने देवेंद्र फडणवीस की सुरक्षा बढ़ाने को लेकर जानकारी दी। साथ ही उन्होंने स्वीकार किया कि संभावित खतरे को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने यह निर्णय लिया है। मुंबई पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, उपमुख्यमंत्री फडणवीस की सुरक्षा में तैनात कर्मियों में बदलाव किए गए हैं। जो कर्मी पहले राज्य पुलिस की एक विशिष्ट कमांडो इकाई फोर्स वन में तैनात थे और उनकी ड्यूटी अब स्पेशल प्रोटेक्शन यूनिट (एसपीयू) में है उन्हीं को अब डिप्टी सीएम की सुरक्षा में तैनात किया गया है।

एंबुलेंस नहीं मिली, पत्नी को रिक्शे पर लेकर निकला पति, रास्ते में नवजात का जन्म, 10 मिनट बाद मौत

सीधी, 3 नवंबर (एजेंसियां)। सीधी जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था लगातार पटरी से उतरती जा रही है। स्वास्थ्य व्यवस्था में एंबुलेंस की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है, लेकिन पूरे प्रदेश की एंबुलेंस इन दिनों अपनी कार्यक्षमता को लेकर चर्चा में हैं। लोग एंबुलेंस को फोन तो करते हैं, लेकिन एंबुलेंस मौके पर नहीं पहुंचती, जिससे लोगों की जान पर भी बन आती है। दरअसल, यह पूरा मामला जिला मुख्यालय से महज 2 किलोमीटर की दूरी पर रहने वाली महिला उर्मिला रजक का है। उर्मिला प्रसव पीड़ा से परेशान थी, ऐसे में उसे अस्पताल ले जाने के लिए परिजनों ने एंबुलेंस को कॉल किया, लेकिन वह मौके पर नहीं पहुंची। इसके परेशान पति ने उर्मिला को अपने रिक्शे पर लेटाया और उसे अस्पताल जाने के लिए निकल गया। लेकिन, रास्ते में प्रसव पीड़ा अधिक होने महिला ने ठेले पर ही बच्चे को जन्म दे दिया। लेकिन, 10 मिनट बाद ही नवजात की मौत हो गई। मामले को लेकर सिविल सर्जन दीपा रानी इसरानी ने बताया कि कल रात करीब 8 बजे एक महिला अपने मृत नवजात शिशु को लेकर आई थी।

रिसोड सीट से चुनावी मैदान में भावना गवली, सीएम शिंदे ने जताया भरोसा, अब किला फतेह करने की तैयारी

मुंबई, 3 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में युवा राजनेताओं को बढ़ावा देने का समृद्ध इतिहास रहा है। खासकर शिव सेना ने युवाओं को ज्यादा मौका दिया। पार्टी के कई मौजूदा विधायकों ने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत 30 या 40 के दशक में की थी। बता दें, भावना गवली सबसे युवा सांसदों में से एक हैं, जिन्होंने 26 साल की उम्र से 25 साल तक यवतमाल वाशिम लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया है। भावना गवली यवतमाल वाशिम के एक प्रमुख शिवसेना नेता पुंडलिकराव गवली की बेटी हैं। उनके पिता ने जिले में पार्टी की उपस्थिति स्थापित करने और विस्तार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 1999 में, वह पहली बार लोकसभा के लिए चुनी गईं और वर्षों तक विभिन्न संसदीय समितियों में काम किया। 2004 में भावना गवली ने लगातार दूसरी बार जीत हासिल की और 2009 तक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण समिति में योगदान दिया। 2009 में कांग्रेस की मजबूत लहर के बावजूद, उन्होंने यवतमाल वाशिम से फिर से जीत हासिल की। उस साल, वह परिवहन पर्यटन और संस्कृति समिति में शामिल हो गईं। उनकी लोकप्रियता लगातार बढ़ती गई। 2014 में नरेंद्र मोदी की लहर के बीच भावना गवली फिर से सांसद चुनी गईं।

वे मानव संसाधन विकास और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संबंधी स्थायी समिति में शामिल हुईं। यवतमाल लोकसभा क्षेत्र में उनका प्रभाव मजबूत रहा, जिसके कारण 2019 में उन्हें पांचवीं बार चुनाव में जीत मिली। 2022 में शिवसेना में महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिले जब ज़्यादातर प्रतिनिधियों ने उद्धव ठाकरे से हटकर एकनाथ शिंदे का समर्थन किया। भावना गवली उन 13 सांसदों में शामिल थीं जिन्होंने शिंदे का समर्थन किया। हालांकि, वह 2024 का लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेंगी, लेकिन उन्हें विधान परिषद में नियुक्त किया गया।

नशा तस्करी के खिलाफ शिमला पुलिस का ऑपरेशन क्लीन, 210 मामलों में 462 ड्रग पेडलर गिरफ्तार

शिमला, 3 नवंबर (एजेंसियां)। नशा तस्करों के खिलाफ शिमला पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। एक के बाद एक पुलिस कुख्यात गैंग का भंडाफोड़ कर रही है। हाल ही में शिमला पुलिस ने शाही महात्मा गैंग का भंडाफोड़ किया था। अब पुलिस ने इस कुख्यात गैंग की कमर तोड़कर रख दी है। बीते तीन-चार सालों से इंटर स्टेट नशा तस्करी कर रही शाही महात्मा गैंग के आठ नए ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। शिमला पुलिस इसी गैंग से जुड़े 26 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। शिमला पुलिस नशा तस्करी में शामिल इन आरोपियों को बख्शने के मूड में नहीं है। जानकारी है कि शाही महात्मा गैंग से जुड़े हुए कई अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी भी पुलिस जल्द करने वाली है। शिमला पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार गांधी ने बताया कि यह केस एफआईआर- 50/24 एनडीपीएस एक्ट के तहत पुलिस स्टेशन कोटखाई की जांच के बाद किया गया है। इसमें जम्मू-कश्मीर के रहने वाले शाही महात्मा गिरोह के एक आरोपी से 468 ग्राम हेरोइन बरामद की गई थी, जो ड्रग का सौदागर था।

रोहतास में भारी मात्रा में हेरोइन बरामद, 1.20 करोड़ रुपये है कीमत, कई हथियार जब्त, 10 गिरफ्तार

रोहतास, 3 नवंबर (एजेंसियां)। जिले में पुलिस ने एक संगठित ड्रग तस्कर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 1.20 करोड़ रुपये से अधिक कीमत की हेरोइन बरामद की है। पुलिस ने 10 तस्करों को गिरफ्तार किया है। इस छापेमारी में हथियार और नकद रुपये भी जब्त किए गए हैं। एसपी रौशन कुमार ने शनिवार को बताया कि सासाराम के मुबारकगंज मोहल्ले में पुलिस ने छापेमारी के दौरान मादक पदार्थ की बड़ी खेप को बरामद किया है। हेरोइन का वजन एक क्विंटल आठ किलो बताया जा रहा है, जिसकी बाजार में कीमत एक करोड़ 20 लाख रुपये से भी अधिक है। इतनी बड़ी मात्रा में हेरोइन की बरामदगी से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। गिरफ्तार अभियुक्तों में रोहन कुमार उर्फ रोहन चंद्रवंशी, अल्तमश उर्फ जैदी (21 वर्ष), रोहन चंद्रवंशी (22 वर्ष), धीरज कुमार (25 वर्ष), विकास कुमार (30 वर्ष), अनुराग राज (21 वर्ष), रंजीत कुमार (20 वर्ष), अंतीक कुमार (19 वर्ष), कुंदन कुमार (18 वर्ष), गांधी कुमार (18 वर्ष) और यश कुमार (18 वर्ष) शामिल है।

राशिद अल्वी ने बडगाम आतंकी मुठभेड़ पर उठाए सवाल, आतंकियों को जिंदा पकड़कर होनी चाहिए जांच

जम्मू, 3 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने बडगाम आतंकी मुठभेड़ के मामले में कहा है कि आतंकियों को जिंदा पकड़ने की कोशिश की जानी चाहिए और उनके पृष्ठभूमि के बारे में स्पष्ट सबूत प्रदान किए जाने चाहिए। अल्वी ने कहा यह जानना जरूरी है कि ये लोग कौन हैं। अगर ये लश्कर के लोग हैं तो इसके लिए सबूत होने चाहिए। बस यह कहना कि ये आतंकी थे और लश्कर से ताल्लुक रखते थे, काफी नहीं है। राशिद अल्वी ने आगे कहा कि कश्मीर में आतंकवाद बढ़ रहा है, कश्मीर में आतंकवाद बढ़ रहा है।।। फारूक अब्दुल्ला ने सही कहा है कि आतंकियों को गिरफ्तार करने और ठीक से जांच करने की जरूरत है। इससे पहले, शनिवार को नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने बडगाम आतंकी हमले की जांच की मांग की थी और कहा था कि उन्हें शक है कि क्या यह हमला जम्मू-कश्मीर में सरकार को अस्थिर करने की कोशिश करने वाले लोगों ने किया है। फारूक अब्दुल्ला ने कहा, इस मामले की जांच होनी चाहिए। यह देखना जरूरी है कि सरकार आई है और यह हमला हो रहा है। मुझे शक है कि क्या यह हमला सरकार को अस्थिर करने की कोशिश करने वाले लोगों ने किया है। अगर आतंकी जिंदा पकड़े जाएं तो हमें पता चलेगा कि यह कौन लोग हैं। उन्हें नहीं मारना चाहिए, बल्कि जिंदा पकड़कर पूछताछ करनी चाहिए। हमें यह भी देखना चाहिए कि क्या कोई एजेंसी उमर अब्दुल्ला को अस्थिर करने की कोशिश कर रही है। शुक्रवार को आतंकियों ने बडगाम जिले के मागाम इलाके में माजमा में दो गैर-स्थानीय लोगों पर गोलीबारी की थी। इसके बाद सुरक्षा बलों ने हमलावरों को पकड़ने के लिए पूरे इलाके को घेर लिया था। अधिकारिक सूत्रों ने बताया, आतंकियों ने माजमा में दो गैर-स्थानीय लोगों पर गोलीबारी की। घायलों को तत्काल आसपास के अस्पताल में इलाज के लिए ले जाया गया, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

दिल्ली में कार ड्राइवर ने पुलिस वालों के साथ की बेरहमी, गाड़ी के बोनेट पर 20 मिनट तक घसीटा, वीडियो वायरल

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में लापरवाही से गाड़ी चलाने की एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से शेयर किया जा रहा है। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि कार ने लाल बत्ती पार की और दो ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को टक्कर मार दी। फुटेज में मारुति सुजुकी फ्रॉन्क्स को यू-टर्न लेते हुए देखा जा सकता है, जबकि पुलिस अधिकारी उसे पकड़कर ड्राइवर से रुकने की विनती कर रहे थे। बताया जा रहा है कि कार रुकने से पहले करीब 20 मिनट तक चलती रही। यह घटना दक्षिणी दिल्ली के बेर सराय के पास शाम करीब 7:30 बजे हुई। सहायक उपनिरीक्षक प्रमोद और हेड कांस्टेबल शैलेश चौहान बेर सराय बाजार के पास भीड़भाड़ वाले इलाके में वाहनों की नियमित जांच कर रहे थे। उन्होंने देखा कि एक कार लाल सिग्नल को अनदेखा कर रही थी। जब उन्होंने उसे रुकने का इशारा किया, तो गाड़ी पहले तो धीमी हुई, लेकिन फिर अचानक तेज हो गई, जिससे अधिकारी उसके बोनट पर गिर गए।

बंटोगे तो बर्बाद हो जाओगे संजय सिंह ने कहा- बीजेपी खत्म करेगी संविधान

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी ने कमर कस ली है। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल रजौरी गार्डन से पदयात्रा के दूसरे चरण की शुरुआत कर रहे हैं। वहीं, दूसरी तरफ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान बटोगे तो कटोगे पर पलटवार करते हुए आम आदमी पार्टी से सांसद संजय सिंह ने कहा कि बटोगे तो बर्बाद हो जाओगे। आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल जी ने कई विधानसभाओं के अंदर पदयात्रा शुरू की। पहले चरण की पदयात्रा में जनता का अद्भुत प्यार और आशीर्वाद मिला, हर क्षेत्र के अंदर अद्भुत और काम किया। इसी से बौखला कर बीजेपी ने अरविंद केजरीवाल पर हमले की कोशिश कर इस यात्रा को रोकने की नापाक कोशिश की।

दूसरे चरण की पदयात्रा की शुरुआत आज फिर राजौरी गार्डन से हो रही है। सांसद संजय सिंह ने कहा, पूरे नवंबर और दिसंबर तक ये पदयात्रा का कार्यक्रम चलेगा। इस पदयात्रा का मकसद लोगों को ये बताना है कि कैसे दिल्ली के काम रोके जा रहे हैं और लड़ लड़कर काम करवा रहे हैं। संजय सिंह ने कहा कि ये छठी मैया का घाट तोड़ने पर आ गए हैं। जो हमारा भाई यूपी/ बिहार नहीं जा पाते वो यहां रहकर छठ पर्व मना सके इसके लिए दिल्ली सरकार छठ घाट बनवा रही है। सांसद संजय सिंह ने कहा, बीजेपी से कहना चाहता हूं कि अगर कंपटीशन करना है तो काम का कंपटीशन करो। अरविंद केजरीवाल के पानी बिल ना भरने के बयान पर बीजेपी के पलटवार पर संजय सिंह ने कहा, 2012 तक एक शब्द चलता था टैंकर माफिया। पानी के कारण दिल्ली में हत्याएं भी हुई हैं। उस टैंकर माफिया का राज पिछले 10 सालों में अरविंद केजरीवाल ने खत्म किया। केजरीवाल ने सुनिश्चित किया कि पीने का साफ पानी लोगों तक फ्री पहुंचे। प्रशासनिक समस्याओं से जो बिल बढ़े हुए आ रहे हैं जैसे ही फरवरी में सरकार बनेगी वो माफ किए जाएंगे। जब संजय सिंह से पूछा गया कि पानी बिल माफ के एलान को लेकर चुनाव के बाद क्या स्थिति बदल जाएगी क्या बीजेपी ने फ्री बिजली रोकने का काम नहीं किया ? तो उन्होंने इस पर कहा, लड़-लड़कर काम करवाया केजरीवाल ने, आप रोक कर काम दिखाए और हम लड़कर काम करवाएंगे।

चिराग दिल्ली में छठ घाट बनाने को लेकर विवाद पर उन्होंने कहा, ये आप देख लीजिए जमीन किसकी है? डीडीए कौन है गरीबों के साथ लूट करने की अकल है उनको। पूर्वांचलियों के लिए सबसे बड़ा त्योहार है वो। बीजेपी पूर्वांचलियों के खिलाफ है। वायु प्रदूषण और पंजाब में पराली जलाने पर संजय सिंह ने कहा, आंकड़े सामने हैं। गोपाल राय जी ने भी आंकड़े सामने रखे। कोर्ट से लेकर एनजीटी तक सब जगह ये साबित हो चुका है कि पंजाब में कमी आई है

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
सोमवार, 4 नवंबर, 2024

सुविचार
किसी के सुख का कारण बनो भागीदार नहीं और किसी के दुःख का भागीदार बनो कारण नहीं!

इंदिरा भवन में जाति जनगणना सम्मेलन की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आगामी जाति जनगणना परामर्श सम्मेलन के लिए रविवार को इंदिरा भवन में तैयारी गोलमेज बैठक आयोजित की गई, जो 5 नवंबर को बोवेनपल्ली में गांधी विचारधारा केंद्र में आयोजित होने वाली है।

बैठक की अध्यक्षता तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने की और इसमें एआईसीसी के राष्ट्रीय नेता कोप्पुला राजू, सांसद अनिल यादव और चमाला किरण कुमार रेड्डी, डीसीसी अध्यक्ष रोहिन रेड्डी, कोटा नीलिमा, पवन मल्लाडी, बेल्लाय्या नाइक, कोटवाल, मेट्टू साई, चरण कौशिक, मालरेड्डी राम रेड्डी के साथ-साथ विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि, बुद्धिजीवी और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। संसद में विपक्ष के नेता राहुल गांधी उस दिन जाति जनगणना परामर्श सम्मेलन में भाग लेंगे। एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को भी बैठक के लिए आमंत्रित किया गया है और वह निमंत्रण स्वीकार कर सकते हैं।

सांसद चामला ने बीआरएस नेताओं को चुनाव घोषणापत्र लागू करने पर बहस करने की चुनौती दी

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सांसद चामला किरण कुमार रेड्डी ने तेलंगाना में कांग्रेस और बीआरएस चुनाव घोषणापत्र के कार्यान्वयन पर बीआरएस नेताओं को खुली बहस करने की चुनौती दी। रविवार को गांधी भवन में मीडिया से बात करते हुए, कांग्रेस सांसद ने पिछले बीआरएस सरकार और पिछले दस वर्षों के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के शासन की कड़ी आलोचना की। हम 10 महीनों में कांग्रेस सरकार द्वारा किए गए विकास और 10 वर्षों में बीआरएस सरकार द्वारा किए गए विकास पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं। आइए निष्पक्ष तुलना के लिए आपके दस वर्षों और हमारे घोषणापत्र का प्रत्येक घोषणापत्र लाएं। केवल दस महीनों में, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने एक भी दिन की छुट्टी नहीं ली है, फिर भी केसीआर का ट्रैक रिकॉर्ड दिखाता है कि उन्होंने दस वर्षों में सचिवालय में मुश्किल से दस दिन बिताए हैं। भोनगीर लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले चामला किरण कुमार रेड्डी ने भी बीआरएस नेता हरीश राव पर कांग्रेस सरकार के खिलाफ लगातार निराधार आरोप लगाने के लिए निशाना साधा, बजाय इसके कि वे सरकार को रचनात्मक सुझाव दें। बीआरएस सरकार के तहत, ऋण राहत पर केवल ब्याज भुगतान किया गया है, इसके विपरीत, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने चुनौतियों के बावजूद ऋण राहत का डटकर सामना किया है। आप हमें बताएं, क्या हमने बेहतर शासन प्रदान नहीं किया है। कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि बीआरएस नेतृत्व के लिए करीबी पारिवारिक सदस्यों के बीच प्रतिद्वंद्विता स्पष्ट है और बीआरएस पार्टी तेलंगाना के कल्याण के लिए स्थापित नहीं की गई थी, यह सब संग्रह और कमीशन के बारे में है। किरण कुमार रेड्डी ने दोहराया है कि रेवंत रेड्डी अगले दस वर्षों तक तेलंगाना के मुख्यमंत्री बने रहेंगे।

राज्य सरकार बीसी जाति जनगणना कराने के लिए प्रतिबद्ध : सीएम

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को राज्य में बीसी जाति जनगणना कराने के लिए एक समर्पित आयोग गठित करने का आदेश दिया। राज्य सरकार ने तेलंगाना राज्य उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार एक विशेष आयोग गठित करने का निर्णय लिया।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कल (सोमवार) तक समर्पित आयोग गठित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि राज्य सरकार बीसी जाति

जनगणना कराने के लिए प्रतिबद्ध है। सीएम रेवंत रेड्डी ने कहा कि सरकार जाति जनगणना पर कोई समझौता नहीं करेगी। उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार, अधिकारियों को सोमवार तक एक विशेष आयोग गठित करने के लिए कहा गया है।

दबाव में एक और महिला ने घोटालेबाज के खाते में 37.9 लाख रुपये जमा किए

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। 74 वर्षीय सेवानिवृत्त महिला को व्हाट्सएप के जरिए घोटालेबाजों ने निशाना बनाया। उन्हें अंधेरी पुलिस स्टेशन से एक कॉल आया, जिसमें कहा गया कि उनके नाम पर एक एफआईआर दर्ज की गई है। घोटालेबाजों ने आरोप लगाया कि उनके मोबाइल नंबर से परेशान करने वाले संदेश और विज्ञापन भेजे जा रहे हैं, और ट्राई उनके आधार नंबर से जुड़े सभी मोबाइल नंबरों को 24 घंटे के भीतर निष्क्रिय कर देगा। घोटालों ने सीबीआई और आरबीआई से फर्जी पत्र भेजे, जिसमें दावा किया गया कि उनका बैंक खाता नरेश गोयल के अंतर्राष्ट्रीय मनी लॉन्ड्रिंग मामले से संबंधित अवैध लेनदेन में शामिल था। उन्होंने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय जेट एयरवेज के संस्थापक और अध्यक्ष नरेश गोयल की विदेशी मुद्रा उल्लंघन के लिए जांच कर रहा है। घोटालेबाजों ने पीड़िता से उसके बैंक खाते का विवरण मांगा, और ऐसा न करने पर उसके खाते फ्रीज करने और उसे गिरफ्तार करने की धमकी दी। उन्होंने उसे भारतीय रिजर्व बैंक में अपना पैसा जमा करने का निर्देश दिया, ब्याज सहित वापसी का वादा किया। घोटालेबाजों ने एक गुप्त एजेंसी होने का दावा किया और पीड़िता को बातचीत का खुलासा न करने का आदेश दिया।

दबाव में, पीड़िता ने अपनी सावधि जमा (पेंशन लाभ) वापस ले ली और आरटीजीएस के माध्यम से घोटालेबाज के खाते में 37,90,000 रुपये जमा कर दिए। इसके बाद पीड़िता ने मदद के लिए शिकायत की। पुलिस ने लोगों से आग्रह किया है कि अगर उन्हें सीबीआई, आरबीआई, ईडी, कस्टम, जज, साइबर क्राइम पुलिस, नारकोटिक्स, फेडेक्स, बीएसएनएल, ट्राई आदि होने का दावा करते हुए कोई धमकी भरा वीडियो कॉल आए तो घबराएं नहीं।

इस सिस्टम में कोई डिजिटल गिरफ्तारी नहीं है। अगर कोई कॉल संदेह पैदा करती है, तो व्यक्तियों को तुरंत कॉल समाप्त कर देना चाहिए, बिना आगे की बातचीत किए और किसी भी डर के नजदीकी पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट करनी चाहिए। कोई भी सरकारी एजेंसी या कानून प्रवर्तन अधिकारी इस तरह की स्काइप कॉल नहीं करेगा और मामले को सुलझाने के लिए पैसे की मांग नहीं करेगा। घोटालेबाज भावनाओं और निर्णय लेने में हेरफेर करने के लिए मनोवैज्ञानिक रणनीति अपना सकते हैं। अज्ञात व्यक्तियों के झूठे वादों पर विश्वास करके अज्ञात बैंक खातों में पैसा जमा न करें।

साइबर क्राइम धोखाधड़ी का शिकार होने पर तुरंत 1930 पर कॉल करें या cybercrime.gov.in पर मामला दर्ज कराएं। साइबर क्राइम धोखाधड़ी की किसी भी आपात स्थिति में 100/112 पर कॉल करें।

दिवाली पर वीसी सज्जनार की पोस्ट वायरल

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दिवाली का त्यौहार युवा, वयस्क और बच्चे पटाखे फोड़ते हैं और परिवार के सभी सदस्य एक साथ मौज-मस्ती करते हैं। लेकिन, हैदराबाद शहर के कुछ युवा रात में सड़कों पर आ गए, आतिशबाजी की और बाइक पर स्टंट किए। इसलिए, टीजीएसआरटीसी के एमडी वीसी सज्जनार ने अपने ट्विटर अकाउंट पर संबंधित वीडियो शेयर किए, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो गए हैं। सज्जनार ने कहा, ये किस तरह की पागलपन भरी हरकतें हैं? समाज कहां जा रहा है? दिवाली खुशी, उत्साह और आध्यात्मिकता का दिन है। उन्होंने पूछा कि त्यौहार पर इस तरह का मूर्खतापूर्ण व्यवहार करना कितना उचित है? सज्जनार की पोस्ट पर कई नेटिज़न्स ने प्रतिक्रिया दी। जबकि कुछ लोगों ने उल्लेख किया कि इस तरह की पागलपन भरी हरकतें युवाओं के लिए एक दिनचर्या बन गई हैं, कुछ ने कहा कि आम लोग ऐसे बदमाशों की हरकतों के कारण अत्यधिक परेशानी झेल रहे हैं। कई नेटिज़न्स ने पुलिस से रात में लापरवाही से बाइक चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की अपील की है।

स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेस हारेगी : अरविंद

निजामाबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। निजामाबाद के सांसद और भाजपा नेता धर्मपुरी अरविंद ने आज एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और तेलंगाना में सत्तारूढ़ कांग्रेस और विपक्षी बीआरएस पार्टी के नेताओं पर जमकर निशाना साधा। यहां राज्य भाजपा कार्यालय में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए सांसद अरविंद ने भविष्यवाणी की कि सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी स्थानीय निकाय चुनाव हार जाएगी। उन्होंने कहा, लोग इस चुनाव में कांग्रेस पार्टी को करारा जवाब देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार स्थानीय निकाय चुनाव तुरंत कराए। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने भगवान की कसम खाई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि अब उन्होंने 2 लाख रुपये के फसल ऋण की माफी का वादा पूरा न करके किसानों को डुबो दिया है। उन्होंने सीएम से पूछा कि धान पर 500 रुपये बोनस देने के उनके वादे का क्या हुआ? उन्होंने रेवंत सरकार की छह गारंटियों को लागू न करने के लिए आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि इस सरकार का दुर्भाग्य है कि किसानों द्वारा उत्पादित फसलों के लिए खरीद केंद्र भी नहीं खोले जा सके हैं। कांग्रेस शासन पूरी तरह से पटरी से उतर चुका है। बोधन विधायक सुदर्शन रेड्डी पर निशाना साधते हुए अरविंद ने कहा कि विधायक की कार्यशैली ठीक नहीं है। उन्होंने मांग की कि रेवंत सरकार 6 नवंबर से होने वाली जाति जनगणना को पूरी तरह से पुख्ता तरीके से कराए। उन्होंने दावा किया कि चुनाव के दौरान किए गए सभी वादे भाजपा शासित राज्यों में लागू किए जा रहे हैं। उन्होंने एआईएमआईएम को देश का कैंसर बताया। उन्होंने यह भी कहा कि वक्फ बोर्ड अधिनियम सबसे कठोर कानून है।

सरकार ने मानदंडों का किया उल्लंघन : केटीआर

बिना मंजूरी के निविदाएं आमंत्रित करने पर कांग्रेस पर साधा निशाना

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने रविवार को कांग्रेस सरकार पर सीताराम लिफ्ट सिंचाई योजना की वितरण नहरों के निर्माण के लिए आवश्यक मंजूरी के बिना 1,074 करोड़ रुपये की निविदाएं आमंत्रित करने के लिए हमला बोला। उन्होंने कहा कि सरकार ने मानदंडों का उल्लंघन किया है और पूछा कि क्या वह नियामक मानदंडों की अवहेलना के लिए जांच आयोग का सामना करने के लिए तैयार है।

एक्स पर एक पोस्ट में, रामा राव ने बताया कि कांग्रेस ने कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना के खिलाफ भ्रष्टाचार के झूठे आरोप लगाए और आरोपों की जांच के लिए एक आयोग का गठन किया। उन्होंने पूछा कि जिन लोगों ने कालेश्वरम को भ्रष्ट कहा था, वे अब इसे लाखों एकड़ की जीवन रेखा के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। अब आपके भ्रष्ट आचरण के लिए आपके खिलाफ क्या कार्रवाई की जानी चाहिए?

देवदुला परियोजना की पाइपलाइन फटी

वारंगल, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हनमकोंडा जिले के सायम्पेटा मंडल के पेद्दाकोडेपाका उपनगर में रविवार को देवदुला परियोजना की गेट दीवार से रिसाव हो गया, जिससे लगभग एक घंटे तक पानी निकलता रहा। रिपोर्ट के अनुसार, देवदुला परियोजना के दूसरे चरण के तहत, जोगमपल्ली के उपनगर में चालिवगु परियोजना से धर्मसागर तक पानी ले जाने के लिए पाइपलाइन का निर्माण किया जा रहा था। रविवार को चालिवगु परियोजना के देवदुला सबस्टेशन में बिजली की समस्या आ गई और मोटरों से पानी के उच्च दबाव के कारण गेट की दीवार से रिसाव होने लगा। नतीजतन, पानी बहुत तेज़ी से बाहर निकला और आस-पास के खेतों को नुकसान पहुंचा। पानी की पाइप लाइन से फव्वारा निकलता देख हैरान रह गए ग्रामीणों ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को सूचना दी। सूचना मिलते ही अधिकारी मौके पर पहुंचे और तुरंत मोटरों को बंद कर मरम्मत का काम शुरू किया।

513 शराबी वाहन चालक गिरफ्तार

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद ट्रैफ़िक पुलिस ने सप्ताहांत में 1 नवंबर से 3 नवंबर तक शराब पीकर वाहन चलाने के खिलाफ एक केंद्रित अभियान चलाया, जिसके परिणामस्वरूप 513 अपराधियों को पकड़ा गया। पकड़े गए लोगों में 425 दोपहिया वाहन चालक, 24 तिपहिया वाहन चालक, 60 चार पहिया वाहन चालक और 4 भारी वाहन चालक थे। पकड़े गए सभी व्यक्तियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा। शराब के नशे में वाहन चलाते हुए पकड़े जाने वाले और दुर्घटना का कारण बनने वाले किसी भी व्यक्ति को भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 (गैर इरादतन हत्या) के तहत गिरफ्तार किया जाएगा और उस पर आरोप लगाया जाएगा, जिसके तहत जुर्माने के साथ अधिकतम 10 साल तक की जेल की सजा हो सकती है।

एक और पीड़ित ने 1,04,742 रुपये गंवाए

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के एक 46 वर्षीय पुरुष निजी कर्मचारी को एक फ़ोन कॉल आया जिसमें बताया गया कि उनके क्रेडिट कार्ड की वार्षिक सदस्यता गलती से सक्रिय हो गई है। इसे निष्क्रिय करने के लिए, स्कैमर ने एक लिंक साझा किया। पीड़ित ने अपने व्हाट्सएप पर स्कैमर द्वारा भेजे गए लिंक को खोला। उसके बाद, उसे अपने क्रेडिट कार्ड पर किए गए धोखाधड़ी वाले लेन-देन के बारे में ओटीपी और संदेश मिलने लगे। पीड़ित को कुल 1,04,742 रुपये का नुकसान हुआ। पीड़ित ने मदद के लिए शिकायत दर्ज कराई। साइबर क्राइम पुलिस ने लोगों को सलाह दी है कि वे ईमेल और संदेशों में एम्बेडेड लिंक का जवाब न दें, कॉल आपको लंबित केवाईसी दस्तावेज़ों को अपडेट या सत्यापित करने के लिए कहते हैं। कभी भी यूजर आईडी/पासवर्ड/डेबिट कार्ड नंबर/पिन/सीवीवी/ओटीपी आदि साझा न करें। तुरंत अपने क्रेडेंशियल बदलें। बैंक अधिकारी, वित्तीय संस्थान, आरबीआई और कोई भी वास्तविक संस्था कभी भी ग्राहकों से गोपनीय जानकारी साझा करने के लिए नहीं कहती है। इन गोपनीय विवरणों को कभी भी किसी के साथ साझा न करें, यहां तक कि अपने परिवार के सदस्यों और दोस्तों के साथ भी नहीं।

शादी की आड़ में लोगों को ठगने वाले दंपत्ति गिरफ्तार

मंचेरियल, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर अपराध विभाग के अधिकारियों ने विवाह के नाम पर लोगों को ठगने के आरोप में एक दम्पति को गिरफ्तार किया है। रामागुंडम कमिश्नरेट के साइबर क्राइम डीएसपी एम वेंकटरमण और इंस्पेक्टर जे कृष्णमूर्ति ने एक बयान में कहा कि आंध्र प्रदेश के एलुरु से एर्रा वेंकट नागराजू और पेद्दापल्ली जिले के मुत्तारम मंडल से संबंधित उनकी पत्नी रामंचा सौजन्या को मंचेरियल जिले के एक व्यक्ति को धोखा देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

पूछताछ करने पर दम्पति ने स्वीकार किया कि उन्होंने तेजी से पैसा कमाने के लिए तेलुगुमैट्रिमोनी.कॉम नामक वेबसाइट पर लड़कियों के फर्जी प्रोफाइल बनाकर अपराध किया था। उन्होंने कबूल किया कि वे खूबसूरत लड़कियों की तस्वीरें लगाकर पुरुषों को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजते थे। उन्होंने खुलासा किया कि उन्होंने मंचेरियल के एक अविवाहित व्यक्ति से मेडिकल खर्च के नाम पर 17 लाख रुपये ऐंठ लिए।

पानी की मांग को लेकर लोग सड़कों पर उतरे

नलगोंडा, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नलगोंडा मंडल के चेन्नाराम गांव के लोग पीने के पानी की गंभीर कमी से जूझ रहे हैं। मिशन भागीरथ सप्लाई का स्थानीय स्रोत बंद हो जाने के कारण गांव में नल से पानी की आपूर्ति एक महीने से अधिक समय से प्रभावित है। पिछले कई हफ़्तों से महिलाएं पीने के पानी के बिना रह रही हैं। हताश और निराश होकर उन्होंने रविवार को खाली बर्तन लेकर सड़क पर उतरकर सरकार के खिलाफ नारे लगाए।

बिजली का झटका लगने से 2 चौकीदारों की मौत

कोत्तागुडेम, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के मनुगुर कस्बे में एक निजी स्कूल में काम करने वाले दो चौकीदारों की बिजली का झटका लगने से मौत हो गई। यह घटना उस समय घटी जब कस्बे के कालीमाता मंदिर क्षेत्र के मृतक चौधरी उपेंद्र राव (48) और डी रत्नम (55) स्कूल में लगे लोहे के झंडे को हटा रहे थे। लोहे के खंभे को हटाते समय, दोनों गलती से स्कूल परिसर की दीवार के पास विद्युत वितरण लाइन के संपर्क में आ गए और गंभीर बिजली का झटका लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

स्थानीय विधायक पी. वेंकटेश्वरलू, पूर्व विधायक रेगा कांता राव, वामपंथी दलों और छात्र संघों के नेता स्कूल पहुंचे और दोनों के परिजनों को समर्थन दिया। परिजनों ने स्कूल प्रबंधन से मुआवजा देने की मांग की। डीएसपी रविन्द्र राव और सीआई सतीश कुमार ने भी स्थिति का जायजा लेने के लिए घटनास्थल का दौरा किया।

बीआरएस सरकार के कारण तेलंगाना कर्ज में डूबा : जुपल्ली

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मद्य निषेध एवं आबकारी, पर्यटन एवं संस्कृति और पुरातत्व मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने तेलंगाना को एक समृद्ध राज्य से कर्जग्रस्त राज्य में बदलने के लिए पिछली भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार की आलोचना की और इस बात पर जोर दिया कि इसका दोष उन लोगों पर है जिन्होंने एक दशक तक शासन किया और लोकतंत्र को कमजोर किया।

उन्होंने रविवार को नगर कुरनूल में मीडिया से बातचीत के दौरान यह बात कही और कहा कि पिछले प्रशासन की विफलताओं को नजरअंदाज करते हुए मौजूदा 10 महीने की सरकार पर आरोप लगाना शर्मनाक है। उन्होंने आश्वासन दिया कि किसानों के लिए ऋण माफी लागू की जाएगी तथा 1.20 करोड़ रुपये के निवेश से उमामहेश्वर मंदिर के विकास की योजना की घोषणा की। रैतु भरोसा योजना के संबंध में उन्होंने बताया कि भूमि सुधार गतिविधियों के कारण इसमें कुछ देरी होगी। उन्होंने प्रत्येक ग्राम पंचायत में पुस्तकालयों को मजबूत करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला तथा कांग्रेस पार्टी पर हर सुबह लगातार हमले करने के लिए बीआरएस नेताओं की आलोचना की।

इसके अतिरिक्त, मंत्री जुपल्ली ने नागार्जुन सागर क्षेत्र में पर्यटन

को बढ़ावा देने के लिए पहल की घोषणा की, जिसमें सागर बैकवाटर में जल क्रीड़ाएं शुरू करना और सार्वजनिक-निजी भागीदारी के माध्यम से सितारा होटलों का निर्माण करना शामिल है।

चलती ट्रेन के आगे कूदने से बुजुर्ग की मौत

वारंगल, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। 74 वर्षीय सेवानिवृत्त सिंगरेनी कर्मचारी ने रविवार को वारंगल रेलवे स्टेशन यार्ड में एक ट्रेन के सामने कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान भूपालपल्ली कस्बे के जवाहर नगर निवासी कुसुमा कांतैया के रूप में हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, कांतय्या रेलवे यार्ड के पास खड़ा था और जैसे ही उसने तिरुपति-सिकंदराबाद स्पेशल एक्सप्रेस को स्टेशन के पास आते देखा, वह उसके सामने कूद गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। कांतय्या के परिवार के सदस्यों ने रेलवे पुलिस को बताया कि स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण वह अवसादग्रस्त था और इसी वजह से उसने यह कदम उठाया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

योगी आदित्यनाथ को धमकी देने वाली महिला अरेस्ट

लखनऊ, 3 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लेकर शनिवार शाम को मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम को धमकी भरा मैसेज आया था। इसी के बाद से सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर है। मुंबई पुलिस ने धमकी देने वाली महिला की शिनाख्त कर ली है और उसे गिरफ्तार कर पूछ-ताछ शुरू कर दी है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी कि मुंबई पुलिस ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को कथित तौर पर जान से मारने की धमकी देने के आरोप में 24 साल की एक महिला को गिरफ्तार कर लिया है।

धमकी देने वाली महिला कौन?

महिला की पहचान फातिमा खान के रूप में हुई है। महिला पढ़ी-लिखी है और उसने सूचना प्रौद्योगिकी में बीएससी की है। फातिमा अपने परिवार के साथ महाराष्ट्र के ठाणे जिले के उल्हासनगर इलाके में रहती है। अधिकारी ने बताया कि उसके पिता लकड़ी का कारोबार करते हैं। पुलिस के मुताबिक महिला अच्छी शिक्षा प्राप्त है, लेकिन मानसिक रूप से अस्थिर है।

बाबा सिद्दीकी की हुई हत्या

बता दें कि हाल ही में महाराष्ट्र की एनसीपी के वरिष्ठ नेता बाबा सिद्दीकी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद से मुंबई पुलिस लगातार इस मामले की जांच कर रही है। बाबा सिद्दीकी की हत्या उनके बेटे के कार्यालय के बाहर ही की गई थी। आरोपियों ने बाबा सिद्दीकी पर कई राउंड फायरिंग की थी, जिसके बाद उनकी हालत गंभीर हो गई। आनन-फानन में बाबा सिद्दीकी को अस्पताल पहुंचाया गया था, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया था। वहीं बाबा सिद्दीकी के मर्डर के बाद धमकियों का सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा है।

पप्पू यादव को भी जान से मारने की धमकी

बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद अब बिहार की पूर्णिया लोकसभा सीट से सांसद पप्पू यादव को भी लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। पप्पू यादव ने इसकी शिकायत पुलिस से लेकर गृह मंत्रालय तक की है। हालांकि पुलिस का कहना है कि पप्पू यादव को धमकी देने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है, लेकिन पप्पू यादव ने इसके बाद भी एक सीसीटीवी फुटेज जारी करते हुए कहा है कि उनके घर की रेकी की गई है। अभी भी उनकी जान को खतरा है, पुलिस ने किसे गिरफ्तार किया है, इस बारे में उन्हें कुछ नहीं पता है।

मंत्री संजय निषाद की पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष को जान से मारने का धमकी, गोली मारने की मिली चेतावनी

महोबा, 3 नवंबर (एजेंसियां)। महोबा में बीजेपी के सहयोगी दल निषाद पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष को धमकी भरा पत्र भेजकर जान से मारने की धमकी दी गई।दरवाजे पर पत्र फेंक कर सिर में गोली मारने की मिली धमकी से परेशान पीड़ित ने कोतवाली में पहुंचकर लिखित प्रार्थना पत्र दिया और अज्ञात धमकी देने वाले पर कानूनी कार्रवाई की मांग की। भेजे गए धमकी भरे लेटर में एक्स एक्स एक्स का निशाना बना हुआ है। इस धमकी के बाद से पीड़ित काफी डरा है और जान माल की सुरक्षा की गुहार लगा रहा है। बता दें कि संजय निषाद की पार्टी के महोबा के पूर्व जिला अध्यक्ष को जान से मारने की धमकी मिली है। कुलपहाड़ कोतवाली क्षेत्र के मुढ़ारी गांव निवासी महेश कुमार रैकवार निषाद पार्टी के नेता और पूर्व जिला अध्यक्ष हैं। जिन्हें लोग पृथ्वी पुत्र के नाम से भी जानते हैं। एक्स एक्स एक्स निशान बनाकर एक धमकी भरा पत्र जान से मारने की चेतावनी का मिला है। जिसमें जल्द सिर में गोली मार कर हत्या करने की धमकी दी गई है।

4 लाख राजद नेताओं का डेटा लीक

पटना, 3 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार में उपचुनाव को लेकर सियासी पारा चढ़ा हुआ है, वहीं आगामी विधानसभा चुनाव की भी तैयारी शुरू हो चुकी है। इसी क्रम में राजनीतिक पार्टियों ने अपनी सियासी ज़मीन मज़बूत करनी शुरू कर दी है। इसी बीच राजद के 4 लाख सक्रिय नेताओं का डाटा लीक से पार्टी की नींव ख़तरे में पड़ गई है। राजद नेताओं का मोबाइल नंबर, पता, उम्र, नाम और सियासी ज़िम्मेदारी समेत सारी पर्सनल जानकारी लीक हो चुकी है। राजद नेताओं के डाटा लीक ने तेजस्वी यादव की नींद उड़ा दी है। पार्टी के लोग यह जानकारी जुटाने की कोशिश कर रहे हैं कि, आखिर किसने और क्यों ऐसा किया है। राजद नेता तेजस्वी यादव ने डाटा लीक मामले में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को दिशा निर्देश भी दिया है।

राजद के करीब 4 लाख एक्टिव नेताओं का पूरा डाटा पार्टी के दफ्तर में मौजूद कंप्यूटर में डला हुआ है। इसमें प्रदेश के पंचायत स्तर तक के नेताओं की पूरी जानकारी फीड है। सियासी गलियारों में यह चर्चा तेज़ है कि राजद नेताओं का डाटा जनसुराज पार्टी के मैनेजर के पास मौजूद है। यह तफ्तीश की जा रही है कि राजद प्रदेश कार्यालय के कंप्यूटर, डाटा एंट्री ऑपरेटर, सोशल मीडिया एक्ज्यूटिव या फिर दफ्तर प्रभारी किसने डाटा लीक की है। सभी की जानकारी खंगाली जा रही है। राजद के अंदर डाटा लीक का मुद्दा काफी गंभीर बन चुका है। इस मामले पर पार्टी के नेता कुछ भी बोलने से परहेज़ कर रहे हैं। वहीं आगामी विधानसभा चुनाव से भी इसे जोड़कर देखा जा रहा है कि, अगर जनसुराज के पास यह डाटा भेजा गया है तो राजद की नींव डगमगा सकती है। सूत्रों की मानें तो राजद नेताओं को उनकी सारी जानकारी के साथ जनसुराज की तरफ़ से कॉल आ रहा है। जब कई राजद नेताओं को जनसुराज की तरफ़ से कॉल गए तो पार्टी में हड़कंप मच गया। वहीं राजद नेताओं को पर्सनल इंफॉर्मेशन लीक होने का डर भी सताने लगा है। पटना, भागलपुर, समस्तीपुर, अररिया, आरा समेत कई जिलों से राजद के आलाकमान को शिकायत मिल रही है कि जनसुराज की तरफ़ बड़े ऑफर के साथ लगातार कॉल आ रहे हैं। ग़ौरतलब है कि राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने जन सुराज पार्टी की स्थापना के पहले ही राजद नेता और कार्यकर्ताओं द्वारा जन सुराज में शामिल होने को लेकर चिंता ज़ाहिर की थी।

'मुसलमानों को भड़काने का काम कर रहे असदुद्दीन ओवैसी'- मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी

बरेली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी के तिरुपति बालाजी मंदिर और वक्फ संशोधन बिल पर दिए बयान को लेकर बरेली के मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने कहा कि ओवैसी मुसलमानों को भड़काने का काम कर रहे है। वो मुसलमानों को गुमराह करके अपना उल्लू सीधा करना चाहते है। शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने कहा कि वक्फ बोर्ड में कोई भी गैर मुस्लिम नहीं है। इसलिए ओवैसी को ऐसे बयान नहीं देना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो लोग भी वक्फ संशोधन बिल का विरोध कर रहे हैं। ऐसे ही लोगों ने वक्फ की जमीनों को कब्जा रखा है। अगर सही से वक्फ संपत्तियों का सर्वे हो जाए और उसका सही इस्तेमाल हो जाए तो हिंदुस्तान में कोई भी मुसलमान भीख नहीं मांगेगा। कोई भी मुसलमान गरीब नहीं रहेगा। सभी मुसलमान पढ़ लिख जाएंगे। शाहबुद्दीन रजवी ने कहा कि, ओवैसी मुसलमानों को भड़काकर सड़को पर लाना चाहते है। वो चाहते है मुसलमान जेल भरो आंदोलन करे।

उन्होंने कहा कि वक्फ बिल में पहली बार संशोधन नहीं हो रहा है। पहले भी कई बार संशोधन हो चुका है। इसी तरह संविधान में भी कई बार समय समय पर संशोधन हो चुके है। इसलिए वक्फ संशोधन बिल आने से गरीब मुसलमानों का फायदा होगा। एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने वक्फ बोर्ड तिरुमाला बोर्ड को लेकर कहा कि, एक तरफ टीटीडी बोर्ड में एक भी गैर हिंदू नहीं रखने की बात चल रही है। दूसरी तरफ मोदी सरकार वक्फ बोर्ड परिषद में दो गैर हिंदुओं को रखने का प्रावधान ला रही है।

रोहिणी आचार्य ने किसे बताया 'चीटर मीटर'? नीतीश सरकार को खूब सुनाई खरी खोटी

पटना, 3 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार में स्मार्ट मीटर को लेकर बवाल जारी है। इस मुद्दे को लेकर आरजेडी लगातार नीतीश सरकार को घेर रही है। आरजेडी इसे लगातार चुनावी मुद्दा बना रही है। लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने इसे लेकर नीतीश सरकार को खूब सुनाया है। उन्होंने शनिवार को सोशल मीडिया 'एक्स' पर स्मार्ट मीटर को 'चीटर मीटर' बताया और कहा कि 'नीतीश कुमार जी के व्यावहारिक तौर पर पूर्णतः विफल शराबबंदी के कानून की ही तरह बिहारवासियों के लिए सिरदर्द साबित हो रहा है स्मार्ट मीटर'

रोहिणी आचार्य ने स्मार्ट मीटर को बताया फेल नीति

रोहिणी आचार्य ने लिखा कि 'सिरदर्द है स्मार्ट मीटर (चीटर मीटर)। नीतीश कुमार जी के व्यावहारिक तौर पर पूर्णतः विफल शराबबंदी के कानून की ही तरह बिहारवासियों के लिए सिरदर्द साबित हो रहा है स्मार्ट मीटर (चीटर मीटर)। सर्वर का डाउन होना, उपयोग से ज्यादा बिल आना, बैलेंस रहने के बावजूद अकाउंट में जीरो बैलेंस दिखना-दिखाना, बैलेंस रहने के बावजूद डिस्कनेक्शन, रिचार्ज करने के पश्चात भी बिजली आपूर्ति कई-कई दिनों तक बहाल नहीं होना, रिचार्ज करने के बावजूद अकाउंट बैलेंस माइनस में रहना ।।। तमाम ऐसी समस्याएं हैं जिनसे रोज जूझ रही है बिहार की जनता और इन समस्याओं के समाधान के लिए उचित प्रयास व पहल करने की बजाए थोथी दलीलों के माध्यम से स्मार्ट मीटर के फायदा गिनाने में जुटी है जनसरोकारों से पल्ला झाड़ने वाली बयानबहादुरों की सरकार'

नीतीश सरकार के लिए स्मार्ट मीटर बना सिर दर्द

बता दें कि स्मार्ट मीटर का मुद्दा बिहार सरकार के लिए सिर दर्द बना हुआ है। इस मुद्दा को आरजेडी भुनाने में लगी हुई है। आरजेडी लगातार इस इस मुद्दे को लेकर नीतीश सरकार को घेर रही है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव इसे लेकर काफी आक्रामक हैं और सरकार पर लगातार हमलावर हैं। स्मार्ट मीटर का अब कई स्थानों पर लोग भी विरोध करने लगे हैं। इसकी कई खामियां भी सामने आने लगी हैं। वहीं, उर्जा विभाग के पूर्व प्रधान सचिव संजीव हंस पर इसे लेकर कई गंभीर आरोप लग चुके हैं।

बिहार में मजदूरी के बदले मिल रही थी शराब फिर एक दिन मांगी मजदूरी तो मिली मौत

बेगूसराय, 3 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार में माननीय और महिलाओं की मांग पर नीतीश सरकार ने 1 अप्रैल 2016 से बिहार में शराबबंदी लागू कर दी। लेकिन 8 साल बाद भी धंधा चालू है। राज्य के विभिन्न जिलों से रोजाना शराब की बड़ी खेप बरामद होना शराबबंदी की पोल खोल रही है। इतना ही नहीं अब तो बिहार में जहरीले शराब के सेवन से लोगों की जान भी जाने लगी है। प्रशासन मामले को दबाने में जुटा हुआ है। ताजा मामले की बात की जाए तो छपरा, सीवान और गोपालगंज में जहरीली शराब के सेवन से 45 लोगों ने हाल में ही जान गंवा दी, लेकिन लोग इस हादसे से भी सबक नहीं ले रहे हैं। फिर 1 नवंबर को एक मामला बेगूसराय से आया है जहां एक शख्स की शराब के नशे में होने की बात सामने आई। ग्रामीणों ने दावा किया कि जहरीली शराब के सेवन से जान गई है। लोकल 18 के घटना के अगले दिन मृतक की पत्नी से घटना की इनसाइड कहानी की पड़ताल की देखिए रिपोर्ट बेगूसराय जिला मुख्यालय से तकरीबन 5 किलोमीटर दूर सदर प्रखंड के ही जिन्देंपुर गांव के जीवन साव की मौत शराब पीने से हो गई। मामला जिले के मुसफ़िल थाना क्षेत्र का बताया गया। जबकि घटनास्थल से नजदीक नीमा चांदपुरा थाना है। बेगूसराय एसपी मनीष कुमार ने प्रेस रिलीज जारी कर बताया कि पुलिस ने लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आगे का अनुसंधान जारी है। गांव के मुखिया और परिजनों ने बताया पुलिस को आवेदन का इंतजार है तब मामला दर्ज होगा।

गोलीबारी मामले में 6 नामजद, 1 को किया गिरफ्तार

भोजपुर, 3 नवंबर (एजेंसियां)। जिले के उदवंतनगर थाना क्षेत्र के सेवगार गांव में दीपावली के दिन दीप जला रहे एक युवक को गोली मारी गई थी। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। घायल युवक के बयान पर प्राथमिकी में पट्टीदार रौनक उर्फ रोमित, रोहित और उमेश सिंह समेत छह को नामजद आरोपित किया गया है। पुलिस ने उमेश सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पकड़ा गया आरोपी सेवगार गांव का निवासी है। अन्य की तलाश जारी है।

घायल को पहले आरा के अस्पताल में ले जाया गया था। वहां से पटना रेफर कर दिया गया। जख्मी नीरज कुमार सिंह के परिजन ने भूमि विवाद और केस उठाने से मना करने पर पट्टीदार ने वारदात को अंजाम दिया। 2022 से 12 डिसमिल जमीन को लेकर अपने ही पट्टीदार से विवाद चला आ रहा है। पूर्व में भी भूमि विवाद को लेकर उक्त पट्टीदार ने गोलीबारी की थी। जिसमें उनकी बहन मधुबाला को गोली लग गई थी। इसे लेकर उस समय 11 लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिक कराई थी।

'बसपा से जुड़ेंगे तो आगे बढ़ेंगे और सुरक्षित भी रहेंगे'

'बटेंगे तो कटेंगे' के जवाब में मायावती ने जारी किया नारा

लखनऊ, 3 नवंबर (एजेंसियां)। देश की नौ विधानसभा सीटों के लिए हो रहे उपचुनाव में भाजपा के 'बटेंगे तो कटेंगे' और सपा के 'जुड़ेंगे तो जीतेंगे' जैसे नारों की काट में अब मायावती नया नारा बसपा से जुड़ेंगे तो आगे बढ़ेंगे और सुरक्षित भी रहेंगे लेकर आई हैं। बसपा प्रमुख ने भाजपा-सपा को उनके नारों-पोस्टरों के लिए घेरते हुए कहा है कि अपनी कमियों से जनता का ध्यान बांट उसे गुमराह करने के लिए विरोधी पार्टियां घिनौने, विषैले व संकीर्ण राजनीति का छलावा कर रही हैं। विधानसभा के आम चुनाव में मात्र एक सीट जीतने वाली मायावती का मानना है कि बसपा के अकेले ही उपचुनाव में उतरने से दोनों ही पार्टियों की नींद उड़ी हुई है।

मायावती ने सपा -भाजपा पर लगाया आरोप

बसपा प्रमुख ने मीडिया से कहा कि अमूमन बसपा के उपचुनाव से दूर रहने पर भाजपा-सपा अंदर ही अंदर मिलकर चुनाव लड़ते रहे लेकिन इस बार बसपा के मैदान में होने से दोनों पार्टियां परेशान हैं। ऐसे में हवा-हवाई नारों व पोस्टरबाजी के जरिये जनता का ध्यान बांटने की कोशिश है जबकि इनकी दोगली सोच व नीतियों को देख मतदाता बसपा से जुड़ें ताकि वे आगे बढ़ने के साथ ही सुरक्षित भी रहें। मायावती ने सपा के नारे का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसा लगता है कि उपचुनाव में सपा अपने गुंडों, बदमाशों व माफिया को यही कह रही है कि यह उपचुनाव जीतोगे तो आगे सरकार बनाओगे, तभी फिर बचे रहोगे।

बसपा को वोट देने की अपील

बसपा प्रमुख ने वोटरों से अपील की है कि विरोधी पार्टियों के छलावे, बहकावे व भड़कावे आदि में न पड़कर परिवार के साथ ही प्रदेश के हित में बसपा उम्मीदवारों को ही वोट दें। मायावती ने कहा कि झारखंड-महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव भी बसपा अकेले ही लड़ रही है। दोनों राज्यों में चुनावी घोषणाओं को लागू करने को लेकर भाजपा व कांग्रेस के बीच आरोप-प्रत्यारोप पर बसपा प्रमुख ने कहा कि सभी पार्टियां एक ही थैली के चट्टे-बट्टे हैं। कर्नाटक व हिमाचल प्रदेश की सरकारों का जिक्र कर मायावती ने कहा कि कांग्रेस ने चुनावी वादे तो किए लेकिन वित्तीय संकट के चलते वे पूरे नहीं हो पा रहे हैं। ऐसे में जनता इनके बहकावे में न आए। मायावती ने महाराष्ट्र के सांसद अरविन्द सावंत द्वारा महिलाओं को लेकर की गई अभद्र टिप्पणी का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार को इस मामले में कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

लड़की के बाल पकड़कर जड़े थप्पड़, बॉयफ्रेंड ने विवाद के बाद की पिटाई

दादरी, 3 नवंबर (एजेंसियां)। ग्रेटर नोएडा के दादरी थाना क्षेत्र में एक युवक द्वारा युवती के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि दोनों गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंड हैं। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में युवक, युवती का बाल पकड़ कर उसे थप्पड़ मारता हुआ दिख रहा है।

वहीं घटना के दौरान किसी ने इसका वीडियो बना लिया और इसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने खुद इस मामले का संज्ञान लिया है और आरोपी को पकड़ लिया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। दरअसल, पूरा मामला दादरी थाना क्षेत्र की एक सोसायटी का बताया जा रहा है। वीडियो में एक युवक, एक युवती के बाल पड़कर उसको थप्पड़ मारता हुआ दिख रहा है। वीडियो में लड़की को थप्पड़ मार रहे युवक का नाम सूर्या भड़ाना बताया जा रहा है। तो पुलिस ने तत्काल प्रभाव से इसका संज्ञान लिया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

सांसद चंद्रशेखर आजाद के सामने कानपुर आ रही वंदे भारत ट्रेन पर हमला, कहा- 'हतप्रभ और स्तब्ध रह गया'

नगीना, 3 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में उपचुनाव के बीच नगीना से सांसद और भीम आर्मी चीफ चंद्रशेखर आजाद ने सोशल मीडिया के जरिए वंदे भारत ट्रेन पर हुए हमले की जानकारी दी है। उन्होंने बताया है कि यह हमला दिल्ली से कानपुर आ रही वंदे भारत ट्रेन पर किया गया है। सांसद के अनुसार, जब ट्रेन बुलंदशहर स्टेशन से आगे पहुंची तो उसपर पत्थर फेंके गए हैं। सांसद ने हमले के बारे में जानकारी देते हुए लिखा, 'आज सुबह मैं वंदे भारत ट्रेन से दिल्ली से कानपुर की यात्रा कर रहा था। सुबह लगभग 7:12 बजे ट्रेन ने जैसे ही बुलंदशहर जिले के कमालपुर स्टेशन को पार किया, तभी बाहर से किसी असामाजिक तत्व ने पत्थर फेंके, जिससे मेरे से दो सीट आगे बैठे यात्री के पास का शीशा चकनाचूर हो गया। इस घटना से मैं हतप्रभ और स्तब्ध रह गया।' नगीना सांसद ने कहा, 'इस घटना से न केवल सरकारी संपत्ति को क्षति पहुँची, बल्कि यात्रियों की सुरक्षा पर भी सवाल खड़ा हुआ है। ऐसी घटनाएं निंदनीय हैं और किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जा सकतीं है। रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2022 में ऐसी घटनाओं का आंकड़ा 1503 तक पहुँच गया, जिससे रेलवे को करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ।' उन्होंने आगे लिखा, 'यह आंकड़ा सोचने पर मजबूर करता है कि आखिर इस तरह की घटनाएं बार-बार क्यों हो रही हैं। ट्रेन पर पथराव से न केवल संपत्ति को क्षति होती है, बल्कि यह यात्रियों के लिए जानलेवा भी साबित हो सकता है। यह समझने की आवश्यकता है कि रेलवे देश की एक अमूल्य संपत्ति है और इसका संरक्षण देश के हम सभी नागरिकों की जिम्मेदारी है।' चंद्रशेखर आजाद ने लिखा, 'समाज में इस तरह की हरकतें न केवल असुरक्षा की भावना पैदा करती हैं बल्कि हमारे देश की छवि को भी नुकसान पहुँचाती हैं।

कटिहार में गंगा में पलटी नाव, 8 लापता, ओवरलोडेड नाव में छेद था, महिलाएं और बच्चे भी सवार थे

कटिहार, 3 नवंबर (एजेंसियां)। कटिहार में रविवार की सुबह गंगा नदी में नाव पलट गई। नाव में 12 मजदूर और किसान सवार थे। इसमें से 8 आठ लोगों के लापता होने की खबर आ रही है। हालांकि, प्रशासन 2 बच्चियों के लापता होने की बात कह रहा है। दोनों की उम्र 10 से 12 साल है। एसडीओ कुमार सिद्धार्थ के मुताबिक, एसडीआरएफ की टीम रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी है। घटना मनिहारी अनुमंडल की दुलारपुर पंचायत अंतर्गत हाटकोला केवल गांव की है। नाव पर महिलाएं और बच्चे भी थे। कुछ लोग परवल की खेती के लिए दियारा जा रहे थे। इसी बीच उत्तरवाहिनी गंगा नदी में केवला घाट के पास नाव अनियंत्रित होकर पलट गई। जिससे नाव में सवार सभी लोग डूबने लगे। स्थानीय लोगों ने किसी तरह 4 लोगों को बचा लिया। वहीं, इसी नाव में सवार एक किसान ने बताया, 'नाव में महिलाएं और बच्चे सभी थे। 12-13 लोग थे, कितने डूबे-कितने बचे ये नहीं बता सकता। नाव पूरा ओवरलोड था, उसमें छेद था, जिससे धीरे-धीरे पानी चढ़ रहा था।' लापता लोगों की तलाश में एसडीआरएफ जुटी है। स्थानीय गोताखोरों की मदद से भी लोगों को ढूंढने की कोशिश की जा रही है। मौके पर लोगों की भीड़ जुटी है। दूसरी नाव से लोग उनको बचाने के लिए जाने की कोशिश कर रहे। घटना की सूचना मिलते ही मनिहारी के विधायक मनोहर प्रसाद सिंह, एसडीएम कुमार सिद्धार्थ, डीएसपी मनोज कुमार, सीओ निहारिका, पेक्स अध्यक्ष ललन यादव और जदयू के प्रखंड अध्यक्ष नंदकिशोर यादव समेत कई लोग घटना स्थल पर पहुंच गए हैं। बिहार में जिउतिया पर्व के दौरान नदी और तालाबों में नहाने के दौरान हादसों में अब तक 43 की मौत हो गई। इनमें 37 बच्चे और 6 महिलाएं शामिल हैं। इन सभी के शव बरामद कर लिए गए हैं।

ये हादसे 24 और 25 सितंबर को हुए। सबसे ज्यादा 10 मौतें औरंगाबाद जिले में हुई हैं। यहां दो अलग-अलग घटनाओं में 8 बच्चे डूब गए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मरने वालों का आंकड़ा बढ़ सकता है। अभी कई लोग लापता हैं। इन्हें खोजने का काम जारी है। ये हादसे राज्य के 16 जिलों में हुए हैं। सीएम नीतीश कुमार ने मृतकों के परिजन को 4-4 लाख रुपए का मुआवजा देने का ऐलान किया है।

अनुप्रिया पटेल और सीमा द्विवेदी के चित्र का अपमानजनक वीडियो वायरल, आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज

जौनपुर, 3 नवंबर (एजेंसियां)। सतहरिया में अपना दल एस की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल और राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी के बैनर में लगे फोटो के साथ अभद्रतापूर्ण व्यवहार करने का मामला प्रकाश में आया है। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया में वायरल हो रहा था। इसे गंभीर से लेते हुए अपना दल एस के कार्यकर्ताओं ने मुंगराबादशाहपुर थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। प्रार्थना पत्र में विधानसभा अध्यक्ष हरिहर प्रसाद पटेल ने बताया कि मुंगराबादशाहपुर थानाक्षेत्र के समसपुर गांव निवासी निगम यादव इसी क्षेत्र के विधौरलपुर गांव में अपने नाना के यहां रहता है। उसने गंदी नियत व अपमानित करने के लिए उनके चित्र पर पैर रखकर अभद्रता की।

कॉलेज छोड़ने के बहाने बाइक से होटल ले गए नशीला कोल्ड ड्रिंक पिलाकर दो युवकों ने किया गैंगरेप

मुजफ्फरपुर, 3 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले से बीए की छात्रा से गैंगरेप की हैरान करने वाली घटना सामने आई है। आरोपियों ने बोचहां स्थित होटल के कमरे में इस गैंगरेप की घटना को अंजाम दिया है। छात्रा की पप्पू नाम के युवक से छह महीने पहले दोस्ती हुई थी। पप्पू छात्रा को बाइक पर बैठकर होटल ले गया था। जहां आरोपी ने पहले छात्रा को कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाया और फिर दोस्त के साथ मिलकर बारी-बारी रेप की घटना को अंजाम दिया। मुजफ्फरपुर जिले के बोचहां स्थित एक होटल में दो युवकों ने गैंगरेप की घटना को अंजाम दिया। घटना को अंजाम देने वाला मुख्य आरोपी पप्पू छात्रा का दोस्त था। वहीं दोनों की दोस्ती छह महीने पहले हुई थी। आरोपी छात्रा को कॉलेज पहुंचाने के बहाने अपने साथ बाइक पर बैठकर एक होटल में ले गया था। यहां आरोपी ने छात्रा को कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ पिलाया, जिसके बाद वह बेहोश हो गई। इसके बाद आरोपी ने अपने दोस्त के साथ मिलकर छात्रा के साथ बारी-बारी रेप किया।

होश में आने के बाद छात्रा ने देखा कि अधिक ब्लीडिंग हो रही है। वह भागकर अपने घर पहुंची। इसके बाद पीड़ित छात्रा ने परिवार को घटना के बारे में जानकारी दी। जिसके बाद परिवार वालों ने छात्रा को अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं, इस संबंध में जानकारी होने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मामले में छात्रा के बयान के आधार पर दो नामजद युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए पप्पू नाम के एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

'माहिम सीट को लेकर महायुति में कोई विवाद नहीं'

केंद्रीय मंत्री अठावले ने अटकलों को बताया अफवाह

मुंबई, 3 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में इस महीने विधानसभा चुनाव होने वाला है। इस चुनाव से पहले केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने मुंबई में माहिम विधानसभा क्षेत्र को लेकर सत्तारूढ़ महायुति में विवाद की खबरों का खंडन किया। इस सीट पर शिवसेना उम्मीदवार सदा सरवनकर का सामना महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) नेता अमित ठाकरे से होने वाला है। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया-अठावले (आरपीआई-ए) प्रमुख ने तीन बार के मौजूदा विधायक सरवनकर को अमित ठाकरे से मजबूत उम्मीदवार बताया है। बता दें कि अमित ठाकरे मनसे प्रमुख राज ठाकरे के बेटे हैं।

अमित ठाकरे का पहला चुनाव

आरपीआई(ए) महायुति महायुति की सहयोगी पार्टी है, जिसमें भाजपा, राकांपा और शिवसेना भी शामिल हैं। राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे का यह पहला चुनाव है, जबकि सरवनकर माहिम सीट से फिर से चुनाव लड़ रहे हैं। शिवसेना नेता ने आश्वासन दिया कि वह चुनाव से पीछे नहीं हटेंगे। भाजपा ने मनसे उम्मीदवार का समर्थन करने की इच्छा व्यक्त की है। मीडिया से बात करते हुए रामदास अठावले ने कहा, माहिम निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत बाबासाहेब अम्बेडकर स्मारक और इंदु मिल आता है। मुझे नहीं लगता कि सरवनकर पर दबाव डालना ठीक होगा। वे वहां के मौजूदा विधायक और अमित ठाकरे से ज्यादा मजबूत उम्मीदवार हैं। मनसे उम्मीदवार के प्रति भाजपा के समर्थन पर टिप्पणी करने से उन्होंने इनकार कर दिया। आरपीआई(ए) प्रमुख ने कहा, सरवनकर महायुति के आधिकारिक उम्मीदवार थे। अमित ठाकरे ने अभी तक इस क्षेत्र के लिए कुछ भी नहीं किया। उनकी एकमात्र योग्यता है कि वे राज ठाकरे के बेटे हैं। उन्होंने अभी-अभी राजनीति में कदम रखा है, उन्हें भविष्य में और आगे तक जाना है। विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में बागी उम्मीदवारों द्वारा गठबंधन को नुकसान पहुंचाने की संभावना पर केंद्रीय मंत्री ने कहा, जब भी बागी चुनाव लड़ते हैं तो दुख होता है। इसका असर हरियाणा में कांग्रेस पर पड़ा। मुझे लगता है कि कल 99 फीसदी विद्रोही पीछे हट जाएंगे। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अन्य नेता इन उम्मीदवारों से मुलाकात कर रहे हैं।

महाराष्ट्र में दो चरणों में चुनाव

288 सदस्यीय महाराष्ट्र विधानसभा के लिए चुनाव 20 नवंबर को एक ही चरण में होंगे, जबकि विधानसभा चुनाव के मतों की गिनती 23 नवंबर को होगी। वहीं मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना, भाजपा और अजीत पवार की एनसीपी से मिलकर बनी महायुति सत्ता बरकरार रखने की कोशिश कर रही है, जबकि शिवसेना (यूबीटी), एनसीपी (एसपी) और कांग्रेस की विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) इसे सत्ता से बेदखल करने के प्रयास में है।

छठ घाट पर गरमाई राजनीति, सीएम आतिशी का बीजेपी पर बड़ा आरोप, कहा- 'घाट का निर्माण रुकवाया '

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच सियासी पारा चढ़ता जा रहा है। पूर्वांचल और बिहार के वोटरों को आकर्षित करने के लिए बीजेपी और आप चिराग दिल्ली के सतपुला पार्क में छठ पूजा आयोजन को लेकर आमने-सामने आ गए हैं। आप ने बीजेपी पर आरोप लगाया है कि उसने डीडीए के माध्यम से छठ घाट का काम रोका और गेट पर ताला जड़ दिया। सतपुला पार्क में ताला जड़ने के विरोध में आप कार्यकर्ता धरने पर बैठ गए हैं। वहीं, बीजेपी ने दावा किया है कि डीडीए की ओर से जन सेवा समिति को अनुमति दी गई है, जिसमें आप के लोग बाधा पहुंचा रहे हैं।

सीएम ने बताया बीजेपी को पूर्वांचल विरोधी

चिराग दिल्ली के सत्पुला पार्क के बाहर धरने पर बैठे आप के कार्यकर्ताओं को मंत्री सौरभ भारद्वाज का भी साथ मिला और वे भी कल देर शाम धरने में शामिल हुए। जबकि मुख्यमंत्री आतिशी ने बीजेपी पर हमलावर होते हुए कहा कि छठ घाट के कार्य को रोकना निंदनीय कृत्य है। उन्होंने कहा कि सतपुला में छठ घाट के कार्य को रुकवाना, पूर्वांचलियों की आस्था का अपमान है। इससे एक बार फिर से बीजेपी का पूर्वांचल विरोधी चेहरा सबके सामने आया है। वहीं, आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि आप लंबे समय से इस बात को कहती रही है कि बीजेपी केवल हिंदू हितैषी होने का दिखावा करती है। असल में वह गरीब, दलित और पूर्वांचल विरोधी पार्टी है।

आप के आरोपों पर बीजेपी का पलटवार

आप के आरोपों के उलट बीजेपी नेता एवं जन सेवा समिति के सूरज चौहान ने दावा किया कि डीडीए की ओर से छठ पूजा को लेकर उन्हें अनुमति मिली है। बीजेपी प्रवक्ता एवं निगम पार्षद शिखा राय ने आप के आरोपों पर पलटवार करते हुए उसे हिंदू विरोधी बताया। उन्होंने कहा कि पिछले 16 वर्षों से इस पार्क में छठ पूजा कार्यक्रम का आयोजन होता रहा है। बीते कुछ वर्षों से आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता छठ से कुछ दिन पहले पार्क पर कब्जा कर अपनी मनमानी करते हैं।

सौतन बनी शैतान! पति की पहली पत्नी को बार-बार चाकू से गोदा, पैरों से कुचला, दहला देगा यह मामला

रीवा, 3 नवंबर (एजेंसियां)। रीवा जिले के सोहागी थाना क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां दीपावली के दिन हुए मामूली विवाद के बाद एक सौतन शैतान बन गई। उसने अपने पति की पहली पत्नी पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला किया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है, जिसे देखकर रोंगटे खड़े हो जाएंगे। वीडियो में घायल महिला खून से लतपथ दिखाई दे रही है, वह जोर-जोर से चिल्ला रही है और उसके थर-थर कांप रही है। घटना के बाद पति ने इस घटना की जानकारी पुलिस को दी और घायल पत्नी को अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिकी उपचार के बाद महिला को प्रयागराज रेफर कर दिया गया है, जहां वह जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रही है।

छोटी-छोटी बातों पर होते थे झगड़े

दरअसल, यह दर्दनाक मामला रीवा जिले के सोहागी थाना क्षेत्र के अंतर्गत सौनौरी चौकी के चौरा गांव का है। जहां, रहने वाले रामबाबू नामक व्यक्ति की दो पत्नियां हैं। उसने करीब डेढ़ साल पहले दूसरी शादी कर ली थी। इसके बाद उसकी दोनों पत्नियां जया और मानसी रामबाबू के साथ एक ही घर में रहने लगीं। कुछ समय बीतने के बाद रामबाबू की दूसरी पत्नी मानसी देवी वर्मा और पहली पत्नी जया के बीच छोटी-छोटी बातों पर झगड़े होने लगे। दीपावली के दिन सुबह करीब 11:00 बजे मानसी और जया में मामूली बात पर विवाद शुरू हो गया। यह विवाद इतना बढ़ गया कि मानसी ने पास रखा चाकू उठाया और जया पर वार करना शुरू कर किए। इसके बाद वह नहीं रुकी, वह तब तक चाकू से बार करती रही, जब तक जया पूरी तरह से लहुलुहान होकर जमीन पर नहीं गिर पड़ी। इसके बाद भी मानसी की हैवानियत कम नहीं हुई। वह कभी लहुलुहान पड़ी जया को लात मारती तो कभी पैर से उसके चेहरे को कुचली। वहीं, जया उसे छोड़ देने और रहम करने के लिए गिड़गिड़ाती रही, लेकिन उसने एक नहीं सुनी। घर के बाहर खड़े लोग भी मानसी को रोकने की कोशिश करती रहे, लेकिन किसी की इतनी हिम्मत नहीं हुई कि वह जया को बचा ले। काफी देर बाद मानसी वहां से हटी तो लहुलुहान जया उठकर बैठ गई और मदद की गुहार लगाने लगी।

नरकेलडांगा हिंसा को लेकर महिला आयोग सदस्य अर्चना मजूमदार ने राज्यपाल को लिखी चिट्ठी, लगाए गंभीर आरोप

कोलकाता, 3 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य अर्चना मजूमदार ने नरकेलडांगा हिंसा को लेकर राज्यपाल को पत्र लिखा है। इस पत्र में अर्चना मजूमदार ने बंगाल पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। अर्चना मजूमदार ने चिट्ठी में आरोप लगाया है कि वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया। उन्होंने राज्यपाल से इस मामले में दखल देने और कार्रवाई करने की मांग की है।

चिट्ठी में अर्चना मजूमदार ने लिखीं ये बातें

राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य अर्चना मजूमदार ने राज्यपाल को भेजी चिट्ठी में लिखा कि 'वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों, जिनमें संजय मिश्रा भी शामिल हैं, उन्होंने मेरे साथ दुर्व्यवहार किया। संजय मिश्रा आरजी कर मेडिकल कॉलेज में हुई हिंसा की घटना में भी शामिल थे। पुलिस अधिकारियों ने तनावपूर्ण हालात से निपटने के बजाय मेरे साथ बुरा सलूक किया। जब मैंने शांति और सुरक्षा को लेकर पैदा हुए खतरे को लेकर पुलिस अधिकारियों से बात करने की कोशिश की तो पुलिस अधिकारियों ने मेरे साथ ही बहस की। हालात की गंभीरता को समझने के बजाय पुलिस ने पीड़ितों पर ही लाठीचार्ज कर दिया।'

पुलिस के व्यवहार से दिखीं नाराज

अर्चना मजूमदार ने लिखा कि 'पुलिस अधिकारियों का व्यवहार दिल तोड़ने वाला था। महिला पुलिस कर्मियों ने मेरे साथ घटनास्थल पर खींचतान की। जिससे मैं जमीन पर गिर गई और मुझे चोट लगी। पुलिस ने उन लोगों के साथ उग्र व्यवहार किया, जो पहले ही हिंसा का सामना कर रहे हैं।' अर्चना मजूमदार ने राज्यपाल से इस मामले में हस्तक्षेप करने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की अपील की। गौरतलब है कि कोलकाता के राजा बाजार इलाके में काली पूजा मूर्ति विसर्जन के दौरान पथराव की घटना हुई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नरकेलडांगा इलाके में मां काली के मूर्ति विसर्जन पर पथराव की घटना हुई। इसके बाद खूब हंगामा हुआ, तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए इलाके में आरएएफ की तैनाती कर दी गई है। पुलिस लगातार स्थिति का जायजा ले रही है। वहीं कोलकाता पुलिस की ओर से कहा गया है कि विसर्जन के दौरान कोई पथराव की घटना नहीं हुई है। पुलिस के अनुसार, पार्किंग को लेकर विवाद शुरू हुआ था।

जहरीली होती जा रही दिल्ली की हवा, बहुत खराब श्रेणी में एक्यूआई; आनंद विहार में हालत ज्यादा खराब

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। दिवाली के बाद दिल्ली में रविवार प्रदूषण की स्थिति और खराब हो गई और वायु गुणवत्ता एक बार फिर से 'बहुत खराब' श्रेणी में पहुंच गई। राष्ट्रीय राजधानी में धुंध की एक पतली परत छाई हुई है, वायु गुणवत्ता लगातार खराब होती जा रही है। आनंद विहार, अशोक विहार समेत कई इलाकों में वायु प्रदूषण का स्तर 'गंभीर' श्रेणी (एक्यूआई 400 से ऊपर) तक पहुंच गया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, आज सुबह सात बजे आनंद विहार में एक्यूआई 427, रोहिणी में 404 अशोक विहार में 402, मुंडका 392, द्वारका सेक्टर 8 में 385, बवाना 383, आरकेपुरम 380, आईटीओ 358 दर्ज किया गया है। बता दें कि शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को 'अच्छा', 51 से 100 के बीच को 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच को 'मध्यम', 201 से 300 के बीच 'खराब', 301 से 400 के बीच 'बहुत खराब', 401 से 450 के बीच 'गंभीर' और 450 से ऊपर एक्यूआई को 'बेहद गंभीर' माना जाता है। नवंबर शुरू हो चुका है, लेकिन अब भी सर्दी गायब है। दिल्ली-एनसीआर के इलाकों में अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी के कारण गर्मी का अहसास हो रहा है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान दोनों बढ़े हुए हैं। एक सप्ताह के मौसम में विशेष परिवर्तन की संभावना नहीं है और न ही पश्चिम विक्षोभ आएगा। इस कारण तापमान में कोई खास गिरावट नहीं होगी। हालांकि, अगले सप्ताह से सुबह कुहासा देखने को मिल सकता है। अमूमन 2 से 6 नवंबर तक अधिकतम तापमान 30।5 व न्यूनतम तापमान 15.3 डिग्री सेल्सियस और 7 नवंबर से 11 नवंबर तक अधिकतम तापमान 29.5 व न्यूनतम तापमान 14।3 डिग्री सेल्सियस रहता है, लेकिन कुछ सालों में तापमान में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। शनिवार को भी अधिकतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री अधिक 33.9 और न्यूनतम तापमान सामान्य से दो डिग्री अधिक 17.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मध्य प्रदेश में उपचुनाव से पहले एक्टिव हुए कमलनाथ, एक-एक योजना का जिक्र कर मोहन सरकार पर साधा निशाना

भोपाल, 3 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में दो विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने वाले हैं। उससे पहले प्रदेश में सियासी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ भी लंबे समय बाद एक्टिव मोड में नजर आ रहे है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर बीजेपी की मोहन सरकार को घेरा है। कमलनाथ ने एक्स पोस्ट कर लिखा मध्य प्रदेश के सीहोर जिले की बुदनी और श्योपुर जिले की विजयपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव होने जा रहे हैं। ये दोनों ही उपचुनाव जनता को सरकार के 10 महीनों के कामकाज की समीक्षा करने और सरकार को कर्तव्यबोध कराने का अवसर देते हैं। उन्होंने लिखा कि ये उपचुनाव जनता को अपने वोट की ताक़त से सरकार की नींद खोलने और उन्हें आईना दिखाने का मौका देते हैं। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 में झूठे वादे कर सत्ता में आई बीजेपी सरकार युवाओं को रोज़गार देने में पूरी तरह से विफल रही है। लाड़ली बहना योजना की राशि 3000 रूपये प्रतिमाह करने का वादा भी झूठा साबित हो चुका है। 450 रूपये में रसोई गैस सिलेंडर देने के झूठ का पाखंड टूट चुका है। किसानों को बोनस और समर्थन मूल्य वाली बात कोरी लफ़्फ़ाज़ी निकली है। सैकड़ों महत्वपूर्ण योजनाएं या तो घोषित रूप से बंद कर दी गई हैं, या उनका बजट/भुगतान रोककर उन्हें मरणासन्न किया जा रहा है।

'भोली-भाली जनता से शातिर सरकार की नायाब ठगी'

पूर्व सीएम ने आगे लिखा कि लाड़ली बहना योजना में नए हितग्राहियों को जोड़ने का काम शून्य है, पुराने हितग्राहियों की छटनी तेज़ी से जारी है। जनता को मिलने वाली विभिन्न वित्तीय सहायताओं को रोककर केवल एक योजना में राशि जारी करना भोली-भाली जनता से इस शातिर सरकार की नायाब ठगी है। उन्होंने कहा कि परिवार के हर सदस्य की जेब काटना और फिर लूट के उसी पैसों का एक छोटा सा हिस्सा जनता को लौटाकर वाहवाही लूटना इस फरेबी सरकार की आदत बन चुकी है।

'नशे के कारोबार का अड्डा बन गया'

कांग्रेस नेता ने कहा महंगाई जान ले रही है। स्वास्थ्य व्यवस्था चरमराई हुई है। शिक्षा व्यवस्था भगवान भरोसे है। सड़कों पर चन्द्रमा की सतह जैसे गड्ढे हैं। बाज़ार में सन्नाटा पसरा है। बेटी घर की चौखट पार करते ही असुरक्षित है। किसान बिलख रहे हैं। व्यापारियों से वसूली जारी है। उन्होंने कहा कि बीजेपी संरक्षित भू-माफिया नदी, पहाड़ और जंगल निगल रहे हैं। मध्य प्रदेश नशे के कारोबार का प्रमुख अड्डा बन गया है। बिजली कटौती से घर से लेकर सड़कों तक पर अंधेरा पसरा है। कमलनाथ ने कहा कि मुख्यमंत्री (मोहन यादव), शिवराज सिंह चौहान को जो जंगलराज लागू करने में कुछ बरस लगे थे, आपने कुछ महीनों में ही वो कीर्तिमान रच दिया है।

तेज रफ्तार बोलेरो ने बाइक सवारों को मारी टक्कर, 5 की दर्दनाक मौत, एक घायल

नंदुरबार, 3 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नंदुरबार तहसील में शनिवार रात को एक बड़ा हादसा हो गया। इस हादसे में 5 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं एक व्यक्ति की गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि एक तेज रफ्तार बोलेरो कार अचानक नियंत्रित हो गई थी, जिसने सड़क किनारे खड़े तीन बाइक सवारों को जोरदार टक्कर मार दी। जानकारी के मुताबिक बीती रात महाराष्ट्र के नंदुरबार तहसील के पिंपलोद गांव में यह हादसा हुआ। हादसे की वजह अभी साफ नहीं हो पाई है लेकिन माना जा रहा है कि गाड़ी का ब्रेक फेल हुआ होगा या फिर ड्राइवर नशे में होगा। ऐसी भी आशंका जताई जा रही है कि कार के ड्राइवर को नींद आ गई होगी, तभी गाड़ी अनियंत्रित हो गई। पुलिस ने कार चालक को हिरासत में ले लिया है। वहीं हादसे की जांच में जुट गई है। वहीं बताया जा रहा है कि नंदुरबार के पिंपलोद गांव से एक किलोमीटर की दूरी पर एक युवक की बाइक खराब हो गई थी। अंधेरा होने की वजह से दो बाइकें उसकी सहायता के लिए रूकी थी। तभी अचानक एक बोलेरो कार आई और उसने बाइक सवारों को टक्कर मार दी।

'महाराष्ट्र में अजित पवार बनेंगे किंगमेकर, कौन किसके साथ जाएगा, पता नहीं : नवाब मलिक

मुंबई, 3 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) अजित पवार गुट के नेता नवाब मलिक का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि राज्य में महायुति और महाविकास अघाड़ी गठबंधन में कांटे का मुकाबला है, बहुमत किसको मिलेगा पता नहीं, लेकिन बिना अजित पवार की मर्जी से कोई सरकार नहीं बन सकती।

राज्य में कौन किसके साथ जाएगा कोई पता नहीं, नतीजे के बाद कुछ भी हो सकता है उसमें अजित पवार महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। पूर्व मंत्री नवाब मलिक ने आगे कहा कि तमाम विरोधों के बाद भी मैं अजित पवार की पार्टी से चुनाव मैदान में हूं। समाजवादी पार्टी का प्रत्याशी भी मेरे खिलाफ मैदान में है। लोग मुझे आतंकवादी और द्रेशद्रोही कहते थे, लेकिन मैं आरोपों से घबराता नहीं हूं। मैं चुनाव नहीं लड़ना चाहता था इसलिए मेरी बेटी मेरा पूरा काम देखती थी। लेकिन मानखुर्द-शिवाजी नगर की जनता मांग कर रही थी इसलिए मैंने चुनाव लड़ने का फैसला किया।

'नवाब मलिक बनाम सभी होगा मुकाबला'

इससे पहले भी एनसीपी नेता मलिक की प्रतिक्रिया आई थी। उन्होंने कहा कि मुझे पता था कि मैं चुनाव लड़ूंगा तो बीजेपी और शिवसेना विरोध करेगी। लेकिन जिस तरफ से पार्टी ने मुझपर भरोसा जताया और मुझे टिकट दिया मैं पूरी ताकत से चुनाव लड़ूंगा। जिस तरीके से विरोध के बावजूद मुझे टिकट दिया गया उसे देखकर लगता है कि सोच-समझकर फैसला लिया गया है। उन्होंने अजित पवार का आभार जताते हुए कहा कि यहां मुकाबला नवाब मलिक बनाम सभी होने वाला है।

'मानहानि का मुकदमा करूंगा'

वहीं मलिक ने खुद का नाम अंडरवर्ल्ड से जोड़े जाने पर आपत्ति जताई। इसके साथ ही चेतावनी दी कि अब अगर किसी ने मेरा नाम दाऊद के साथ जोड़ा तो मैं मानहानि का मुकदमा करूंगा।

उन्होंने कहा जिस तरफ से मेरे साथ दाऊद का नाम जोड़ा जा रहा है मुझे आतंकवादी बोलने का काम किया जा रहा है। चाहे वो कितना भी बड़ा पत्रकार, चैनल या मीडिया हाउस या फिर कोई नेता हो। सभी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी।

गिरिराज सिंह बोले

बंगाल को बंग्लादेश बनाने की हो रही साजिश राहुल, ओवैसी और ममता पर साधा निशाना

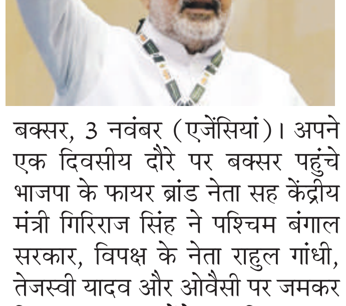

बक्सर, 3 नवंबर (एजेंसियां)। अपने एक दिवसीय दौरे पर बक्सर पहुंचे भाजपा के फायर ब्रांड नेता सह केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने पश्चिम बंगाल सरकार, विपक्ष के नेता राहुल गांधी, तेजस्वी यादव और ओवैसी पर जमकर निशान साधा। उन्होंने कहा कि सनातन की परिभाषा कांग्रेस को कहां से पता रहेगा। त्रिपुंड लगाने से कोई सनातनी नहीं हो जाता। इनके पंडित जवाहर लाल नेहरू ही कहते थे कि बाई डिफॉल्ट हम हिंदू हो गए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बाबा बागेश्वर सरकार सनातन हिंदुओ को एक करने के लिए यात्रा निकाल रहे हैं तो उनका समर्थन देश के सारे संतो को देना चाहिए। क्योंकि, पाकिस्तान में हिंदू बचे नहीं, बंग्लादेश में जो हिंदुओ के साथ हुआ सभी ने देखा। अब कांग्रेस के लोग कह रहें है कि बंगाल में भी यही होगा। बंगाल को अगला बंग्लादेश बनाने की साजिश हो रही है। उन्होंने कहा कि बंगाल के काली पूजा में जो किया गया, उसपर बंगाल की ममता दीदी तो अंधी हो ही गई हैं। कुर्सी की लालच में वो बंगाल को बंग्लादेश बनाना चाहती है। तेजस्वी यादव, अखिलेश यादव, राहुल गांधी और ओवैसी इस पर जवाब दें। कोलकाता के अंदर काली पूजा या काली विसर्जन नहीं होगा तो कहां होगा। उन्होंने कहा कि यह लोग बताए कि हमलोगों ने ताजिया पर कभी एक पत्थर भी फेंका है क्या? देश को यह बर्दाश्त नहीं है। बंगाल को बंग्लादेश बनाने की साजिश चल रही है। यह साजिश कभी सफल नहीं हो सकेगी।

हिमालय पर जलवायु परिवर्तन का असर!: हिमानी झीलों के क्षेत्रफल में बढ़ोतरी, इन राज्यों में बाढ़ का जोखिम बढ़ा

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। हिमालयी क्षेत्र में अब जलवायु परिवर्तन का असर तेजी से दिखने लगा है। इसका एक और सबूत हालिया सरकारी रिपोर्ट में देखने को मिला है। इस रिपोर्ट में यह कहा गया है कि हिमालयी क्षेत्र में 2011 से लेकर 2024 के बीच हिमानी झीलों (ठंडे क्षेत्र में पानी वाली झीलों) के क्षेत्रफल में बढ़ोतरी देखी गई है। यह बढ़ोतरी भी 10।81 फीसदी की दर्ज की गई है। यानी हिमालय के जबरदस्त ठंड वाले क्षेत्र में भी अब तेजी से बर्फ का पिघलना शुरू हो गया है। चिंता की बात यह है कि इन बदलावों के चलते झीलों में अत्याधिक पानी से बाढ़ का खतरा काफी बढ़ गया है। पूरे हिमालयी क्षेत्र की बात करें तो हिमानी झीलें और अन्य जलीय पिंडों का क्षेत्रफल 2011 के 5,33,401 हेक्टेयर से बढ़कर 2024 में 5,91,108 हेक्टेयर पहुंच चुका है, जो कि करीब 10.81 फीसदी की बढ़ोतरी है। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में झीलों के सतही क्षेत्र में 33.7 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, जो कि काफी ज्यादा है। गौरतलब है कि भारत में 2011 में हिमानी झीलों का कुल क्षेत्रफल 1962 हेक्टेयर था। यह 2024 में 2623 हेक्टेयर तक पहुंच चुका है। यह सतही क्षेत्रफल में 33.7 फीसदी की बढ़ोतरी है।

इस रिपोर्ट में भारत की 67 ऐसी झीलों की भी पहचान की गई है, जिनके सतही क्षेत्रफल में 40 फीसदी तक की बढ़ोतरी हुई है। इन्हें बाढ़ के खतरे के मद्देनजर उच्च-जोखिम वाली झीलों में रखा गया है। जिन राज्यों में हिमानी झीलों के क्षेत्रफल में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी दर्ज की गई, उनमें लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश शामिल हैं। इसके चलते इन राज्यों में पहाड़ से बाढ़ का खतरा काफी बढ़ गया है और सरकार द्वारा इस क्षेत्र की निगरानी और आपदा प्रबंधन बढ़ाने की जरूरतें भी जरूरी हो गई हैं।

उड़ी हमले के बाद फैसला: बैसाखी से पहले बंद होगा पाकिस्तान जाने वाला रावी नदी का पानी, लाहौर तक बहता है दरिया

कठुआ, 3 नवंबर (एजेंसियां)। वर्ष 2025 की बैसाखी तक पाकिस्तान को व्यर्थ बहने वाला रावी दरिया का पानी पूरी तरह से नियंत्रित हो जाएगा। इसके साथ ही देश की महत्वकांक्षीय परियोजनाओं में एक शाहपुर कंडी बांध परियोजना से अगले खरीफ सीजन में जम्मू-कश्मीर के कठुआ और सांबा जिले के खेतों को सिंचाई के लिए पानी मिलना शुरू हो जाएगा। बांध प्रबंधन के अनुसार आगामी सप्ताह से शाहपुर कंडी बांध के जलाशय को भरने की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। इसके पहले चरण में गेट आदि की जांच भी शामिल है। सब सही रहा तो बैसाखी तक बांध का जलाशय भरने का काम पूरा हो जाएगा। ऐसे में जम्मू-कश्मीर के कंडी का एक बड़ा इलाका सिंचाई के पानी से अब वंचित नहीं रहेगा। शाहपुर कंडी बांध प्रबंधन के अनुसार अगले सप्ताह के भीतर शाहपुर कंडी बांध के जलाशय को भरने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। इससे जम्मू-कश्मीर समेत, यूबीडीसीएल और पंजाब की नहरों को जाने वाला रावी दरिया का पानी नियंत्रित हो जाएगा। 791 हेक्टेयर में फैली इस झील को भरने में तीन से चार महीने का समय लगेगा। रंजीत सागर बांध का अधिकतम जलस्तर जहां 527 मीटर निर्धारित है, वहीं शाहपुर कंडी बांध परियोजना के बांध का अधिकतम जलस्तर 404।50 मीटर है। इससे पहले रंजीत सागर झील से आने वाले रावी दरिया के पानी को नियंत्रित कर भंडारण की व्यवस्था नहीं थी। यह पानी सीधा पंजाब की नहरों और पाकिस्तान की ओर निकल जाता था। रंजीत सागर बांध से सर्दियों के इस मौसम में बिजली उत्पादन के बाद निकलने वाले पानी को अब जलाशय में रोकने का काम होगा। उधर, इस प्रक्रिया से पहले सायफन और जम्मू-कश्मीर की नहर को जोड़ने का काम भी पूरा कर लिया गया है। नोरा पुल का काम भी लगभग पूरा हो चुका है। ऐसे में यह परियोजना जम्मू-कश्मीर के दो बड़े जिलों के लिए वरदान साबित होने जा रही है। इन दोनों जिलों में 32 हजार हेक्टेयर जमीन की सिंचाई रावी दरिया के पानी से नियमित हो सकेगी। पानी को लेकर किसी भी तरह के मतभेद को खत्म करने के लिए इसे अब स्कॉडा सिस्टम से नियंत्रित किया गया है। वहीं पंजाब को मिलने वाली 206 मेगावॉट बिजली के लिए पंजाब सरकार की ओर से तैयार किए जा रहे पॉवर हाउस का काम दिसंबर 2025 तक पूरा होने की संभावना है। रावी को पौराणिक काल से इरावती के रूप में जाना जाता रहा है। यह हिमाचल के कांगड़ा जिले से शुरू होने के बाद पंजाब, जम्मू-कश्मीर की सरहद पर बहते हुए पाकिस्तान में दाखिल होती है। सिंधु जल समझौते से इत्र रही यह नदी पाकिस्तान के लाहौर शहर के पूर्वी तट से होकर गुजरती है। आखिर में यह हिंद महासागर में समा जाती है। भारत की न सिर्फ रावी बल्कि पीर पंजाल और धौलाधार से निकलने वाली कई नदियों का संगम रावी को एक बड़ा दरिया बनाता है। उड़ी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ भारत के बिगड़े संबंधों और आतंकवाद को लगातार पाकिस्तान की ओर से बढ़ावा देने के बाद भारत ने अपने रावी दरिया के पानी के पूर्ण इस्तेमाल का निर्णय किया है। इसे के तहत नए डिजाइन से शाहपुर कंडी परियोजना का निर्माण किया जा रहा है ताकि पाकिस्तान को जाने वाले पानी का बहाव भारत में पूरी तरह से इस्तेमाल किया जा सके।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 4 नवंबर- 2024

अमेरिकी प्रतिबंध का कितना असर?

अपने ही उलझनों से घिरे बदहवाल अमेरिका ने रूस को युद्ध के इस्तेमाल होने लायक सामग्री का कथित तौर पर निर्यात करने की आशंका में 19 भारतीय कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया है। जिन भारतीय कंपनियां पर प्रतिबंध लगाया है वे दोहरे इस्तेमाल वाले सामानों की सप्लाई करती हैं। अमेरिका के इस कदम से भारत के डिफेंस इकोसिस्टम पर आखिर क्या असर पड़ेगा? असर पड़ेगा भी या नहीं? इसके साथ ही अमेरिका ने रूस को सामान बेचने वाली दुनियाभर की 400 से ज्यादा कंपनियों पर भी प्रतिबंध लगा दिया है। बहरहाल, जिन भारतीय कंपनियों को प्रतिबंधित किया गया है उनमें ज्यादातर कोई खास रक्षा उपकरण नहीं बनाती हैं, इसलिए भारत पर इस प्रतिबंध का कोई खास असर नहीं पड़ने वाला। इनमें से सिर्फ एक कंपनी ऐसी है जो डीआरडीओ और सेना के साथ काम करती है। अमेरिका को शक है कि ये कंपनियां रूस को ऐसे उपकरण बेच रही हैं, जिनका इस्तेमाल आम लोगों और सेना के लिए किया जा सकता है। कई भारतीय कंपनियां तो बस पश्चिमी देशों से इलेक्ट्रॉनिक उपकरण खरीदकर रूस को बेच रही हैं, क्योंकि पश्चिमी देशों ने रूस पर कई पाबंदियां लगा रखी हैं। कुछ कंपनियों में तो रजिस्टर्ड डायरेक्टर और शेयरधारक भी रूसी नागरिक हैं। डेन्वास सर्विसेज इसी श्रेणी की कंपनी है जो मुख्य रूप से अलग-अलग सेवाओं के लिए डिजिटल कियोस्क सप्लाई करती है। इस कंपनी में रूसी नागरिकों की हिस्सेदारी है। भारतीय कानून के अनुसार भारतीय कंपनियों में विदेशी नागरिकों का डायरेक्टर होना गैरकानूनी नहीं है। इसलिए रूसी संस्थाओं के साथ काम करने पर कोई रोक भी नहीं है। इस कंपनी पर आरोप है कि यह अमेरिका में बने माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण रूस को उसके आधुनिक हथियारों में इस्तेमाल करने के लिए सप्लाई कर रही थी। इन 19 कंपनियों में से सिर्फ आरआरजी इंजीनियरिंग ही ऐसी कंपनी है जो भारतीय रक्षा क्षेत्र के साथ थोड़ा-बहुत काम करती है। इसने डीआरडीओ के साथ काम किया है और कुछ सैन्य यूनिट को जरूरी सामान सप्लाई भी किया है। इस कंपनी पर आरोप है कि इसने अमेरिका द्वारा प्रतिबंधित रूसी कंपनी आर्टेक्स लिमिटेड को माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक्स की 100 से ज्यादा खेप भेजी हैं। रिकॉर्ड के मुताबिक, आरआरजी ने पहले डीआरडीओ की कुछ प्रयोगशालाओं में डेटा सेंटर और आईटी नेटवर्क बनाने के लिए कर्मचारी भी मुहैया कराए थे। इसने अलग-अलग सैन्य यूनिट को सीमित संख्या में परमाणु, जैविक और रासायनिक हमले का पता लगाने वाले उपकरण भी सप्लाई किए हैं। कंपनी का दावा है कि इसने सैटकॉम स्टेशन बनाने में भी काम किया है। जानकारों का कहना है कि ऐसे उपकरण भारत में आसानी से मिल जाते हैं और जरूरत पड़ने पर इन्हें आसानी से खरीदा भी जा सकता है। जो अमेरिका की आंखों की किरकिरी बना हुआ है।

आबादी के आंकड़ों की छिपी कहानी

रघु ठाकुर

पिछले कुछ दिनों से विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सर्वेक्षण संस्थाओं के माध्यम से ऐसे आंकड़े प्रस्तुत किए जा रहे हैं जिनसे लगता है कि देश में आबादी वृद्धि स्वयं मेव नियंत्रित हो चुकी है और अब आबादी वृद्धि कोई समस्या नहीं है। यह बात हमारे देश के बौद्धिक तत्वों में भी चल रही है जो इन अध्ययन संस्थाओं के अध्ययनों पर पूर्ण विश्वास करते हैं। वे यह पता लगाने का प्रयास नहीं करते हैं कि इन अध्ययनकर्ताओं ने किस माध्यम से अध्ययन किए हैं और कब किए हैं और क्या वास्तव में जमीन पर ऐसी स्थिति है? जिसकी चर्चा वह कर रहे हैं। अक्सर यह होता है कि देश के विभिन्न तबके अपनी-अपनी सुविधा के अनुसार उनकी तथ्यात्मक जांच कराए बगैर आंकड़े उद्धृत, प्रचारित और प्रसारित करने लगते हैं। भारतीय राजनीति के राजनीतिक समूह भी जनसंख्या संबंधी आंकड़ों को अपनी अपनी राजनीतिक आवश्यकता और सुविधा के अनुसार प्रचारित करते हैं और कई बार तो सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में इन अध्ययन रपटों को अपना आधार बताते हैं। लगभग दो तीन दशक पहले गोपाल सिंह कमेटी की एक रपट आई थी, जिसने यह कहा था कि देश में मुस्लिम आबादी की वृद्धि तुलनात्मक रूप से गैर मुस्लिम या हिंदू आबादी की वृद्धि दर से कम है और इस रपट का काफी सार्वजनिक प्रयोग देश के गैर भाजपाई समूहों याने कांग्रेस, समाजवादी, मार्क्सवादी दलों ने किया। दूसरी तरफ कुछ ऐसे अध्ययनकर्ताओं की रपट भी आई कि देश में मुस्लिम आबादी बढ़ रही है तथा तुलनात्मक रूप से हिंदू आबादी घट रही है। इस समूह ने अपने अध्ययनकर्ताओं की रिपोर्ट को जोरशोर से प्रसारित किया और आम हिंदू मानस में यह प्रचारित करने का प्रयास किया की बहुत जल्दी देश में हिंदू अल्पसंख्यक हो जाएंगे।यहां तक की इसी रपट के आधार पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संचालक स्वर्गीय के पी सुदर्शन ने तो यह सार्वजनिक बयान दिया था कि हिंदुओं को ज्यादा बच्चे पैदा करने चाहिए। मैं,नहीं जानता हूं और मेरी जानकारी में कोई ऐसा अध्ययन नहीं हुआ है कि जिसमें यह तत्व सामने आया हो कि स्वर्गीय सुदर्शन की अपील पर कितने हिंदुओं ने ज्यादा बच्चे पैदा किए या किसी अध्ययन में इस पर भी विश्वसनीय रपट नहीं आई कि मुस्लिम भाइयों के स्व नियंत्रण से आबादी की वृद्धि में कितनी कमी आई या नियंत्रण हो सका। हालांकि इन दोनों घटनाओं का यह तो असर हुआ कि परिवार नियोजन की योजनाएं और विभाग लगभग ठप जैसा हो गया। वैसे भी 1977 में आपातकाल के बाद हुए चुनाव में, आपातकाल के दिनों में ,परिवार नियोजन के नाम पर हुई ज्यादतियों ने एक अहम भूमिका निभाई और एक मुस्लिम मतदाता के हिस्से ने भी स्वर्गीय इंदिरा गांधी,स्वर्गीय संजय गांधी और कांग्रेस के लिए वोट नहीं दिया था। उस समय के समाचार पत्रों में यह सूचनाओं आई थी कि स्वर्गीय संजय गांधी परिवार नियोजन के कार्यक्रम को सरकार की शक्ति से लागू करने के पक्षधर थे और इसीलिए ज्यादतियां हुई थी तथा कांग्रेस का परंपरागत मुस्लिम वोट बैंक उनसे दूर हुआ था। इन सूचनाओं का इतना राजनीतिक प्रभाव तो हुआ ही था कि 1980 में जब श्रीमती इंदिरा गांधी दोबारा प्रधानमंत्री बनकर आई तो उन्होंने आबादी नियंत्रण कार्यक्रम को सरकारी सूची से अघोषित रूप से लगभग हटा दिया था तथा जनता पार्टी की सरकार जिसमें तत्कालीन जनसंख्या और पृष्ठभूमि में आर एस एस शामिल थी, ने अपनी पूर्व भूमिका को कुछ बदला तथा परिवार नियोजन पर मौन साध लिया। कुल मिलाकर भारतीय राजनीति का आबादी संबंधी संवाद लगभग 1980 से लेकर 2000 तक बिल्कुल ही मुख्य संवाद के मुद्दों से हट गया। स्वर्गीय सुदर्शन जी के प्रभाव में यह भी हुआ कि जब मध्य प्रदेश में 2003 में भाजपा सरकार बनी और उस सरकार के तीसरे मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान बने तो उन्होंने श्री दिग्विजय सिंह की सरकार के द्वारा उठाए गए आबादी नियंत्रण के एक तार्किक और वैधानिक कार्यक्रम को भी समाप्त कर दिया। भले ही देश में आज श्री दिग्विजय सिंह की छवि मुस्लिम परस्त बनाई गई हो परंतु मैं आज भी उनकी इस बात के लिए प्रशंसा करूंगा कि उन्होंने अपनी सरकार में स्थानीय संस्थाओं के लिए यह नियम बनाया था कि पंच,सरपंच आदि का चुनाव वही लोग लड़ सकेंगे जिनके अधिकतम दो बच्चे हो।उन्होंने इस कानून को विधानसभा से पारित भी कराया था और इस कानून को धर्म जाति या किसी भी प्रकार के पूर्वाग्रह से मुक्त रखा था। उस समय विधानसभा में भाजपा ने इसका इसका समर्थन किया था और उसी भाजपा ने पूर्ण यू टर्न लेकर 2008 के बाद उसे समाप्त कर दिया था। भाजपा को भी नीतियों के मामले में अपनी तत्कालीन राजनीतिक जरूरतों के आधार पर उलट पलट करने का उत्कृष्ट कौशल हासिल है। अभी पिछले दिनों मैं इलाहाबाद में एक पुस्तक चर्चा के कार्यक्रम में गया था और वहां मैंने देश की आबादी वृद्धि की समस्या के प्रश्न के उत्तर में उल्लेखित किया था। मेरे एक बुद्धिजीवी मित्र जो की एक प्रोफेसर रहे हैं ने मुझे टोकते हुए हस्तक्षेप किया कि देश में आबादी की वृद्धि की दर उनके द्वारा प्राप्त आंकड़ों के आधार पर स्थिर हो चुकी है और आबादी वृद्धि अब कोई समस्या नहीं है। हालांकि मैं उनके इस ज्ञान से सहमत नहीं हूं। मैं अपने दिनांदिन जीवन और देश को जिस रूप में देख रहा हूं उसमें मुझे आबादी वृद्धि तो दूर आबादी वृद्धि का विस्फोट नजर आता है। दुनिया के वैश्विक अध्ययन संस्थानों में आमतौर पर कॉरपोरेट फंडिंग होती है और वे अपने आप को एनजीओ यानी गैर सरकारी संगठन कहते हैं ने अब एक नई चर्चा शुरू की है जो आबादी की वृद्धि के लिए तर्क के पैर देती है। देश की सार्वजनिक स्मृति अक्सर कमजोर होती है और वह घटनाओं या सूचनाओं के मीडिया के मुख्य पृष्ठ या मुख्य खबर से हटते ही धीरे-धीरे अपने आप भुला दी जाती है। 2009 के आसपास जब स्वर्गीय एपीजे अब्दुल कलाम भारत के राष्ट्रपति थे सत्ता प्रतिष्ठानों के केंद्र से यह चर्चा शुरू हुई थी कि भारत अब युवकों का देश बन गया है और दुनिया में सबसे ज्यादा युवा आबादी भारत में है न केवल तत्कालीन राष्ट्रपति,प्रधानमंत्री बल्कि लगभग सभी दलों के राजनेता मुझ जैसों को छोड़कर इस पर गौरवान्वित होते थे कि देश की यह एक बड़ी उपलब्धि है कि देश युवाओं का देश है। हालांकि मैं लगातार कहता और बोलता रहा कि इसमें सरकार का कोई योगदान नहीं है और यह एक स्वाभाविक प्रक्रिया है जो यह भी संकेत देती है कि85 से 90 के बाद देश की आबादी में तेजी से वृद्धि हुई है। अगर यह प्रसन्नता का कारण सही भी है तब भी दूसरे पक्ष महत्वपूर्ण हैं। तथ्य यह है कि अधिकांश युवा बेरोजगार हैं या अर्ध रोजगार में है। युवकों का एक बड़ा हिस्सा अपराधों में लिप्त है और संस्कार तथा मूल्य विहीनता में जी रहा है। एक अच्छी खासी युवा आबादी नशे में डूबी है इसलिए युवाओं की संख्या गौरव की बात नहीं है बल्कि देश में एक ऐसे युवाओं की संख्या हो जो आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो, देश और समाज के प्रति समर्पित हो, जीवन मूल्यों के प्रति संकल्पित हो,वह गौरव की बात हो सकती है।

जिन वैश्विक शोध संस्थानों ने यह आंकड़े देकर उस समय देश को युवा आबादी का देश बनने का उत्सव मनवाया था अब वही कुछ दिनों से कह रहे हैं कि भारत बूढ़ा हो रहा है और युवा आबादी घट रही है। भारत सरकार ने यूथ इंडिया 2022 की रपट जारी की है कि देश की युवा आबादी जो अभी 47 प्रतिशत है वह घटकर 2036 तक 34.55 करोड़ हो जाएगी। अभी देश में 25 करोड़ युवा 15 से 25 साल के बीच के हैं और अगले 15 वर्षों में यह संख्या और कम होगी। साथ ही संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष यूएनपीएफ की इंडिया एजिंग रिपोर्ट 2023, के अनुसार 2011 में भारत की युवा आबादी की औसत उम्र 24 साल थी जो अब बढ़कर 2023 में 29 साल हो गई है यानी बुजुर्गों की संख्या 2050 तक बढ़कर लगभग कुल आबादी की 20 प्रतिशत हो जाएगी। यूथ इंडिया भारत सरकार की रपट में यह भी कहा गया की 2011 में प्रजनन दर 2.4 प्रतिशत थी जो अब घटकर दो प्रतिशत हो गई है तथा मृत्यु दर जो 2011 में प्रति हजार 7.1 थी वह 2019 में घटकर 6 हो गई है। संभवत 2024 में यह घटकर चार या पांच के बीच हो जाएगी।

गांवों को भी स्मार्ट गांव में तब्दील किया जाए

संजीव ठाकुर

विदेश की तरह भारत में भी अनेक शहरों को स्मार्ट सिटी का दर्जा देकर सारी सुविधाएं दी जा रही है हमें अब चाहिए कि गांव को भी स्मार्ट गांव में तब्दील उसे विकास की मुख्य धारा में लाया जाए। विदेशी गांवों की तर्ज पर ही भारत देश के गांव के भी विकास की जरूरत महसूस हो रही है,जहां के निवासियों की सभी जरूरतों को त्वरित व तेजी से पूरा किया जा सके1 जिस शहर में सभी गुणवत्ता पूर्ण आम लोगों को सुविधाएं कम सेवा मूल्य पर और आसानी से उपलब्ध हो सके। जहां लोगों के जीवन यापन के तरीके इतने सुलभ व संतुलित हो की धूल प्रदूषण से मुक्त सड़कें ,पानी, बिजली आसानी से उपलब्ध हो सके1 और वहां पर घर पहुंच घर में बैठे-बैठे इंटरनेट और सोशल मीडिया पर क्षण भर में सभी प्रशासनिक सुविधाएं उपलब्ध हो सके।, आम नागरिक जन सुविधाओं से स्वतंत्रता के बाद अब तक जूझ रहा हैं, तो उसका त्वरित निराकरण संचार माध्यमों से हो सके। ऐसे स्मार्ट शहर की स्थापना किया जाना केंद्र सरकार का लक्ष्य बन गया है1 पर क्या भारत की जनसंख्या की विशालता को देखते हुए और भारत के गांवों की संघनता और जनसंख्या को दृष्टिगत रख इन्हें स्मार्ट सिटी में बदला जा सकता है? यदि सरकार और आम नागरिकों का दृढ़ निश्चय संकल्प हो, और आपसी सहयोग तथा सामंजस्य बेहतर तरीके से हो जाए तो भारत में स्मार्ट सिटी की परिकल्पना यथार्थ रूप भी ले सकती है1 यदि दूसरे तरीके से और दूसरे नजरिए से इस तथ्य को देखा जाए तो स्मार्ट सिटी में पर्याप्त बिजली, पानी,भोजन,घर आदि की उपलब्धता के साथ-साथ स्वास्थ्य, सुरक्षा,शिक्षा, मनोरंजन, यातायात की सुविधाएं भी आसानी से प्राप्त हो जाएं और आरामदायक जीवन से संबंध सभी आर्थिक गतिविधियों का संचालन सुचारू रूप से चलता रहे। ऐसी स्मार्ट सिटी यदि भारत में बन जाती है, तो भारत से ज्यादा विकासवान दूसरा भी नहीं हो सकता है। तो ऐसे शहर की परिकल्पना केवल दृढ़ संकल्प और सार्थक मेहनत के प्रतिफल के रूप में ही की जा सकती है। देश के प्रधानमंत्री ने पूर्व स्वतंत्रता दिवस पर भारत में 100 से ज्यादा शहरों को स्मार्ट सिटी बनाने की घोषणा भी की है। और इसके लिए उन्होंने 9 हजार करोड़ रुपयों का बजट का प्रावधान भी रखा है। वैसे तो प्रधानमंत्री के इस स्वप्निल विचारों को मूर्त रूप देने के लिए केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय द्वारा एक पूरा मैनुअल जारी किया गया है। यह परियोजना आने वाले वर्षों में मूर्त रूप लेगी। देश के 40 लाख से अधिक आबादी वाले 9 शहरों,10 लाख से 40 लाख आबादी वाले 44 शहरों, 5 लाख से 10 लाख आबादी वाले 20 शहरों, सभी राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों की राजधानियों के अंतर्गत आने वाले लगभग 37 शहर सहित पर्यटन व धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण 15 शहरों को स्मार्ट सिटी बनाने की योजना बनाई गई है। नए प्रारूप में सर्वप्रथम केंद्रीय शासन द्वारा दिल्ली, गुड़गांव, फरीदाबाद, इलाहाबाद, कानपुर, लखनऊ, वाराणसी, देहरादून, हरिद्वार, बोधगया, भोपाल, इंदौर,कोच्चि, जयपुर और अजमेर को स्मार्ट सिटी के रूप में परिवर्तित करने का निर्णय लिया गया है।भारत में स्मार्ट सिटी बनाने की इस नई परियोजना मैं विदेशी राष्ट्रों ने भी गहरी रुचि दिखाई है। जापान ने वाराणसी शहर को एक अच्छी विकसित सर्व सुविधा संपन्न स्मार्ट सिटी बनाने रुचि दिखाई है। कतर देश के प्रिंस शेख हमद बिन नासिर ने दिल्ली को स्मार्ट सिटी बनाने के लिए 100 अरब रुपए की योजना बनाकर निवेश करने की इच्छा जताई है। नासिर जी ने अपने एक पार्टनर दिल्ली के नितेश शर्मा के साथ मिलकर देश में स्मार्ट शहरों की निर्माण हेतु एक लाख करोड़ रुपए निवेश करने का प्रावधान रखा है। सिंगापुर ने भी भारत में इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने के लिए सहयोग देने की बात कही है। उन्होंने चेन्नई बैंगलोर इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के निकट एक लिटिल सिंगापुर विकसित करने की योजना बनाई है।भारत सरकार ने स्मार्ट सिटी पर होने वाले खर्च हेतु पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल की को प्राथमिकता देने की योजना भी बनाई है।

महिलाओं को मजदूरी कमाने का समान अधिकार प्राप्त हो

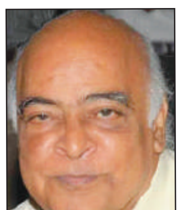

अशोक भाटिया

दुनिया भर में कामगार वेतन मिलने का बेसब्री से इंतजार करते हैं। लेकिन वेतन मिलने से भले ही राहत, संतुष्टि या खुशी का एहसास हो, लेकिन यह अन्याय का भी प्रतीक हो सकता है - कार्यस्थल पर पुरुषों और महिलाओं के बीच लगातार असमानताओं की एक कठोर याद दिलाता है। अन्तराष्ट्रीय श्रम संगठन की वैश्विक मजदूरी रिपोर्ट (ग्लोबल वेज रिपोर्ट) के अनुसार महिलाएं पुरुषों की अपेक्षा 33% कम वेतन पाती हैं। इसका मतलब हुआ महिलाओं को पुरुषों जितनी मजदूरी कमाने के लिए 4 महीने अतिरिक्त काम करना पड़ता है, या यूँ कहें की महिलाएं साल में 4 महीने मुफ्त में काम करती हैं, बिना किसी वेतन के। साथ ही महिलाओं की भागीदारी ऐसी नौकरियों में 60% है जहाँ मजदूरी कम मिलती है, वहीं सर्वोच्च मजदूरी मिलने वाली नौकरियों में उनकी संख्या मात्र 15% है। यदि इन आंकड़ों से हम सरकारीउच्च श्रेणी की नौकरियों और मनरेगा के तहत कानूनन मिलने वाले रोजगार को हटा दें तो लैंगिक वेतन के असमानता में अंतर और बढ़ जाता है। गौरतलब है कि हमारे देश में सामान वेतन अधिनियम वर्ष 1967 में लागू हुआ था, 6 दशक से भी अधिक बीत चुके हैं लेकिन महिलाओं की स्थिति ज्यों की त्यों बनी हुई है। दरअसल लैंगिक वेतन अंतर जड़ जमाए असमानताओं से उत्पन्न होता है। महिलाएँ, विशेष रूप से प्रवासी महिलाएँ, अनौपचारिक क्षेत्र में अत्यधिक प्रतिनिधित्व करती हैं। अपने आस-पास देखें, सड़क पर सामान बेचने से लेकर घरेलू सेवा तक, कॉफी शॉप अटेंडेंट से लेकर निर्वाह खेती तक। महिलाएँ अनौपचारिक नौकरियाँ करती हैं जो अक्सर श्रम कानूनों के दायरे से बाहर होती हैं, जिससे उन्हें कम वेतन वाले, असुरक्षित कामकाजी माहौल में फँसाना पड़ता है, जहाँ उन्हें सामाजिक लाभ नहीं मिलते। महिला श्रमिकों के लिए ये खराब परिस्थितियाँ लैंगिक वेतन अंतर को बनाए रखती हैं। काम के लैंगिक विभाजन ने काम को महिला प्रधान या पुरुष प्रधान रोजगारों में श्रेणीत कर यह सुनिश्चित किया है की यह स्थिति ऐसी ही बनी रहे। और इसीलिए यह आंकड़ा बिलकुल भी आश्चर्यचकित नहीं करता कि पुरुष प्रधान रोजगारों में वेतन महिला प्रधान रोजगारों से कहीं अधिक है। इसके लिए आम तौर पर दिया जाने वाला तर्क यह है की पुरुषों द्वारा किये जाने वाले काम अधिक कौशलपूर्ण होते हैं जबकि महिलाओं का काम अकुशल होता है। इस तर्क से वेतन में होने वाले भेद-भाव को तो सहारा मिल जाता है पर कुशलता में यह दोहरा पैमाना कैसे चला आ रहा है इस मुद्दे पर यह तर्क मार खा जाता है। महिलाओं को कौशल प्राप्त करने में क्या मुश्किलें आती हैं उसे यह तर्क पूरी तरह से अनदेखा कर देता है। यदि महिलाएं कौशल हासिल कर अच्छी नौकरियों में आ भी जाती हैं तो जिस द्वेषपूर्ण तरीके से उनकी अनदेखी और विरोध किया जाता है भी उसे भी यह तर्क अनदेखा कर देता है। सामाजिक परिधि में द्वेषपूर्ण व्यवहार का डर ही महिलाओं को उनकी स्थिति से बांधे रखने के लिए काफी होता है और उन्हें आगे बढ़ कर कौशल हासिल करने से रोकता है। एक बेहद दुखद सच्चाई यह भी है की संगठित वर्ग के पुरुष मजदूरों ने भी काम के लैंगिक भेद के इस ढांचे को स्थापित करने और बनाये रखने में अपना पूरा योगदान दिया है। परिणामस्वरूप यूनियन भी ऐसे सामूहिक समझौते कर बैठती हैं जिनसे मजदूरी में लैंगिक अंतर बना रहे क्योंकि यूनियन के नेता और मालिक, दोनों ही मुख्यतः पुरुष होते हैं और 'कौशल' के इस सामाजिक मिथक के शिकार होते हैं। महिलाओं को मिलने वाला काम न सिर्फ अकुशल, असम्मानित और असुरक्षित होता है, साथ ही उन पर घर का काम करने की भी जिम्मेदारी होती जिसका कोई मजदूरी मूल्य नहीं होता। काम संरचना का पिछले कुछ दशकों में जिस प्रकार से पुनर्गठन हुआ है, उससे कई प्रकार के काम घरेलु रोजगार और स्वरोजगार के आयाम में धकेल दिए गए हैं जिससे कारण वे विनियमन के दायरे से बहार आ गए हैं। इस पुनर्गठन के कारण मजदूरों पर नियंत्रण करने के तरीकों में भी बदलाव आया है। इस नई नियंत्रण प्रक्रिया में मजदूरों का नियंत्रण परोक्ष रूप से, अत्यंत दमनकारी उत्पादन परिस्थितियों से किया जाता है जो मजदूरों को स्वयं को शोषित करने की तरफ धकेलता है। जहाँ मालिक काम को छोटे अंशों में परत दर परत ठेके पर सौंप कर मलाई उड़ा ले जाते हैं, वहीं ठेकेदारी के जंजाल में फंसे मजदूर खुद के लिए कानूनी संरक्षण जुटा पाने में भी स्वयं को असमर्थ पाते हैं। महिलाओं के लिए न्यायिक और लोक नीतियों द्वारा समानता के लिए प्रतिबद्ध सरकार, इस मुद्दे की भव्य विषमताओं से ही खुद को दरकिनार कर लेती है। लोक नीतियों की विफलता और उनके अनुपालन में होने वाली ढील ही असमानता को बढ़ावा देती है। किशोरियां स्कूल जाना छोड़ देती हैं क्योंकि वहां शौचालय नहीं हैं। यहाँ तक की कई सरकारी दफ्तरों और सार्वजनिक बैंकों में भी महिला कर्मचारियों के लिए अलग शौचालय की व्यवस्था नहीं है। महिलाओं के लिए पुरुषों के समान जीवन जी सकने की जटिलताएं इतने मामूली स्तर से शुरू होती हैं, और जब अवसरों में ऐसी असमानता हो तो आगे चल कर वह परिणाम में असमानता का रूप ले ही लेती है। आज महिलाओं के सामने जो समस्याएं मुंह बाए खड़ी हैं वे सिर्फ कामकाज़ी जीवन तक सीमित नहीं हैं। महिलाओं के आय में असमानता का निवारण करने से न सिर्फ आर्थिक अंतर कम होगा बल्कि वर्तमान समाज में शक्ति के संतुलन का ताना-बाना बदलेगा जिससे महिलाओं की स्थिति न सिर्फ राजतंत्र में बल्कि घर पर भी बदलेगी। एक ऐसी दुनिया में जहाँ रंग, जाती और धर्म के आधार पर भेद-भाव, विदेशी भीती और स्त्री-द्वेष की घटनाओं में इजाफा हुआ है उसमें महिलाओं पर लैंगिक अत्याचार होने का खतरा बढ़ गया है।

यह हमारी ऐतिहासिक और मौजूदा सच्चाई का दर्पण है। यह दर्शाता है की कैसे महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति अपने सहकर्मियों और यूनियनों की उपेक्षा का शिकार रही हैं जिससे यह भेद-भाव आज एक बड़ी समस्या का रूप ले चूका है। यह मौन रहने की उस संस्कृति का भी दर्पण है जो उग्रता, हिंसा और भेद-भाव को बिना किसी दंड या अपराध के बोध फलने-फूलने का मौका देता है। इस साल दुनिया भर के अलग-अलग रोजगारों में निहित, सभी आयु वर्ग की महिलाएं एक सफल अभियान के तहत कार्यस्थल पर होने वाले यौन शोषण के खिलाफ एकजुट हुईं। इस अभियान के तहत न सिर्फ इस मुद्दे पर लगी चुप्पी टूटी बल्कि महिलाओं को एक-दूसरे के अनुभवों से बल मिला की वे भी एकजुट हो शक्ति के शिखर पर बैठे लोगों के खिलाफ आवाज़ तेज़ कर सकती हैं।

आत्मा के मंथन से क्या निकलेगा !

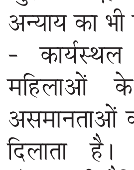

रामविलास जांगिड़

आजकल जीते हुए नेता लोग आत्म मंथन करते हैं। वे आत्मा का दही बनाकर मथते हुए सोचते हैं कि आखिर हम जीत कैसे गए? हमने आराम से भ्रष्टाचार किया था। रेप-लेप जैसे धार्मिक कार्यक्रम भी बहुत मजे से संपन्न किए थे। अमेरिका जापान में जाकर धिंगा-मस्ती भी की थी। फिर आखिर कैसे जीत गए? इधर चारों ओर आत्म मंथन का फैशन चल रहा है। आत्म मंथन की गचा-गची सी मची है। आत्म मंथन की इस आंधी में सोच रहा हूं कि मैं भी आत्म मंथन कर-कुराके काम खत्म करूं। इधर पिछवाड़े गली के नत्थूलाल ने भी आत्म मंथन कर लिया है। उसने पड़ोसी आत्मा का मंथन कर-कराके उसे छत पर भी फेंक दिया है। इधर छत पर पड़ी एक आत्मा अपना खुद का मंथन करके कह रही है कि खबरदार जो आत्म मंथन किया! जीते हुए नेता को तो हरगिज आत्म मंथन नहीं करते हैं। आत्मा का तर्क है कि आत्म मंथन बिल्कुल बेकार की चीज है, इसे कभी नहीं करना चाहिए। बार-बार आत्म मंथन करने से व्यक्ति छोटी-छोटी बातों को लेकर भी अधिक सोचने लगता है, जिससे मानसिक तनाव बढ़ता है। यदि आत्म मंथन केवल नकारात्मक पहलुओं पर केंद्रित हो जाए, तो व्यक्ति अपनी कमियों को ही देखता रहता है, जो आत्म-सम्मान का बेड़ा गर्ग कर देती है। व्यक्ति निर्णय लेने में समय लगाता है, जिससे अवसर के तोते हाथ से उड़कर निकल जाते हैं। बार-बार खुद की गलतियों पर विचार करना मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर डालता है और अवसाद या चिंता डूबकर रस्ते चलते मंत्री बन जाता है। आत्मा ने छत पर खड़े होकर एक जोरदार अंगड़ाई ली और चुनाव में जीते हुए नेता की आत्मा का मंथन करने की सख्त मनाई करते हुए बताया कि आत्म मंथन करते समय व्यक्ति अपनी गलतियों को बार-बार याद करता है, जो आत्म-आलोचना की प्रवृत्ति को बढ़ा देता है। इससे झूठ बोलने में कठिनाई होती है और व्यक्ति जीते जी नरक का भागी बनता है। जीव वर्तमान में खुश नहीं रह पाता और अतीत या भविष्य की चिंताओं में उलझा रहता है। इससे उस जीव का भ्रष्टाचार करने में मन नहीं लगता है। ज्यादा आत्म मंथन करने से समय का अपव्यय होता है, जो रेप रेप-लेप जैसे जरूरी धार्मिक कार्यों में लग सकता है। आत्म मंथन के कारण नेताजी को हर छोटे-बड़े निर्णय में संदेह होने लगता है। अरे निर्णय की स्थिति में कुर्सी जाने का खतरा बना रहता है। बार-बार आत्म मंथन करने से व्यक्ति अपने आस-पास के लोगों से दूर होने लगता है। संबंधों में दूरी आती है। इससे चमचा लोग बहुत परेशान होने लगते हैं। आत्म मंथन करते समय अपनी कमजोरियों पर ही ध्यान देने से आत्म-विश्वास कमजोर होता है। इसलिए हे जीते हुए तमाम नेताओं! आपके आत्म मंथन करने की कतई जरूरत नहीं है। आप तो देश सेवा के नाम पर इस देश का कबाड़ा करने पर तुले हुए हो, इसे जारी रखिए।

समृद्धि के उजालों के बावजूद धनाढ्यों का पलायन क्यों?

ललित गर्ग

भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने के साथ समृद्धि और संपन्नता के नये शिखरों पर आरोहण कर रहा है। भारत की आर्थिक प्रगति सकारात्मक दिशा में बढ़ रही है। हालिया आंकड़ों के अनुसार देश में सोने का भंडार नई ऊंचाई पर पहुंच गया है. दूसरी तरफ डीमैट खातों और स्टार्टअप की संख्या में भी तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। इन सकारात्मक दिशाओं एवं आर्थिक उजालों के बीच कुछ देश की सोचने वाली स्थितियां भी हमें आत्ममंथन को प्रेरित कर रही है। ऐसी ही एक सोचनीय एवं चिन्ताजनक स्थिति है कि देश की बढ़ती शोभा एवं सम्पन्नता के बावजूद अमीर व प्रतिभावान लोग देश छोड़कर क्यों जा रहे हैं? वर्ष 2023 में करीब इक्कावन सौ के लगभग करोड़पतियों ने देश छोड़ा और वर्ष 2024 में तैयालिस सौ करोड़पतियों के भारत से पलायन करने का अनुमान है। यह हमारी संपन्नता का ही क्षरण एवं हमारी आर्थिक विकासमूलक यात्रा पर एक बदनुमा दाग है। इन स्थितियों पर नियंत्रण जरूरी है और इसके लिये हमें अपनी कमियों के प्रति ज्यादा ईमानदार होना पड़ेगा। सशक्त एवं विकसित भारत निर्मित करने, उसे दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बनाने और अर्थव्यवस्था की सुनहरी तस्वीर निर्मित करने के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी निरन्तर प्रयास कर रहे हैं। मोदी सरकार ने देश के आर्थिक भविष्य को सुधारने पर ध्यान दिया न कि लोकलुभावन योजनाओं के जरिये प्रशंसा पाने अथवा कोई राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश की है। राजनीतिक हितों से ज्यादा देशहित को सामने रखने की यह पहल अनूठी है, प्रेरक है। अमृत काल का विजन तकनीक संचालित और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था का निर्माण करना है। बुनियादी ढांचागत विकास को प्राथमिकता देने के लिये हमें मौजूदा सरकार की सराहना करनी ही चाहिए। आर्थिक वृद्धि को आवश्यक आधार प्रदान करने के साथ ही बुनियादी ढांचागत परियोजनाएं रोजगार सृजन के दृष्टिकोण से भी आवश्यक होती है। मोदी सरकार की नियोजित एवं दूरगामी सोच का ही परिणाम है कि रिजर्व बैंक के पास सोने के भंडार में लगातार वृद्धि हो रही है. पूर्व सरकारें देश का सोना गिरवी रखती रही है लेकिन मोदी सरकार देश का सोना विदेशों से स्वदेश लाने के अनूठे उपक्रम किये हैं. यही कारण है कि रिजर्व बैंक के पास सितंबर में सोने का भंडार 854.73 टन था। इसमें से 510.46 टन देश में है, बाकी 324.01 टन सोना विदेशी बैंकों में है। आरबीआई सोना खरीदने वाले पांच शीर्ष केंद्रीय बैंकों में से एक है। भारतीयों के पास घरों में 25 हजार टन से ज्यादा सोना है। यह स्वर्ण भंडार में पहले पायदान पर खड़े अमेरिका के 8,965 टन से तीन गुना है। भारत में आर्थिक गतिविधियां नये शिखरों पर सवार है, क्योंकि भारत में डीमैट खाते 17 करोड़ के पार पहुंच चुके हैं। देश के कुल डीमैट खाते अब अन्य देशों की तुलना में नौवें स्थान पर हैं, जिसका मतलब है डीमैट खाते रूस, जापान, इथियोपिया, मैक्सिको जैसे देशों की आबादी से अधिक और बांग्लादेश की आबादी के करीब है। वर्ष 2024 में 3.18 करोड़ नए डीमैट खाते खोले गए। पिछले वर्ष 3.10 करोड़ डीमैट खाते खोले गए थे। भारत दुनिया तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है जिसमें 1,40,000 से अधिक पंजीकृत स्टार्टअप और हर 20 दिन में एक यूनिकॉर्न उभरता है। यूनिकॉर्न उन स्टार्टअप को कहा जाता है जिनका मूल्यांकन एक अरब डॉलर हो जाता है। इस बार जनवरी से सितम्बर के बीच छह स्टार्टअप यूनिकॉर्न बन गए। भारतीय तकनीकी स्टार्टअप ने 2024 की पहली छमाही में 4.1 अरब डॉलर की फडिंग जुटाई जो बीते वर्ष की इसी छमाही से 4 फीसदी ज्यादा है। फडिंग जुटाने में भारत का चौथा स्थान है।

इन उजले आंकड़ों में जहां मोदी के विजन 'हर हाथ को काम' का संकल्प साकार होता हुआ दिखाई दे रहा है, वहीं 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का प्रभाव भी स्पष्ट रूप से उजागर हो रहा है। दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर भारत ने अनेक क्षेत्रों में नये कीर्तिमान स्थापित किये है लेकिन श्रम शक्ति की ओर ज्यादा तवज्जों देने की जरूरत है क्योंकि जीडीपी देश के आम नागरिकों की समृद्धि का पैमाना नहीं है। जिस पैमाने से देश के आम लोगों की समृद्धि मापी जाती है उसे प्रति व्यक्ति आय कहते हैं। इसमें दिहाड़ीदार मजदूर, कामकाजी लोग, महिलाओं की स्थिति से लेकर औद्योगिक घराने की कमाई तक सब शामिल रहते हैं। बहुत सारे लोग औसत से अधिक कमाते हैं और बहुत सारे लोग कम। इस बार की दीपावली न केवल खुशी बल्कि सभी के लिए प्रेरणा का अवसर बनी है, बाजार से समाज तक और उद्यमी से सरकार तक, सभी के लिये दीपावली समृद्धि का एक नया उजाला लेकर आयी। इस बार बाजार में कुल 4.25 लाख करोड़ रुपये की खरीदारी का अनुमान है।

लोकपर्व छठ में अस्त होते सूर्य की उपासना

बिनय यादव

सनातन धर्म में छठ पूजा का विशेष महत्व है। प्रत्येक वर्ष छठ पूजा पर्व का आयोजन कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि के दिन होता है। इस दिन सूर्य देव की उपासना का विधान है। छठ पूजा में ढलते हुए सूर्य की उपासना की जाती है। इस दिन माताएं अपने के परिवार में सुख-समृद्धि के लिए निर्जला उपवास का पालन करती हैं। इस दिन को सूर्य षष्ठी के नाम से भी जाना जाता है। छठ पूजा का शुभारंभ 36 घंटे पहले हो जाता है और इस पर्व को बिहार, झारखंड, पूर्वांचल के विभिन्न हिस्सों में बड़े ही हर्षोल्लाह के साथ मनाया जाता है।

छठ पूजा 2024 मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, कार्तिक शुक्ल पक्ष की सृष्टि तिथि 07 नवंबर मध्यरात्रि 12:40 पर शुरू होगी और इस तिथि का समय पर 08 नवंबर मध्यरात्रि 12:30 पर हो जाएगा। ऐसे में छठ पूजा का आयोजन 07 नवंबर 2024, गुरुवार के दिन किया जाएगा। इस दिन सूर्य उदय पूजा के लिए मुहूर्त सुबह 06:35 रहेगा। वहीं सूर्यास्त पूजा मुहूर्त शाम 05:30 पर होगा।

छठ पूजा 2024 कैलेंडर

05 नवंबर 2024, मंगलवार: नहाए खाय

06 नवंबर 2024, बुधवार: खरना

07 नवंबर 2024, गुरुवार: छठ पूजा संध्या अर्घ्य

08 नवंबर 2024, शुक्रवार: उषा अर्घ्य छठ पूजा व्रत पारण

छठ पूजा का क्या है महत्व ?

सनातन धर्म में छठ पूजा को बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। छठ पूजा का शुभारंभ नहाए खाय से होता है और इस दिन पवित्र जल में स्नान किया जाता है व उपवास का पालन करने वाली महिलाएं दिन में केवल एक ही बार भोजन ग्रहण करती हैं। इसके बाद दूसरे दिन खरना पर निर्जला उपवास का पालन किया जाता है और सूर्य देव को भोजन प्रदान करने के बाद ही व्रत का पारण किया जाता है। छठ पूजा का मुख्य दिवस तीसरा दिन है, जिसमें महिलाएं संपूर्ण दिन निर्जल उपवास का पालन करती हैं और अस्त होते सूर्य को जल प्रदान करती हैं, जिसे इस पूजा का मुख्य अनुष्ठान माना जाता है। यह एकमात्र ऐसा पर्व है, जिसमें ढलते हुए सूर्य को जल प्रदान किया जाता है और उनकी उपासना की जाती है। इसके बाद इस दिन पूर्ण रात्रि उपवास रखा जाता है और अगले दिन उदय होते सूर्य को जल प्रदान करने के बाद व्रत का पारण किया जाता है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस व्रत का पालन करने से परिवार में सुख-समृद्धि आती है और सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती है।

छठ प्रसाद की है विशेष महिमा

छठ का प्रसाद बहुत ही देख रेख में तैयार किया जाता है।

छठ के प्रसाद में गुड़ की खीर और ठेकुआ (आटा, दूध और घी से बनाया जाता है) जैसे मीठे व्यंजन शामिल होते हैं।

प्रसाद के रूप में मीठा नींबू, गन्ना और केला अवश्य चढ़ाया जाता है।

छठ पूजा के दौरान तैयार किए जाने वाला भोजन नमक और प्याज के बिना ही पकाया जाता है।

शनि, सूर्य के साथ ही ये 4 ग्रह बदलेंगे चाल 3 राशियों के लिए लाभदायक रहेगा महीना

शनि, सूर्य के साथ ही नवंबर में ये 4 ग्रह बदलेंगे चाल, 3 राशियों के लिए लाभदायक रहेगा महीना नवंबर के महीने में सूर्य, शनि, बुध और शुक्र ग्रह अपनी चाल बदलेंगे।

नवंबर के महीने में सूर्य और शनि के साथ बुध और शुक्र ग्रह भी अपनी चाल बदलेंगे। ग्रहों की चाल का यूं तो सभी राशियों पर असर देखने को मिलेगा लेकिन कुछ राशियों के लिए ग्रहों का चाल बदलना नवंबर में बेहद लाभदायक रह सकता है। इस महीने की शुरुआत में 7 नवंबर को शुक्र ग्रह धनु राशि में गोचर करेंगे। वहीं 15 नवंबर को शनि कुंभ राशि में मार्गी गति शुरु कर देंगे। सूर्य का वृश्चिक राशि में गोचर 16 नवंबर को होगा। बुद्धि के कारक ग्रह बुध 26 नवंबर से वृश्चिक राशि मं वक्री चाल शुरु करेंगे और माह के अंतिम दिन वृश्चिक राशि में ही अस्त हो जाएंगे। इन ग्रहों की बदली चाल किन राशियों को लाभ दिला सकती है आइए जानते हैं।

कर्क राशि

आपके लिए नवंबर का महीना बेहद शुभ फलदायक साबित हो सकता है। आपकी इच्छाएं इस दौरान पूरी हो सकती हैं। अगर नौकरी की तलाश में लगे हैं या नौकरी स्विच करना चाहते हैं तो आपकी मनोकामना पूरी हो सकती है। भाग्य का कर्क राशि के जातकों को इस महीने भरपूर सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही बीते समय में की गई मेहनत भी इस दौरान रंग लाएगी। पारिवारिक जीवन में आपके कार्यों को सराहा जा सकता है। माता-पिता से दिल की बातें साझा करेंगे, जिससे पारिवारिक जीवन में खुशहाली आएगी। आपके वैवाहिक जीवन के लिए भी नवंबर का यह महीना बेहद खास नजर आ रहा है।

सिंह राशि

इस महीने आपको खोई हुई ऊर्जा वापस लौट सकती है। खासकर 16 नवंबर से लेकर महीने के अंत तक का समय यादगार साबित होगा। अटके कार्य इस दौरान बन सकते हैं और करियर में आप ऊंचाइयों को छू सकते हैं। अगर जमीन-जायदाद से जुड़े किसी मसले को लेकर परेशान थे तो उसका भी हल आपको मिल सकता है। अपनी योग्यता के प्रति आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा, इसलिए सामाजिक स्तर पर आपकी ख्याति बढ़ सकती है। विपरीत लिंगी इस दौरान आपकी ओर आकर्षित हो सकते हैं। वैवाहिक जीवन में प्रेम बढ़ सकता है, इस महीने पार्टनर के साथ कहीं घूमने भी आप निकल सकते हैं।

धनु राशि

आपके लिए यह महीना काफी खुशगवार साबित हो सकता है। मनचाहे फलों की प्राप्ति धनु राशि के जातकों को होगी। हालांकि आपके प्रतिद्वंद्वी इस महीने आपका काम बिगाड़ने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन ग्रहों का कुछ ऐसा असर होगा कि, आपको जीत मिलेगी। करियर को लेकर आप एकाग्र नजर आएंगे इसलिए कार्यक्षेत्र में अच्छे परिणाम भी आपको प्राप्त होंगे। इसके साथ ही आर्थिक रूप से भी धनु राशि के जातकों के लिए यह महीना बेहद खास रहेगा। इस दौरान संचित धन में वृद्धि हो सकती है। आपकी धन से जुड़ी कई परेशानियां इस दौरान दूर होंगी।

छत्रपति शिवाजी की मां जीजाबाई खुद जाधव कुल से आती थीं, जो यादवों के वंशज थे

सातवाहनों के बाद महाराष्ट्र पर मूल रूप से आज के विदर्भ के इलाके के रहने वाले वाकाटक वंश के राजाओं का शासन रहा। वाकाटकों ने अपनी राजधानी आज के नागपुर के आसपास बनाई, अजंता और एलोरा की गुफाएं वाकाटकों के समय ही बनवाई हुई हैं।

वाकाटकों के बाद चालुक्य राजा पुलकेशिन प्रथम ने महाराष्ट्र पर शासन किया। सातवाहन और वाकाटक ब्राह्मण थे, जबकि चालुक्य क्षत्रिय राजा थे। छठी शताब्दी में पुलकेशिन प्रथम के उत्तराधिकारी पुलकेशिन द्वितीय ने सोने के सिक्के निकाले थे। चीनी यात्री ह्वेनसांग ने पुलकेशिन द्वितीय की आर्मी को ट्रेनिंग दी और प्रशासन के गुर सिखाए। चालुक्य राजा विक्रमादित्य द्वितीय की मौत के बाद महाराष्ट्र पर राष्ट्रकूटों का शासन शुरू हुआ। इनमें से राष्ट्रकूट राजा गोविंद तृतीय ने सबसे ज्यादा साम्राज्य विस्तार किया। 813 ईसवी में गोविंद तृतीय की मृत्यु हो गई। कहा जाता है उसके समय दक्कन के नगाड़ों की आवाज हिमालय से मलाबार तट तक सुनाई देती थी।

गोविंद तृतीय का बेटा अमोघवर्ष पिता की तरह योद्धा नहीं था। कन्नड़ और संस्कृत में उसने कई किताबें लिखीं और जैन धर्म अपनाया। इसके चलते शांतचित्त अमोघवर्ष को 'दक्षिण का अशोक' कहा गया। कर्नाटक के प्रसिद्ध जैन मंदिर उसी ने बनवाए। अमोघवर्ष के बाद कुल 7 राष्ट्रकूट राजा हुए।

इसके बाद महाराष्ट्र पर आज के कर्नाटक के कल्याणी (कलबुर्गी इलाके) से आने वाले चालुक्यों का शासन हुआ। 1076 से 1126 तक चालुक्य राजा विक्रमादित्य का शासन रहा। यह कन्नड़ साहित्य के लिए स्वर्णिम युग माना जाता है। इसी दौरान वीरशैव सम्प्रदाय की शुरुआत हुई, जो आज भी अस्तित्व में है। कल्याणी चालुक्य वंश के दौरान ही आज के कर्नाटक के हासन जिले से होयसल राजवंश की शुरुआत हुई थी। कहा जाता है कि कृष्ण जब मथुरा छोड़कर गुजरात के द्वारका गए तो उनके साथ बड़ी तादाद में यादव भी गए थे। 1100 ईसवी के आसपास इन यादवों ने होयसल राजवंश की नींव रखी थी। यादवों ने महाराष्ट्र के आज के औरंगाबाद में स्थित दौलताबाद के किले को अपना गढ़ बनाया, देवगिरी उनकी राजधानी थी। नासिक और दक्षिणी भारत में आज भी यादव पाए जाते हैं। 1318 ईसवी तक यादव राजाओं ने महाराष्ट्र के एक बड़े इलाके पर शासन किया। छत्रपति शिवाजी की मां जीजाबाई खुद जाधव कुल से आती थीं, जो यादवों के वंशज थे।

कुछ इतिहासकार यादव वंश को पहला मराठा साम्राज्य मानते हैं। यादवों के शासनकाल में ही मराठी भाषा को राजदरबार की भाषा बनाया गया। हालांकि, महाराष्ट्र पर शासन करने वाला कोई भी राजवंश उत्तर भारत की तरफ नहीं बढ़ पाया या कहें कि दिल्ली पर शासन नहीं कर पाया।

1296 में संत ज्ञानेश्वर ने समाधि ली थी। इसी साल दिल्ली के सुल्तान अलाउद्दीन खिलजी के सेनापति ने यादवों की राजधानी देवगिरी पर हमला कर दिया था। सिंहन को हराकर खिलजी की सेना ने देवगिरी में भयंकर मारकाट मचाई। एक झूठी अफवाह के चलते सिंहन की सेना ने खिलजी के आगे हार मान ली थी, इसके बाद रामचंद्र ने खिलजी के सेनापति मलिक काफूर को बड़ा खजाना देकर समझौता किया। सिर्फ 5 दिन के अंदर 200 साल पुराना यादव राजवंश घुटनों पर आ गया।

हालांकि, अलाउद्दीन के निशाने पर दिल्ली की सल्तनत थी, इसलिए सालाना एक तय रकम अदा करने की शर्त पर खिलजी वापस दिल्ली चला गया। इसके बाद 1307 और 1310 में भी मलिक कफूर ने दो बार देवगिरी पर हमला किया। रामचंद्र ने अलाउद्दीन की सरपरस्ती स्वीकार कर ली और सिंहन जंग में मारा गया। कुल 4 बार अलाउद्दीन ने महाराष्ट्र के यादव वंश को हराया। 1307 से लेकर 1321 तक मलिक कफूर ने अकेले ही पूरे दक्षिण भारत पर कब्जा कर लिया था। बाद के सालों में दिल्ली में सत्ता के लिए मारकाट मची। अलाउद्दीन को मलिक कफूर ने मारा, मलिक की हत्या अलाउद्दीन के बड़े बेटे मुबारक खिलजी ने की। मुबारक की हत्या सेना के प्रमुख मलिक खुसरू खान ने कर दी। खुसरू को मारकर गयासुद्दीन तुगलक खुद दिल्ली सल्तनत की गद्दी पर बैठ गया। गयासुद्दीन तब पंजाब के एक छोटे इलाके का गवर्नर था। **(जारी)**

कैसे और किस समय करनी चाहिए शनिदेव की पूजा

महिलाओं को नहीं चढ़ाना चाहिए शनि देव पर ये चीज

शनिदेव की पूजा करने की विधि :

1. शनिवार के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें।
2. शनिदेव की मूर्ति पर तेल, फूल-माला चढ़ाएं।
3. शनिदेव को पंचामृत से स्नान कराएं।
4. शनिदेव को फल, मिठाई आदि का भोग लगाएं।
5. तिल के तेल या सरसों के तेल का दीपक जलाएं।
6. शनिदेव की स्तुति का पाठ करें।
7. पूजा का समापन शनिदेव की आरती से करें।
8. पूजा के बाद असहाय लोगों को भोजन कराएं।
9. व्रत का पारण काली उड़द की दाल की खिचड़ी से करें।

शनिदेव की पूजा से जुड़ी कुछ और बातें:

1. शनिदेव की पूजा के लिए शास्त्रों में समय निर्धारित किया गया है। शनिदेव की पूजा सूर्यास्त के बाद करनी चाहिए।
2. शनिदेव की पूजा करते समय मुंह पश्चिम की तरफ़ होना चाहिए।
3. शनिदेव की पूजा करते समय लाल रंग के कपड़े नहीं पहनने चाहिए। नीले और काले रंग के कपड़े पहनने चाहिए।
4. शनिदेव की पूजा करते समय उनकी आंखों में नहीं देखना चाहिए।
5. शनिदेव की पूजा में शमी के पत्ते, शमी के फूल, जड़, और उसका फल चढ़ाना चाहिए।

शनि देव की पूजा का सही समय : शनिवार का दिन शनि देव को समर्पित है।

शास्त्रों में शनि देव की पूजा का सही समय सूर्यास्त के बाद माना जाता है। इस समय पूजा करने से वह भक्तों पर प्रसन्न होते हैं। शनि देव की पूजा अमूमन शाम 6 बजे के बाद करनी चाहिए।

कैसे करें शनि देव की पूजा : पूजा के समय शनि महाराज को शमी के पत्ते, शमी के फूल, जड़ और उसका फल चढ़ाया जाता है। इससे शनि देव का आशीर्वाद मिलता है, दुख दूर होते हैं और धन संकट भी खत्म होता है। शमी के पौधे को जल चढ़ाने और उसके नीचे सरसों का दीपक जलाने से शनि देव खुश होते हैं। शनिवार के दिन आप अपने घर पर शमी का पौधा लगा सकते हैं। शास्त्रों के अनुसार, शनि देव की मूर्ति स्पर्श करने से महिलाओं पर शनि की नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव पड़ता है। इसके साथ ही औरतों को शनि देव की मूर्ति पर तेल चढ़ाना भी वर्जित माना जाता है। अगर आप शनि देव को प्रसन्न करना चाहती हैं तो शनि देव के मंदिर में सरसों तेल का दीपक जला सकती हैं। ऐसा माना जाता है कि तिल के तेल और कपास की बाती के साथ लोहे का दीया चढ़ाने से शनि देव को प्रसन्न करने और हमारे ग्रह संबंधी अवरोधों को दूर करने में मदद मिल सकती है। हालाँकि, हर अनुष्ठान और भेंट के पीछे, हम जिस इरादे से इसे करते हैं, वह वास्तव में मायने रखता है।

भगवान शनि देव के भोग में तिल, गुड़, खिचड़ी, काले तिल से बनी चीजें और गुलाब जामुन का भोग लगाना चाहिए। इस बात का विशेष ध्यान रखें कि भोग सात्विक और शुद्ध हो। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इन चीजों का भोग लगाने से शनि देव प्रसन्न होते हैं और इंसान की कुंडली से शनि दोष, साढ़ेसाती और ढैय्या का बुरा प्रभाव कम होता है। अनुशासन और न्याय से जुड़े शनि देव तब क्रोधित होते हैं जब लोग बेईमान, अनैतिक या अनैतिक व्यवहार करते हैं । कर्तव्यों की उपेक्षा करना, बड़ों का अनादर करना और वंचितों के साथ दुर्व्यवहार करना भी उनके क्रोध का कारण बनता है।

महिलाओं को कैसे करनी चाहिए शनिदेव की पूजा : हिंदू धर्म शास्त्रों में महिलाओं को शनिदेव की पूजा करना वर्जित नहीं हैं। वो भी शनिदेव की कृपा पाने के लिए उनकी पूजा कर सकती हैं। लेकिन उन्हें कुछ नियमों का पालन करते हुए शनिदेव की पूजा करनी है।

1- शनि देव की पूजा करते समय महिलाओं का उनकी मुर्ति को स्पर्श करना वर्जित है।

2- महिलाओं का शनिदेव की मुर्ति पर तेल चढ़ाना भी मना है। ऐसा करने पर उन पर शनिदेव का नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

3- शनिदेव की कृपा पाने के लिए महिलाएं मंदिर में सरसों के तेल का दीपक जगा सकती हैं।

4- महिलाएं शनिवार के दिन शनि से जुड़ी चीज़ें जैसे सरसों तेल, काले वस्त्र, काले जूते, लोहे का बर्तन, काली उड़द दाल, काला तिल आदि का दान कर सकती हैं।

5- शनिदेव के मंत्रों का जाप महिलाएं कर सकती हैं। इसके लिए शास्त्रों में किसी तरह की कोई मनाही नहीं है।

घर में पोछा कब नहीं लगाना चाहिए ? महिलाएं जरूर रखें इन खास बातों का ध्यान

सनातन धर्म में वास्तु शास्त्र का विशेष महत्व है। इसलिए घर बनवाने से लेकर घर में रखी चीजों तक में नियमों का ध्यान रखा जाता है। ऐसे में यदि, खुशहाल जीवन व सुख-समृद्धि चाहिए तो वास्तु के नियमों का पालन करना बेहद जरूरी है। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि पोछा लगाने के भी वास्तु टिप्स होते हैं? जी हां, पोछा लगाने के दौरान हुई गलतियां दुख का कारण बन सकती है। ऐसे में सवाल है कि आखिर, पोछा लगाने के वास्तु नियमों क्या हैं? पोछा किस समय लगाया जाता है? कब नहीं लगाना चाहिए पोछा? पोछा को किस तरह से लगाना चाहिए?

घर में पोछा लगाने से जुड़े जरूरी नियम

गुरुवार को न लगाएं: वास्तु शास्त्र के मुताबिक, गुरुवार को पोछा लगाने से बचना चाहिए। ऐसा करने से बृहस्पति देव नाराज होता है। साथ ही घर में दोष का कारण भी बन सकता है। वहीं, नियमों को मानने वाले लोग को शुभ फलों की प्राप्ति हो सकती है।

एकादशी को न लगाएं: घर में एकादशी के दिन भी पोछा लगाने से बचना चाहिए। ऐसा करने से जातक के परिवार को बुरा प्रभाव पड़ते का खतरा बढ़ता है। साथ ही, किसी भी कार्य को करने से पहले ही अड़चन आ सकती है।

इस समय में लगाएं: वास्तु के अनुसार, घर में पोछा लगाने का सबसे अच्छा समय ब्रह्म मुहूर्त होता है। यह समय सूर्योदय से लगभग 1।5 घंटे पहले का माना जाता है।

ऐसा कहा गया है कि इस समय में पोछा लगाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है, जिससे आपके घर में सुख-शांति बनी रहती है। वहीं सूर्योदय या उसके तुरंत बाद भी पोछा लगाना भी अच्छा माना गया है, इससे घर में उन्नति आती है।

इस समय न लगाएं पोछा: वास्तु के अनुसार, कभी भी घर में दोपहर के समय पोछा नहीं लगाना चाहिए क्योंकि इस समय सूरज अपने चरम पर होता है और इस समय पोछा लगाने से घर में आने वाली सौर ऊर्जा का पूरी तरह से लाभ नहीं मिलता। वहीं सूर्यास्त के बाद भी पोछा नहीं लगाना चाहिए। इससे आपके घर में नकारात्मकता आती है।

जब यशराज फिल्म्स ने नोरा को फिल्म के लिए किया रिजेक्ट, अभिनेत्री ने गुस्से में तोड़ दिया था फोन

निराशा का वह पल नोरा के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। नोरा ने आगे कहा, "हर किसी का अपना समय होता है, और जब वह समय आता है, तो सभी दरवाजे खुल जाते हैं। लेकिन अगर मैं उन दरवाजों को जबर्दस्ती खोलती रहूं, जो मेरे लिए खुलने के लिए नहीं हैं, तो इससे मुझे कोई मदद नहीं मिलने वाली है।"

नोरा फतेही आज बॉलीवुड में किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। बतौर डांसर फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बना चुकीं नोरा आज सबकी पसंदीदा अभिनेत्रियों में से एक हैं। नोरा पिछली बार फिल्म 'मडगांव एक्सप्रेस' में नजर आईं। यह फिल्म दर्शकों के बीच अच्छी प्रतिक्रिया बटोरने में असफल साबित हुई। अब हाल ही में, नोरा फतेही ने बताया कि यशराज फिल्म्स से रिजेक्शन फेस करने के बाद उन्होंने अपना फोन तोड़ दिया था, उसके टुकड़े-टुकड़े कर दिए थे। आइए जानते हैं कि नोरा ने और क्या बताया है।

इस रिजेक्शन को नहीं झेल पाईं नोरा

नोरा ने मेलबर्न के इंडियन फेस्टिवल में पूर्व फिल्म समीक्षक राजीव मसंद के साथ एक साक्षात्कार में कहा, ₹मुझे याद है कि एक बार मैं ऑडिशन के लिए गई थी। यह यशराज फिल्म्स के लिए था। मैंने वाकई कई सप्ताह लाइन्स को रटने में बिताए... मैं सोच रही थी, 'मैंने इसे क्रेक कर दिया'। उन्होंने मुझे वापस नहीं बुलाया, फीडबैक था, 'वह इतनी अच्छी नहीं है'। मुझे याद है कि यह सुनकर... मैंने गुस्से में अपना सेल फोन तोड़ दिया, उसके टुकड़े-टुकड़े कर दिए।

समय के साथ सीखने को मिली यह चीज निराशा का वह पल नोरा के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। नोरा ने आगे कहा, "हर किसी का अपना समय होता है, और जब वह समय आता है, तो सभी दरवाजे खुल जाते हैं। लेकिन अगर मैं उन दरवाजों को जबर्दस्ती खोलती रहूं, जो मेरे लिए खुलने के लिए नहीं हैं, तो इससे मुझे कोई मदद नहीं मिलने वाली है।"

रिजेक्शन फेस करने में नहीं कतरातीं अभिनेत्री

नोरा ने कहा कि पीछे मुड़कर देखने पर, उन्हें समझ में आया कि वह रिजेक्शन पर ज्यादा रिएक्ट कर रही थीं। क्योंकि जिन प्रोजेक्ट्स के लिए उसे मना किया गया था, वे उतने अच्छे नहीं रहे। अभिनेत्री ने कहा, "जब वे फिल्में रिलीज हुईं, तो वे फ्लॉप हो गईं, या वे बहुत खराब प्रोजेक्ट थे, और मैं सोचती थी, 'हे भगवान, क्या मैं उस प्रोजेक्ट के लिए रोई थी? मैंने उस फिल्म के लिए अपना फोन तोड़ा था?' वह मेरे करियर को खराब कर सकती थी। इसलिए मैंने जाने देना सीख लिया।"

अनुष्का शर्मा को फिल्म 'तमाशा' ठुकराने का पछतावा?

बोलीं- इम्तियाज बहुत अच्छे डायरेक्टर हैं, अगर मैं फिल्म करती तो तारीफ जरूर होती

इम्तियाज अली के निर्देशन में बनी फिल्म तमाशा में लीड एक्ट्रेस के तौर पर अनुष्का शर्मा पहली पसंद थीं। हालांकि, उन्होंने इस फिल्म को रिजेक्ट कर दिया था। अनुष्का का कहना है कि अगर वह इम्तियाज अली की यह फिल्म करतीं, तो उन्हें तारीफ जरूर मिलती, क्योंकि वह एक अच्छे डायरेक्टर हैं।

अनुष्का शर्मा से पूछा गया कि क्या उन्हें तमाशा फिल्म को ना करने का कोई पछतावा है। इस पर अनुष्का ने कहा, 'मैंने इस फिल्म को इसलिए मना किया था, क्योंकि इस फिल्म की कहानी ज्यादातर रणबीर कपूर के किरदार पर आधारित थी।'

अनुष्का ने कहा था, 'वैसे तो मैंने यह फिल्म नहीं देखी। लेकिन हां, अगर मैं इस फिल्म को करती, तो मुझे तारीफें जरूर मिलतीं, क्योंकि इम्तियाज अली एक बेहतरीन डायरेक्टर हैं। उनकी किसी भी फिल्म में काम करने वाला एक्टर हमेशा अच्छा होता है। वह अपने अभिनेताओं के साथ बहुत अच्छे हैं।'

2015 में हुई थी तमाशा फिल्म रिलीज

बता दें, फिल्म तमाशा साल 2015 में रिलीज हुई थी। इसमें रणबीर कपूर ने वेद वर्धन साहनी का किरदार निभाया था, जो कहानी सुनाने और ड्रामा के शौकीन होता है। कोर्सिका की एक सोलो ट्रिप पर उसकी मुलाकात तारा माहेश्वरी यानी दीपिका पादुकोण से होती है। इसके बाद उनके बीच एक गहरा रिश्ता बन जाता है।

अमीषा को ऑफर हुई थी शाहरुख की फिल्म चलते-चलते

उनकी सेक्रेटरी ने बिना बताए न कह दिया था, एक्ट्रेस को आज भी अफसोस

शाहरुख खान की फिल्म चलते-चलते रानी मुखर्जी से पहले अमीषा पटेल को ऑफर की गई थी। हालांकि अमीषा की सेक्रेटरी ने उन्हें यह बात बताई ही नहीं थी। सेक्रेटरी ने अमीषा के हवाले से फिल्म का ऑफर ठुकरा दिया था। इस बात का अफसोस अमीषा को आज भी है। इस बात का खुलासा एक्ट्रेस ने हालिया इंटरव्यू में किया है।

शाहरुख से भी मिली थीं अमीषा

इंटरव्यू में अमीषा पटेल ने कहा, 'मेरे पेशे में, मैं कुछ फिल्मों से चूक गई। कुछ को बहुत सफलता मिली और कुछ फिल्में फ्लॉप हो गईं। मैंने शाहरुख खान की फिल्म चलते-चलते नहीं की क्योंकि मुझे नहीं पता था कि यह मुझे ऑफर की गई थी। मेरे सेक्रेटरी ने मुझे बताया नहीं था कि यह फिल्म ऑफर की गई है।

जब फिल्म रिलीज होने वाली थी और शाहरुख इसके लिए डबिंग कर रहे थे, तो वह मुझे डबिंग स्टूडियो में ले गए थे। कुछ एडिट भी दिखाए थे। उन्होंने कहा था- आओ, मैं तुम्हें उस फिल्म का एडिट दिखाऊंगा, जिसके लिए तुमने मना किया था।' अमीषा पटेल ने फिल्म कहो ना प्यार है से एक्टिंग में डेब्यू किया था। इसके फिल्म में उनके अपोजिट ऋतिक रोशन नजर आए थे। राकेश रोशन के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट थी। इसके बाद अमीषा को फिल्म गदर से बहुत पॉपुलैरिटी मिली। कुछ फिल्मों में काम करने के बाद अमीषा ने फिल्मों से ब्रेक ले दिया था। फिर उन्होंने 2023 में गदर 2 से फिल्मों में वापसी की। यह फिल्म भी हिट रही। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 686 करोड़ की कमाई की थी।

मीनाक्षी शेषाद्रि ने की सुभाष घई से झगड़े पर बात

कहा- मेरी जंग की शूटिंग के दौरान विवाद हुआ था, फिर वो दूसरी एक्ट्रेसेस साइन करने लगे

90 के दशक की मशहूर एक्ट्रेस मीनाक्षी शेषाद्रि बीते कई सालों से फिल्म इंडस्ट्री से दूर हैं। एक्ट्रेस ने एक दौर में मेरी जंग, दामिनी, घायल, हीरो जैसी सुपरहिट फिल्मों में काम किया, लेकिन फिर उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री छोड़ दी। अब सालों बाद मीनाक्षी ने फिल्ममेकर सुभाष घई से हुए झगड़े पर बात की है।

हाल ही में एक इंटरव्यू में मीनाक्षी ने कहा है, सुभाष घई चाहते थे कि वो फिल्म मेरी जंग में मुझे कास्ट करें, डांस सीक्वेंस हो। दूसरा एक्पेक्ट ये था कि गीता डॉक्टर है, उसके खिलाफ केस चल रहा है कि उसने अपने पेशेंट को जहर दे दिया है। उन्होंने कहा कि दूसरे एक्पेक्ट के लिए मैं एक दूसरी हीरोइन को लेता हूं, तुम्हें उसकी बहन का रोल दूंगा, जिससे हम ग्लैमर एलिमेंट ला सकें। मेरी जंग में सही मायने में मेरा कोई ज्यादा रोल नहीं था। लेकिन सुभाष घई छोटे-छोटे रोल को भी कहानी में अच्छी तरह पिरो लेते हैं कि सबको लगता है कि वो कितने अहम हैं।

आगे मीनाक्षी ने कहा, यहां मैं एक बहुत दुखद बात कहना चाह रही हूं। उस शूटिंग के दौरान सुभाष घई के साथ मेरी मिसअंडरस्टैंडिग हो गई थी। उन्होंने बहुत सपने देखे थे कि मैं मीनाक्षी के साथ बहुत काम करूंगा, मीनाक्षी से ऐसा रोल करवाऊंगा, ऐसी फिल्में बनाऊंगा, ऐसे सॉन्ग सीक्वेंस तैयार करूंगा, पर वो न हो सका। और मैंने उसे हैंडल भी ठीक से नहीं किया। मैं बहुत यंग थी, ज्यादा कुछ नहीं समझती थी, तौर तरीके, बिहेवियर। वो मेरे लिए एक दुख की बात हुई कि सुभाष घई ने और लोगों के साथ काम करना बेहतर समझा।

अब सुभाष घई से करती हैं रिक्वेस्ट कि मेरे साथ फिल्म बनाएं

इंटरव्यू के दौरान मीनाक्षी ने ये भी बताया है कि उन्हें जब भी समय मिलता है वो सुभाष घई से मिलती हैं और उनसे कहती हैं कि उनके साथ फिल्म जरूर बनाएं। बताते चलें कि फिल्म मेरी जंग में हुए झगड़े के बाद से ही मीनाक्षी ने कभी सुभाष घई के साथ काम नहीं किया है।

जल्द फिल्म इंडस्ट्री में वापसी करेंगी मीनाक्षी शेषाद्रि

बातचीत में मीनाक्षी ने बताया है कि वो जल्द ही फिल्म इंडस्ट्री में वापसी करने वाली हैं। उनके पास ओटीटी प्रोजेक्ट्स की 10 स्क्रिप्ट हैं। हालांकि, वो नहीं जानतीं कि उनमें से कौन सी फिल्में और सीरीज बन सकेंगी। मीनाक्षी की आखिरी फिल्म साल 1996 में रिलीज हुई फिल्म घातक थी, जिसमें वो सनी देओल के साथ नजर आई थीं।

रोहित शेट्टी-टी सीरीज का बढ़ेगा विवाद?

साल की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'सिंघम अगेन' आज सिनेमाघरों में धमाल मचाने के लिए हाजिर हो गई है। अजय देवगन और करीना कपूर खान की मुख्य भूमिकाओं वाली यह बहुप्रतीक्षित फिल्म हिंदू महाकाव्य रामायण से प्रेरित है। फिल्म को लेकर दर्शकों का उत्साह सातवें आसमान पर है। हालांकि, अब पहले दिन का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन देखकर ही यह तय होगा कि फिल्म को लोगों ने कितना पसंद किया है। अब उन सब के बीच सिंघम अगेन के टाइटल ट्रैक को टी-सीरीज से कानूनी अड़चन का सामना करना पड़ा है। आइए जानते हैं कि मामला क्या है।

दिवाली के महाक्लैश के बीच अब सिंघम अगेन अपनी रिलीज के साथ ही टी-सीरीज से उलझ गई है। हाल ही में यूट्यूब पर सिंघम अगेन का टाइटल ट्रैक रिलीज किया गया था। हालांकि, रिलीज के कुछ देर बाद ही टी-सीरीज ने वीडियो पर कॉपीराइट स्ट्राइक जारी कर दिया। टी-सीरीज ने दावा किया कि टाइटल ट्रैक में साल 2011 की मूल सिंघम फिल्म की थीम के कुछ तत्व शामिल है, जिसके राइट्स उनके पास है।

टाइटल ट्रैक पर टी-सीरीज का स्ट्राइक आने के बाद निर्देशक रोहित शेट्टी को सारे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से हटाना पड़ा। गाने की फिर से एडिटिंग करनी पड़ी और इसे फिर से दोबारा यूट्यूब पर अपलोड करना पड़ा। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो सिंघम अगेन के टाइटल ट्रैक में सिंघम फिल्म की थीम के 10 सेकंड से ज्यादा तत्व शामिल थे, जबकि कॉपीराइट पॉलिसी के अनुसार किसी भी गाने में तीन सेकंड से ज्यादा का तत्व शामिल करने के बाद उस पर कॉपीराइट का दावा किया जा सकता है।

लोग इसे टी-सीरीज और रोहित शेट्टी के बीच बढ़ते विवाद के रूप में भी देख रहे हैं। बात करें सिंघम अगेन की तो फिल्म में अजय देवगन के अलावा 'सिम्बा' रणवीर सिंह और 'सूर्यवंशी' अक्षय कुमार भी साथ हैं। इसके अलावा, फिल्म में दीपिका पादुकोण फ्रैंचाइजी की पहली महिला पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रही हैं, और टाइगर श्रॉफ एक उभरते हुए पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आ रहे हैं।

कहानी दिलचस्प, लेकिन सही ढंग से दिखाने में नाकाम

अपने रोल में चौंकाएंगे कार्तिक; प्रभाव नहीं छोड़ पाईं विद्या

कार्तिक आर्यन, माधुरी दीक्षित, विद्या बालन और तृप्ति डिमरी स्टारर फिल्म भूल भुलैया-3 रिलीज हो गई है। फिल्म की लेंथ 2 घंटे 38 मिनट है।

फिल्म की कहानी क्या है?

कहानी की शुरुआत प्राचीन बंगाल के रक्तोघाट नाम की एक रियासत से होती है। वहां राज दरबार लगा हुआ है। बैकग्राउंड में 'आमी जे तोमार' गाना बजता है। इस गाने पर एक महिला डांस करती रहती है। तभी राजा अपने अंगरक्षकों के साथ आते हैं, और उस महिला को जिंदा जला देते हैं।

ठीक 200 साल बाद वर्तमान की कहानी शुरू होती है। रूह बाबा (कार्तिक आर्यन) अपने एक दोस्त के साथ लोगों को भूत छुड़वाने के नाम पर ठगने का काम करता है। तभी उसकी मुलाकात मीरा (तृप्ति डिमरी) से होती है। मीरा रूह बाबा को पैसे की लालच देकर रक्तोघाट ले जाती है। रूह बाबा महल पहुंचता है तो उसे नए-नए रहस्य पता चलते हैं।

उसे पता चलता है कि महल में मंजुलिका नाम की एक चुड़ैल की आत्मा है। वो अपनी मौत का बदला लेना चाहती है। तभी मल्लिका (विद्या बालन) और मंदिरा (माधुरी दीक्षित) की एंट्री होती है। दोनों की एक्टिविटी मंजुलिका जैसी होती है। वे दोनों रुहान यानी रूह बाबा के पीछे पड़ जाती हैं।

उन्हें लगता है कि रुहान की वजह से ही पिछले जन्म में मंजुलिका को मारा गया था। हालांकि, अंत में बहुत बड़ा राज खुलता है, जिससे कहानी पूरी बदल जाती है। अब यह राज जानने के लिए आपको फिल्म देखनी पड़ेगी।

स्टारकास्ट की एक्टिंग कैसी है?

भूल भुलैया-2 की तरह इस बार भी कार्तिक आर्यन रूह बाबा के किरदार में प्रभाव छोड़ने में कामयाब रहे हैं। वे कई सीन में अक्षय कुमार की याद दिलाते हैं। उनकी कॉमिक टाइमिंग से लेकर डरने की एक्टिंग जैसी सारी चीजें नेचुरल लगी हैं। इस बार उनका किरदार पहले की अपेक्षा थोड़ा हटकर और चुनौतीपूर्ण है।

माधुरी दीक्षित और विद्या बालन से बेहतर काम निकलवाया जा सकता था। खासतौर पर यहां विद्या की बात करनी जरूरी है। भूल भुलैया के पहले पार्ट में उन्होंने जो काम किया था, यहां उसका आधा भी नहीं दिखा है। वो पर्दे पर थकी हुई भी लगी हैं। तृप्ति डिमरी की एक्टिंग से ज्यादा उनकी बॉडी पर फोकस किया गया है। सपोर्टिंग एक्टर्स में विजय राज, संजय मिश्रा और राजपाल यादव का काम औसत है।

डायरेक्शन कैसा है?

कहानी अच्छी है, लेकिन स्क्रीनप्ले बिखरा हुआ है। जिस हिसाब से कहानी लिखी गई है, डायरेक्टर अनीस बज्मी उसे पर्दे पर दिखाने में नाकाम हुए हैं। फर्स्ट हाफ भूमिका बनाने में ही खत्म कर दिया है। इंटरवल के बाद कहानी जरूर दिलचस्प मोड़ पर जाती है।

भूल भुलैया फ्रेंचाइजी की पहली मंजुलिका यानी विद्या बालन को पूरी तरह वेस्ट कर दिया गया है। माधुरी दीक्षित जैसी दिग्गज अदाकारा से भी बेहतर काम निकलवाया जा सकता था। फिल्म देखते वक्त लगता है कि उनका किरदार डाला ही क्यों गया है?

तृप्ति डिमरी यानी मीरा का ड्रेसिंग फिल्म की कहानी और कैरेक्टर के हिसाब से बिल्कुल नहीं जंचता। उन्हें बेवजह ग्लैमरस दिखाने पर ज्यादा फोकस किया गया है। विजय राज, संजय मिश्रा और राजपाल यादव को अच्छे डायलॉग ही नहीं दिए गए हैं।

फिल्म का सबसे पॉजिटिव पॉइंट इसका क्लाइमैक्स है। अंत के कुछ सीन्स में डायरेक्टर बांधे रखने में कामयाब हुए हैं।

कैसा है फिल्म का म्यूजिक?

टी-सीरीज की फिल्मों के गाने अच्छे होते हैं। भूल भुलैया फ्रेंचाइजी की पिछली फिल्मों का म्यूजिक भी अच्छा था। हालांकि, इस बार म्यूजिक डिपार्टमेंट पर बेहतर काम नहीं किया गया है। एक-दो गानों को छोड़ दें तो, एक भी गुनगुनाने लायक नहीं हैं।

पिछली दोनों फिल्मों की अपेक्षा यह पार्ट कमजोर है। हालांकि, कहीं-कहीं फिल्म रफ्तार जरूर पकड़ती है। कहीं-कहीं बहुत हंसाती भी है। कुछ सीन्स में आप पेट पकड़ने को भी मजबूर हो सकते हैं। अगर इस दिवाली आपके पास भरपूर समय है और हॉरर कॉमेडी फिल्मों के शौकीन हैं, तो भूल भुलैया-3 वन टाइम वॉच जरूर है। खासतौर पर टीनएज ग्रुप को यह फिल्म ज्यादा पसंद आ सकती है। साथ ही कार्तिक आर्यन की भी अच्छी-खासी पॉपुलैरिटी है, उनके फैंस के लिए यह एक अच्छा ट्रीट हो सकता है।

अजय देवगन की दहाड़, रणवीर का अंदाज और अक्षय-सलमान का कैमियो; एक्शन जबरदस्त, स्टोरी में दम, लेकिन कुछ सीन्स बेमतलब

रोहित शेट्टी कॉप यूनिवर्स की लेटेस्ट और मल्टीस्टारर फिल्म सिंघम अगेन रिलीज हो गई है। फिल्म की लेंथ 2 घंटे 24 मिनट है।

फिल्म की कहानी क्या है?

फिल्म की स्टोरी रामायण की कहानी से प्रेरित है। कहानी की शुरुआत कश्मीर से होती है। डीसीपी बाजीराव सिंघम, उमर हाफिज (जैकी श्रॉफ) को पकड़ता है। सिंघम (अजय देवगन) की पत्नी अवनी (करीना कपूर) को जुबैर (अर्जुन कपूर) नाम का एक खूंखार अपराधी किडनैप कर लेता है।

जुबैर और उमर के बीच एक कनेक्शन होता है, जिसकी वजह से यह बदले का खेल बन जाता है। जैसे भगवान श्रीराम मां सीता को रावण के चंगुल से बचाने के लिए लंका कूच करते हैं। इसी तरह डीसीपी बाजीराव सिंघम भी पत्नी अवनी को बचाने के लिए जुबैर के ठिकाने पर पहुंचता है।

इस लड़ाई में सिंघम का साथ देने सूर्यवंशी (अक्षय कुमार), सिंबा (रणवीर सिंह), सत्या बाली (टाइगर श्रॉफ) और शक्ति शेट्टी (दीपिका पादुकोण) आती हैं। सिंघम अपनी पत्नी को कैसे उस चंगुल से बचा पाता है, यह जानने के लिए आपको फिल्म देखनी पड़ेगी।

स्टारकास्ट की एक्टिंग कैसी है?

एक बार फिर से बाजीराव सिंघम के रोल में अजय देवगन छा गए हैं। उनकी डायलॉग डिलीवरी कमाल की है। रणवीर सिंह का फनी अवतार दर्शकों को खूब गुदगुदाएगा। टाइगर श्रॉफ का यहां भी हाई एक्शन सीक्वेंस देखने को मिला है। अक्षय कुमार का कैमियो भी प्रभावशाली है। सबसे अंत में चुलबुल पांडे (सलमान खान) भी आते हैं। उनका कैमियो फिल्म को और अधिक बड़ा बना देता है।

कैसा है फिल्म का डायरेक्शन?

रोहित शेट्टी ने फिल्म को विजुअली काफी रिच बनाया है। सिंबा यानी रणवीर सिंह का विलेन जुबैर की टेरिटरी जलाने का सीक्वेंस ताली बजाने पर मजबूर कर सकता है। हनुमान जी ने जिस तरह मां सीता को बचाने के लिए लंका दहन किया था, यह सीन देख वही याद आएगा।

कुछ-कुछ सीन्स जरूर थोड़े बचकाने लगते हैं। सीरियस मोमेंट पर कुछ सीन्स क्रिंज लगे हैं। बाकी रोहित शेट्टी ने फिल्म को ज्यादातर क्रिस्प रखने का प्रयास किया है, जिसकी वजह से दर्शक बोर नहीं होंगे।

फिल्म का म्यूजिक कैसा है?

फिल्म का बैकग्राउंड म्यूजिक सीक्वेंस के हिसाब से जंचता है। गाने भी ठीक-ठाक हैं। जैसा फिल्म का टॉपिक है, सारे गाने उस लिहाज से फिट बैठते हैं।

फिल्म में हाई वोल्टेज एक्शन ड्रामा है। एक्शन फिल्मों के शौकीन लोग इसे जरूर पसंद करेंगे। दिवाली का समय है, फिल्म की पूरी स्टोरी ही रामायण से प्रेरित है। इस मोमेंट पर ऐसी फिल्में मस्ट वॉच बन जाती हैं। साथ ही एक ही फिल्म में अजय देवगन, अक्षय कुमार, रणवीर सिंह, टाइगर श्रॉफ सहित कई बड़े एक्टर नजर आए हैं, ऊपर से सलमान खान की भी झलक है। यह दर्शकों के लिए अपने आप में बड़ा ट्रीट साबित हो सकता है।

'बॉडी लैंग्वेज'-बिना वाणी की भाषा

व्यक्ति अपने भावों को व्यक्त करने के लिए मुख्य रूप से वाणी का प्रयोग करता है परंतु अक्सर वह अपने व्यवहार और भाव-भंगिमाओं से भी जाने अनजाने में ही बहुत कुछ कह जाता है।

बिना वाणी की इस भाषा को ही 'बॉडी' 'लैंग्वेज' का नाम दिया गया है।

बॉडी लैंग्वेज को समझने की क्षमता हासिल करके हम अपने जीवन को बेहतर कर सकते हैं और अनेक ऐसी बातें जान सकते हैं जो हमारे सामने वाला हमें स्पष्ट रूप से बता नहीं पाता है।

जॉब इंटरव्यू, प्रैजेंटेशन आदि में भी बॉडी लँग्वेज हमारे काफी काम आती है। पेश हैं बॉडी लैंग्वेज से संबंधित कुछ खास टिप्स-

नजर मिला कर बात करें

हमेशा सामने वाले की आंखों में आंखें डाल कर बात करें। इसके बिना लगेगा कि व्यक्ति खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है या बातचीत पर पूरा ध्यान नहीं दे रहा।

*** बॉडी पोश्चर पर परिश्रम करें**

अपने कंधों को रिलैक्स रखें। हल्का-सा आगे को झुक कर आप अपनी रुचि प्रदर्शित कर सकते हैं। पीछे को होकर आत्मविश्वास झलका सकते हैं। अत्यधिक आगे को झुकना दिखाता है कि आप बेसब्र हैं और बहुत अधिक पीछे को होने का अर्थ होगा कि आप घमंडी और एकांतप्रिय हैं।

*** बांहों और पैरों को क्रॉस न करें**

* ध्यान से सुनें

उसकी बात पर पूरा ध्यान दे रहे हैं। इससे तनाव प्रतीत होता है जबकि सामने वाले की सुनते हुए सिर सिर के पीछे हाथ करना ओवर कांफीडेंस हिलाते रहने से इंगित होगा कि आप प्रदर्शित करता है।

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अहम भूमिका निभाते हैं 'मेकअप आर्टिस्ट'

हर सुंदर चीज हमारी आंखों को अच्छी लगती है। ऐसे ही लोगों को सुंदर दिखाने का काम मेकअप आर्टिस्ट का होता है। मेकअप आर्टिस्ट डिमांड के अनुसार वैसी लुक्स देते हैं जो पहले कभी नहीं आई हो। चाहे शादी हो या कोई पार्टी अथवा ग्लैमर वर्ल्ड हर जगह अच्छी लुक्स की है जरूरत होती है इसलिए लोग अपनी लुक्स को लेकर ज्यादा जागरूक रहते हैं।

इन्हीं वजहों से मेकअप आर्टिस्ट आज एक उम्दा प्रोफैशन बन चुका है। जहां विभिन्न विज्ञापन संस्थाओं, फिल्म इंडस्ट्री, फैशन शो में काम करने वाले लोगों को लुक देने के लिए मेकअप आर्टिस्ट को नियुक्त किया जाता है बॉलीवुड में कुछ ऐसे नामचीन मेकअप आर्टिस्ट हैं जिन्होंने अलग-अलग फिल्मों में अलग अंदाज में लुक्स को पेश कर अपनी रचनात्मकता दिखाई है।

कुछ कामयाब नाम हैं- शहनाज हुसैन, जावेद हुसैन व भारती तनेजा आदि। इन्होंने एक मेकअप आर्टिस्ट के रूप में करियर की शुरूआत की और आज बिजनैस ब्रांड के रूप में जाने जाते हैं।

मेकअप आर्टिस्ट की भूमिका बॉलीवुड में खूबसूरत दिखने वाले अभिनेता एवं अभिनेत्रियों की चमक, ग्लैमर हमेशा से ही दर्शकों को प्रभावित करती है। फिल्म में कुछ ऐसे भी पात्र तैयार किए जाते हैं, जिनकी लुक्स विचित्र अंदाज में पेश की जाती है।

इन सारी लुक्स को एक

मेकअप आर्टिस्ट ही तैयार करता है। उसका काम ब्यूटीपार्लर से होकर ही गुजरता है। इसमें फर्क इतना होता है कि मेकअप आर्टिस्ट ओवरऑल मेकअप एवं लुक्स तैयार करते हैं। सुंदर दिखने की चाहत व्यक्तिगत रुचि से लेकर व्यावसायिक कौशल भी बन चुकी है, लिहाजा मेकअप करना शौक भी हो सकता है और एक कामयाब करियर भी ।

मेकअप का बदलता ट्रैंड फैशन की दुनिया में हर रोज कुछ न कुछ बदलता रहता है। कभी ड्रैस स्टाइल तो कभी फुटवियर स्टाइल तो कभी ज्वैलरी का डिजाइन। ऐसे में इस के साथ मेकअप की दस्तूर भी कुछ अलग ही है। लाइट मेकअप, हैवी मेकअप के साथ मौसम के अनुसार भी मेकअप करने एवं इसके हिसाब से लुक्स देने का प्रचलन हो गया है।

प्रोस्थेटिक मेकअप प्रोस्थेटिक मेकअप एक प्रक्रिया जिसकी मदद से मॉल्डिंग तकनीक का प्रयोग करके फिल्म के किसी व्यक्ति या जीव या एलियन का चेहरा तैयार किया जाता है। प्रोस्थेटिक मेकअप का इस्तेमाल फिल्मों व थिएटर में होता है।

अगर कोई अजीब कैरेक्टर बनाना है जो उसको इस मेकअप तकनीक की मदद से तैयार किया जाता है फिल्मों व टी.वी. सीरियल में बॉडी का पार्ट कटा हुआ दिखाना है तो यह प्रोस्थेटिक मेकअप की मदद से ही तैयार किया जाता है। जैसे फिल्म 'चाची 420' फिल्म और धारावाहिक 'सी. आई.डी. ' में प्रोस्थेटिक तकनीक का काफी इस्तेमाल किया गया था। अगर हम ट्रेनिंग की बात करें तो काफी संस्थान हैं जो इस तरह के ट्रेनिंग कोर्स ऑफर करते हैं।

जरूरी हुनर

विजुअलाइजेशन की क्षमता ।

देर तक टिक कर काम करने की क्षमता।

शारीरिक एवं मानसिक रूप से फिट ।

रंग एवं उसके असर की बारीक समझ ।

फैमिलियर बिहेवियर ।

बिना बोर या थके मनपसंद लुक देने की कला।

बदलते स्टाइल एंड टैंड से अपडेट रहना।

खुद को आकर्षक बनाकर रखना।

नई तकनीक, हेयर स्टाइल और कॉस्मैटिक प्रोडक्ट्स की जानकारी रखना।

फेस और हेयर को अच्छी समझ क्योंकि सबसे ज्यादा एक्सपेरिमेंट बालों पर ही होते हैं।

पेंटर की तरह कल्पना करने का कौशल ।

योग्यता

एक प्रोफैशनल मेकअप आर्टिस्ट बनने के लिए किसी भी स्ट्रीम से 12वीं पास होना चाहिए। हालांकि, इस क्षेत्र में तभी आएं आप में मेकअप लुक को लेकर काम करने की रुचि हो। एक मेकअप आर्टिस्ट के लिए शैक्षणिक योग्यता ज्यादा मायने नहीं रखती। इस प्रोफेशन में पैर जमाने एवं उम्मीद से बेहतर करने करने के लिए प्रोफैशनल कोर्स करना अधिक फायदेमंद होगा।

मेकअप आर्टिस्ट बनने के लिए उम्र की कोई सीमा नहीं है, बशर्ते आप शारीरिक व मानसिक रूप से फिट हों। एक बार इंडस्ट्री का हिस्सा बन जाने के बाद से आप कोई एक्सक्यूज नहीं दे पाते इसलिए अपने फिटनेस लेवल को चैक करके की इसे करियर के रूप में अपनाएं।

संभावनाएं ब्यूटी इंडस्ट्री, होटल, इंस्टीच्यूट्स,फैशन इंडस्ट्री, टी.वी. एंड फिल्म इंडस्ट्री आदि में जॉब के लिए बेशुमार सम्भावनाएं हैं। इसके अलावा न्यूज चैनलों में भी मेकअप आर्टिस्ट की डिमांड रहती है। बतौर फ्रीलांसर भी इस फील्ड में बहुत सारे काम किए जा सकते हैं।

24 साल की उम्र में चार प्रतियोगी परीक्षाएं की पास; पढ़ें दर्जी के इस बेटे की कहानी

प्रतिभा और दृढ़ संकल्प के असाधारण प्रदर्शन में, लातूर के एक व्यक्ति ने 24 साल की उम्र में चार प्रतियोगी परीक्षाओं को पास सफलता हासिल की। बावजूद वह अभी भी रुका नहीं है बल्कि क्लास 1 ऑफिसर भी बनना चाहता है। प्रतिभा और दृढ़ संकल्प के असाधारण प्रदर्शन में, लातूर के एक दर्जी के बेटे, 24 वर्षीय व्यक्ति ने बहुत कम समय में महाराष्ट्र में चार प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता हासिल की है, लेकिन वह अभी भी रुका नहीं है, और क्लास 1 ऑफिसर बनने का अपना सपना पूरा करना चाहता है।

एक गरीब पारिवारिक पृष्ठभूमि से आने वाले, मध्य महाराष्ट्र के लातूर जिले के निलंगा शहर के निवासी नरसिंग विश्वनाथ जाधव ने कड़ी मेहनत और अपने लक्ष्यों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के माध्यम से यह उपलब्धि हासिल की।

उनके पिता विश्वनाथ जाधव दर्जी का काम करते हैं।

अपने पहले प्रयास में सीईए (सिविल इंजीनियर असिस्टेंट) परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद, नरसिंग जाधव परभणी जिले के सेलु में लोक निर्माण विभाग में सीईए के रूप में शामिल हुए। परीक्षा का परिणाम 16 मार्च, 2024 को घोषित किया गया था।

उनकी अन्य उपलब्धियों में पालघर जिला परिषद (जेडपी) में जूनियर इंजीनियरों (समूह 2 पद) के लिए परीक्षाओं को क्रैक करना शामिल है, जहां उन्होंने मार्च में पहली रैंक हासिल की, और जल संसाधन विभाग (डब्ल्यूआरडी) में सीईए के लिए परीक्षा दी। नरसिंग जाधव ने पालघर जिला परिषद में सीईए के लिए परीक्षा भी उत्तीर्ण की, जिसका परिणाम बुधवार को घोषित किया गया। सीईए का पद ग्रुप 3 के अंतर्गत

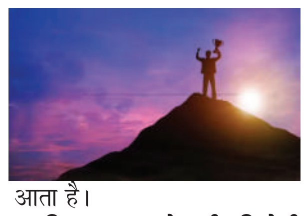

आता है।

वह दिसंबर 2023 में सभी प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल हुए थे।

चूंकि ये पद क्लास 1 (ग्रुप ए) अधिकारी की श्रेणी में नहीं आते हैं, इसलिए नरसिंग जाधव ने राजपत्रित अधिकारी बनने के अपने सपने को पूरा करने के लिए पढ़ाई जारी रखने और अधिक परीक्षाओं में बैठने का दृढ़ संकल्प किया है।

नरसिंग जाधव ने बताया, मैंने क्लास 1 अधिकारी के रूप में एक पद हासिल करने की महत्वाकांक्षा के साथ अपनी यात्रा शुरू की और लगातार कड़ी मेहनत की।

हालांकि मैं पीडब्ल्यूडी में सीईए के रूप में शामिल हो गया हूं, लेकिन मैं अपनी पढ़ाई नहीं रोकूंगा और क्लास बनने के अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रयास करना जारी रखूंगा। 1 अधिकारी। मैं अपने चाचा डॉ. सतीश जाधव, एक शिक्षक, से प्रेरित था।

नरसिंग जाधव ने अपनी स्कूली शिक्षा महाराष्ट्र विद्यालय, निलंगा से पूरी की। इसके अलावा, उन्होंने पूरनमल लाहोटी पॉलिटेक्निक, लातूर में पढ़ाई की और फिर सिंहगढ़ कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, पुणे से अपनी इंजीनियरिंग पूरी की।

कई चुनौतियों और वित्तीय बाधाओं का सामना करने के बावजूद वह उत्कृष्टता की खोज में दृढ़ रहे। अपनी उल्लेखनीय उपलब्धि की खबर फैलते ही, नरसिंग जाधव प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्टता प्राप्त करने के इच्छुक छात्रों के लिए एक आदर्श बन गए हैं।

'पब्लिक रिलेशन ऑफिसर' बन सवारें करियर

आज के अत्यधिक प्रतिस्पर्धात्मक युग में अपने उत्पादों, सेवाओं या स्वयं को प्रोमोट करने की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक महसूस की जाने लगी है। इसी कार्य को पब्लिक रिलेशन ऑफिसर अंजाम देते हैं। वे अपने क्लाइंट्स की इच्छा और आवश्यकताओं को समझ कर उन्हें प्रोमोट करने का जरूरी काम करते हैं।

पब्लिक रिलेशन को संवाद कला के रूप में भी जाना जाता है। व्यक्तिगत तौर पर एक व्यक्ति के लिए इसका अर्थ उसके गुणों और उपलब्धियों को हाईलाइट करने और सही संबंध स्थापित करने से होता है, जिससे उसका करियर फल-फूल सके। वहीं एक कम्पनी के लिए इसका अर्थ मार्कीट में खुद को अच्छी तरह स्थापित करने, मीडिया के साथ संबंध तथा साख कायम रखने और कार्यक्रमों एवं गतिविधियों के माध्यम से खबरों में बने रहना होता है।

इन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए एक पब्लिक रिलेशन प्रोफैशनल को बेहद प्रभावी और संक्षिप्त उपायों से वाकिफ होना चाहिए। आज अत्यधिक प्रतियोगिता का युग है। जिसमें हर किसी के सामने अपने संदेश को अन्यों से अलग दिखाने की चुनौती है। और इसी कार्य में पब्लिक रिलेशन ऑफिसर विशेषज्ञता रखते हैं।

चुनौतियों की कोई कमी नहीं

जैसे-जैसे बिजनैस में प्रतियोगिता बढ़ रही है, पब्लिक

रिलेशन अफसरों को और अधिक रचनात्मक होना पड़ रहा है। अब उनके सामने केवल लोगों के विचारों को अपने क्लाइंट्स के पक्ष में करने का ही काम नहीं है, बल्कि उन्हें ऐसे प्रयत्न करने पड़ते हैं, कि उनका क्लाइंट भीड़ में भी सबसे अलग दिखे। पी. आर. एग्जीक्यूटिव अनन्या चक्रवर्ती ने अपने अनुभव सांझे करते हुए कहा, इस काम के दौरान हर दिन मुझे कुछ न कुछ नया सीखने को मिलता है। जिस भी चीज या सेवा को आप प्रोमोट करते हैं, उसके बारे में आपका ज्ञान बढ़ता है। यहां हर दिन किए जा सकते हैं। कई संस्थान थ्योरी के साथ-साथ व्यावहारिक शिक्षा देने के लिए प्रैक्टिकल भी करवाते हैं।

खास कौशल

एक सफल पब्लिक रिलेशन ऑफिसर बनने के लिए लोगों से मेल-जोल बढ़ाने की स्वभाविक रुचि होनी चाहिए। ग्रूमिंग और लैंग्वेज स्किल्स में निपुणता भी आवश्यक है। पब्लिक रिलेशन ऑफिसर को नवीनतम बदलावों और करंट इवेंट्स से खुद को अवगत रखना होता है। उसमें सब्र की उच्च मात्रा होनी जरूरी है क्योंकि हो सकता है कि इस क्षेत्र में तुरंत लाभ न मिलें। कलात्मक और रचनात्मक विचार खोजने की क्षमता उन्हें विशेष रूप से लाभान्वित कर सकती है।

सम्भावनाएं

बतौर पब्लिक रिलेशन ऑफिसर अच्छी एड या पी. आर. एजेंसी के साथ शुरुआत करने वाले 8 हजार से 15 हजार रुपए प्रतिमाह तनख्वाह पा सकते हैं।

एक नई चुनौती है। पब्लिक रिलेशंस के कोर्स छात्र- छात्राओं को बेशक नौकरी दिलवा दें, परंतु उन्हें वास्तविक कौशल अपने प्रयत्नों और गलतियों से सीखने को मिलते हैं।

योग्यता

किसी होटल में बतौर पी. आर. काम करना सीखने का एक अच्छा जरिया है, जिसके दौरान अच्छी आय भी हासिल की जा सकती है।

परंतु इस क्षेत्र में वास्तविक लाभ तभी मिल सकता है, जब व्यक्ति अनुभव हासिल करे और अपने अच्छे- खासे कांटेक्ट बना कर व्यक्तिगत तौर पर कार्य शुरू करे।

विभिन्न संस्थान, विशेष रूप से पब्लिक रिलेशंस में अथवा जर्नलिज्म के कोर्स में, इसे एक विषय के रूप में पढ़ाते हैं।

प्रमुख संस्थान

* भारतीय विद्या भवन, दिल्ली।

* इंडियन इंस्टीच्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन, दिल्ली।

12वीं के बाद अपना करियर कैसे चुनें?

सही करियर का चुनाव आपको बुलंदियों पर पहुंचा देता है। अपने करियर को लेकर छात्रों के मन में कई सवाल आते हैं। करियर के लिए बड़े ध्यान से आगे बढ़ना होता है जिससे छात्र को बाद में उस कोर्स में कोई परेशानी न आए। एडवांस में ही अपने करियर के बारे में रिसर्च कर लेना भी आगे के लिए फायदेमंद रहता है। इस ब्लॉग में जानिए कि अपना करियर कैसे चुनें।

करियर के उद्देश्य को आकार दें

करियर चुनते समय जरूरी है कि पहले उसके लिए आत्मनिरीक्षण कर लिया जाए। आप क्या चाहते हैं ये जानने के बाद सोच को पूरी तरह से विकसित करना थोड़ा और आसान हो जाता है। अपना करियर कैसे चुनें का जवाब जानना तब और आसान हो जाता है जब आत्मनिरीक्षण के समय हम कुछ सवालों के जवाब जान लेते हैं। आपको कुछ सवालों के जवाब जरूर देने चाहिए जैसे मेरी मेरे करियर से क्या अपेक्षा है? मेरी रुचि क्या हैं? वो एक्टिविटीज क्या हैं जिन्हें करना हमें अच्छा लगता है और जिन्हें करियर भी बनाया जा सकता है? आदि। इन सवालों के जवाब देने के बाद जरूर आपके पास कुछ विकल्प तो होंगे ही जिनके साथ अपना करियर कैसे चुनें का जवाब जानना थोड़ा तो आसान हो ही जाएगा।

रुचियों के अनुसार विषय चुनें

किसी एक करियर को चुनने से पहले ये जरूरी है कि आप खुद को पहचान लें। अपनी पसंद नापसंद को पहचान कर उन पर पकड़ बनाना भी जरूरी होता है। आपको अपनी स्किल्स और रुचियों का विश्लेषण करना होगा। ऐसा इसलिए क्योंकि आप अपने जीवन को एक दिशा में आगे बढ़ाने जा रहे हैं, इसलिए जरूरी है कि आप उस दिशा पर पूरे आनंद के साथ बढ़ें। अपनी कमजोरियों और ताकत पर मजबूत पकड़ के साथ आप अपना करियर कैसे चुनें का जवाब आसानी से दे पाएंगे।

खुद को समझें

करियर चुनते समय अपने व्यक्तित्व की खासियतों को जरूर ही ध्यान रखा जाना चाहिए। जल्दी में बिना सोचे समझे लिए गए निर्णय के बाद आपके लिए किसी खास करियर के साथ तालमेल बिठाना थोड़ा कठिन हो सकता है। उदाहरण के लिए अगर आप किसी कलात्मक काम को पसंद करते हैं तो फिर कॉर्पोरेट जॉब आपके लिए थोड़ी कठिन हो सकती है। इसलिए जरूरी है कि अपने व्यक्तित्व को समझा जाए और क्या करना है और क्या नहीं को भी जान लिया जाए। आप ऑनलाइन मौजूद कई सारे व्यक्तित्व परीक्षण देकर खुद को बेहतर तरीके से समझ पाएंगे और अपना करियर कैसे चुनें का जवाब भी पा लेंगे।

करियर विकल्प तलाशें

अपने लिए एक आदर्श नौकरी तलाशते हुए एक बड़ा कदम ये होगा कि आप ज्यादा से ज्यादा करियर विकल्पों को तलाशें। आज के समय में तो बेहिसाब करियर विकल्पों मौजूद हैं। इस वक्त ट्रेंड में शामिल करियर विकल्प हैं आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस, इंजीनियरिंग मैनेजमेंट, शू डिजाइनिंग, फैशन डिजाइनिंग आदि। अपनी रुचियों वाले फील्ड में रिसर्च करके आप अपना करियर कैसे चुनें का जवाब ढूंढ सकते हैं। इस दौरान आप उन विकल्पों के बारे में भी जान लेंगे जिनमें विस्तार या गिरावट हो रही है।

सही डिग्री चुनें

एक बार आप अपने लिए करियर का चुनाव कर लेंगे तो इसके लिए जरूरी शिक्षा पाने के बारे में भी सोचना होता है। ऐसे कई करियर विकल्प हैं जिनमें काम करने के लिए कोई खास डिग्री या सर्टिफिकेट चाहिए होता है जैसे मेडिसिन,लॉ, आर्किटेक्चर आदि। जबकि कुछ क्षेत्र में कोई भी काम कर सकता है।

अपने पसंद के करियर के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारी इकट्ठा करके आप आप स्किल्ड हो जाएंगे। अंडरग्रेजुएट और पोस्टग्रेजुएट डिग्री के साथ आप करियर से जुड़ी अपनी आकांक्षाओं को पूरा कर पाएंगे। अपना करियर कैसे चुनें का सही जवाब भी आपके पास होगा।

बिहार में कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर के 4500 पदों पर निकली भर्ती

राज्य स्वास्थ्य सोसायटी, बिहार ने नेशनल हेल्थ मिशन के तहत स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों में कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर के पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट shs.bihar.gov.in पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :उम्मीदवारों के पास भारतीय नर्सिंग परिषद या राज्य नर्सिंग परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान से बीएससी (नर्सिंग) की डिग्री और वर्ष 2020 के बाद का 6 महीने का कोर्स- सर्टिफिकेट कोर्स इन हेल्थ (सीसीएच) किया हुआ होना चाहिए।

आयु सीमा : न्यूनतम : 21 वर्ष।

अधिकतम आयु सीमा में रिजर्व कैटेगरी के उम्मीदवारों को छूट दी जाएगी।

फीस : अनारक्षित, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस, ईबीसी : 500 रुपए

एससी, एसटी, महिला,पीडब्ल्यूडी : 250 रुपए

सिलेक्शन प्रोसेस :

इंटरव्यूडॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन

सैलरी :40 हजार रुपए प्रतिमाह

ऐसे करें आवेदन : ऑफिशियल वेबसाइट shs.bihar.gov.in पर जाएं।

ऑनलाइन अप्लाई पर क्लिक करके रजिस्ट्रेशन करें।

जरूरी डिटेल्स दर्ज करके लॉग इन करें।

डॉक्यूमेंट्स अपलोड करके सब्मिट पर क्लिक करें।

फॉर्म डाउनलोड करें। इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

यंत्र इंडिया लिमिटेड में 3883 पदों पर निकली भर्ती, 10वीं पास को मौका

सरकारी रक्षा कंपनी, यंत्र इंडिया लिमिटेड ने ITI और नॉन ITI अप्रेंटिस के पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट apprenticeshipindia.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। यंत्र इंडिया लिमिटेड में अप्रेंटिसशिप एक साल के लिए होगी।

आयु सीमा : अधिकतम 35 साल।

सरकारी नियमों के अनुसार आयु सीमा में छूट दी जाएगी।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :

मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10वीं पास।

संबंधित क्षेत्र में आईटीआई डिप्लोमा।

सिलेक्शन प्रोसेस :

एग्जाम के बेसिस पर।

डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन

मेडिकल एग्जाम

फीस :जनरल, ओबीसी : 200 रुपए

एससी/एसटी/महिला/पीडब्ल्यूडी/अन्य (ट्रांसजेंडर) : 100 रुपए

स्टाइपेंड :पद के अनुसार 6000 - 7000 रुपए प्रतिमाह।

जरूरी डॉक्यूमेंट्स :

उम्मीदवार का आधार कार्ड

हाईस्कूल से संबधित सर्टिफिकेट

10वीं कक्षा का सर्टिफिकेट

पासपोर्ट साइज फोटो

रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर

ईमेल आईडी

ITI सर्टिफिकेट

निवास प्रमाण पत्र

जाति प्रमाण पत्र

ऐसे करें आवेदन :

ऑफिशियल वेबसाइट apprenticeshipindia.gov.in पर जाएं।

अप्लाई ऑनलाइन पर क्लिक करें।

वन टाइम रजिस्ट्रेशन करके आवेदन फॉर्म भरें।

'डेयरी फार्मिंग' में रोजगार

दूध एक जल्दी खराब होने वाली वस्तु है, इसलिए उत्पादन की स्थिति और खपत पैटर्न के आधार पर चिलिंग प्लांट की स्थापना अथवा दुग्ध उत्पाद बनाने की व्यवस्था करना आवश्यक हो जाता है। डेयरी फार्मिंग की लाभप्रदता को दूध के प्रसंस्करण और इसे विभिन्न दूध उत्पादों में परिवर्तित करके बढ़ाया जा सकता है।

डेयरी फार्मिंग से साल भर रोजगार मिलता है। उन्नत वैज्ञानिक पद्धतियों, प्रबंधकीय कौशल और विपणन के अवसरों को अपनाकर डेयरी फार्मिंग से होने वाले मुनाफे को बढ़ाया जा सकता है। क्षेत्र में दूध की मांग के आधार पर डेयरी फार्मिंग को भी एक मुख्य व्यवसाय में अपग्रेड किया जा सकता है।

एक डेयरी फार्मिंग उद्यम शुरू करने के लिए कुछ कदम है जिनका पालन करना उद्यम की सफलता के लिए आवश्यक है। डेयरी किसान, शून्य से शुरूआत करने वाला या छोटे से बड़े फार्म में उन्नति करने वाला हो सकता है।

उद्यम शुरू करने से पहले उनके दृष्टिकोण में निम्नलिखित विशेषताएं होनी चाहिएं। शून्य से शुरूआत करने वाले डेयरी किसानों के लिए सबसे पहले डेयरी फार्मिंग के बारे में प्रारम्भिक जानकारी जुटाएं।

राज्य पशुपालन विभाग, राज्य कृषि / पशु चिकित्सा

विश्वविद्यालय, सहकारी समितियों, कृषि विज्ञान केंद्रों, गैर-सरकारी या अन्य विकास संस्थानों द्वारा प्रदान किए जाने वाले डेयरी फार्मिंग प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लें। हमेशा कम पशुओं (5-10) के साथ शुरूआत करें और धीरे-धीरे फार्म का आकार बढ़ाएं।

अडानी ने बांग्लादेश को दी चेतावनी

7 नवंबर तक बकाया पेमेंट नहीं किया तो काट दी जाएगी पूरी बिजली

नई दिल्ली,3 नवंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में बिजली का संकट गहरा सकता है। अडानी ग्रुप ने बांग्लादेश से कहा है कि वह 7 नवंबर तक बकाया पेमेंट करे। अगर ऐसा नहीं किया जाता है तो अडानी पावर बांग्लादेश को बिजली की सप्लाई बंद कर देगा। ऐसा होने पर बांग्लादेश में बिजली का संकट पैदा हो सकता है। फिलहाल अडानी पावर ने बांग्लादेश की आधी सप्लाई रोक दी है।

अडानी पावर बांग्लादेश को बिजली की आपूर्ति करता है। बांग्लादेश पर अडानी पावर का 850 मिलियन डॉलर (करीब 7200 करोड़ रुपये) बकाया है। इस रकम को मांगने के लिए अडानी पावर ने कई बार बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के साथ बातचीत की लेकिन कोई हल नहीं निकला। ऐसे में अडानी ने बिजली सप्लाई काटने की बात कही है।

पहले तय की थी 31 अक्टूबर की तारीख

अडानी ने बकाया राशि का पेमेंट करने और पेमेंट की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बांग्लादेश पावर डेवलपमेंट बोर्ड (बीपीडीबी) को 170 मिलियन डॉलर (करीब 1500 करोड़ रुपये) का लेटर ऑफ क्रेडिट (एलसी) देने को कहा था। इसे देने के लिए 31 अक्टूबर तक की समयसीमा तय की थी।सूत्रों के मुताबिक बीपीडीबी ने कृषि बैंक के माध्यम से बकाया राशि के लिए एलसी जारी करने की मांग की। लेकिन यह कदम बिजली खरीद समझौते की शर्तों के अनुरूप नहीं था। डॉलर की कमी को इसका एक कारण बताया गया। ऐसे में बीपीडीबी अडानी पावर को एलसी नहीं दे पाया।

आधी कर दी बिजली की सप्लाई

एलसी न मिलने पर अडानी पावर झारखंड लिमिटेड ने बांग्लादेश को बिजली की आपूर्ति आधी कर दी। ऐसे में पहले से संकट के दौर से गुजर रहे बांग्लादेश में अब बिजली का भी संकट पैदा हो गया है। अडानी पावर झारखंड बांग्लादेश के लिए सबसे बड़ा बिजली आपूर्तिकर्ता है। इसके बाद पायरा (1,244 मेगावाट), रामपाल (1,234 मेगावाट) और एसएस पावर I (1,224 मेगावाट) प्लांट हैं।

अडानी पर भी पड़ेगा असर

बांग्लादेश को बिजली की सप्लाई गोड्डा प्लांट से दी जाती है। इस प्लांट से बांग्लादेश एकमात्र बिजली खरीदार है। बांग्लादेश को आधी सप्लाई रोकने से अडानी पावर झारखंड को 800 मेगावाट की दो यूनिट में से एक को बंद करना पड़ा है। ऐसे में इसका असर अडानी ग्रुप पर भी दिखाई देगा।

एप्पल कर रहा कुछ बड़ी प्लानिंग क्या बिक जाएगी इंटेल?

नई दिल्ली,3 नवंबर (एजेंसियां)। इंटेल इंसाइड ये एडवरटाइजमेंट आपने जरूर देखा होगा. अगर आप कंप्यूटर या लैपटॉप जैसी किसी भी चीज का इस्तेमाल करते हैं, तो आपको ये पता होगा कि 'इंटेल' कंप्यूटर्स के लिए प्रोसेसिंग चिप बनाने वाली दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों में से एक है. सेमीकंडक्टर की दुनिया में इसका सीधा मुकाबला एनवीडिया जैसी कंपनी से होता है. अब खबर है कि ये कंपनी बिकने जा रही है और इसकी खरीदार कोई और नहीं बल्कि आईफोन बनाने वाली एपल इंक होगी.दरअसल एनवीडिया के ग्राफिक प्रोसेसिंग कार्ड की सक्सेस के बाद इंटेल के बिकने की कई खबरें शेयर मार्केट में तैर रही हैं. इसी में से एक खबर ये है कि एपल इंटेल को खरीदने की बहुत इच्छुक है।

यूट्यूब चैनल पर दावा

एक खबर के मुताबिक 'मूरेज लॉ इज डेड' नाम के एक यूट्यूब चैनल पर इंटेल के बिकने और एपल के उसे खरीदने की बात की गई है. इस वीडियो में दावा किया गया है कि इंटेल को खरीदने में सैमसंग की भी दिलचस्पी है. वह या तो इसके अधिग्रहण या अपने में विलय का रास्ता अपना सकती है. चिप बनाने वाली कंपनी इंटेल इन दिनों कई दिक्कतों का सामना कर रही है. इसमें सबसे बड़ी चुनौती उसके प्रॉफिट मार्जिन का लगातार कम होना है. साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस को सपोर्ट करने वाली चिप्स की डिमांड बढ़ने और इसके मैन्यूफैक्चरर्र की ओर से टफ कॉम्पीटिशन मिलने की वजह से उसकी परेशानियां बढ़ी हैं।बात साल 2019 की है, जब एपल ने इंटेल के मॉडम डिविजन को खरीद लिया था. इसलिए अब जब इंटेल दिक्कतों का सामना कर रही है, तो इस बात की चर्चाएं तेज हो गई हैं कि एपल इंटेल को खरीद सकती है। जबकि यूट्यूब चैनल के वीडियो में साफ कहा गया है कि ये महज एक अफवाह हो सकती है। एपल के मैकबुक लैपटॉप में पहले इंटेल की ही चिप लगती थी। साल 2020 में उसने खुद की सिलिकॉन चिप का इस्तेमाल शुरू कर दिया।

चीन ने लगाई पाकिस्तान को फटकार

पाकिस्तान अब क्या करेगा? अरबों रुपये के निवेश पर पड़ेगा असर!

नई दिल्ली,3 नवंबर (एजेंसियां)। चीन और पाकिस्तान के बीच में मतभेद की खबरें आ रही हैं। इसके बाद यह सवाल उठ रहा है कि चीन की गोद में बैठने वाला पाकिस्तान अब क्या करेगा? दरअसल, पाकिस्तान में आतंकवाद की आग चीन तक पहुंच गई है। इसमें कई चीनी नागरिकों की मौत हो गई है। इसके बाद चीन ने पाकिस्तान को फटकार लगाई है। पाकिस्तान में चीन अपने कई प्रोजेक्ट को पूरा कर रहा है। वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान में आए दिन आतंकी घटनाएं होती रहती हैं। इनमें काफी लोगों की जान चली जाती है। इस आतंक की चपेट में अब चीनी नागरिक भी आने लगे हैं। ये चीनी नागरिक पाकिस्तान में चीन के प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए मौजूद हैं। आतंकवादियों ने पिछले 6 महीने में दो बार चीनी नागरिकों को निशाना बनाया है। अभी तक 7 चीनी नगारिकों की इन हमलों में मौत हो गई है।

चीन ने कर दी खिंचाई

इकनॉमिक टाइम्स के अनुसार यह मुद्दा तब सार्वजनिक रूप से सामने आया जब पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने टिप्पणी की कि पाकिस्तान एकमात्र ऐसा देश है जहां चीन सुरक्षा संबंधी आशंकाओं के बावजूद अपने नागरिकों को भेजना जारी रखेगा। इसके बाद चीनी राजदूत जियांग जैदोंग ने पाकिस्तान की खिंचाई कर दी। जियांग ने इन दावों का खंडन करते हुए जोर दिया कि चीनी नागरिकों की सुरक्षा राष्ट्रपति शी जिनपिंग के लिए सर्वोपरि है। चीन की चेतावनी- निवेश होगा प्रभावित पाकिस्तान में इस समय चीन अपने कई प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है। इसके लिए चीन ने पाकिस्तान में भारी निवेश किया है। जियांग ने पाकिस्तान को चेतावनी दी कि चीनी नागरिकों पर हमले चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के तहत भविष्य के निवेश को प्रभावित कर सकते हैं।

60 अरब डॉलर से ज्यादा का निवेश

चीन पाकिस्तान में भारी-भरकम निवेश कर रहा है। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा यानी सीपेक प्रोजेक्ट में चीन 60 अरब डॉलर से ज्यादा का निवेश कर रहा है। वहीं चीन पाकिस्तान में विभिन्न प्रोजेक्ट के तहत सड़कें, डैम, पाइपलाइन और बंदरगाह बनवा रहा है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	तुला	मे
चंद्र-	वृश्चिक	मे
मंगल	कर्क	मे
बुध-	वृश्चिक	मे
गुरु-	वृष	मे
शुक्र-	वृश्चिक	मे
शनि-	कुंभ	मे
राहु-	मीन	मे
केतु-	कन्या	मे

लग्नारंभ समय		
तुला--	05-03	बजे
वृश्चिक-	07-12	बजे
धनु----	09-25	बजे
मकर...	11-32	बजे
कुंभ-	13-23	बजे
मीन-	15-01	बजे
मेष---	16-37	बजे
वृष---	18-22	बजे
मिथुन	20-22	बजे
कर्क--	22-34	बजे
सिंह---	00-48	बजे
कन्या--	02-53	बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत -2051,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-19 सूर्यास्त. -17-40
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल - पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
तिथि- तृतीया 23-23 तक उपरान्त चतुर्थी
मास - कार्तिक शुक्ल , सोमवार 04 November
नक्षत्र - अनुराधा 08-03 तक ज्येष्ठा
योग - शोभन 11-42 तक उप अतिगण्ड
करण- तैतिल 10-47 तक उप गर
विशेष:- व्रत -त्योहार - सर्वार्थ सिद्ध योग - 06-53 से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 07:43 से 09:08 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	06:19 - 07:43	शुभ	चंचल	17:40 - 19:16	शुभ
काल	07:43 - 09:08	अशुभ	रोग	19:16 - 20:51	अशुभ
शुभ	09:08 - 10:34	शुभ	काल	20:51 - 22:25	अशुभ
रोग.	10:34 - 11:59	अशुभ	लाभ	22:25 - 23:59	शुभ
उत्पात	11:59 - 13:25	अशुभ	उत्पात	23:59 - 01:34	अशुभ
चंचल	13:25 - 14:51	शुभ	शुभ	01:34 - 03:09	शुभ
लाभ	14:51 - 16:16	शुभ	अमृत	03:09 - 04:43	शुभ
अमृत	16:16 - 17:40	शुभ	चंचल	04:43 - 06:19	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आप उन बदलावों के बारे में सोच रहे हैं जो शायद आपके काम और आपकी सेहत के बीच संतुलन ला सकते हैं । आप अपने किसी करीबी दोस्त से इस सम्बन्ध में मेल करके समाधान पूछ सकते हैं । इन बदलावों से आपको आराम मिलेगा । आप अपने आप को फ़िलहाल सही आदमियों के साथ पायेंगे जो आपको आपके विभिन्न लक्ष्यों का उद्देश्य निर्धारित करने में मदद करेंगे ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आपकी जीभ तेज है और मस्तिष्क तार्किक है लेकिन आपकी यह योग्यता आज आपकी असुरक्षित प्रवृति के कारण प्रभावित होगी । हमेशा की तरह बहाव का विरोध करने के स्थान पर उसके साथ चलें । आपको अनुभव से काफी कुछ सीखने को मिल सकता है जबकि अभिमान से आपको कुछ नही मिलेगा । बाद में आप अच्छा और आत्मविश्वास से भरा अनुभव करेंगे ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
पिछले कुछ समय से आप जिस असंतुष्टि के दौर से गुजर रहे हैं,अंतत अब उससे बाहर आ पायेंगे । आपको खुद ही पता चल जाएगा कि आपने जीवन में अपना उत्कृष्ट प्राप्त कर लिया है और अब अपने सपने पूरे करने के लिए भी कोशिश कर सकते हैं । आप यह भी समझ पायेंगे कि अपने काम और अपनी सेहत दोनों को बेहतर बनाने के लिए कुछ बदलाव करने जरूरी हैं ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज आप अपने संपर्क में आने वाले हर व्यक्ति के साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार करेंगे । कोई आपकी उदारता से प्रभावित होकर दिन के अंत तक आपसे अपनी भावना का इजहार कर सकता है हालाँकि अभी भी आपके मन में कडवे अनुभव भरे हुए हैं । लेकिन अब समय आ गया है की आप सारी नकारात्मकता को दूर करके एक नयी शुरुआत करें।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आप आज कल्पनात्मक रहेंगे । कार्यस्थल की ओर से किसी अन्य स्थान की यात्रा का मौका मिल सकता है । आपकी रोमांटिक प्रवृति उजागर होगी । अपने आपको थोड़ी ढील देने का दिन है ,लेकिन काम में व्यवहारिकता भी दिखानी होगी । साथियों के साथ अच्छे मूड में रहेंगे । अपनी मेल देख लें,कोई महत्वपूर्ण मेल आपकी प्रतीक्षा कर रही है ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आज अपना और आपनी सेहत का ध्यान रखना ना भूलें । आज स्वास्थ्य सम्बन्धी किसी समस्या की आशंका बन सकती है । बहुत ठंडा भोजन खाने से बचें ।अगर पहले से ही कोई स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे है तो और अधिक ध्यान रखें । वित्तीय दृष्टि से ना फायदा ना नुकसान वाली स्थिति रहेगी हालाँकि आज कोई बड़ा निवेश ना करना ही ठीक रहेगा ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज का दिन कुछ अजीब सा रहेगा । कोई ऐसी घटना घट सकती है जिसकी आपने कभी कल्पना भी ना की होगी । आप गृहों से मिलने वाली ऊर्जा का ध्यान रखें और यह समझने की कोशिश करें कि वे आपको किस दिशा में ले जाना चाहती हैं । जीवन के इस मोड़ पर आपको सही रास्ता मिलना ही आपका आगे का भविष्य तय करेगा ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आप आज रियल एस्टेट से जुडा कोई लाभकारी लेनदेन पूरा करने वाले हैं । सकारात्मक सोच आपकी शक्ति है और आपको इसका लाभ उठाना है ,आपका कोई करीबी भी आपको इसके लिए प्रोत्साहित करेगा । आप आध्यात्मिक विकास के साथ साथ जीवन की भौतिक खुशियों का भी आनंद ले पायेंगे । नयी सोच से समृद्धि हासिल होगी ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
व्यवसाय सम्बन्धी परेशानियां हल होंगीं लेकिन तब तक आपको बोलने ,लिखने और काम में भी आक्रामक नही होना है । निजी जीवन से सम्बंधित परेशानियां झेल रहे लोगों को अपनों के लिए समय निकालना चाहिए । आप लम्बे समय से स्वस्थ्य की उपेक्षा क्र रहे हैं ,इस पर ध्यान दें ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
अपने जीवन में नकारात्मकता लाने वाले लोगों से दूर रहें ।आपको यह जानकर अचरज होगा कि जिसे आप अपना हमराज समझते थे ,वही आपके बारे में उलटी-सीढ़ी बातें फैला रहा है । ऐसे लोगों से सावधान रहें । उन्हें अपने दिलो-दिमाग में जगह ना दें । कोई नजदीकी दोस्त आपका साथ देगा । यह दोस्त आपका जीवनसाथी या माता-पिता भी हो सकते हैं ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
कोई करीबी दोस्त आपको अपना राज बताने वाला है ,आपको उसकी बातें बहुत ध्यान से सुनकर ही सलाह और सहानुभूति देनी है । अपने सभी कार्य रचनात्मक तरीके से करें । आप फिलहाल ताकतवर तरीके से कार्य कर रहे हैं और इसका प्रभाव आपके आसपास के सब लोगों पर पड़ेगा । इसलिए आपको सोच-समझकर ही कुछ बोलना और कहना पड़ेगा ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज आप बारीकियों पर बहुत ध्यान देंगे ।आप किसी परियोजना की ब्योरेवार योजना बनाने में जुटे हुए हैं और आप इस पर बहुत मेहनत भी कर रहे हैं ।आपकी यह मेहनत आपके काम में भी दिखाई देगी और इस काम के लिए आपको काफी तारीफ मिलेगी । आपके काम में आज पूरा दिन सृजनात्मकता बनी रहेगी ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

इस शेयर ने बना दिया करोड़पति

एक साल में 38000% रिटर्न, कभी 2 रुपये से कम थी कीमत

नई दिल्ली,3 नवंबर (एजेंसियां)। स्टॉक मार्केट में ऐसे कई मल्टीबैगर शेयर हैं जिन्होंने निवेशकों को लखपति नहीं बल्कि करोड़पति बना दिया है। और ये शेयर ऐसे हैं जिन्होंने यह कारनामा महज एक साल के भीतर कर दिया है। ऐसा ही शेयर उजास एनर्जी लिमिटेड का है। इस कंपनी के शेयर ने निवेशकों को एक साल में ही बंपर रिटर्न दिया है। अभी इस शेयर की कीमत 652.90 रुपये है। रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में काम करने वाली उजास एनर्जी ने 6 महीने में भी निवेशकों को छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। इस शेयर ने एक निवेशकों की रकम को दो महीने में दोगुना, तीन महीने में तीन गुना कर दिया है। वहीं 6 महीने में निवेशक को करीब 20 गुना कर दिया। उजास एनर्जी एक छोटी बिजली उत्पादन कंपनी है।

दो महीने में दोगुनी कर दी रकम

इस शेयर ने निवेशकों को रकम को दो महीने में दोगुना कर दिया है। अगस्त के शुरुआत में इस कंपनी के शेयर की कीमत 325 रुपये थी। अभी 648.50 रुपये है। ऐसे में इस शेयर ने दो महीने में करीब 100 फीसदी का फायदा दिया है।

तीन महीने में तीन गुना फायदा

वहीं इसने तीन महीने में निवेशकों की रकम को तीन गुना कर दिया है। तीन महीने पहले यानी जुलाई की शुरुआत में इसके शेयर की कीमत करीब 210 रुपये थी। अब 648.50 रुपये है। अगर आपने इसमें तीन महीने पहले एक लाख रुपये निवेश किए होते तो आज यह रकम तीन लाख रुपये होती।

ऐसे बना दिया इस शेयर ने करोड़पति

उजास एनर्जी के इस शेयर ने निवेशकों को एक साल में करोड़पति बना दिया है। इस साल पहले इसकी कीमत 2 रुपये से कम थी। यानी करीब 1.70 रुपये थी। इसने एक साल में अब तक करीब 38000 फीसदी रिटर्न दिया है।अगर आपने एक साल पहले इसमें एक लाख रुपये का निवेश किया होता तो वह रकम आज 3.80 करोड़ रुपये में बदल चुकी होती। यानी एक लाख रुपये निवेश करने पर ही आप एक साल में करोड़पति बन चुके होते।

क्या करती है कंपनी?

यह कंपनी इंदौर (मध्य प्रदेश) में है। यह कंपनी रिन्यूएबल सेक्टर में काम करती है। कंपनी का राजगढ़ (मध्य प्रदेश) में 2 मेगावाट का सोलर प्लांट लगा हुआ है। कंपनी अपने इस प्लांट से देश में सौर आरईसी का प्रोडक्शन और बिक्री करने वाली पहली कंपनी है। इसका लक्ष्य ग्रीन एनर्जी प्रोडक्शन में अग्रणी बनना है। कंपनी का मार्केट कैप 6.91 हजार करोड़ रुपये है। डिस्क्लेमरः इस विश्लेषण में दिए गए सुझाव व्यक्तिगत विश्लेषकों या ब्रोकिंग कंपनियों के हैं, एनबीटी के नहीं। हम निवेशकों को सलाह देते हैं कि किसी भी निवेश का निर्णय लेने से पहले प्रमाणित विशेषज्ञों से परामर्श कर लें। क्योंकि शेयर बाजार की परिस्थितियां तेजी से बदल सकती हैं।

राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड को केंद्र ने दी वित्तीय मदद

अनेक संकटों से घिरी है ये सरकारी कंपनी

नई दिल्ली,3 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड को 1650 करोड़ रुपये की वित्तीय मदद दी है। एक आधिकारिक दस्तावेज के मुताबिक, परिचालन और आर्थिक संकट से जूझ रही इस सरकारी कंपनी पर कर्ज लगातार बढ़ा है। ऐसे में संकट को खत्म करने के लिए अब केंद्रीय इस्पात मंत्रालय ने कदम बढ़ाया है। मंत्रालय ने कहा कि वह आरआईएनएल को चलाने के लिए कई कदम उठा रहा है। सरकार ने बताया कि उसने 19 सितंबर 2024 को इक्विटी के तौर पर आरआईएनआईएल में 500 करोड़ रुपये की मदद दी है। वहीं 27 सितंबर 2024 को उसने वर्किंग कैपिटल लोन को तौर पर उसे 1140 करोड़ रुपये दिए हैं। सरकार के मुताबिक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के मालिकाना हक वाली एसबीआईकैप्स से आरआईएनएल की वहनीयता को लेकर रिपोर्ट तैयार करने के लिए भी कहा गया है। इस दस्तावेज में इसका भी जिक्र किया गया है कि आरआईएनएल गंभीर वित्तीय संकट में है और इस्पात मंत्रालय इस चिंता के निपटारे के लिए वित्त मंत्रालय के साथ चर्चा कर रहा है।

क्या है राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड?

गौरतलब है कि राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) केंद्रीय इस्पात मंत्रालय की स्टील उत्पादन कंपनी है। इसके पास आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में 75 लाख टन का प्लांट है। हालांकि, बीते कुछ वर्षों से यह कंपनी कई वित्तीय और परिचालन से जुड़ी समस्याओं का सामना कर रही है। इसके तीन में से दो ब्लास्ट फर्नेस (भट्टियों) को पहले अक्तूबर 2028 तक के लिए बंद कर दिया गया था। इसके चलते आरआईएनएल पर कर्ज 35 हजार करोड़ तक बढ़ गया है।

कंपनी के निजीकरण को मिल चुकी है सैद्धांतिक मंजूरी

इससे पहले जनवरी, 2021 में कैबिनेट की आर्थिक मामलों की कमेटी (सीसीईए) ने रणनीतिक विनिवेश के जरिए आरआईएनएल में सरकारी हिस्सेदारी के 100 प्रतिशत विनिवेश के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी थी। हालांकि, कंपनी के निजीकरण के सरकार के फैसले का श्रमिक संघों ने विरोध किया था।

वॉरेन बफे ने एपल में अपनी 25% हिस्सेदारी बेची : कैश स्टॉक बढ़कर 27.36 लाख करोड़ हुआ, दुनिया के 6वें सबसे अमीर व्यक्ति हैं

नई दिल्ली,3 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी अरबपति और निवेशक वॉरेन बफे की कंपनी बर्कशायर हैथवे Inc ने आईफोन बनाने वाली एपल में एक बार फिर अपनी हिस्सेदारी 25% बेच दी है। इस बिकवाली के बाद वॉरेन बफे का कैश स्टॉक थर्ड क्वार्टर में बढ़कर रिकॉर्ड 325.2 बिलियन डॉलर (करीब 27.36 लाख करोड़ रुपए) हो गया है।बर्कशायर हैथवे ने शनिवार (2 नवंबर) को स्टेटमेंट में इस बात की जानकारी दी है। तीसरे क्वार्टर में कंपनी की एपल में हिस्सेदारी अब 69.9 बिलियन डॉलर रह गई है। दूसरे क्वार्टर में यह 84.2 बिलियन डॉलर थी। बर्कशायर ने पहली बार 2016 में एपल में अपनी हिस्सेदारी का खुलासा किया था। 2021 के आखिरी तक बर्कशायर के पास 31.1 बिलियन डॉलर की वैल्यू के 908 मिलियन एपल शेयर्स थे।

बफे ने तीन महीने पहले भी एपल में 50% हिस्सेदारी बेची थी

तीसरे क्वार्टर में बर्कशायर शेयरों की नेट सेलर रही है। कंपनी ने सितंबर तक तीन महीनों में 34.6 बिलियन डॉलर की नेट सेलिंग की है। बफे ने तीन महीने पहले भी एपल में अपनी करीब 50% हिस्सेदारी बेच दी थी। इस बिकवाली के बाद तब बफे का कैश स्टॉक बढ़कर 276.9 बिलियन डॉलर हो गया था।वहीं दूसरी तिमाही में एपल में ओमाहा नेब्रास्का बेस्ड ग्रुप बर्कशायर का निवेश 84.2 बिलियन डॉलर बचा था। पहली तिमाही के अंत में बफे के पास एपल के 135.4 बिलियन डॉलर के शेयर्स थे। बफे की कंपनी ने तीन महीने पहले एपल के अलावा कई अन्य कंपनियों में भी अपनी शेयर होल्डिंग कम की थी। दूसरी तिमाही के दौरान कंपनी ने टोटल 75.5 बिलियन डॉलर वैल्यू के शेयर बेचे थे।

28 अगस्त को बर्कशायर का मार्केट कैप 1-ट्रिलियन डॉलर पहुंचा था

बफे ने अपने कुछ स्टॉक को फिर से खरीदने के लिए कैश स्टॉक के कुछ हिस्से का इस्तेमाल किया है। हालांकि, हाल ही में बर्कशायर का शेयर महंगा भी हो गया था। इस साल बर्कशायर के शेयरों में 25% की बढ़ोतरी हुई है, जिससे इसकी मार्केट वैल्यू 974.3 बिलियन डॉलर हो गई है। 28 अगस्त को पहली बार इसका मार्केट कैप 1 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा हो गया था। पिछली तिमाही में बर्कशायर ने 2018 में अपनी पॉलिसी बदलने के बाद पहली बार अपने खुद के स्टॉक को वापस खरीदने से इनकार कर दिया था। बर्कशायर हैथवे प्राइमरी ग्रुप में ज्यादा घाटे के कारण फर्म के इंश्योरेंस बिजनेस के कलेक्शन में अंडरराइटिंग से होने वाली अर्निंग में 69% की गिरावट आई है, यह एक साल पहले के 2.4 बिलियन डॉलर के मुकाबले 750 मिलियन डॉलर रही।

एसबीआई के ग्राहक ध्यान दें, रिवॉर्ड पॉइंट का मैसेज खाली कर सकता है बैंक अकाउंट, तुरंत जानें बचने के तरीके

नई दिल्ली,3 नवंबर (एजेंसियां)। जिन लोगों के स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में बैंक अकाउंट हैं या जिनके पास एसबीआई का क्रेडिट कार्ड है, उनमें से काफी ग्राहकों को रिवॉर्ड पॉइंट का मैसेज मिल रहा है। यह मैसेज एक स्कैम हो सकता है। अगर आप इसके लालच में आ गए और मैसेज में दिए लिंक पर क्लिक कर दिया तो आपका बैंक अकाउंट खाली हो सकता है। पीआईबी फैक्ट चेक ने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए अलर्ट किया है।

क्या है मैसेज में?

इस मैसेज में लिखा होता है, 'आपको यानी एसबीआई के ग्राहक को 9 हजार या इससे ज्यादा रुपये के रिवॉर्ड पॉइंट मिले हैं। ये पॉइंट आज ही एक्सपायर हो जाएंगे। इन्हें रिडीम करने के लिए मैसेज में लिए गए लिंक पर क्लिक करके ऐप डाउनलोड करें।'रिवॉर्ड पॉइंट स्कैम कोई नया स्कैम नहीं है। पहले भी स्कैमर इस तरह के मैसेज भेजकर लोगों के बैंक अकाउंट खाली करते रहे हैं। यह मैसेज देखने में ऐसा लगता है जैसे एसबीआई ने ही भेजा है, जबकि ऐसा नहीं है।इस मैसेज में एक एपीके फाइल होती है जिसे डाउनलोड करने के लिए कहा जाता है। इसके बाद कस्टमर से बैंक अकाउंट की जानकारी जैसे अकाउंट नंबर, मोबाइल नंबर, पासवर्ड आदि भरने के लिए कहा जाता है। यह सारी जानकारी जालसाजों के पास पहुंच जाती है। इसके बाद ये स्कैमर आपको बैंक अकाउंट खाली कर देते हैं।

अभी फिर से क्यों आ रहे हैं ये मैसेज?

फेस्टिवल सीजन में काफी लोगों ने कार्ड से पेमेंट की है। फिर चाहे पेमेंट डेबिट कार्ड से की हो या क्रेडिट कार्ड है। स्कैमर इसी का फायदा उठाना चाहते है। वे एसबीआइ यूजर्स को रिवॉर्ड पॉइंट लालच देकर अपने जाल में फंसाना चाहते हैं।

दंडात्मक सतर्कता के माध्यम से भ्रष्टाचार को रोकने के लिए वाकथान

हैदराबाद,3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीमा क्षेत्र में अग्रणी एलआईसी हैदराबाद जोनल ऑफिस ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत वॉकथॉन का आयोजन किया। केंद्रीय सतर्कता आयोग ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2024 की शुरुआत की है, जिसका विषय राष्ट्र की समृद्धि के लिए अखंडता की संस्कृति है। इस संदर्भ में, ग्रेटर हैदराबाद स्थित भारतीय जीवन बीमा निगम(एलआईसी) जोनल ऑफिस ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), ने रविवार (3 नवंबर) को महानगर हैदराबाद और सिकंदराबाद के सभी कार्यालयों के कर्मचारियों और एजेंटों की भागीदारी के साथ वॉकथॉन का आयोजन किया। जिसमें आगे बताया गया कि, तत्संबंधित सतर्कता जागरूकता सप्ताह (वीएडब्ल्यू) हर वर्ष मनाया जाता है। एलआईसी कार्यालयों में तत्संबंधित गतिविधियाँ 28 अक्टूबर को सत्यनिष्ठा शपथ के साथ शुरू हुईं और जिसका समापन वॉकथॉन के साथ हुआ। इस सतर्कता सप्ताह के दौरान, ऑनलाइन क्विज़, ऑनलाइन निबंध लेखन प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं, जिसका एकमात्र लक्ष्य कर्मचारियों के मध्य जागरूकता लाना रहा है।

इस वॉकथॉन में 450 से अधिक कर्मचारियों और एजेंटों ने भाग लिया। इस दौरान एलआईसी, एससीजेड जोनल मैनेजर पुनीत कुमार ने वॉकथॉन के उद्घाटन के अवसर पर हरी झंडी दिखाई, जो ग्रेटर हैदराबाद के तेलुगुतल्ली फ्लाईओवर, मिंट कंपाउंड, सैफाबाद पुलिस स्टेशन, प्रसाद आईमैक्स, लुंबिनी पार्क से होते हुए एलआईसी जोनल ऑफिस में समाप्त हुई। इस वाकथान के दौरान पूरे रास्ते में सतर्कता जागरूकता पर शिक्षा देने वाले संदेश प्रदर्शित करने वाली तख्तियां प्रदर्शित की गईं। , एलआईसी ने अपना पहला विजिलैन्स मैनुअल लॉन्च किया है, जिसका अनावरण एलआईसी सीईओ तथा एमडी सिद्धार्थ मोहंती ने केंद्रीय कार्यालय, महानगर मुंबई में किया है। इस कार्यक्रम में पुलिस टीमों ने यातायात को नियंत्रित करने में सहायता की और कार्यक्रम को सुचारू रूप से चलाने में सहायता की। इस वॉकथॉन में कार्यक्रम में प्रमुखों जैसे एम रवि कुमार, उत्थुप जोसेफ, जी मधुसूदन, प्रमोद कुमार साहू और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी भाग लिया।

झारखंड में आरक्षित सीटों पर एनडीए-इंडिया में जबरदस्त टक्कर

क्या हेमंत सोरेन का साथ देंगे आदिवासी मतदाता?

रांची, 3 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड के विधानसभा चुनाव में आदिवासी बहुल सीटों को जीतने के लिए झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन और बीजेपी की अगुवाई वाले एनडीए गठबंधन के बीच कांटे का मुकाबला है। 81 सीटों वाली झारखंड की विधानसभा में 28 सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। बीजेपी ने झारखंड के चुनाव में धर्मांतरण को मुद्दा बनाया है जबकि झामुमो और कांग्रेस ने सरना कार्ड खेला है। झारखंड में आदिवासी मतदाताओं की आबादी 26% है।

...रोटी बेटी माटी की पुकार

81 सीटों वाली झारखंड की विधानसभा में 13 नवंबर और 20 नवंबर को दो चरणों में वोट डाले जाएंगे और 23 नवंबर को वोटों की गिनती होगी। बीजेपी ने अपने संकल्प पत्र में लोक लुभावने वादों की भरमार की है। बीजेपी ने झारखंड बनने के 25 साल पूरे होने पर 25 संकल्प लिए हैं। इन संकल्पों में ओबीसी के लिए 27% आरक्षण को बरकरार रखे जाने, हर जिला मुख्यालय को राजधानी रांची से जोड़ने के साथ ही वृद्ध, विधवा और दिव्यांगों के लिए ढाई हजार रुपए तक की मासिक पेंशन लागू करने जैसे कई बड़े वादे पार्टी की ओर से किए गए हैं।

दूसरी ओर, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अगुवाई में इंडिया गठबंधन भी लगातार चुनावी कार्यक्रमों को रफ्तार दे रहा है। हेमंत सोरेन और कांग्रेस राजद, और वाम दलों के बड़े नेता चुनाव प्रचार में जुटे हैं।

डेमोग्राफी बदलने का दावा

झारखंड में बीजेपी लगातार डेमोग्राफी बदलने और अवैध घुसपैठ होने का दावा कर रही है। असम के मुख्यमंत्री और राज्य के सह चुनाव प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा का कहना है कि झारखंड के संथाल परगना इलाके में बड़ी संख्या में बांग्लादेश से घुसपैठिये आ रहे हैं और यहां के आदिवासियों और दलितों की जमीनें छीन रहे हैं। सरमा का दावा है कि झारखंड के 20 विधानसभा क्षेत्रों में बांग्लादेशी घुसपैठिए 20 से 48% तक बढ़ गए हैं।

सिर्फ 2 सीटें जीती थी बीजेपी

झारखंड में आदिवासियों के लिए आरक्षित 28 सीटों में से 2019 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी सिर्फ दो सीटें जीती थी और यही वजह थी कि पार्टी बहुमत से काफी दूर रह गई थी जबकि झामुमो-कांग्रेस गठबंधन ने 25 सीटें जीती थी। पिछले चुनाव में बीजेपी अकेले उतरी थी जबकि इस चुनाव में उसने अपने पुराने सहयोगियों ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन के साथ ही जेडीयू और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के साथ गठबंधन किया है।

अगर आदिवासी बहुल इलाके दक्षिणी छोटा नागपुर की बात करें तो इसमें पांच जिले- रांची, खूंटी, गुमला, सिमडेगा और लोहरदगा आते हैं। इनमें 15 विधानसभा सीटें हैं जिनमें 11 सीटें अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित हैं। इंडिया गठबंधन ने 2019 के विधानसभा चुनाव में 15 सीटों में से 8 सीटें जीती थी जबकि बीजेपी ने पांच और आजसू ने एक सीट जीती थी। 11 आरक्षित सीटों में से 11 कांग्रेस और झामुमो ने चार-चार सीटें, बीजेपी ने 2 और बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व वाले झारखंड विकास मोर्चा (प्रजातांत्रिक) ने एक सीट जीती थी। झारखंड विकास मोर्चा (प्रजातांत्रिक) का बाद में बीजेपी में विलय हो गया था।

पांचों आरक्षित सीटों पर हारी थी बीजेपी

लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे आदिवासी मतदाताओं वाली सीटों पर बीजेपी और एनडीए गठबंधन के लिए खराब रहे थे क्योंकि अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित सभी सीटों पर इंडिया गठबंधन को जीत मिली थी। जबकि 2019 में बीजेपी यहां 2 सीटें जीती थी। इन पांच में से भी चार लोकसभा सीटों पर बीजेपी को बहुत बड़े अंतर से हार मिली थी।

लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद से ही बीजेपी ने आदिवासी मतदाताओं तक पहुंचने की भरपूर कोशिश की है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी भी आदिवासी समुदाय से ही आते हैं। बीजेपी ने आदिवासियों के भगवान कहे जाने वाले बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का ऐलान किया और खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिरसा मुंडा के जन्म स्थान खूंटी में स्थित उलिहातू पहुंचे थे।

दक्षिणी छोटानागपुर में बीजेपी के चुनाव प्रचार की कमान लोहरदगा से तीन बार सांसद रहे सुदर्शन भगत और पूर्व राज्यसभा सांसद समीर उरांव कर रहे हैं। उरांव लोकसभा चुनाव में लोहरदगा से हार गए थे। रांची सीट पर भी जेएमएम की ओर से महुआ माजी चुनाव लड़ रही हैं। महुआ माजी राज्यसभा सांसद भी हैं। इस सीट पर महुआ माजी और बीजेपी के छह बार के विधायक सीपी सिंह के बीच कड़ी टक्कर है। पिछले चुनाव में सीपी सिंह ने महुआ को करीब 5,900 वोटों से हराया था।

याद दिलाना होगा कि खूंटी के इलाके में 2017-18 में बीजेपी की सरकार के कार्यकाल के दौरान पत्थलगड़ी आंदोलन हुआ था और यह हिंसक हो गया था। दक्षिण छोटानागपुर में बीजेपी सत्ता विरोधी लहर के साथ ही आदिवासियों के धर्मांतरण का मुद्दा भी उठा रही है।

सरना धर्म कोड को लेकर इंडिया गठबंधन हमलावर

झारखंड के आदिवासी समुदाय के एक बड़े वर्ग ने सरना धर्म कोड की मांग की थी जिसे लेकर हेमंत सोरेन सरकार ने 2022 में विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित किया था और इसे जनगणना में एक अलग कोड के रूप में शामिल करने के लिए केंद्र सरकार को भेजा था। लेकिन यह भी केंद्र सरकार के पास लंबित है। इसके अलावा अधिवास विधेयक 1932 को राज्यपाल ने वापस लौटा दिया था। झामुमो-कांग्रेस इसे मुद्दा बना रहे हैं।

इंडिया गठबंधन को मैय्या सम्मान योजना से वोट मिलने की उम्मीद है। इस योजना के तहत 18-50 साल की हर वंचित महिला को 1,000 से बढ़ाकर 2,500 रुपये दिए जाने का प्रस्ताव है।

ड्यूटी पर तैनात जवानों पर नक्सलियों ने किया हमला

दो जवान घायल

सुकमा, 3 नवंबर (एजेंसियां)। जगरगुंडा साप्ताहिक बाजार की ड्यूटी में तैनात जवानों पर नक्सलियों ने हमला किया है। हमले में दो जवान घायल हुए हैं। जिन्हें जगरगुंडा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हमले के बाद बाजार में अफरातफरी मच गई। पुलिस ने पूरे इलाके को घेर लिया है। नक्सली जवानों से हथियार लूटकर ले गए हैं। एसपी किरण चव्हाण ने इसकी पुष्टि की है।

जगरगुंडा साप्ताहिक बाजार ड्यूटी मे निकले पुलिस पार्टी पर नक्सलियो के स्मॉल एक्शन टीम ने चाकू से हमला किया। हमले में थाना जगरगुंडा के दो जवान घायल हो गए हैं। घायल जवानों के नाम - करतम देवा, सोढ़ी कन्ना हैं। दोनों जवानों के हथियार नक्सली लूट कर ले गए हैं। इलाके में सुरक्षा बलों द्वारा गहन सर्चिंग की जा रही है।

नक्सली बेचैन और घबराए हुए हैं- डिप्टी सीएम अरुण साव

सुकमा में नक्सली हमले में दो जवानों के घायल होने पर छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा कि जब से राज्य में हमारी सरकार बनी है, डबल इंजन की सरकार बस्तर को नक्सल मुक्त बनाने की दिशा में दोगुनी गति से काम कर रही है। जिस तरह से नक्सलियों की गिरफ्तारी, हत्या और आत्मसमर्पण हुआ है, उससे नक्सली बेचैन और घबराए हुए हैं। इसलिए वे घबराहट में इस तरह के हमले कर रहे हैं। लेकिन हमारे सुरक्षाबलों का मनोबल बहुत ऊंचा है और निश्चित रूप से आने वाले समय में बस्तर में शांति होगी और बस्तर विकास की ओर आगे बढ़ेगा।

भाजपा नेता श्रीनिवास रेड्डी बोले- सरकारी सामुदायिक भवन में सिनेमा हॉल का बंद हो संचालन

बीजापुर, 3 नवंबर (एजेंसियां)। बीजापुर में वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व सांसद प्रतिनिधि श्रीनिवास रेड्डी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि बीजापुर वासियों के लिए पूर्व की भाजपा सरकार ने बीजापुर नगर के हृदय स्थल पर एक सर्वसुविधा युक्त सामुदायिक भवन का निर्माण किया गया था, जहां अनेक प्रकार के सामाजिक बैठकें, धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम, शादी समारोह और अन्य सरकारी कार्यक्रम भी निर्बाद रूप से आयोजित किये जाते थे। लेकिन तत्कालीन कांग्रेस की सरकार ने बीजापुर के हृदय स्थल में स्थित सरकारी सामुदायिक भवन को सिनेमा हॉल में तब्दील कर उसे एक कांग्रेसी पार्षद के हवाले कर दिया गया अब वह कांग्रेसी पार्षद सरकारी सामुदायिक भवन में सिनेमा हॉल का संचालन करते हुए एक मोटी कमाई कर रहा है।

भाजपा नेता श्रीनिवास रेड्डी ने अपने प्रेस वक्तव्य में यह भी कहा कि सरकारी सामुदायिक भवन को बीजापुर नगर वासियों से मशवरा किए बिना इस तरह किसी निजी व्यक्ति को सिनेमा हॉल संचालित करने की अनुमति दिया जाना समझ के परे है। सामुदायिक भवन में सिनेमा हॉल का संचालन होने से नगर के लोगों को सामाजिक बैठकें, धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम, शादी समारोह और अन्य कार्यक्रम आयोजित करने में काफ़ी परेशानी हो होती है।

भाजपा नेता श्रीनिवास रेड्डी ने अपने प्रेस वक्तव्य में यह भी कहा कि यदि सिनेमा हॉल का संचालन करना ही है तो नियमानुसार अपने निजी भूमि पर सिनेमा हॉल का निर्माण कर सिनेमा हॉल का संचालन करना चाहिए लेकिन आम जनता के लिए बनी सामुदायिक भवन में सिनेमा हॉल का संचालन किया जाना आम जनता के अधिकारों को छीनने जैसा प्रतीत होता है। इसलिए शासन प्रशासन से मांग है कि बीजापुर के सरकारी सामुदायिक भवन में संचालित सिनेमा हॉल का संचालन तत्काल बंद किया जाए और उसे किसी अन्य जगह शिफ़्ट किया जाये ताकि जिले के आम जनता के लिए बनी सरकारी सामुदायिक भवन का उपयोग आम जनता के लिए हो सके।

धर्मांतरण को लेकर पुलिस ने की कार्रवाई

कई लोगों को हिरासत में लिया

रायगढ़, 3 नवंबर (एजेंसियां)। रायगढ़ जिला मुख्यालय में धर्मांतरण का एक और मामला सामने आया है। हिंदु संगठन के सदस्यों की शिकायत के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने आधे दर्जन से भी अधिक लोगों को पकड़कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

मिली जानकारी के मुताबिक जूटमिल क्षेत्र में अंतर्गत आने वाले मिट्ठुमुडा मोहल्ले के स्थित संतोष चैहान के मकान में आज सुबह प्रार्थना सभा की जानकारी हिंदु संगठन के पदाधिकारियों को लगी तब वे अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और फिर नारेबाजी करते हुए पुलिस का इस मामले से अवगत कराया। मौके पर पहुंची पुलिस ने सात लोगों को हिरासत में लेने के साथ-साथ कुछ सामानों को जब्त कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

हिंदु संगठन के नेता व एबीवीपी के पदाधिकारी अंशु टूटेजा ने बताया कि बीते कई महीनों से हमे सूचना मिल रही कि यहां प्रार्थना के बहाने धर्म परिवर्तन कराया जा रहा था। इस सूचना पर उनके द्वारा लगातार रेकी की जा रही थी।

इसी बीच आज सुबह जानकारी मिली कि मिट्ठुमुडा के संतोष चैहान के मकान में भारी संख्या में महिलाएं उपस्थित होकर धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है। उनकी टीम जब यहां पहुंची तब उन्होंने सुना कि सडक तक आवाज आ रही थी और लोगों को प्रभु ऐश के ताकतों के बारे में बताया जा रहा था।

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस: 4 से 6 नवंबर तक नया रायपुर में राज्योत्सव का आयोजन

रायपुर, 3 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस राज्योत्सव 2024 के आयोजन को लेकर तैयारियां जोर-शोर से जारी है। तीन दिवसीय राज्योत्सव का भव्य आयोजन चार से छह नवंबर तक किया जाएगा। राज्योत्सव नया रायपुर अटल नगर में होगा। राज्योत्सव स्थल में मुख्य मंच से लेकर पूरे परिसर की साज-सज्जा का काम तेजी से कराया जा रहा है। शासकीय योजनाओं एवं उपलब्धियों के प्रचार-प्रसार के लिए सभी विभागों के अधिकारी अपने-अपने विभाग का प्रदर्शनी स्टॉल लगाए जाने की तैयारी में जुटे हैं।

राज्य स्थापना दिवस राज्योत्सव 2024 का उद्घाटन चार नवंबर की शाम छह बजे मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। उद्घाटन कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय करेंगे। छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह कार्यक्रम में अति विशिष्ट अतिथि होंगे।

राज्यपाल रमेन डेका के मुख्य आतिथ्य में पांच नवंबर को राज्योत्सव के कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। राज्य अलंकरण समारोह एवं राज्योत्सव का समापन छह नवंबर को उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के मुख्य आतिथ्य में होगा। राज्योत्सव में ख्याति प्राप्त कलाकार रंगारंग और मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की

प्रस्तुतियां देंगे। चार नवंबर को सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरूआत शाम साढ़े चार बजे से होगी। बालीवुड के प्रसिद्ध पार्श्व गायक शांतुन मुखर्जी (शानु) की प्रस्तुति रात्रि 7.45 बजे से होगी। इससे पूर्व रिखी क्षत्रीय की टीम की ओर से 12 लोक नृत्य की झलकियां, मोहन चौहान एवं साथी द्वारा आदिवृंदम, सुनील सोनी एवं टीम द्वारा क्षेत्रीय नृत्य संगीत तथा विद्या वर्चस्वी द्वारा नाम रामायण की प्रस्तुति दी जाएगी। इसी तरह पांच नवंबर को राज्योत्सव में शाम पांच बजे से पुरानिक साहू द्वारा सांस्कृतिक लहर गंगा, सुरेन्द्र साहू, भोला यादव एवं साथियों द्वारा लोक धुन, मोहन नायडू एवं साथियों द्वारा द मून लाइट रागा, राजेश अवस्थी, आरू साहू एवं नीति मोहन की प्रस्तुति होगी। छह नवंबर को सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत अनुराग शर्मा द्वारा अनुराग स्टार नाइट, मनोज प्रसाद द्वारा इंडियाज गॉट टैलेंट मल्लखंभ, सवि श्रीवास्तव द्वारा जादू बस्तर, पवनदीप और अरूनिता के पार्श्व गायन की प्रस्तुति होगी।

राज्योत्सव के दौरान छत्तीसगढ़ शासन के सभी विभागों की ओर से राज्योत्सव स्थल पर भव्य एवं आकर्षक प्रदर्शनी लगाई जाएगी। यहां शिल्प ग्राम बनाया जा रहा है, जहां छत्तीसगढ़ के विविध शिल्प प्रदर्शन एवं विक्रय के लिए उपलब्ध होंगे। राज्योत्सव स्थल परिसर में शासकीय विभागों की प्रदर्शनी के लिए विशाल हैंगर (डोम) बनाए गए हैं। हैंगर-एक एवं दो में शासकीय विभागों के स्टॉल लगेंगे, जबकि हैंगर-तीन में वाणिज्यिक संस्थान अपने उत्पादों की प्रदर्शनी लगाएंगे। हैंगर-चार में पब्लिक सेक्टर के संस्थानों की प्रदर्शनी लगेगी।

राज्योत्सव में शिल्प ग्राम, फूड कोर्ट और मीना बाजार आम लोगों के लिए आकर्षण का केन्द्र होंगे। राज्योत्सव के तीन दिवसीय कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री अरूण साव और विजय शर्मा, मंत्री रामविचार नेताम और अन्य जनप्रतिनिधिगण कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि होंगे।

'वोट मांगने से पहले कोयले की रॉयल्टी का हिसाब दे भाजपा'

संकल्प पत्र पर झामुमो-कांग्रेस का हमला

रांची, 3 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने आज संकल्प पत्र जारी किया। भाजपा के संकल्प पत्र पर कांग्रेस ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि भाजपा को लोगों से वोट मांगने से पहले झारखंड को लंबित कोयला रॉयल्टी के तौर पर 1.36 लाख करोड़ रुपये जारी करने में देरी का हिसाब देना चाहिए। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि केंद्र पर कोयला रॉयल्टी और केंद्रीय योजना के लाभ का लाखों करोड़ रुपये बकाया है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा, कांग्रेस नेता ने कहा कि भूमि मुआवजे का भुगतान न करने के कारण 1,01,142 करोड़

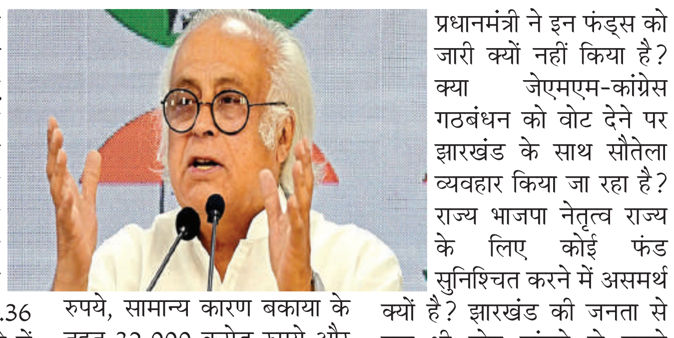

रुपये, सामान्य कारण बकाया के तहत 32,000 करोड़ रुपये और धुले हुए कोयले की रॉयल्टी के तहत 2,500 करोड़ रुपये बकाया हैं। उन्होंने भाजपा की झारखंड इकाई पर सवाल उठाते हुए पूछा कि पार्टी राज्य के लिए धन सुरक्षित करने में क्यों विफल रही और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसपर चुप क्यों हैं। जयराम रमेश ने कहा, नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री ने इन फंड्स को जारी क्यों नहीं किया है? क्या जेएमएम-कांग्रेस गठबंधन को वोट देने पर झारखंड के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है? राज्य भाजपा नेतृत्व राज्य के लिए कोई फंड सुनिश्चित करने में असमर्थ क्यों है? झारखंड की जनता से एक भी वोट मांगने से पहले भाजपा को राज्य को 1.36 लाख करोड़ रुपए जारी करने में हुई इस देरी का हिसाब देना होगा।

भाजपा के संकल्प पत्र पर झामुमो नेता महुआ माझी ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, किसी को भी इस संकल्प पत्र पर भरोसा नहीं है, क्योंकि जनता उनकी सरकार देख चुकी है।

पांच की जगह हर महीने मिलेगा सात किलो राशन : सीएम सोरेन

रांची, 3 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड में विधानसभा चुनाव के लिए 13 और 20 नवंबर को दो चरणों में चुनाव होगा। जबकि काउंटिंग 23 नवंबर को होगी। ऐसे में सभी राजनीतिक दल जमकर जनता को लुभाने के लिए वादे कर रहे हैं। अब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने एलान किया है कि झारखंड मुक्ति मोर्चा यानी जेएमएम के नेतृत्व वाले गठबंधन के सत्ता में आने पर लोगों को हर महीने सात किलो राशन मिलेगा।

पांच किलो प्रति माह के बजाय सात किलो राशन का एलान

सोरेन ने रविवार को वादा करते हुए कहा कि अगर जेएमएम के नेतृत्व वाला गठबंधन सत्ता में आया तो सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत लोगों को मौजूदा पांच किलो प्रति माह के बजाय सात किलो राशन मिलेगा। इतना ही नहीं पेंशन राशि भी बढ़ाई जाएगी।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि झारखंड में भाजपा शासन के दौरान 11 लाख राशन कार्ड और तीन लाख पेंशन रद्द कर दिए गए, जिसके परिणामस्वरूप भूख के कारण कई आदिवासी, दलितों की मौत हो गई। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, 'मुझे गर्व है कि भाजपा के शासन में जहां भूख से मौतें एक आम समस्या बन गई थी, जिससे राज्य के गरीब और वंचित वर्ग को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। भोजन, पेंशन और स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव था, जिससे लोगों की जीवन गुणवत्ता पर गहरा प्रभाव पड़ा। परंतु अबुआ सरकार के आने के बाद स्थिति में व्यापक बदलाव आया है।

अबुआ सरकार ने जनकल्याणकारी योजनाओं को

लागू किया

उन्होंने आगे कहा, 'हर झारखंडी को उनके हक के अनुसार राशन, पेंशन, और पोषण मिल रहा है, जिससे वे अपने परिवार की बुनियादी जरूरतें पूरी कर पा रहे हैं। अबुआ सरकार ने राज्य की जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू किया है, जिससे झारखंड के लोगों का जीवन स्तर बेहतर हुआ है और उन्हें एक नई उम्मीद मिली है।'

केंद्र ने यह कदम उठाए गलतः सीएम

इतना ही नहीं सीएम सोरेन बताया कि भाजपा ने अपने शासन में क्या कुछ गलत कदम उठाए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने 10 साल में मध्याह्न भोजन और आंगनवाड़ी में बच्चों का बजट आधा किया, केंद्रीय सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना का बजट 40 प्रतिशत कम किया, झारखंड के 40 लाख गरीबों को राशन से वंचित रखा। इतना ही नहीं, केंद्र ने मजदूरों के जीवनरेखा मनरेगा को आईसीयू में डाल दिया। वहीं, खाना खाने के लिए आधार अनिवार्य करके गरीबों के पेट पर सीधा वार किया। साथ ही झारखंड की भाजपा राज में 11 लाख राशन और 3 लाख पेंशनों को रद्द किया गया।

उन्होंने कहा कि इन सब का नतीजा यह निकला कि कई आदिवासी, दलित और पिछड़ों की भूख से मौत हुई। आपके अबुआ सरकार ने पिछले पांच साल में (दो साल कोरोना सहित) सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में कई कदम उठाए। जैसे- 40 लाख से ज्यादा बुजुर्ग, एकल महिलाओं और विकलांगों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन से जोड़ा - मेहनतकश वर्ग के लिए पेंशन की उम्र 60 साल से कम करके 50 वर्ष किया - 20 लाख छुटे लोगों को जन वितरण प्रणाली से जोड़ा - 18-50 वर्ष की महिलाओं के लिए मईया सम्मान योजना - मनरेगा मजदूरी बढ़ाया।

उन्होंने आगे कहा कि अगर फिर से अबुआ सरकार बनती है तो जन वितरण प्रणाली में पांच किलो अनाज के जगह सात किलो अनाज प्रति व्यक्ति दिया जाएगा।

अर्धनग्न अवस्था में जला हुआ शव मिलने से फैली सनसनी

कोरबा, 3 नवंबर (एजेंसियां)। रविवार की सुबह कटघोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत हुंकरा पहाड़ी के पास एक अज्ञात युवक की अधजली लाश मिलने से हड़कंप मच गया। इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। मृतक कौन है अभी इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है। बताया जा रहा है कि गांव से लगे पहाड़ी के पास सुबह शौच के लिए कुछ ग्रामीण गए हुए थे। इसी दौरान अचानक पहाड़ी के पास शव पर नजर पड़ी और इसकी जानकारी गांव के सरपंच को फोन द्वारा दी। सरपंच ने मौके पर पहुंचकर कटघोरा पुलिस को सूचना दी। शव की शिनाख्त नहीं हो पाई। घटना स्थल पर साइकिल मिली है। आशंका जताई जा रही है कि कुछ युवक यहां रात्रि शराब पीने आए होंगे और आपसी विवाद में इस घटना को अंजाम दिया गया होगा।

सीएम की पत्नी कल्पना सोरेन ने केंद्र से की मांग, कहा- झारखंड की तरह पेंशन योजना करे लागू

रांची, 3 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की विधायक एवं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने केंद्र सरकार से देश में झारखंड की तरह पेंशन योजना को लागू करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि लाभार्थियों को हर महीने एक हजार रुपये पेंशन भी दी जाए।

लातेहर में एक रैली में कल्पना सोरेन ने कहा कि झारखंड में हेमंत सोरेन सरकार ने पेंशन योजना शुरू की है। इससे पिछले पांच वर्षों में 27 लाख लाभार्थियों को पंजीकृत किया गया है। लाभार्थियों को एक हजार रुपये प्रति माह पेंशन प्रदान की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि झारखंड में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के दौरान केवल 13 लाख पेंशन

लाभार्थी थे। उन्होंने दावा किया कि केंद्र पेंशन योजना के तहत प्रति माह केवल 250 रुपये देता है, जबकि बाकी राशि का भुगतान राज्य सरकार करती है।

कल्पना ने कहा कि मैं केंद्रीय मंत्रियों से मांग करूंगी कि झारखंड की तर्ज पर देश में सार्वभौमिक पेंशन योजना लागू करें और लाभार्थियों को 250 रुपये के बजाय एक हजार रुपये प्रति माह पेंशन दें। भाजपा झारखंड का भला नहीं कर सकती। 2014 में झारखंड में जब भाजपा की डबल इंजन सरकार थी, तब उन्होंने राज्य में हजारों स्कूल बंद कर दिए। भाजपा कभी नहीं चाहती कि यहां के बच्चे पढ़ें, आगे बढ़ें और अपने सपनों को साकार करें। झामुमो नेता ने कहा कि जब गठबंधन की सरकार बनी, तो हेमंत सोरेन ने उन बंद स्कूलों को फिर से खोलने का संकल्प लिया और उनका कायाकल्प किया। झारखंड के हर बच्चे को सर्वोत्तम शिक्षा प्रदान करने के मकसद से मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों की शुरुआत की गई। ये विद्यालय सिर्फ स्कूल भर नहीं, बल्कि झारखंड के हर बच्चे के उज्ज्वल भविष्य की नींव हैं।

राजनीतिक बहस से लेकर हत्या के प्रयास तक अमेरिकी चुनाव में अब तक क्या-क्या हुआ?

वाशिंगटन, 3 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में 5 नवंबर (मंगलवार) को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने वाले हैं। इस चुनाव के अभियान में रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक दोनों पार्टियों ने जमकर मशक्कत की है। वहीं, इस चुनाव के ऐलान के बाद से कई ऐसे क्षण देखने को मिले हैं, जो इस देश के इतिहास में सबसे असाधारण में से एक बनाता है।

गंभीर अपराधों के दोषी ठहराए गए डोनाल्ड ट्रंप

रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप के दोषी ठहराने जाने के बाद ये बात दुनियाभर में छा गई। 30 मई को डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के पहले पूर्व राष्ट्रपति बने जिन्हें अपराधों के लिए दोषी ठहराया गया। डोनाल्ड ट्रंप पर 2016 की चुनाव में जीत की पूर्व संध्या पर पोर्न स्टार स्टॉर्मी डैनियल्स को पैसे देकर अपने बिजनेस के रिकॉर्ड्स में हेराफेरी करने का आरोप था, जिससे कि वह उनके यौन संबंध को सार्वजनिक रूप से पेश न करें। हालांकि छह हफ्तों तक चले ट्रायल के बाद दोषी करार दिए जाने के बाद भी डोनाल्ड ट्रंप को व्हाइट हाउस के लिए चुनाव लड़ने से कोई रोक नहीं सका। वहीं, रिपब्लिकन पार्टी के लिए उम्मीदवार के रूप में अपने अटूट समर्थन को दोगुना कर रहे हैं।

जो बाइडन से डेमोक्रेटिक पार्टी की टूटती उम्मीदें

अमेरिका के वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन जो कि डेमोक्रेटिक पार्टी के संभावित उम्मीदवार का 27 जून को डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ डिबेट में खराब प्रदर्शन के बाद पार्टी में टूटती हुई नजर आने लगी। 81 साल के जो बाइडन अक्सर चीजों को भूल जाते हैं और अपने शब्दों को मजबूती से बोल नहीं पाते हैं। इससे उनकी राष्ट्रपति के चुनाव फिर से लड़ने पर संशय बन गया।

चुनावी अभियान के दौरान डोनाल्ड ट्रंप के हत्या का प्रयास

13 जुलाई को पेंसिल्वेनिया में हुई डोनाल्ड ट्रंप की रैली सबसे चौंका देने वाली थी। लोगों के बीच अपने दावेदारी पेश करते डोनाल्ड ट्रंप पर गोली चलाई गई। वो गोली ट्रंप के कानों को छूकर निकल गई। सीक्रेट सर्विस के अधिकारियों ने 20 वर्षीय बंदूकधारी को मौके पर ही मार गिराया। हालांकि इससे डोनाल्ड ट्रंप के जनाधार में बढ़ोत्तरी हो गई।

कमला हैरिस बनीं अमेरिका की पहली महिला राष्ट्रपति उम्मीदवार

21 जुलाई को जो बाइडन ने एक्स पर पोस्ट करके अलविदा कह दिया। यह उनकी फिर से चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा थी। इसके बाद से अमेरिका की पहली महिला, अश्वेत और एशियाई-अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को जो बाइडन की जगह लेने के लिए चुना गया और जल्दी है कमला हैरिस ने डेमोक्रेटिक पार्टी के नेतृत्व करने वाली पहली अश्वेत महिला बन गई।

डोनाल्ड ट्रंप पर दूसरा हमला

13 जुलाई के बाद 15 सितंबर को फिर से रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप पर गोलियां चलीं। हालांकि डोनाल्ड ट्रंप सुरक्षित हैं।

कमला हैरिस के समर्थन में बढ़ोतरी

डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार घोषित होने के कुछ ही हफ्तों में कमला हैरिस एक दमदार उम्मीदवार बन गई और डोनाल्ड ट्रंप के सामने मजबूती से अपना प्रदर्शन दे रही हैं। 10 सितंबर को कमला हैरिस और डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुए बहस में कमला हैरिस ने बाजी मार ली। जहां, 27 अक्टूबर को डोनाल्ड ट्रंप के लिए न्यूयॉर्क के मेडिसन स्क्वायर गार्डन एरिना में भारी भीड़ जमा हो गई। वहीं, 29 अक्टूबर को व्हाइट हाउस के बाहर कमला हैरिस के समर्थन में हजारों लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई।

ट्रूडो ने मंदिर में जाकर खाई जलेबी, हिंदुओं की रक्षा का लिया प्रण, क्यों बदल गए खालिस्तान समर्थक कनाडाई पीएम के तेवर?

ओटावा, 3 नवंबर (एजेंसियां)। खालिस्तान की पैरवी करने वाले कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो आज कल मंदिर के चक्कर लगाने लगे हैं। जैसे-जैसे कनाडा में आम चुनाव की तारीख नजदीक आती जा रही है, वैसे-वैसे ही ट्रूडो को हिंदू समुदाय के लोगों की याद आ रही है। ट्रूडो ने दीपावली के मौके पर ट्रूडो मंदिर पहुंचे और दीया जलाया। वहीं, उन्होंने जलेबी भी खाई। वहीं, हिंदू समुदाय के लोगों को दीवाली की बधाई दी।

इतना ही नहीं ट्रूडो ने हिंदुओं का साथ कभी नहीं छोड़ने की बात कही। ट्रूडो ने कहा, दीवाली अंधकार पर उजाले की विजय का त्योहार है। हमें अपनी जिंदगियों में रोशनी की जरूरत है। ट्रूडो ने एक्स पर वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, आज हिंदू, सिख, बुद्ध और जैन परिवार दीपाली मनाएंगे। आप सभी को ढेर सारी शुभकामनाएं। उन्होंने कहा कि हम कनाडा में रहने वाले सभी हिंदुओं की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। बता दें कि कनाडा में आए दिन हिंदुओं पर हमले होते रहते हैं। ये हमले खालिस्तान समर्थक लोगों द्वारा किए जाते हैं। हाल ही में कनाडाई सांसद चंद्रा आर्या ने हिंदुओं को खालिस्तानियों से खतरे की आशंका जताई थी। उन्होंने ट्रूडो सरकार से इस मामले पर ध्यान देने का अनुरोध भी किया है। बता दें कि पिछले साल आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पीएम जस्टिन ट्रूडो ने दावा किया था कि खालिस्तान समर्थक निज्जर की हत्या के पीछे भारत सरकार के एजेंसियों का हाथ है। ट्रूडो सरकार के इस दावे भारत सरकार ने बेबुनियाद बताया था। इस घटना के बाद दोनों देशों के रिश्तों में तनाव पैदा हो गया है। कनाडा के दुश्मन देश की लिस्ट में शामिल भारत कनाडा की खुफिया एजेंसी कम्युनिकेशन सिक्योरिटी एस्टेब्लिशमेंट (सीएसई) ने एक ताजा रिपोर्ट में भारत को एक तरह से दुश्मन देशों की सूची में रखने का काम किया है।

पाकिस्तान में खाई में वाहन गिरने से 7 लोगों की मौत, खैबर पख्तूनख्वा हमले में 16 सैनिक घायल

पेशावर, 3 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान में एक तेज रफ्तार वाहन अचानक संतुलन खोकर खाई में गिर गया। इस वजह से उसमें सवार कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई। जबकि छह अन्य घायल हुए हैं। पुलिस ने बताया कि हादसा खैबर पख्तूनख्वा सूबे के बुनेर जिले में उस समय हुआ, जब वाहन के ब्रेक फेल हो गए और वह अनियंत्रित होकर खाई में गिर गया। पुलिस और बचाव अधिकारी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। वहीं दूसरी तरफ खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में ही एक और हादसा हो गया। बताया जा रहा है कि इस प्रांत में कुछ अज्ञात बंदूकधारियों ने सुरक्षाबलों के दो अलग-अलग काफिलों पर घात लगाकर हमला शुरू कर दिया। इससे सुरक्षा बलों में हलचल मच गई। बंदूकधारियों के इस हमले में एक अधिकारी समेत 16 सैनिक घायल हो गए। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

वजीरिस्तान में हुआ हमला

पाकिस्तानी अधिकारियों ने बताया कि दक्षिणी वजीरिस्तान जिले के सरवेकाई क्षेत्र में बंदूकधारियों ने सुरक्षाबलों के काफिले पर हमला किया, जिसमें 11 सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। घायलों में कैप्टन रैंक का एक अधिकारी भी शामिल है। उन्होंने बताया कि लक्की मरवत जिले में दर्रा तुंग जांच चौकी के नजदीक एक और हमला उस समय हुआ जब काफिला करक जिले से काबुल खेल में एक परमाणु ऊर्जा परियोजना स्थल की ओर जा रहा था। इस हमले में पांच सैनिक घायल हो गये। इस प्रकार दो अलग-अलग हमलों में कुल 16 सैनिक घायल हुए हैं। हमले के बाद बंदूकधारी फरार हो गए।

दुनिया के सबसे बड़े 'कैदी' मगरमच्छ कैसियस की ऑस्ट्रेलिया में मौत, लंबाई दो मंजिले घर के बराबर

सिडनी, 3 नवंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया में दुनिया के सबसे बड़े कैदी मगरमच्छ की मौत हो गई है। इस मगरमच्छ को कैसियस नाम दिया गया था। कैसियर की लंबाई 5.48 मीटर (18 फीट) थी। इसके नाम इंसानों की कैद में मौजूद सबसे बड़े मगरमच्छ का विश्व रेकॉर्ड था। ऑस्ट्रेलियाई वन्य जीव अभ्यारण्य ने इस विशालकाय पालतू मगरमच्छ की मौत की पुष्टि की। माना जा रहा है कि उसकी उम्र 110 साल से ज्यादा थी। मैरिनलैंड मेलानेशिया क्रोकोडाइल हैबिटेट ने फेसबुक पर बताया कि कैसियस का वजन एक टन से ज्यादा था और 15 अक्टूबर से ही उसकी सेहत में गिरावट आ रही थी। क्वींसलैंड के पर्यटक शहर केर्न्स के पास ग्रीन आइलैंड पर स्थित संगठन की एक पोस्ट के अनुसार, वह बहुत बूढ़ा था और माना जा रहा था कि वह जंगली मगरमच्छ से ज्यादा उम्र तक जी रहा था। वन्य जीव अभ्यारण्य ने कहा, कैसियस की बहुत याद आएगी, लेकिन उसके प्रति हमारा प्यार और यादें हमेशा हमारे दिलों में रहेंगी।

हिजबुल्लाह के टॉप कमांडर को इजरायल ने किया ढेर, रॉकेट हमले में बच्चों की मौत का था जिम्मेदार

हिज्बुल्लाह के टॉप कमांडर को इजरायल ने मार गिराया

लेबनान, 3 नवंबर (एजेंसियां)। इजरायली सेना ने रविवार को हिजबुल्लाह के टॉप कमांडर जाफर खादर फौर को ढेर कर दिया है। इजरायली सेना ने बताया कि जाफर खादर फौर पिछले साल अक्टूबर से इजरायल में हुए कई हमलों के लिए जिम्मेदार था, जिसमें जुलाई 2024 में हुए फुटबॉल मैदान पर 12 बच्चों की मौत का हमला भी शामिल था। बता दें कि जाफर खादर फौर दक्षिणी लेबनान में हिज्बुल्लाह की नासिर ब्रिगेड रॉकेट यूनिट का कमांडर था। इजरायल ने जाफर खादर की मौत की जानकारी दी है। हालांकि हिज्बुल्लाह ने अभी तक फौर के मौत पर टिप्पणी या पुष्टि नहीं की है।

जाफर खादर की मौत पर आईडीएफ ने क्या कहा

हिज्बुल्लाह के नासिर ब्रिगेड रॉकेट यूनिट के कमांडर जाफर खादर फौर को दक्षिणी लेबनान के जौईया क्षेत्र में मार गिराया। इजरायली सैन्य बल ने एक्स पर ट्वीट कर कहा, "फौर गोलान हाइट्स में कई रॉकेट हमलों के लिए जिम्मेदार था। जिसमें किबुत्ज ओरताल में इजरायली नागरिकों की मौत, मजदल शम्स पर हमला, जिसमें 12 बच्चों की मौत हो गई थी और कई घायल हो गए थे और पिछले गुरुवार को मेटुला पर हुए रॉकेट हमले में शामिल था। जिसमें 5 नागरिकों की मौत हुई थी। इसके साथ ही फौर पूर्वी लेबनान से किए गए आतंकी हमलों का भी जिम्मेदार था, जहां से 8 अक्टूबर को इजरायल में पहला रॉकेट लॉन्च किया गया था।"

गोलान हाइट्स में हुआ था हिज्बुल्लाह का सबसे घातक हमला

हिज्बुल्लाह द्वारा किए गए हमलों में गोलान हाइट्स के मजदल शम्स में फुटबाल मैदान पर हमला किया गया था, जिसमें कुल 12 बच्चों की मौत हो गई थी। यह हिज्बुल्लाह द्वारा इजरायल में किए गए हमलों में से सबसे घातक हमला था। बता दें कि इजरायल और हिज्बुल्लाह के बीच अक्टूबर, 2023 में संघर्ष शुरू हुआ था। उसके बाद हमास ने इजरायल पर एक घातक हमला किया था, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए और इसी दौरान 200 से अधिक लोगों को बंधक बना लिया था।

अमेरिका का महाविनाशक बी-52 बॉम्बर मिडिल ईस्ट में पहुंचा, ईरान को सबक सिखाने की तैयारी

वॉशिंगटन, 3 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका की तरफ से तैनाती की घोषणा के बाद अमेरिकी बी-52 महाविनाशक रणनीतिक बमवर्षक विमान मध्य पूर्व में पहुंच गए हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने शनिवार देर रात एक्स पर एक पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी है। पोस्ट में कहा गया है कि बी-52 बॉम्बर मध्य पूर्व में सेंट्रल कमांड के जिम्मेदारी वाले क्षेत्र में पहुंचे हैं। इन्हें मिनोट एयर फोर्स बेस के 5वें बम विंग से भेजा गया था। ईरान से तनाव के बीच अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन कई स्ट्रैटोफोर्टेस बमवर्षक विमान, टैंकर विमान और नौसेना विध्वंसक की तैनाती का आदेश दिया था। अमेरिकी बी-52 बमवर्षक ऐसे समय में पहुंचे हैं, जब ईरान ने पिछले सप्ताह किए गए इजरायली हमले के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की धमकी दी है। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने शनिवार को इजरायल को खुली धमकी दी थी। शनिवार को खामेनेई ने एक पोस्ट में लिखा, 'दुश्मन चाहे इजरायल हो या अमेरिका, ईरान और प्रतिरोध की धुरी को जो भी चोट पहुंचा रहा है, उसे कुचलने वाला जवाब मिलेगा।'

क्या है बी-52 बॉम्बर की ताकत

अमेरिकी वायु सेना के अनुसार, बी-52 स्ट्रैटोफोर्ट्रेस लंबी दूरी का भारी बमवर्षक है, जो विभिन्न मिशनों को अंजाम देने की क्षमता रखता है। बी-52 हाई सबसोनिक स्पीड पर उड़ान भरने में सक्षम है। यह दुनिया भर में सटीक नेविगेशन क्षमता के साथ परमाणु या सटीक निर्देशित पारंपरिक हथियार ले जा सकता है। अमेरिकी वायु सेना ने बताया है कि एक पारंपरिक युद्ध में बी-52 रणनीतिक हमला, नजदीकी हवाई सहायता, हवाई अवरोध, आक्रामक जवाबी हवाई और समुद्री ऑपरेशन कर सकता है।

कैसे ऑपरेट करता है बी-52?

अमेरिकी वायु सेना के अनुसार, लक्ष्यीकरण और युद्ध क्षमता में सुधार के लिए बी-52 को इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल व्यूइंग सेंसर से लैस किया जा सकता है। बॉम्बर को उड़ाने वाले पायलट रात के ऑपरेशन के दौरान नाइट विजन ग्लासेज पहनते हैं। इसके साथ ही बी-52 महासागर की निगरानी करने में भी सक्षम है। इसमें समुद्र की सतह के 364,000 वर्ग किलोमीटर की निगरानी करने की क्षमता है।

ऑस्ट्रेलिया-सिंगापुर दौरे पर जाएंगे विदेश मंत्री

सिंगापुर, 3 नवंबर (एजेंसियां)। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने थाईलैंड के विदेश मंत्री के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। उन्होंने इसकी जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर तस्वीरें साझा कर दी। थाईलैंड के विदेश मंत्री मैरिस सांगियाम्पोंगसा भारत दौरे पर हैं। दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय संबंधों, बहुपक्षीय सहयोग और क्षेत्रीय विकास पर चर्चा हुई। जयशंकर ने लिखा, रॉयल कठिना समारोह के लिए भारत आए सांगियाम्पोंगसा की यात्रा दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों का उदाहरण है। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर तीन से 8 नवंबर तक ऑस्ट्रेलिया व सिंगापुर के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह दोनों देशों के नेताओं से भी मिलेंगे।

अमेरिकी सैन्य ठिकानों के पास कौन खरीद रहा जमीनें, टेंशन में बाइडन प्रशासन, किया बड़ा ऐलान

वॉशिंगटन, 3 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका अपने सैन्य ठिकानों के पास विदेशी नागरिकों और कंपनियों के जमीनें खरीदने के कारण टेंशन में है। खतरा इतना ज्यादा है कि बाइडन प्रशासन को इस पर अब कानून बनाना पड़ रहा है। बाइडन प्रशासन ने इसके लिए शुक्रवार को एक नए नियम को अंतिम रूप दिया है, जिसमें अमेरिकी सैन्य ठिकानों के पास अचल संपत्ति की विदेशी खरीद की समीक्षा करने के सरकार अधिकार का विस्तार किया गया है।

यह क्यों महत्वपूर्ण है

अमेरिका संवेदनशील सैन्य स्थलों के पास संपत्ति की चीन से जुड़ी खरीद से उत्पन्न राष्ट्रीय सुरक्षा जोखिमों के बारे में चिंतित है। कई चीनी कंपनियों और नागरिकों ने पिछले कुछ वर्षों में अमेरिकी सैन्य ठिकानों के पास जमीन और मकानों की खरीद की है। इससे अमेरिका को जासूसी का डर सताने लगा है। अमेरिका को लग रहा है कि यहां से उसके सैन्य अड्डों की निगरानी भी की जा सकती है और तकनीक का इस्तेमाल कर कम्युनिकेशन इंटरसेप्ट किया जा सकता है।

227 जगहों के पास समीक्षा का अधिकार मिला

जुलाई में पहली बार प्रस्तावित ट्रेजरी विभाग के नियम में 30 राज्यों में लगभग 60 सैन्य ठिकानों को इसकी समीक्षा सूची में जोड़ा गया है। यह अमेरिका में विदेशी निवेश समिति (सीएफआईयूएस) के अधिकार क्षेत्र को लगभग 227 सैन्य प्रतिष्ठानों तक विस्तारित करेगा। ऐसे में अब इन सभी 227 जगहों के आसपास किसी भी विदेशी नागरिक या कंपनियों को जमीन बेचने पर सरकार को समीक्षा करने का अधिकार मिल गया है।

अमेरिकी वित्त मंत्री ने क्या कहा

अमेरिकी वित्त मंत्री जेनेट येलेन ने कहा कि अंतिम नियम बेस के पास रियल एस्टेट लेनदेन की पूरी तरह से समीक्षा करने के लिए सीएफआईयूएस की क्षमता में काफी वृद्धि करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह हमें विदेशी विरोधियों को हमारे सशस्त्र बलों को धमकाने से रोकने और रोकने की अनुमति देगा, जिसमें खुफिया जानकारी एकत्र करना भी शामिल है। ट्रेजरी विभाग के नेतृत्व में सीएफआईयूएस, राष्ट्रीय सुरक्षा जोखिमों के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका में विदेशी निवेश की समीक्षा करता है।

बांग्लादेश के हिंदू फिर हुए एकजुट; आरोप- यूनुस सरकार में बढ़े हमले, हिंसा की घटनाओं में भी बढ़ोतरी

ढाका, 3 नवंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले और उनके खिलाफ हिंसा की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। यही वजह है कि एक बार फिर हजारों की तादाद में बांग्लादेश के हिंदू समुदाय के लोगों ने सड़कों पर उतर विरोध मार्च निकाला। इस विरोध मार्च के दौरान हिंदू समुदाय और अन्य अल्पसंख्यकों ने सुरक्षा की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि पूर्व की पीएम शेख हसीना के सत्ता से बाहर होने के बाद से उन्हें हिंसा और धमकियों का सामना करना पड़ रहा है। बीते अगस्त में एक छात्र आंदोलन के चलते शेख हसीना को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में एक कार्यवाहक सरकार बांग्लादेश में प्रशासन कर रही है, लेकिन शेख हसीना की सरकार के सत्ता से बाहर होने के बाद से बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक वर्ग के लोगों पर हमले की घटनाएं बढ़ी हैं, जिनके खिलाफ अल्पसंख्यक वर्ग द्वारा कई बार विरोध प्रदर्शन किए गए हैं। मोहम्मद यूनुस ने भी अल्पसंख्यकों पर हमलों की बात को स्वीकार किया था, लेकिन कहा कि ये हमले धर्म के आधार पर नहीं बल्कि राजनीति से प्रेरित हैं।

विरोध प्रदर्शन कर रहे अल्पसंख्यकों ने मोहम्मद यूनुस सरकार से उन पर हो रहे हमलों के विरोध में कार्रवाई की मांग की है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि यह बेहद खेदजनक है कि बांग्लादेश की कार्यवाहक सरकार अल्पसंख्यकों द्वारा झेली जा रही पीड़ा को स्वीकार ही नहीं कर रही। लोगों के धर्म स्थलों, व्यवसायों और घरों पर हमले हो रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने अंतरिम सरकार से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए कानून बनाने और संसद में अल्पसंख्यकों को न्यूनतम प्रतिनिधित्व अनिवार्य करने की मांग की।

इस सप्ताह चटगांव में अल्पसंख्यक अधिकार रैली में भाग लेने के लिए 19 लोगों के खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज किए जाने के बाद से अल्पसंख्यकों में तनाव के हालात हैं। अल्पसंख्यक प्रदर्शनकारियों का कहना है कि लोगों पर देशद्रोह के झूठे आरोप लगाए, जा रहे हैं, जिससे सरकार की मंशा पर सवाल उठ रहे हैं। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय की आबादी कुल आबादी की 8 फीसदी है।

ईरान में विज्ञान की छात्रा ने हिजाब के विरोध में उतार दिए कपड़े, तेहरान में मच गया तहलका

तेहरान, 3 नवंबर (एजेंसियां)। ईरान में हिजाब विरोध की आग एक बार फिर से तेज हो गई है। तेहरान में विज्ञान और अनुसंधान विश्वविद्यालय की एक छात्रा ने हिजाब नियमों पर उत्पीड़न के विरोध में अपने कपड़े उतार दिए। इसके बाद वह भरी भीड़ में नग्न होकर टहलने लगी। इसके बाद आरोप है कि ईरानी शासन द्वारा उसे हिंसक रूप से पीटा गया, गिरफ्तार किया गया और कथित तौर पर एक मनोरोग वार्ड में स्थानांतरित कर दिया गया। मगर ईरानी छात्रा के इस साहसपूर्ण प्रदर्शन ने तेहरान समेत पूरी दुनिया में हड़कंप मचा दिया है। एक ईरानी लेखिका मरियम नमाजी ने अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर इस छात्रा का फोटो और वीडियो शेयर किया है। मरियम नमाजी लिखती हैं कि ईरान के इस्लामी शासन की स्त्रीद्वेष के खिलाफ उसका साहसी नग्न विरोध दुनिया भर में गूंज उठा है। जब कोई शासन महिलाओं के शरीर को नियंत्रित करने के जुनून में होता है, तो नग्नता और प्रतिरोध अवज्ञा का एक महत्वपूर्ण रूप है। मरियम नमाजी ने लिखा है कि एक महिला का शरीर एक युद्धक्षेत्र और मुक्ति का एक उपकरण है। महिलाओं के शरीर से ही ईरान के इस इस्लामी शासन को उखाड़ फेंका जाएगा। महिलाओं के जीवन को आजादी चाहिए। अब गर्ल साइंस रिसर्च कहां है? ईरान में महिलाओं द्वारा हिजाब का विरोध कोई नया नहीं है। इकसे पहले भी 2022 में हिजाब का विरोध कर रही 22 वर्षीय युवती महसा अमीनी की पुलिस हिरासत में मौत हो गई थी। इसके बाद पूरे देश में बुर्का खोलकर महिलाएं सड़कों पर उतर आई थीं। उनके समर्थन में काफी संख्या में पुरुष भी विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। हालांकि ईरान ने इस प्रोटेस्ट का बलपूर्वक दमन कर दिया था। कई प्रदर्शनकारियों को बाद में फांसी पर लटका दिया गया था।

श्रीलंका चुनावः 6 उम्मीदवारों समेत 190 से ज्यादा अरेस्ट, पुलिस को मिली ये शिकायतें

कोलंबो, 3 नवंबर (एजेंसियां)। श्रीलंका में 14 नवंबर को होने वाले संसदीय चुनावों की तैयारी जोरों पर है। चुनाव प्रक्रिया को सुचारु और सुरक्षित बनाने के लिए प्रशासन ने पूरी ताकत लगा दी है। अब तक पुलिस ने चुनाव से जुड़े मामलों में 191 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिसमें छह उम्मीदवार भी शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि उन्हें संसदीय चुनावों से संबंधित 168 शिकायतें मिली हैं, जिनमें 30 आपराधिक मामलों और 138 चुनाव कानूनों के उल्लंघन की शिकायतें शामिल हैं। इसके अलावा, पुलिस ने चुनावी हिंसा और अनियमितताओं पर नजर रखने के लिए 45 गाड़ियों को भी जब्त किया है। चुनाव आयोग ने बताया कि उसे संसदीय चुनावों से संबंधित कुल 1,259 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें से 13 हिंसा के मामलों से संबंधित हैं। इस बार चुनाव आयोग और पुलिस दोनों ने चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता और शांति बनाए रखने के लिए विशेष ध्यान देने का निर्णय लिया है।

सीटों का समीकरण

श्रीलंका की संसद एक सदनीय विधायिका है, जिसमें 225 सदस्य होते हैं। इनमें से 196 सदस्य बहु-सदस्यीय निर्वाचन क्षेत्रों से सीधे चुने जाते हैं, जबकि 29 सीटें राजनीतिक दलों के प्रदर्शन के आधार पर राष्ट्रीय सूची के माध्यम से आवंटित की जाती हैं। यह प्रणाली छोटे दलों सहित विभिन्न राजनीतिक समूहों को संसद में अपनी आवाज उठाने का मौका देती है और श्रीलंका की विविध जातीय और धार्मिक आबादी का प्रतिनिधित्व करती है। इसके जरिए सिंहली, तमिल और मुसलमानों सहित श्रीलंका की बहु-जातीय, बहु-धार्मिक आबादी को चुनावी प्रक्रिया में भाग लेने का मौका मिलता है। इस बार हुए राष्ट्रपति चुनाव में मार्क्सवादी नेता अनुरा कुमारा दिसानायके ने श्रीलंका के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। यह पहली बार है कि श्रीलंका में कोई वामपंथी नेता राष्ट्रपति के पद पर बैठा है।

पर्यटकों के लिए अच्छी खबर
सरकार तैयार कर रही घूमने-फिरने का नया ठिकाना

जयपुर, 3 नवंबर (एजेंसियां)। देश-विदेश से सैलानी जयपुर के विश्व प्रसिद्ध स्मारकों को देखने के लिए आ रहे हैं। लेकिन बड़ा सवाल यह भी है कि जयपुर के लोग शहर के आस-पास वीकेंड पर कहां घूमने जाएं। अब सरकार लोगों की इसी भावना को ध्यान में रख कर जयपुर-कोटा हाईवे पर शहर से महज 40 किलोमीटर दूर चंदलाई बांध को नया वीकेंड टूरिस्ट डेस्टिनेशन के हिसाब से विकसित कर रही है। इससे शहर के लोगों को 100 से 200 किलोमीटर दूर किसी दूसरे शहर में नहीं जाना पड़े।

सरकार चंदलाई बांध को शहर के पास नए टूरिस्ट डेस्टिनेशन की तर्ज पर विकसित करने जा रही है। इस पर 15 करोड़ रुपए खर्च होंगे। आठ महीने बाद बांध पर हाईटेक तकनीक से वॉटर स्क्रीन, म्यूजिकल फाउंटेन, लेजर बीम, साउंड सिस्टम व अन्य तरह के आकर्षण नजर आएंगे। पर्यटन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार यह शहर के पास पहला ऐसा डेस्टिनेशन होगा जहां वॉटर स्क्रीन पर लेजर बीम शो होगा।

आगरा रोड पर कानोता बांध, टोंक रोड पर चंदलाई बांध को टूरिस्ट डेस्टिनेशन के हिसाब से विकसित किया जा रहा है। जल्द ही दिल्ली रोड पर भी एक टूरिस्ट डेस्टिनेशन विकसित करने की तैयारी है। वैसे रामगढ़ बांध को सबसे बेहतर साइट माना जा रहा है लेकिन बांध में ईआरसीपी परियोजना के तहत पानी आने के बाद इसे वीकेंड टूरिस्ट डेस्टिनेशन के हिसाब से विकसित किया जाएगा। जयपुर सहित प्रदेश के अन्य जिलों के प्रमुख पर्यटन स्थलों को बेहतर तरीके से विकसित करने के लिए हाल ही पर्यटन विभाग ने 400 करोड़ का लोन लिया है। इस लोन से पर्यटन स्थलों को विजिट टू री-विजिट थीम पर तैयार किया जा रहा है। इससे पर्यटक यहां बार-बार आएं। इसके लिए पर्यटन स्थलों पर खास आकर्षण वाले लाइट एंड साउंड शो, पैनोरमा जैसे आकर्षण विकसित होंगे।

जिलों को लेकर राजनीति तेज, टीकाराम जूली ने सरकार के सामने रखी मांग

जयपुर, 3 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा है कि राज्य सरकार नए जिलों की समीक्षा के नाम पर प्रदेश में अस्थिरता और असमंजस की स्थिति उत्पन्न कर रही है। अपनी नाकामी छिपाने के लिए भजनलाल सरकार नए जिलों में कटौती के मंसूबे बना रही है।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि नए जिलों और संभागों का मुद्दा अत्यंत संवेदनशील है और प्रदेश के दूरगामी हितों से जुड़ा हुआ है। इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा के लिए सरकार राजस्थान विधानसभा का विशेष सत्र बुलाए और सदन को विश्वास में ले।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि पूर्व आईएएस अधिकारी ललित के पंवार ने नए जिलों को लेकर अपनी रिपोर्ट दो महीने पहले राज्य सरकार को सौंप दी है। सरकार के वरिष्ठ मंत्रियों की

सब-कमेटी इसके आधार पर नए जिलों की समीक्षा की बात कर रही है। लेकिन सरकार के मंत्री नए जिलों को लेकर निरंतर विवादास्पद बयान देते रहे हैं। अनेक नए जिलों के प्रति भजनलाल सरकार के मंत्रियों का पूर्वाग्रह जगजाहिर है।

जूली ने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने नए जिलों और संभागों की घोषणा अपने बजट भाषण में सदन के समक्ष की थी। नए जिलों और संभागों के गठन से पूरे प्रदेश में जनता में एक नया उत्साह बना था। प्रदेश की आधारभूत एवं प्रशासनिक संरचना सुदृढ़ हुई थी और विकास के नये आयाम स्थापित होने का मार्ग प्रशस्त हुआ था। यह इतना बड़ा सकारात्मक निर्णय था कि अन्य जिलों और संभागों के गठन की मांग भी उठने लगी।

जूली ने कहा कि भाजपा ने राज्य में सत्ता में आने के बाद इस अभिनव फैसले पर विवाद उत्पन्न करने की चेष्टा की। सरकार के वरिष्ठ मंत्रियों ने जनता को भ्रमित करने का प्रयास किया। अनेक नए जिलों के प्रति सरकार के मंत्रियों का रवैया राजनीतिक पूर्वाग्रह से ग्रस्त है। भजनलाल सरकार इस कदर पूर्वाग्रह से ग्रस्त है कि मंत्रियों की सब-कमेटी का संयोजक पहले तो उप-मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा को बनाया गया। इसके बाद इसका संयोजक शिक्षा मंत्री मदन दिलावर को बना दिया गया।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि भाजपा सरकार की जिम्मेदारी यह है कि वह नवगठित जिलों और संभागों की आधारभूत संरचना सुदृढ़ करने की दिशा का रोडमैप तैयार करे। लेकिन भजनलाल सरकार चूंकि एक अदूरदर्शी और नकारा सरकार साबित हुई है। दिल्ली से आने वाली पर्चों को पढ़कर काम करती है और बात-बात में 'यू-टर्न' लेती है। इसलिए नए जिलों और संभागों के संवेदनशील मुद्दे पर सरकार का मानस पूर्वाग्रह से ग्रस्त नजर आ रहा है।

जूली ने कहा कि भजनलाल सरकार इस मुद्दे पर राजस्थान विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर सदन के सामने पूर्व आईएएस अधिकारी ललित के पंवार की रिपोर्ट रखे और मंत्रियों की सब-कमेटी भी अपनी रिपोर्ट सदन के पटल पर रखे। इन दोनों रिपोर्ट पर सदन में खुली चर्चा हो तथा प्रदेश के दूरगामी हित में नए जिलों और संभागों पर एक सकारात्मक निर्णय लिया जाए। जहां अतिरिक्त नए जिलों और संभागों के गठन की जरूरत है। उन्हें लेकर भी सदन में खुली चर्चा हो।

चूरू में एबीवीपी नेता की लाठी-डंडों और सरियों से पीट-पीट कर हत्या, दोस्तों संग पार्टी कर रहा था

चूरू, 3 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में दरमियानी रात चूरू में हथियारबंद बदमाशों ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के नेता नरेंद्र प्रजापत की लाठी-डंडों और सरियों से पीट-पीट कर हत्या कर दी। सदर थानाधिकारी बलवंत सिंह के मुताबिक, मृतक नरेंद्र प्रजापत के चाचा पुलिस में छह लोगों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

बता दें कि मामला किराए के विवाद से जुड़ा हुआ है। हत्यारों ने कुछ दिनों पहले ही गाड़ी के किराए को लेकर नरेंद्र के साथ मारपीट की थी और उसे जान से मारने की धमकी भी दे रहे थे। पुलिस में दर्ज रिपोर्ट के मुताबिक,

नरेंद्र प्रजापत अपने दोस्तों के साथ अर्जुन सिंह की दुकान पर पार्टी कर रहे थे। पार्टी के बाद नरेंद्र घर के लिए रवाना हो गया। नरेंद्र के साथ उसका दोस्त अमजद बाइक पर आगे चल रहा था। वहीं, बाकी लोग कार में पीछे आ रहे थे।

इस दौरान बूटियां निवासी अमित और शुभम ढाका एक काले रंग की थार जीप में बैठकर आए और नरेंद्र को डाबला गांव के पास रोक लिया। इसके बाद शुभम ढाका, अमित और चार अन्य लोगों ने लाठी-डंडे और सरियों से नरेंद्र के सिर पर वार किए। अमजद बीच-बचाव करने आया तो उसको भी घायल कर दिया। इसके बाद आरोपी गाड़ी में बैठकर भाग गए।

नरेंद्र को डीबी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने इस मामले में रिपोर्ट के आधार पर करीब एक दर्जन लोगों को डिटेन किया है। मामले की जांच की जा रही है।

जलती हुई बोलेरो के पास मिला युवक का शव
परिजनों ने तोड़फोड़ कर हंगामा किया

टोंक, 3 नवंबर (एजेंसियां)। टोंक में मालपुरा डिग्गी रोड पर हाड़ीकला गांव के पास मुख्य मार्ग पर एक जलती हुई बोलेरो के साथ जलते हुए युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। जलती हुई बोलेरो के पास झुलसी हुई अवस्था में मिले युवक को परिजन सआदत अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस भी सआदत अस्पताल पहुंची। लेकिन इसी दौरान युवक की मौत से गुस्साए परिजनों ने अस्पताल में तोड़फोड़ और हंगामा कर दिया। हंगामा और तोड़फोड़ की घटना से अस्पताल में हड़कंप मच गया। पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए मृतक के परिजन पुलिस से भी उलझते हुए नजर आए।

घटना की जानकारी मिलते ही टोंक पुलिस के सर्किल ऑफिसर राजेश विद्यार्थी शहर कोतवाल भंवर लाल वैष्णव पुरानी टोंक थाना अधिकारी उदयवीर सिंह मय पुलिस जाब्ते के सआदत अस्पताल पहुंचे।

साथ ही मृतक के परिजनों से बातचीत कर समझाइश की और मामले में जांच की बात कही।

गैंगस्टर रोहित गोदारा के नाम से धमकी देकर एक करोड़ की रंगदारी मांगी

झुंझुनू, 3 नवंबर (एजेंसियां)। शहर के वार्ड नंबर 46 के गोसेवक से व्हाट्सएप पर गैंगस्टर रोहित गोदारा के नाम से एक करोड़ रुपए की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। रुपए नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी गई है। कोतवाली थानाधिकारी पवन कुमार चौबे ने बताया शहर के वार्ड नंबर 46 निवासी प्रवीण स्वामी ने रिपोर्ट दी है कि 29 अक्टूबर को उसके व्हाट्सएप पर दोपहर 1 बजकर 21 मिनट पर एक नंबर से वॉइस कॉल आया। इस नंबर पर व्हाट्सएप कॉल की सेटिंग न होने पर परिवादी ने दूसरे व्हाट्सएप नंबर दिए। फिर उस पर वॉइस कॉल आई और खुद को रोहित गोदारा गैंग का सदस्य वीरेंद्र

चारण बताया। उसने सामान्य बात करते हुए खुद के ग्रुप की मदद करने की बात कही। इस पर प्रवीण ने कहा कि अभी वह व्यस्त है, बाद में बात करेगा। उसी दिन शाम को 7.40 बजे ऑडियो मैसेज आया। इसमें धमकी भरे लहजे में बात की तो उसने फोन काट दिया। इसके बाद 30 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे के करीब कॉल आया और 50 लाख रुपए की मांग की। पैसे देने से मना कर दिया तो फोन काट दिया। फिर शाम को 5.38 बजे पर ऑडियो मैसेज आया और धमकी दी, कहा कि उसे सब पता है, जानकारी कर ली है कि तुम गोसेवक नहीं हो बल्कि प्रोप्टी का व्यवसाय करते हो। उसने चार दिन का समय दिया और जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद 31 अक्टूबर को शाम 7.31 मिनट पर फिर से उन्हीं नंबरों से व्हाट्सएप मैसेज कॉल व वॉइस कॉल आया और 5 दिन का समय देते हुए 1 करोड़ रुपए की मांग की। मांग पूरी नहीं करने पीड़ित व उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई है।

शॉर्ट सर्किट से कपड़े के दो मंजिला शोरूम में लगी भीषण आग, करोड़ों का नुकसान

भरतपुर, 3 नवंबर (एजेंसियां)। भरतपुर के रेलवे स्टेशन बजरिया कॉलोनी में एक कपड़े के दो मंजिला शोरूम में शॉर्ट सर्किट से भयंकर आग लग गई। इस हादसे में शोरूम में रखे कपड़े पूरी तरह जलकर राख हो गए। शोरूम मालिक का करोड़ों का नुकसान हो गया है, और वह सदमे में हैं। सूचना मिलते ही मौके पर कोतवाली थाना पुलिस और करीब 15 दमकल गाड़ियां पहुंचीं। जिन्होंने छह घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि, अब भी शोरूम के भीतर से धुंआ उठ रहा है और दमकलकर्मी पूरी तरह से आग बुझाने में लगे हुए हैं।

शोरूम के मालिक रवि कुमार गोयल के परिजन जीतेंद्र सिंह ने बताया कि यह शोरूम करीब 40 साल पुराना है और श्मुरारी लाल और रवि कुमार एंड ब्रदर्सश के नाम से जाना जाता है।

सूदखोरों की धमकियों से तंग आकर बिजनेसमैन ने घर छोड़ा
लिखा- शव पानी में मिलेगा; पुलिस जांच में जुटी

जयपुर, 3 नवंबर (एजेंसियां)। दिवाली से एक दिन पहले, सूदखोरों की धमकियों से परेशान होकर एक बिजनेसमैन घर छोड़कर चला गया। जाने से पहले उसने अपने परिवार को तीन पत्र लिखकर पीड़ा व्यक्त की। इनमें से एक पत्र मुख्यमंत्री को संबोधित है, जबकि दो अन्य परिवार के लिए हैं। पत्र में व्यवसायी ने बताया कि उसने 5 लाख रुपए उधार लेकर अब तक 17.50 लाख रुपए चुका दिए हैं, लेकिन सूदखोर अब भी 5.72 लाख रुपए का दावा कर उसे धमकियां दे रहे हैं।

उसने लिखा, 'मेरे पास मरने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा है, मेरा शव पानी में मिलेगा।' मामला प्रताप नगर इलाके का है। रिपोर्ट मिलने के बाद पुलिस ने व्यवसायी की तलाश शुरू कर दी है।

गोमती अपार्टमेंट, प्रताप नगर निवासी ममता सैनी ने इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज करवाई कि उनके पति कमल किशोर सैनी कुर्तियों का ऑनलाइन व्यवसाय करते हैं, उन्होंने मई 2016 में रामफूल और अभिषेक पारीक से 5 लाख रुपए उधार लिए थे।

कमल ने 17.50 लाख रुपए चुकाए, फिर भी सूदखोर धमकी देते रहे और लगातार अवैध वसूली का दबाव बनाते रहे। दो गाड़ियां भी छीन ले गए।

धमकियों और वसूली से परेशान होकर दिवाली से एक दिन पहले कमल घर छोड़कर चले गए। उनका मोबाइल भी बंद आ रहा है, जिससे उनका पता नहीं चल सका है।

रिवॉल्वर की फोटो भेजकर धमकी

ममता ने रिपोर्ट में यह भी बताया कि उनके पति से जबरन कागजात पर हस्ताक्षर करवा लिए गए थे। इसके अलावा, रामफूल ने मोबाइल पर रिवॉल्वर की फोटो भेजकर धमकाया, जो कमल ने सुरक्षित रखने के लिए ममता को भेज दी थी।

उनके लिखे हुए तीन पत्र फ्रिज के ऊपर रखे मिले, जिनमें से एक में उन्होंने सूदखोरों की धमकियों और वसूली के बारे में लिखा है।

शाम को भैया और देवर नॉनवेज लेकर आए
सुबह अर्धनग्न हालत में मिला महिला का शव

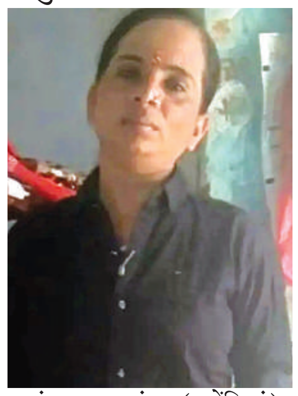

झुंझुनू, 3 नवंबर (एजेंसियां)। शहर के रीको क्षेत्र में किराए के मकान में रहने वाली एक महिला की चाकू से वार कर हत्या करने का मामला सामने आया है। महिला का शव घर के हॉल में अर्धनग्न अवस्था में पड़ा मिला है। महिला के शरीर पर जगह-जगह चोट के निशान पाए गए हैं। पुलिस को मौके पर नॉनवेज के डिब्बे भी मिले हैं। एएसपी देवेंद्रसिंह राजावत ने बताया कि मृतका कमला (36) पुत्री हरिराम नायक वार्ड नंबर पांच झुंझुनूं की रहने वाली थी।

मृतका अकेली ही किराए पर रह रही थी। मौके पर डॉग स्वायड, एफएसएल व एमआइयू टीम को बुलाकर जांच की जा रही है। महिला के शरीर पर कई जगह चोट के निशान पाए गए हैं और मौके पर खून लगा एक चाकू भी पाया गया है। प्रथम दृष्टया हत्या मानकर जांच की जा रही है। संभवतया महिला की हत्या को शुक्रवार रात को अंजाम दिया गया है। मकान मालिक सज्जन ने बताया कि कमला की आवाज नहीं आई तो उसने अपने पोते को भेजा। वह उठाने गया तो कमला की हॉल में लाश पड़ी थी। इसके बाद उसने नीचे आकर बताया और फिर पुलिस को कंट्रोल रूम में सूचना दी गई।

अनियंत्रित कार पुल से नदी में गिरी : कार में तीन लोग सवार थे, इसमें से दो युवकों की मौत हो गई

बांसवाड़ा, 3 नवंबर (एजेंसियां)। उदयपुर मार्ग पर स्थित चिड़ियावासा पुल पर एक अनियंत्रित कार पुल से नदी में गिर गई। कार में तीन जने सवार थे, इसमें से दो युवकों की मौत हो गई। एसआई रामलाल ने बताया की साबला निवासी ईशान पुत्र दिलीप जैन, मयूर पुत्र शांतिलाल टेलर उम्र 29 वर्ष व राजेश कलाल पुत्र दिनेश कलाल उम्र 30 वर्ष बांसवाड़ा से घर की ओर जा रहे थे।

इस दौरान चिड़ियावासा पुल पर कार अनियंत्रित होकर नदी में जा गिरी। इससे मयूर टेलर व राजेश कलाल की मौत हो गई। ईशान जैन को हल्की चोटें आई हैं। उसका चिकित्सालय में इलाज जारी है। दुर्घटना के बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। इस दौरान सदर

थानाधिकारी बुधाराम एएसआई हरिश्चंद्र सिंह, हेड कांस्टेबल कांतिलाल हाड़ा व कांस्टेबल यज्ञवर्धन सिंह सहित अन्य पुलिस जवानों ने मशक्कत कर मार्ग सुचारू किया।

सीआई ने पानी कूदकर से बाहर निकाला

दुर्घटना की सूचना मिलते ही सदर थानाधिकारी बुधाराम बिश्नोई मय जाप्ता मौके पर पहुंचे और स्वयं पानी में कूदकर कार में सवार युवकों को बाहर निकाला। इस दौरान दोनों मृतक युवकों की हल्की सांस चल रही थी। तुरंत एम्बुलेंस की मदद से चिकित्सालय भिजवाया गया। जहां इलाज के दौरान दोनों ने दम तोड़ दिया। सीआई बिश्नोई भारतीय थल सेना से रिटायर हैं।

चार बहनों का इकलौता भाई था मयूर

कार सवार तीनों युवक मित्र व पड़ोसी थे। दिवाली पर साबला से बांसवाड़ा शहर घूमने के लिए आए थे। मृतक मयूर चार बहनों का इकलौता छोटा भाई था। राजेश की भी एक ही बहन थी। मयूर व राजेश दोनों ही विवाहित थे। मृतक मयूर टेलर के एक वर्ष व राजेश टेलर के 3 वर्ष का लड़का है।

एसडीआरएफ की टीम पहुंची मौके पर

कंट्रोल रूम से पुल में कार गिरने की सूचना पर मिलते ही एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुँची। नदी में कार की तलाशी ली। रस्सियों से बांधकर कार को नदी के किनारे किया व क्रेन की मदद से बाहर निकाला गया।

बदमाशों ने मधुमक्खियों से भरे बॉक्स जलाए
पालक को लाखों का हुआ नुकसान

अलवर, 3 नवंबर (एजेंसियां)। अलवर के निकट भरतपुर मार्ग पर स्थित बगड़ राजपूत में किए जा रहे मधुमक्खी पालन के डिब्बों में अज्ञात लोगों ने आग लगा दी। यह मधुमक्खी पालन गांव के पास गोचर भूमि पर किया जा रहा था। आग लगने से लाखों मधुमक्खियां जलकर नष्ट हो गई और करीब सौ डिब्बे जलकर राख हो गए। आग लगने से आठ लाख रुपये का नुकसान हो गया। मधुमक्खी पालन करने वाला अपने गांव गया हुआ था।इस संबंध में अभी ज्यादा जानकारी नहीं मिली है, लेकिन मधुमक्खी पालक को भारी नुकसान हुआ है।

मधुमक्खी पालन का यह व्यापार उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिला निवासी नोशाद का था। नोशाद ने बताया कि सहारनपुर में

मधुमक्खी पालन करने वालों की बैठक थी, वह इसी में भाग लेने सहारनपुर गया हुआ था। पीछे से किसी ने जान बूझकर मधुमक्खी पालन के डिब्बों में आग लगा दी। उसने बताया कि उसके पास फोन आया कि उसकी मधुमक्खी के डिब्बों में आग लगा दी गई है। उसने तुरंत यहां आकर देखा तो करीब सौ डिब्बे जले हुए मिले। यह आग किसने लगाई, इसकी जानकारी अभी नहीं मिल सकी है। लेकिन यह आग जिसने भी लगाई, उसकी मंशा उसके प्रति अच्छी नहीं रही होगी।

आग लगाने वाले के मन में क्या मंशा रही, इसका भी पता नहीं चला है। लेकिन आग लगने वाले ने मधुमक्खी पालक को लाखों का नुकसान अवश्य कर दिया। इस नुकसान से उसको क्या फायदा हुआ, यह भी सोचने वाली बात है। क्योंकि इस आग में लाखों मधुमक्खियां भी जलकर मर गई। वैसे एक बात अवश्य है कि ऐसा पहली बार हुआ है, जब किसी ने मधुमक्खी पालन के डिब्बों में आग लगाई हो। अन्यथा मधुमक्खी पालन का यह व्यवसाय कई जगहों पर होता है। लेकिन इससे पहले इस तरह की घटना कभी नहीं हुई। खास बात यह है कि जिस जगह यह डिब्बे लगे हुए थे, वो रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के तहत आता है, जहां उपचुनाव हो रहे हैं।

नए सरकारी नर्सिंग कॉलेजों में प्रवेश में लाएं तेजी

समीक्षा बैठक में तेलंगाना के स्वास्थ्य मंत्री ने दिए निर्देश

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के स्वास्थ्य मंत्री सी दामोदर राजा नरसिम्हा ने अधिकारियों को राज्य भर में 15 नव स्थापित नर्सिंग कॉलेजों में प्रवेश प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि नव प्रवेशित विद्यार्थियों, विशेषकर छात्राओं को सुविधाएं प्रदान करने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा तैयार होना चाहिए।

मंत्री दामोदर ने समय-सीमा बताई, जिसके भीतर प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी और कक्षाएं शुरू कर दी जाएंगी, जिससे नव स्थापित कॉलेजों में विद्यार्थियों की पढ़ाई में कोई देरी न हो। राज्य सरकार ने जनगांव, जयशंकर भूपालपल्ली, करीमनगर, कोडंगल, अंडोल, कोमरंभीम आसिफाबाद, मेदक, कुथबुल्लापुर, मुलुगु, नारायणपेट, निर्मल, रामागुंडम, महेश्वरम, नरसंपेट और यदाद्री भोंगिर में मेडिकल कॉलेजों के निकट 15 नर्सिंग कॉलेज स्थापित किए हैं। समीक्षा बैठक में मंत्री दामोदर के साथ स्वास्थ्य सचिव क्रिस्टीना जेड. चोंग्थू, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण आयुक्त आर.वी. कर्णन तथा स्वास्थ्य एवं शिक्षा विभाग के अन्य उच्च अधिकारी भी शामिल हुए।

बेटे को काटने पर कुत्ते को इमारत से फेंका, गिरफ्तार

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के शाहिनायतगंज में एक चौंकाने वाली घटना घटी, जहां एक व्यक्ति ने अपने बेटे को कुत्ता काट लेने से नाराज होकर उसे दो मंजिला इमारत से नीचे फेंक दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। इस क्रूर कृत्य से स्थानीय निवासियों में आक्रोश फैल गया है। पुलिस के अनुसार, यह घटना शनिवार, 2 नवंबर को उप्पलम्मा मंदिर के पास देवेनगर इलाके में घटी।

आरोपी की पहचान 40 वर्षीय सत्यनारायण के रूप में हुई है। वह अपने बेटे के साथ दिवाली मना रहा था, तभी उन्होंने पटाखे जलाए। इनमें से एक पटाखा पास में मौजूद कुत्ते को डराने लगा, जिससे वह घबराकर भाग गया। कुछ देर बाद कुत्ता वापस आया और सत्यनारायण के बेटे को काट लिया। गुस्से में आकर सत्यनारायण ने कुत्ते पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गया। इसके बाद उसने अपने गुस्से को और बढ़ाते हुए कुत्ते को दो मंजिला इमारत की छत पर ले जाकर नीचे फेंक दिया, जिससे उसकी तुरंत मौत हो गई। जब स्थानीय लोगों ने हस्तक्षेप कर उसे रोकने का प्रयास किया तो सत्यनारायण ने उसी रॉड से उन पर हमला कर दिया। शाहिनायतगंज पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और इस जघन्य कृत्य की जांच कर रही है।

दो बाइक की टक्कर में एक की मौत, दो घायल

कुमराम भीम आसिफाबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिरपुर (टी) मंडल के वेमपल्ली गांव में रविवार को दो मोटरसाइकिलों की टक्कर में एक कांस्टेबल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो युवक घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि पुलिस विभाग के सशस्त्र रिजर्व विंग में कार्यरत हेड कांस्टेबल राठौड़ शंकर (53) रेबेना मंडल केंद्र से थे और दो बाइकों की टक्कर में उनके सिर में गंभीर चोटें आईं, जिससे उनकी तत्काल मौत हो गई और दोनों युवक घायल हो गए। घायल युवकों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। घायल युवकों को कागजनगर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

मंदिर में भगवा झंडा जला हुआ मिलने के बाद तनाव

कामारेड्डी, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। लिंगमपेट मंडल मुख्यालय में रविवार को तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है, जब अज्ञात बदमाशों ने लिंगमपेट गांव के जाम्बी हनुमान मंदिर में भगवा झंडा और हनुमान चालीसा लिखी एक फ्लेक्सी को जला दिया। रिपोर्ट के अनुसार, लोगों को मंदिर में जला हुआ भगवा झंडा और फ्लेक्सी मिला और उन्होंने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। पुलिस ने परेशानी को भांपते हुए जंबी हनुमान मंदिर में बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया। विभिन्न धर्मार्थ संगठनों से जुड़े लोगों ने संदेह जताया कि यह दूसरे समुदाय के लोगों का काम है, इसलिए वे आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। बड़ी संख्या में पुलिस कर्मियों की मौजूदगी के बावजूद लोग अपना विरोध दर्ज कराने के लिए मंदिर परिसर में एकत्र हो रहे हैं। वरिष्ठ अधिकारियों ने स्थानीय पुलिस को स्थिति को शांत करने के लिए कदम उठाने के निर्देश दिए हैं, क्योंकि पहले भी जाम्बी हनुमान मंदिर में ऐसी ही घटनाएं हो चुकी हैं।

भगवान चित्रगुप्त की पूजा संपन्न

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के सामाजिक संस्था कलम दवात कायस्थ समाज ने उप्पुगुडा भगवान चित्रगुप्त मंदिर में पूजा का आयोजन किया। सुबह अभिषेक तत्पश्चात कलम दवात का पूजा और सांस्कृतिक, भजन, संगीत संपन्न हुआ।

संस्था के अध्यक्ष जीपी श्रीवास्तव ने बताया की कायस्थ समाज के लोग बडी संख्या में हैं, जिन्होंने कलम दवात कायस्थ समाज की स्थापना की है। इसके संस्थापक बी के करना और सह संस्थापक ज्योति प्रकाश लाल है। 17 साल से अनवरत रूप से किया जाने वाला कार्यक्रम इस साल भी मनाया गया। संस्था के महिला मंडल के सदस्या निवेदिता श्रीवास्तव, रंजना सिन्हा, रजनी श्रीवास्तव, अनु सिन्हा, दीप्ति सिन्हा, अनामिका कर्ण, किरण करना, कंचन श्रीवास्तव, प्रसंशा सिन्हा आदि ने छठ गीत प्रस्तुत किया। चित्रगुप्त भगवान की आरती महासचिव सुनील श्रीवास्तव एवं सह सचिव पप्पू सिन्हा ने प्रस्तुत की। ऋषभ श्रीवास्तव श्याम सिन्हा, काजल श्रीवास्तव सेजल श्रीवास्तव, ज्योति श्रीवास्तव ने महाप्रसाद वितरित करने में काफी सहयोग किया।

इस अवसर पर संस्था के संस्थापक बी के करना ने समाज को जागृत होने के लिए प्रेरित किया और 12 भाइयों को मिलकर एक अखंड चित्रगुप्त नाम का अष्टयाम आयोजित करने का संकल्प लिया। विजय विकाश अम्बष्ट और कंचन श्रीवास्तव ने मंच संचालित किया। वरिष्ठ सदस्य चंद्र मोहन कर्ण, और डॉ. शिव ने मंदिर के चेयर मैन सुदर्शन रेड्डी, राजेश, राकेश और निखिल का सम्मान किया।

सीरवी समाज प्रीमियर लीग-7 क्रिकेट प्रतियोगिता व महिला वर्ग के खेल 10 से

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीरवी फ्रेन्डस् क्लब हैदराबाद द्वारा आयोजित सीरवी समाज प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता के 7वें संस्करण तथा महिला वर्ग के खेलों का शुभारम्भ 10 नवंबर को सीरवी समाज क्रिकेट ग्राउंड अलियाबाद एवं श्रेष्ठा क्रिकेट ग्राउंड अलियाबाद में आयोजित किया जाएगा। फ्रेन्डस् क्लब के सुरेश सैंणचा ने बताया कि हर वर्ष की भांति सीरवी समाज प्रीमियर लीग-7 का तथा इस प्रतियोगिता के साथ महिला वर्ग के खेलों का आयोजन 10 नवंबर को किया जाएगा। मुख्य प्रायोजक वंडर वाल पुट्टी की टीम तथा मुख्य अतिथियों द्वारा किया जायेगा। इस बार खेलों को लेकर महिला वर्ग खिलाडियों में भारी उत्साह है। क्रिकेट प्रतियोगिता मे कुल 18 टीमें भाग लेंगी। जिसमें आईजी बिरमगुड़ा, करमनघाट, एल बी नगर, नागोल वेरिस, संगारेड्डी, शमशाबाद, मेडचल, जिडिमिटला, कापरा किंग्स, रामनगर, ऑल विन 11, बालनगर सिकंदराबाद, आईजी फैरडकलब, आईजी गुट्टा 11, हायतनगर, कुकटपल्ली, सैनिकपुरी, टी एम जी टाइटन्स होंगी। प्रतियोगिता में प्रत्येक टीम 5 लीग मैच खेलेगी। तथा 4 क्वाटर फाइनल, 2 सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। क्रिकेट प्रतियोगिता के साथ साथ महिला वर्ग के खेलों में एथेलेटिक्स तथा पारंपरिक खेल शामिल होंगे। महिला वर्ग के सभी खेल सिरवी क्रिकेट ग्राउंड अलियाबाद शामिरपेट में आयोजित होंगे। यह प्रतियोगिता सिरवी फ्रेंड्स क्लब हैदराबाद द्वारा आयोजित की जा रही है।

अन्नकूट भण्डारा एवं सुन्दरकाण्ड पाठ कल

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री वगीची अभय आंजनेय स्वामी मंदिर अमीरपेट में अन्नकुट भण्डारा महाप्रसाद एवं सुन्दरकाण्ड पाठ का आयोजन 5 नवंबर को किया गया है। जारी प्रेस विज्ञप्ति में ट्रस्टी एरावतसिंह राजपुरोहित ने बताया कि प्रातकाल 6.30 बजे श्री वगीची हनुमान की प्रतिमा का श्रृंगार चोला अभिषेक आरती होगी।

मध्याह्न काल 2 बजे से सायंकाल 4 बजे तक सुन्दरकाण्ड पारायण पाठ होगा। सायं 4.30 बजे से 6 बजे तक श्री हनुमान गणेश गायत्री महायज्ञ होगा। 6.30 बजे से रात्रि 9.30 बजे तक अन्नकूट भण्डारा रहेगा।

डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज ने अमेरिका में जेनेरिक दवा की 3.3 लाख बोतलें मंगाईं वापस

(डीआरएल) एक विश्व स्तर की दवा कंपनी है

न्यूयार्क, 3 नवंबर (एजेंसियां)। कोरोना के बाद अगर कोई कंपनी सबसे ज्यादा चर्चा में रही है तो वो डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज है। यह वही कंपनी है, जिसने भारत में रूसी कोरोना वैक्सीन स्पुतनिक वी को उतारा था। हाल ही में इसकी कुछ कमियों के कारण इस कंपनी ने अमेरिकी बाजार से कई लाख बोतलें वापस मंगाई है। अमेरिका की फूड और ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन की रिपोर्ट के मुताबिक डॉ रेड्डीज ने अमेरिकी बाजार में सीजीएमपी से डेविएशन के कारण सिनाकैल्सेट गोलियों की 3,31,590 बोतलें वापस मंगा रही है।

इस रिपोर्ट में बाताया गया है कि यह वापसी एफडीए की अंतरिम सीमा से अधिक एन-नाइट्रोसो सिनाकैल्सेट अशुद्धता मौजूद होने के कारण की गई है। ये दवा रक्त में उच्च कैल्शियम स्तर और हाइपर पैराथायरायडिज्म के इलाज के लिए इस्तेमाल की जाती है। इतना ही नहीं इसके अलावा यूएसएफडीए ने ये भी बताया कि दवा निर्माता 60 मिलीग्राम और 90 मिलीग्राम की क्षमता वाली 35,880 और 10,584 और बोतलें वापस मंगा रहा है। बताया गया है कि इस प्रभावित लॉट का प्रोडक्शन भारत में किया गया है।

भारत की दूसरी सबसे बड़ी दवा कंपनी

डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज (डीआरएल) एक विश्व स्तर की दवा कंपनी है। यह कंपनी सस्ती और नवीन दवाएं बनाने के लिए भी जानी जाती है। ये भारत की दूसरी सबसे बड़ी दवा कंपनी है। इस कंपनी की स्थापना भारत की अंजी रेड्डी ने की थी। इन्होंने कंपनी खोलने से पहले इंडियन ड्रग्स एंड फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड में काम किया था। फिलहाल इरेज इसरायली इस कंपनी के सीईओ हैं।

इस कारण हुई कंपनी की स्थापना

1980 और 1990 के दशक में, जब भारत में औषधियों का आयात अधिक होता था और दवाएं आम आदमी की पहुंच से दूर थीं, तब डॉ. अंजी रेड्डी ने इसे बदलने का निश्चय किया। उन्होंने सस्ती लेकिन प्रभावी दवाओं के निर्माण पर जोर दिया ताकि देश आत्मनिर्भर बन सके। उनकी कंपनी, डॉ. रेड्डीज लेबोरेटरीज ने भारतीय बाजार के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी अपनी पहचान बनाई। देश आज जिस तरह दवाओं का निर्यात करता है, उसमें डॉ. रेड्डीज का बड़ा योगदान है।

न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज में लिस्टेड है कंपनी

साल 1993 में डॉ. रेड्डीज लेबोरेटरीज भारत की पहली ऐसी कंपनी बनी, जिसने दवा की खोज और निर्माण में उल्लेखनीय प्रगति की। इसके बाद कंपनी की ख्याति लगातार बढ़ती गई और 2001 में यह न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज में लिस्टेड हुई। अंजी रेड्डी ने न केवल दवा उद्योग में ही अपनी छाप छोड़ी, बल्कि समाज सेवा के क्षेत्र में भी वो शुरू से सक्रिय रहे। उन्हें भारत और विदेशों में एक महान दानदाता (फिलेंथ्रोपिस्ट) के रूप में भी जाना जाता है।

अज्ञात व्यक्ति का जला हुआ मिला शव

मेदक, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। चिन्ना शंकरमपेट में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) के परिसर में एक व्यक्ति का जला हुआ शव मिलने के 9 दिन बाद, रविवार सुबह मंडल मुख्यालय के पद्मनाभ गुट्टा स्थित बस शेल्टर में समान परिस्थितियों में एक और जला हुआ शव मिला। इस घटना ने सनसनी फैला दी है क्योंकि 10 दिनों से भी कम समय में दो ऐसी संदिग्ध हत्याएं सामने आई हैं। दूसरा शव बरामद हो गया है, जबकि पुलिस अभी तक पहले व्यक्ति की पहचान नहीं कर पाई है। सुराग टीम और डॉग स्क्वायड को कार्रवाई में लगाया गया है। जांच जारी है।

कारपोरेटर ने छठ पूजा घाट का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद, नगर निगम की विनायक नगर की कारपोरेटर राजलक्ष्मी ने रविवार को बंडा चेरुवु, बतुकम्मा घाट, आनंद बाग, मलकाजगिरी के छठ पूजा का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भगवान भास्कर की अलौकिक एवं अहैतुकि कृपा से विगत कई वर्षों से छठ व्रतियों के लिए व्रत एवं सूर्य उपासना के लिए बिहार सहयोग समिति ने आनंद बाग लालवानी नगर बतकम्मा घाट पर छठ पूजा के लिए उत्तम व्यवस्था का प्रयास किया है। जीएचएमसी मलकाजगिरि द्वारा पूरा सहयोग किया जा रहा है। बिहार सहयोग समिति के अध्यक्ष विनय कुमार यादव ने कहा कि व्रत लौकिक एवं लोकाचार की भाषा में नहाय खाय 5 नवंबर 2024 से प्रारंभ होकर अगले दिन खरना 6 नवंबर, 7 नवंबर अस्ताचल गामी भगवान भास्कर के अर्ध्य एवं पूजा तथा 8 नवंबर को अपनी पूर्ण रश्मि और आभा के साथ उदित होते हुए सूर्य देव के अर्ध्य और पूजा के साथ संपन्न होगा।

चारमिनार ग्रुप ने देश में पहचान बनाई : मो. मुजाहिद

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। चारमीनार ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज हर साल की तरह इस साल भी दिवाली पर सभी स्टाफ को गिफ्ट और स्वीट देकर सम्मानित किया।

चारमीनार ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज के मैनेजिंग डायरेक्टर मोहम्मद मुजाहिद ने अपनी बात रखते हुए कहा कि हिंदुस्तान में अपनी पहचान बनाने वाली चारमीनार ग्रुप आफ इंडस्टरीज हैदराबाद ने हाल ही में शेरकोट्टी पेंट वॉल प्राइमर एमल्शन मार्केट में उतारा है जिसे मार्केट में जबरदस्त रिसपांस मिला है। देश के बड़े व्यापारियों का कहना यह है यह कंपनी क्वालिटी और क्वांटिटी में कोई कंप्रोमाइज नहीं करती इससे पहले स्प्रे पेंट मार्केट में दिया था जो की जबरदस्त रहा है। चारमीनार रोलर ब्रश हार्डवेयर का हिंदुस्तान में बडा नाम है।

हिंदुस्तान में टॉप क्वालिटी का रोलर और ब्रश सबसे कम रेट पर चारमीनार कंपनी की ही है। इसके अलावा ग्रुप का चारमीनार एग्रो फूड्स, फ्रोजन मटर, फ्रेंच फ्राइज़, स्वीट कॉर्न, चारमीनार पोल्ट्री, अंडे और मछली चारमीनार फिलामेंट भी बाजार में छाया हुआ है।

70 प्रतिशत ब्रश कंपनियों को फिलामेंट चारमीनार कंपनी से पूरे देश में जाता है।

सीरवी समाज का दिपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम सम्पन्न

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पारसीगुटा स्थित श्री आईमाता मंदिर में सीरवी समाज तेलंगाना समाज बन्धुओं के तत्वावधान में रविवार 3 नवंबर प्रात: 11.15 बजे पुजा-अर्चनाकर दिपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, सचिव नारायणलाल काग ने संयुक्त रूप से बताया कि हर वर्ष की भांति दिपावली स्नेह मिलन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। माई के दरबार में पुजा-अर्चना, दीप प्रज्वलितकर, महिलाओं द्वारा मंगल-गान के पश्चात अतिथियों व पदाधिकारीयों को मंच पर आमंत्रितकर सचिव द्वारा कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया।

अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़ ने कार्यक्रम में पधारे अतिथियों व समाज बन्धुओं को दिपावली की मंगलमय शुभकामनाएं देते हुए समाज बन्धुओं को भरोसा दिलाया कि उनके कार्यकाल में सभी के सहयोग से समाज के हर सम्भव विकासशील कार्य पूरे कराये जाएगे। शिक्षा समिति अध्यक्ष लाबुराम पंवार, महिला अध्यक्षा सुशीला देवड़ा व सचिव नारायणलाल काग ने भी समाज बन्धुओं को दिपावली की शुभकामनाएं दी। पधारे समाज बन्धुओं के लिए भोजन-प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, उपाध्यक्ष मूलाराम सोयल, रमेश पंवार, सचिव नारायणलाल काग, सहसचिव हिराराम खंडाला, कोषाध्यक्ष खंगारसिंह लचेटा, सलाहकार परसराम बर्फा, जसवन्त देवड़ा, शिक्षा समिति अध्यक्ष लाबुराम पंवार, महिला मंडल अध्यक्षा सुशीला देवड़ा, उपाध्यक्षा अनिता सोयल, सहसचिव कविता सोलंकी, कोषाध्यक्षा नीलु लचेटा, सलाहकार मंजु सोलंकी, पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य व समाज बन्धु सपरिवार कार्यक्रम में उपस्थित रहे। मंच का संचालन सचिव नारायणलाल काग ने किया। अध्यक्ष के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन्न हुआ।

मानवता से बड़ा कोई धर्म नहीं है : लक्ष्मीप्रपन्न जीयर स्वामी

तिरुमला, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कहते हैं न जब जब पृथ्वी पर अन्याय बढ़ा तब तब नारायण किसी न किसी रूप में आकर सब ठीक-ठाक कर देते थे, लेकिन कलयुग ऐसा युग है जिसमें सक्षात नारायण तो नहीं पर उन्होंने गांव समाज देश को कुमार्ग से सुमार्ग पर लाने के लिए किसी न किसी को हमेशा भेजते रहते हैं। इसी योजना के तहत विश्व के महान मनीषी संत परम पूज्य श्रीमद् विष्वकसेनाचार्य श्री त्रिदंडी स्वामी जी के परम शिष्य परमपूज्य लक्ष्मीप्रपन्न श्री जीयर स्वामी जी महाराज का आगमन दक्षिण भारत स्थित तिरुपति बालाजी मंदिर में हुआ है। स्वामी जी सात दिवसीय प्रवास के दौरान गोवर्धन पूजा के अवसर पर समस्त भारत से आए अपने भक्तों, महेश सिंह पांडिचेरी, अजय सिंह, रमेश सिंह हैदराबाद, मनोज उपाध्याय सिलवासा, बिहार से सुनील चौबे, रमेश कुमार, अरुण तिवारी उत्तर प्रदेश से कमलेश सिंह, चेन्नई से सुरज पांडेय, रामबहादुर सिंह के साथ मंदिर में पूजन किए। स्वामी अपने तिरुमला प्रवास के दौरान भक्तों के बीच धार्मिक व अध्यात्मिक ज्ञान की वर्षा कर रहे हैं। श्रद्धालुओं के विशेष आग्रह पर स्वामी जी ने बताया कि सभी को मानवता के कल्याण के लिए काम करना चाहिए। मानवता से बड़ा कोई धर्म नहीं है। स्वामी जी ने कहा कि जीवन जीने का सही रास्ता महापुराण श्रीमद्भागवत से मिलता है। इस महापुराण के हर एक पंक्ति से ज्ञान की गंगा मिलती है। इसके अंशों को अपने जीवन में उतार कर लोग पापों से मुक्त हो गए। उनके चंचल मन को स्थिरता मिली और वे अंत में मोक्ष को प्राप्त करने में सफल रहे। संत के बारे में वर्णन करते हुए जीयर स्वामी ने कहा कि दूसरों के भलाई के लिए ही संत जन्म लेते हैं। जिस प्रकार नदी, सूर्य, चंद्रमा, वृक्ष आदि दूसरों को राहत पहुंचाते रहते हैं उसी प्रकार संतो को भी परोपकारी होना चाहिए। प्रमुख रूप आज के नौजवानों को एक जिम्मेदारी के रूप में संपूर्ण मानवता की भलाई के लिए कार्य करना चाहिए।

कुमावत समाज ट्रस्ट का दिपावली स्नेह मिलन आयोजित

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मलारदेवपल्ली स्थित कुमावत समाज निर्माणाधीन भवन में कुमावत समाज ट्रस्ट हैदराबाद-तेलंगाना समाज बन्धुओं के तत्वावधान में रविवार 3 नवंबर प्रात: 11.15 बजे से दिपावली स्नेह मिलन एवं परिचय पत्र उद्धघाटन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जारी प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष भाकरराम लारना, सचिव संजयकुमार बाकरेचा ने बताया कि कार्तिक मास के पावन अवसर पर समाज बन्धुओं के सानिध्य में दिपावली स्नेह मिलन एवं परिचय पत्र उद्धघाटन कार्यक्रम आयोजित किया गया। अध्यक्ष भाकरराम लारना ने कार्यक्रम में पधारे बत्तौर मुख्यअतिथि राजेंद्र नगर विधायक प्रकाश गौड़, कुमावत समाज की विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं सम्मानित अतिथियों को मंच पर आमंत्रितकर पदाधिकारियों द्वारा स्वागत किया गया। अवसर पर भागवत कथा एवं परिचय पत्र का विधिवत उद्धघाटन किया गया। मुख्यअतिथि प्रकाश गौड़ ने समाज बन्धुओं को दिपावली की शुभकामनाएं देते हुए भरोसा दिलाया कि मंदिर निर्माण व सीसी रोड़ के कार्यक्रम में वे यथा सम्भव सहयोग करेंगे। संरक्षक प्रकाश आलोदिया, अध्यक्ष भाकरराम लारना ने कार्यक्रम में पधारे समाज बन्धुओं का तहदिल से आभार प्रकट करते हुए दिपावली की शुभकामनाएं दी।

पधारे समाज बन्धुओं व अतिथियों के लिए भोजन-प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी। कार्यक्रम के सफल आयोजन में कुमावत समाज ट्रस्ट हैदराबाद तेलंगाना के पदाधिकारियों, कार्यकारिणी मेम्बरों व समाज बन्धुओं का विशेष सहयोग रहा। मंच का संचालन महावीर शर्मा ने किया। अध्यक्ष भाकरराम लारना के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन्न हुआ।

बच्चों ने आतिशबाजी कर महात्मा गांधी की प्रतिमा को किया क्षतिग्रस्त

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बोवेनपल्ली पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत दिवाली उत्सव के दौरान 4 बच्चों ने महात्मा गांधी की एक प्रतिमा के सामने पटाखे फोड़े। बोवेनपल्ली के एसआई शिव शंकर के अनुसार, बच्चों ने सिर्फ मनोरंजन के लिए मूर्ति को क्षतिग्रस्त, अपवित्र करने का काम किया।

15 से 16 वर्ष की आयु के 4 बच्चों में से 2 ने छठी और सातवीं कक्षा में ही स्कूल छोड़ दिया था तथा अन्य दो पढ़ाई कर रहे हैं। सब-इंस्पेक्टर ने बताया कि वे एक नोटिस जारी करने जा रहे हैं और वे उन बच्चों पर प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज करने के लिए कानूनी राय ले रहे हैं जो वर्तमान में पुलिस हिरासत में हैं।

हैदराबाद में वायु प्रदूषण में वृद्धि

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में हाल ही में वायु गुणवत्ता में उल्लेखनीय गिरावट देखी गई, जो दिवाली के दौरान खतरनाक स्तर तक पहुंच गई। पिछले 72 घंटों में शहर में वायु की गुणवत्ता में भारी गिरावट आई है, जिसका मुख्य कारण पटाखों का अत्यधिक उपयोग है। तेलंगाना राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष वायु प्रदूषण में पिछले वर्ष की तुलना में 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिससे कपरा, बोलारम, पाटनचेरु, सोमाजीगुडा और सनथनगर जैसे विशिष्ट क्षेत्र विशेष रूप से प्रभावित हुए हैं। वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 171 तक पहुंच गया है, जो स्वीकार्य सीमा 60 से काफी ऊपर है।

कुछ इलाकों में तो आंकड़े और भी चिंताजनक हैं। सोमाजीगुडा में एक्यूआई 105 दर्ज किया गया, जबकि न्यू मालकपेट में यह 335 तक पहुंच गया। खतरनाक कण पदार्थ (पीएम 2.5) की उपस्थिति दर्ज की गई है, जिसका स्तर अमेरिकी वाणिज्य दूतावास वेधशाला में 475 तक पहुंच गया तथा अन्य क्षेत्रों में भी इसका स्तर इतना ही ऊंचा पाया गया। तेलंगाना राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने बताया है कि वायु गुणवत्ता खराब बनी रहने की आशंका है, तथा संवेदनशील आबादी के लिए स्वास्थ्य जोखिम जारी रहेगा।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

घर में ही टीम इंडिया का सूपड़ा साफ
न्यूजीलैंड ने 3-0 से जीती सीरीज

मुंबई, 3 नवंबर (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड की टीम ने भारत का मुंबई में करारी शिकस्त दी है. उसने तीसरे टेस्ट में टीम इंडिया को 25 रन से हराकर 3-0 से सीरीज अपने नाम कर लिया है. वहीं दूसरी तरफ भारतीय टीम 24 साल बाद अपने घर पर क्लीन स्वीप हो गई है. न्यूजीलैंड ने दूसरी पारी में 147 रन का लक्ष्य रखा था, जिसे टीम इंडिया चेज नहीं कर सकी. वानखेडे में एजाज पटेल और ग्लेन फिलिप्स की खतरनाक गेंदबाजी के सामने कोई भी भारतीय बल्लेबाजों टिक नहीं सका. पूरी टीम सिर्फ 121 रन पर ढेर हो गई.

पूरी तरह फेल हुई बल्लेबाजी

टीम इंडिया की बल्लेबाजी को आम तौर पर सबसे मजबूत पक्ष माना जाता है. लेकिन मुंबई टेस्ट की दूसरी पारी में 147 रन चेज कर रही भारतीय टीम के लिए यही सबसे कमजोर कड़ी साबित हुई.

ऋषभ पंत के 64 रन की पारी को छोड़ दें तो कोई भी बल्लेबाज क्रीज पर खड़ा नहीं हो सका. बता दें 11 में से सिर्फ 3 बल्लेबाज दहाई के आंकड़े तक पहुंच सके. यानि 8 बल्लेबाजों ने 10 से भी कम रन बनाया. पूरी टीम एजाज पटेल और ग्लेन फिलिप्स की फिरकी के सामने धाराशायी हो गई.

दूसरी पारी में कप्तान रोहित शर्मा ने 11 रन और उनके ओपनिंग पार्टनर यशस्वी जायसवाल ने 5 रन बनाए. इसके अलावा चेज के मशहूर विराट कोहली ने सिर्फ 1 रन बनाकर आउट हो गए. उनके अलावा शुभमन गिल और सरफराज खान ने 1-1 रन बनाए. वहीं रवींद्र जडेजा ने 6 रन, वॉशिंगटन सुंदर ने 12 रन, अश्विन ने 8 रन बनाकर पवेलियन लौट गए. आकाश दीप और सिराज तो खाता भी नहीं खोल सके. पहली पारी में भी टीम इंडिया गुच्छे में विकेट गंवाए थे.

न्यूजीलैंड ने रचा इतिहास

न्यूजीलैंड ने मुंबई टेस्ट को जीतकर इतिहास रच दिया है. वानखेडे में उसने दूसरा सबसे छोटा स्कोर डिफेंड किया. इससे पहले न्यूजीलैंड ने 46 साल पहले 1978 में इंग्लैंड के खिलाफ वेलिंग्टन में 137 रन बचाए थे. इसके साथ ही 3-0 से ये सीरीज उसके नाम हो गई है. इतना ही भारतीय टेस्ट क्रिकेट के 92 साल के इतिहास में घर पर ये सबसे बड़ी हार है. 3 या उससे ज्यादा मैचों की टेस्ट सीरीज में भारत को क्लीन स्वीप करने वाली न्यूजीलैंड पहली टीम बन गई है.

मुंबई टेस्ट में एजाज पटेल न्यूजीलैंड की जीत के सबसे बड़े हीरो रहे. मुंबई में ही जन्मे एजाज पटेल ने पूरे मुकाबले में उन्होंने 11 भारतीय बल्लेबाजों का शिकार किया. उन्होंने पहली पारी में 103 रन देकर 5 विकेट चटकाए थे. वहीं दूसरी पारी में 57 रन देकर 6 विकेट हासिल किया. इस प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया. उनके अलावा ग्लेन फिलिप्स ने शानदार गेंदबाजी की और कुल 4 विकेट अपने नाम किया. वहीं विल यंग बल्लेबाजी से न्यूजीलैंड की जीत की नींव रखी. उन्होंने मुश्किल विकेट पर 71 और 51 रन की अहम पारी खेली.

अंडर-19 विश्व मुक्केबाजी में कृषा वर्मा ने जीता स्वर्ण
पांच रजत भी भारत की झोली में

कोलोराडो, 3 नवंबर (एजेंसियां)। युवा भारतीय मुक्केबाज कृषा वर्मा ने अमेरिका के कोलोराडो में विश्व मुक्केबाजी द्वारा आयोजित शुरुआती अंडर-19 विश्व चैंपियनशिप में महिलाओं के 75 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता जबकि पांच अन्य मुक्केबाजों ने रजत पदक अपनी झोली में डाले। कृषा ने 75 किग्रा वर्ग के फाइनल में जर्मनी की साइमन लेरिका को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले में मात दी। चंचल चौधरी (महिला 48 किग्रा), अंजलि कुमारी सिंह (महिला 57 किग्रा), विनी (महिला 60 किग्रा), आकांक्षा फलासवाल (महिला 70 किग्रा) के अलावा राहुल कुंडू (पुरुष 75 किग्रा) अपने फाइनल में हार गए जिससे उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। चंचल अयोग्य घोषित किए जाने के बाद दूसरे स्थान पर रहीं जबकि अंजलि को इंग्लैंड की मिया-तिया आयटन से 0-5 से हार मिली। आकांक्षा इंग्लैंड की लिली डीकॉन से जबकि राहुल अमेरिका के अविनोंग्या जोसेफ से 1-4 के समान अंतर से पराजित हुए। विनी को इंग्लैंड की एला लोन्सडेल से 2-3 के विभाजित फैसले में शिकस्त मिली। पांच महिला मुक्केबाज और एक पुरुष मुक्केबाज फाइनल में स्वर्ण के लिए रिंग में उतरेंगे। विश्व मुक्केबाजी का यह पहला वैश्विक टूर्नामेंट है। विश्व मुक्केबाजी को ओलंपिक आंदोलन में मुक्केबाजी का स्थान सुनिश्चित करने के लिए लांच किया गया था जिसका उद्देश्य मुक्केबाजी के लिए विश्व संचालन संस्था के तौर पर अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (आईबीए) की जगह लेना है।

मोहम्मद शमी के फैंस को लगा बड़ा झटका
बॉर्डर गावस्कर का आखिरी मौका भी खत्म

मुंबई, 3 नवंबर (एजेंसियां)। युवा टीम इंडिया के धाकड़ तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी चोट के बाद लंबे समय से टीम इंडिया से बाहर चल रहे थे। हालांकि सर्जरी के बाद शमी ने प्रैक्टिस करना भी शुरू कर दिया है। फैंस को उम्मीद थी कि ऑस्ट्रेलिया में होने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए मोहम्मद शमी की टीम इंडिया में वापसी हो सकती है। लेकिन टीम का ऐलान होने के बाद फैंस को बड़ा झटका लगा क्योंकि ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए शमी को टीम में मौका नहीं मिला। हालांकि उसके बाद रिपोर्ट सामने आई थी कि शमी के पास बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए टीम इंडिया में जगह बनाने का अभी आखिरी मौका है। जी हां रणजी ट्रॉफी के शुरुआती दो मैचों में शानदार प्रदर्शन करके शमी टीम इंडिया में जगह बना सकते थे। लेकिन अब एक बार फिर से फैंस को बड़ा झटका लगा है।

शमी को बंगाल टीम में नहीं मिला मौका

सर्जरी से वापस आने के बाद मोहम्मद शमी ने टीम इंडिया में शामिल होने से पहले रणजी ट्रॉफी में खेलने की इच्छा जाहिर की थी। शमी पहले दो मैचों में बंगाल की तरफ से खेलना चाहते थे। लेकिन शमी को पहले दो मैचों के लिए बंगाल टीम में नहीं चुना गया है। जिसके बाद अब शमी की बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में वापसी की उम्मीदें भी खत्म होती दिखाई दे रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शमी अभी तक पूरी तरह फिट नहीं हैं। जिसके चलते उनको बंगाल टीम में भी नहीं चुना गया है।

पूरी तरह से फिट नहीं शमी

शमी का चयन न होना दर्शाता है कि फरवरी में सर्जरी के बाद वह पूरी तरह से फिट नहीं हो पाए हैं।

34 वर्षीय शमी इंस्टाग्राम पर अपनी छोटी-छोटी प्रैक्टिस की वीडियो से साझा कर रहे हैं। अपनी नई पोस्ट में शमी ने अपने ट्रेनर के साथ एक्सरसाइज सेशन का एक वीडियो साझा किया, साथ ही एक मैसेज भी दिया, जिसमें उन्होंने फिटनेस हासिल करने और भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक कदम के रूप में घरेलू क्रिकेट में वापसी की इच्छा व्यक्त की।

फिर आया 6 छक्कों का 'भूचाल', भारतीय कप्तान की जमकर हुई पिटाई

टिन क्वॉंग, 3 नवंबर (एजेंसियां)। हांगकांग सिक्सेस टूर्नामेंट में 2 नवंबर को भारतीय टीम को अपने तीनों मैचों में हार सामना करना पड़ा। इसके साथ ही टीम इंडिया टूर्नामेंट से भी बाहर हो गई। टीम इंडिया को पहले ही दिन पाकिस्तान, यूएई और इग्लैंड से हार का सामना करना पड़ा। वहीं इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए मैच में टीम इंडिया के कप्तान रॉबिन उथप्पा की जमकर पिटाई हुई। उथप्पा के एक ओवर में 6 गेंदों पर 6 छक्के लगे।

रवि बोपारा ने जड़े 6 छक्के

इंग्लैंड के विस्फोटक बल्लेबाज रवि बोपारा ने हांगकांग सिक्सेस मैच में भारत के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाया और एक ओवर में छह छक्के लगाए। बोपारा ने मैच के चौथे ओवर में भारतीय

कप्तान रॉबिन उथप्पा की गेंदों को मोंग कॉक में मैदान के हर कोने में उड़ाया। बोपारा ने उथप्पा की लगातार पांच गेंदों पर छक्के लगाए, लेकिन आखिरी गेंद पर भारतीय कप्तान ने वाइड फेंककर उन्हें शर्मनाक स्थिति से बचाया। इसके बाद इंग्लैंड के कप्तान ने आखिरी गेंद पर भी छक्का जड़ा और उथप्पा के ओवर में 37 रन बटोरे। बोपारा ने अगले ओवर में शाहबाज नदीम की गेंद पर लगातार सातवां छक्का लगाकर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और सिर्फ 14 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। बोपारा 14 गेंदों पर आठ छक्कों की मदद से 53 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हो गए। समित पटेल ने भी 18 गेंदों पर चार चौकों और पांच छक्कों की मदद से 51 रन बनाकर अहम योगदान दिया।

मैच में टीम इंडिया को 15 रन से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद गेंदबाजी में भी रवि बोपारा का जलवा देखने को मिला। बोपारा ने गेंद से भी कमाल दिखाते हुए महज 11 रन देकर 2 विकेट चटकाए। पाकिस्तान, इंग्लैंड और यूएई से लगातार तीन हार झेलने के बाद भारत टूर्नामेंट से बाहर हो गया है।

भारतीय डिफेंडर अनस एडाथोडिका ने पेशेवर फुटबॉल से संन्यास का एलान किया

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। अनुभवी भारतीय डिफेंडर अनस एडाथोडिका ने पेशेवर फुटबॉल से संन्यास की घोषणा की है जिससे उनके 17 साल का करियर समाप्त हो गया। 37 वर्षीय खिलाड़ी ने 21 बार भारत का प्रतिनिधित्व किया। इसके अलावा वह क्लब के लिए 172 प्रतिस्पर्धी मुकाबले भी खेल चुके हैं। एडाथोडिका ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर भावनात्मक वीडियो साझा किया और संन्यास का एलान किया।

अनस ने कहा- अब समय आ गया है कि मैं अपने पेशेवर फुटबॉल को अलविदा कह दूं। मलाप्पुरम के स्टेडियम से लेकर भारत के स्टेडियमों तक चली यह यात्रा सपने का सच होना रही। इस दौरान उतार-चढ़ाव के दौरान मेरे परिवार, कोच, टीम के साथी और प्रशंसकों का धन्यवाद जिन्होंने मुझे जरूरत पड़ने पर सहारा दिया। फुटबॉल ने मुझे इतना दिया है। मैं हर पल के लिए हमेशा आभारी रहूंगा।

अनस ने 2015 में दिल्ली डायनामोज के साथ इंडियन सुपर लीग में डेब्यू किया। बाद में उन्होंने जमशेदपुर एफसी, केरला ब्लास्टर्स एफसी और एटीके एफसी के लिए खेला। अनस को जमशेदपुर द्वारा 2017-18 आईएसएल प्लेयर्स ड्राफ्ट के पहले दौर में चुना गया था। उन्होंने 2015-2022 तक 54 मैच खेले और शानदार प्रदर्शन किया।

पहले अनऑफिशियल टेस्ट में विवाद
इंडिया-ए पर बॉल टैम्परिंग का आरोप

ओमान, 3 नवंबर (एजेंसियां)। यऋतुराज गायकवाड की कप्तानी वाली इंडिया ए पर बॉल टैम्परिंग के आरोप लगे हैं। ये आरोप ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के मैके क्वींसलैंड में चल रहे पहले अनऑफिशियल टेस्ट के दौरान लगे हैं। हालांकि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने एक स्टेटमेंट रिलीज कर इसे खारिज कर दिया है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने कहा, की बॉल का शेप बिगड़ जाने की वजह से अंपायर ने बॉल बदली थी। मुकाबले के चौथे दिन ऑस्ट्रेलिया ए को जीत के लिए 86 रनों की जरूरत थी। विवाद तब हुआ, जब फील्ड अंपायर्स ने बॉल टैम्परिंग के आरोप में गेंद बदल दी। इस पर भारतीय खिलाड़ी अंपायर्स से बात करते नजर आए।

स्टंप माइक्रोफोन पर अंपायर शॉन क्रेग को यह कहते हुए सुना गया, 'जब आप इसे (बॉल) खरोंचते हैं, तो हम गेंद बदल देते

हैं। अब कोई चर्चा नहीं, खेल जारी रखें। यह बहस करने का विषय नहीं है।' भारतीय खिलाड़ियों ने एक बार फिर पूछा कि क्या उन्हें नई गेंद से ही खेलना होगा, तो अंपायर ने कहा आप उसी गेंद से खेलेंगे।

अनऑफिशियल टेस्ट फर्स्ट क्लास क्रिकेट में आता है, लेकिन इसे से मान्यता नहीं होती है। इसके आंकड़े आईसीसी रिकॉर्ड में दर्ज नहीं होते हैं।

ईशान किशन ने अंपायर के फैसले पर असहमति जताई

न्यूज एजेंसी एपी के अनुसार, विकेटकीपर ईशान किशन को अंपायर क्रेग के फैसले पर असहमति जताने के लिए रिपोर्ट किया गया है। किशन ने कहा, 'यह मूर्खतापूर्ण निर्णय है।' अंपायर ने कहा कि आप असहमति के लिए रिपोर्ट होंगे। यह अनुचित व्यवहार है। आपकी (टीम) की हरकतों की वजह से हमने गेंद बदली।

भारतीय खिलाडियों पर नहीं लगेगा बन

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने स्टेटमेंट में बताया की ईशान किशन और अन्य खिलाड़ियों पर कोई एक्शन नहीं लिया जाएगा। मैच रेफरी ने किसी को भी दोषी नहीं पाया है। आचार संहिता के अनुसार, यदि इंडिया ए को जानबूझकर गेंद की कंडीशन में बदलाव करते हुए पाया जाता है, तो इसमें शामिल खिलाड़ियों को बैन किया जा सकता है।

ऑस्ट्रेलिया ए ने 7 विकेट से जीता मुकाबला

इस मुकाबले को ऑस्ट्रेलिया ए ने 7 विकेट से जीत लिया है। कप्तान नाथन मैकस्वीनी ने नाबाद 88 रनों की पारी खेली और 3 विकेट खोकर 225 रन का टारगेट हासिल कर लिया। इससे पहले इंडिया ए ने दूसरी पारी में 312 रन बनाए थे। साई सुदर्शन ने 103 रन की शतकीय पारी खेली, जबकि देवदत्त पडिक्कल ने 88 रन बनाए।

'मैं कभी टेनिस समुदाय का अनादर नहीं करता'
रोहित राजपाल ने क्यों दिया यह बयान?

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। भारत के गैर खिलाड़ी डेविस कप कप्तान रोहित राजपाल ने स्पष्ट किया कि उन्होंने 'शट अप' उन्हें एजेंडे के तहत लगातार निशाना बना रहे कुछ लोगों के लिए कहा था। रोहित ने कहा कि उन्होंने यह बयान देश के टेनिस समुदाय के लिए नहीं दिया था और इस बयान को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। राजपाल ने कहा कि डेविस कप कप्तान के रूप में उनकी योग्यता पर सवाल उठाने वाले लोगों को रिसर्च करना चाहिए और वह उन लोगों में से नहीं है जो खिलाड़ियों के नहीं चाहने पर पद पर बने रहेंगे। आम तौर पर विवादों से परे रहने वाले राजपाल स्टॉकहोम में पिछले डेविस कप मुकाबले में स्वीडन के हाथों भारत की 0-4 से हार के बाद अपने आलोचकों को 'शट अप' कहने के कारण विवादों में घिर गए थे।

54 वर्ष के राजपाल ने स्वीकार किया कि मीडिया से बातचीत में उकसाये जाने पर उन्हें उस तरह की प्रतिक्रिया नहीं देनी चाहिए थी। उन्होंने कहा, 'मैं खुद भारतीय टेनिस समुदाय का हिस्सा हूं। इतनी सारी चीजों से जुड़ा हूं। टेनिस मेरा जीवन है और मैं भारतीय टेनिस समुदाय को इस तरह कुछ बोलने के बारे में सपने में भी नहीं सोच सकता। मैं ऐसा क्यो करूंगा।' राजपाल ने कहा, 'मैं किसी का इस तरह अनादर करने की सोच भी नहीं सकता लेकिन मुझे इस तरह की प्रतिक्रिया नहीं देनी चाहिए थी, लेकिन सवाल इतने बुरे तरीके से पूछा गया था और मेरी टीम मेरे साथ बैठी थी तो मुझे अपमानित सा महसूस हुआ।' उन्होंने कहा कि उन्हें पता है कि कौन लोग उन्हें बाहर करना चाहते हैं लेकिन वह नाम नहीं लेंगे। उन्होंने कहा, 'मुझे बुरा यह लगा कि एक व्यक्ति गलत परिप्रेक्ष्य में चीजों को रखता है और कोई जाकर सच्चाई जानने की कोशिश भी नहीं करता।'

राजपाल 2019 में कप्तान बने थे जब तत्कालीन कप्तान महेश भूपति ने सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान जाने से मना कर दिया था। उनकी नियुक्ति के समय उनकी योग्यता पर सवाल उठाए गए थे क्योंकि उन्होंने अपने कैरियर में एकमात्र डेविस कप मैच कोरिया के खिलाफ 1990 में खेला था। वह 1990 बीजिंग एशियाई खेल में कांस्य पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा थे। यह पूछने पर कि क्या वह डेविस कप में भारत की कप्तानी के योग्य हैं, राजपाल ने कहा, 'यह फैसला कार्यकारी समिति लेती है। उसमें कई लोग हैं जो टेनिस जानते हैं और बहुत साल से खेल प्रशासन में है और वे संतुलित फैसले लेते हैं।' उन्होंने कहा, 'दूसरे मेरे खिलाड़ी हैं। जिस दिन मुझे लगेगा कि खिलाड़ियों को लग रहा है कि कोई और बेहतर काम कर सकता है तो मैं खुद पद छोड़ दूंगा। मुझे बताने की जरूरत नहीं पड़ेगी। मैं आज भी इसके लिये तैयार हूं।'

बोपन्ना-एबडेन की जोड़ी पेरिस मास्टर्स से बाहर
ज्वेरेव और खाचानोव पुरुष एकल के सेमीफाइनल में

पेरिस, 3 नवंबर (एजेंसियां)। भारत के स्टार खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैथ्यू एबडेन पुरुष युगल के कड़े मुकाबले में हार के साथ पेरिस मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल से बाहर हो गए। बोपन्ना और एबडेन की तीसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी को इस एटीपी 1000 प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में नीदरलैंड के वेस्ले कूलहोफ़ और क्रोएशिया के निकोला मेक्टिच की जोड़ी से 6-7, 5-7 से हार का सामना करना पड़ा। यह मैच एक घंटे 46 मिनट तक चला।

पहला सेट टाईब्रेकर में खिंचने से पहले दोनों जोड़ियों ने एक दूसरे के सामने कड़ी चुनौती पेश की। बोपन्ना और एबडेन को कुछ मौके मिले लेकिन कूलहोफ और मेक्टिच ने सेट प्वाइंट बचाकर टाईब्रेक जीता और 1-0 की बढ़त बना ली। दूसरे सेट में भी कड़ा मुकाबला देखने को मिला, लेकिन बोपन्ना और एबडेन ने 12वें गेम में डबल फॉल्ट किया जिसकी बदौलत कूलहोफ और मेक्टिच को ब्रेक प्वाइंट का मौका मिला। उन्होंने उसे भुनाकर मैच अपने नाम कर दिया। बोपन्ना और एबडेन की जोड़ी पहले ही सत्र के अंतिम टूर्नामेंट एटीपी फाइनल के लिए क्वालिफाई कर चुकी है।

वहीं, जर्मनी के तीसरी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने स्टेफानोस सितसिपास को 7-5, 6-4 से हराकर पेरिस मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया और यूनान के खिलाड़ी को एटीपी फाइनल की दौड़ से बाहर कर दिया। फ्रेंच ओपन के उपविजेता ज्वेरेव का अगला मुकाबला 2022 के चैंपियन होल्गर रूण से होगा। वह पिछले चार वर्षों में तीसरी बार इस हार्डकोर्ट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं लेकिन कभी खिताब नहीं जीत पाए।

पंत न्यूजीलैंड के खिलाफ फास्टेस्ट टेस्ट फिफ्टी लगाने वाले भारतीय

मुंबई, 3 नवंबर (एजेंसियां)। भारत टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ मुंबई टेस्ट में पहली पारी में 263 रन पर ऑलआउट हो गई। दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक न्यूजीलैंड ने दूसरी पारी में 9 विकेट खोकर 171 रन बनाए। कीवी टीम दूसरी पारी में 143 रन की बढ़त हासिल कर ली है। भारत की तरफ से पहली पारी में शुभमन गिल ने सबसे ज्यादा 90 रन बनाए। जबकि ऋषभ पंत ने 60 रन की तूफानी पारी खेली। न्यूजीलैंड के लिए एजाज पटेल सबसे ज्यादा 5 विकेट लिए। पंत ने 36 बॉल पर फिफ्टी लगाई। वे कीवी टीम के खिलाफ सबसे तेज टेस्ट अर्धशतक लगाने वाले भारतीय बन गए। वहीं गिल 25 साल की उम्र में इंटरनेशनल मैचों में सबसे ज्यादा बार 90-99 रन पर आउट होने वाले भारतीय बने।

तीसरे मैच की पहली पारी में ऋषभ पंत 60 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें ईश सोढ़ी ने एलबीडब्ल्यू किया। पंत के टेस्ट करियर की 13वीं फिफ्टी रही। 27 साल के विकेटकीपर-बल्लेबाज पंत भारत की तरफ से न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने मुंबई टेस्ट के दूसरे दिन सिर्फ 36 गेंद में अपनी फिफ्टी पूरी की थी। इसी के साथ उन्होंने यशस्वी जायसवाल का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया।

मुंबई टेस्ट की पहली पारी में शुभमन गिल 90 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें एजाज पटेल ने डेरिल मिचेल के हाथों कैच कराया। वे चौथी बार इंटरनेशनल मैचों में 90-99 के बीच आउट हुए। गिल 25 साल की उम्र में इंटरनेशनल मैचों में सबसे ज्यादा बार 90-99 के बीच आउट होने वाले 5वें भारतीय हैं। भारत के खिलाफ मुंबई टेस्ट के पहली पारी में एजाज पटेल ने 5 विकेट लिए। इसी के साथ उनके नाम मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में कुल 19 विकेट हो गए। भारत के किसी भी एक वेन्यू पर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले विदेशी गेंदबाजों की लिस्ट में एजाज पटेल दूसरे स्थान पर आ गए हैं।

यादाद्रि बिजली संयंत्र का कार्य मई 2025 तक पूरा हो जाएगा : भट्टी

नलगोंडा, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने बताया है कि नलगोंडा जिले के दामराचेरला में यादाद्रि बिजली संयंत्र का कार्य मई, 2025 तक पूरा हो जाएगा और उस समय तक इसकी 4,000 मेगावाट बिजली ग्रिड से जुड़ जाएगी। भट्टी विक्रमार्क ने रविवार को मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी और उत्तम कुमार रेड्डी के साथ हवाई सर्वेक्षण के माध्यम से यादाद्री पावर प्लांट स्टेशन का निरीक्षण किया और बाद में उन्होंने दामराचर्ला में वाईटीपीएस टेक ऑफ पॉइंट पर बिजली संयंत्र के लिए कोयला ले जाने वाली ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर मीडिया से बात करते हुए, उपमुख्यमंत्री ने तेलंगाना के भविष्य के लिए महत्वाकांक्षी ऊर्जा योजनाओं की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कहा, मई 2025 तक, हम यादाद्री थर्मल पावर प्लांट को पूरा कर लेंगे और 4,000 मेगावाट बिजली को ग्रिड से जोड़ देंगे। आज, हमने यादाद्री पावर प्लांट के चरण-1 से उत्पन्न बिजली को ग्रिड के साथ सफलतापूर्वक एकीकृत किया है।

भट्टी ने भविष्य की बिजली आवश्यकताओं और बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए राज्य की तत्परता पर भी बात की। उन्होंने कहा, तेलंगाना राज्य में बढ़ती बिजली की जरूरतों को देखते हुए, हमने 2028-29 तक 22,288 मेगावाट और 2034-35 तक 31,809 मेगावाट की मांग का अनुमान लगाया है। राज्य सरकार भविष्य की मांग को बिना किसी रुकावट के पूरा करने के लिए रणनीतिक निर्णयों के साथ आगे बढ़ रही है। ऊर्जा उत्पादन को स्थायी रूप से बढ़ाने के लिए राज्य की पहलों पर प्रकाश डालते हुए, भट्टी ने कहा कि राज्य सरकार भविष्य में किसी भी बिजली की कमी को रोकने के लिए कड़े कदम उठा रही है।

तेलंगाना उद्योग, कृषि और घरों के लिए उच्च गुणवत्ता वाली बिजली प्रदान कर रहा है। पर्यावरण संरक्षण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता के हिस्से के रूप में हम प्रदूषण को रोकने के लिए 20,000 मेगावाट हरित ऊर्जा उत्पन्न करने की योजना बना रहे हैं।

विशेषज्ञों और हितधारकों के साथ चर्चा के माध्यम से जल्द ही एक नई ऊर्जा नीति पेश की जाएगी और विधानसभा में इस पर बहस की जाएगी। तेलंगाना सरकार की सतत और अनुकरणीय ऊर्जा प्रबंधन के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराते हुए उन्होंने कहा कि तेलंगाना में परिचालन स्थापित करने वाली बहुराष्ट्रीय कंपनियां हरित ऊर्जा का एक प्रतिशत उपयोग करेंगी और राज्य सरकार उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए आवश्यक हरित ऊर्जा का उत्पादन करेगी। उन्होंने कहा, तेलंगाना का लक्ष्य प्रगतिशील ऊर्जा प्रबंधन के लिए एक राष्ट्रीय मॉडल के रूप में खड़ा होना है।

सनातन धर्म की रक्षा के लिए पवन कल्याण ने लांच की 'नरसिंह वाराही ब्रिगेड'

एलुरु, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साउथ के जाने माने सुपरस्टार और जनसेना पार्टी (जेएसपी) प्रमुख आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने अपनी पार्टी के अंदर 'नरसिंह वाराही ब्रिगेड' बनाने की घोषणा की है। इस ब्रिगेड का मुख्य उद्देश्य सनातन धर्म की रक्षा करना होगा। पवन कल्याण ने अपने संबोधन में कहा, मैं सभी धर्मों का सम्मान करता हूं, लेकिन मैं अपनी आस्था पर अडिग हूं। जो लोग सोशल मीडिया पर सनातन धर्म की आलोचना करते हैं या इसके बारे में असम्मानजनक बातें करते हैं, उन्हें इसके परिणाम भुगतने होंगे। इसलिए, मैं सनातन धर्म की रक्षा के लिए अपनी पार्टी के भीतर 'नरसिंह वाराही ब्रिगेड' नाम से एक समर्पित विंग की स्थापना कर रहा हूं।

यह घोषणा उस समय की गई जब पवन कल्याण ने जगन्नाथपुर गांव में 'दीपम-2' मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर योजना का उद्घाटन किया।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा, हम पिछली सरकार की तुलना में लोगों के कल्याण के उद्देश्य से अपने वादों को लागू कर रहे हैं। दीपम-2 योजना के माध्यम से, हम राज्य में 1,08,39,286 पात्र लाभार्थियों को प्रति वर्ष 2,684 करोड़ रुपये की लागत से तीन गैस सिलेंडर वितरित कर रहे हैं। अगले पांच वर्षों में 13,425 करोड़ रुपये लोगों के कल्याण के लिए दिए जाएंगे। अपने इस भाषण में उन्होंने जोर देते हुए कहा, गठबंधन सरकार लड़कियों और महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देती है।

उन्होंने महिलाओं के खिलाफ हमले या उत्पीड़न की धमकी देने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद उन्होंने वाईएसआरसीपी नेताओं की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, केवल 11 सीटें प्राप्त करने के बावजूद, वाईएसआरसीपी के सदस्य और समर्थक नहीं सुधरे हैं। हमारी सरकार को सत्ता में आए अभी कुछ ही महीने हुए हैं, फिर भी वे सोशल मीडिया पर खुलकर बोल रहे हैं, जैसे कोई बड़ी अनहोनी हो गई हो। अब से सरकार के बारे में झूठ फैलाने वालों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि वाईएसआरसीपी के नेता, राज्य में पार्टी की बड़ी हार के बाद भी, सोशल मीडिया पर महिलाओं का अनादर करना बंद नहीं कर रहे हैं।

इसके बाद उन्होंने वाईएसआरसीपी के नेताओं को चेतावनी देते हुए कहा, महिलाओं के प्रति किसी भी प्रकार के दुर्व्यवहार को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा और हम इस व्यवहार में शामिल लोगों की सोशल मीडिया गतिविधियों पर नजर रख रहे हैं। अब से, जो कोई भी महिलाओं के बारे में अपमानजनक बातें कहेगा, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

असदुद्दीन के बारे में बात करना समय की बर्बादी : जगदीश

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और सूर्यपेट के विधायक जगदीश रेड्डी ने आज कहा कि राज्य के मुसलमान एमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी को नजरअंदाज करते हैं और उन्होंने कहा कि ओवैसी के बारे में बात करना समय की बर्बादी के अलावा कुछ नहीं है। उन्होंने यह टिप्पणी ओवैसी द्वारा की गई उस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए की जिसमें उन्होंने कहा था कि उनके पास बीआरएस पार्टी के नेताओं की कुंडली और उनके रहस्य हैं और बीआरएस पार्टी ने मूसी नदी के सौंदर्यीकरण के लिए कुछ नहीं किया है। उन्होंने शहर के तेलंगाना भवन में आयोजित एक मीडिया सम्मेलन में बात की। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि लोग राज्य के सभी राजनीतिक नेताओं की कुंडली तय करेंगे। उन्होंने कहा, हम ही हैं जिन्होंने मूसी परियोजना शुरू की। हमने यह स्पष्ट कर दिया है कि हम इसे उस बजट के भीतर पूरा करने की क्षमता रखते हैं, जिसका हमने उल्लेख किया है। उन्होंने कहा कि बीआरएस पार्टी मूसी नदी परियोजना के पीड़ितों की ओर से लड़ेगी, चाहे उन्हें कितनी भी समस्याओं का सामना करना पड़े। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी कांग्रेस सरकार को झुकाएगी और राज्य के गरीबों के साथ न्याय करेगी।

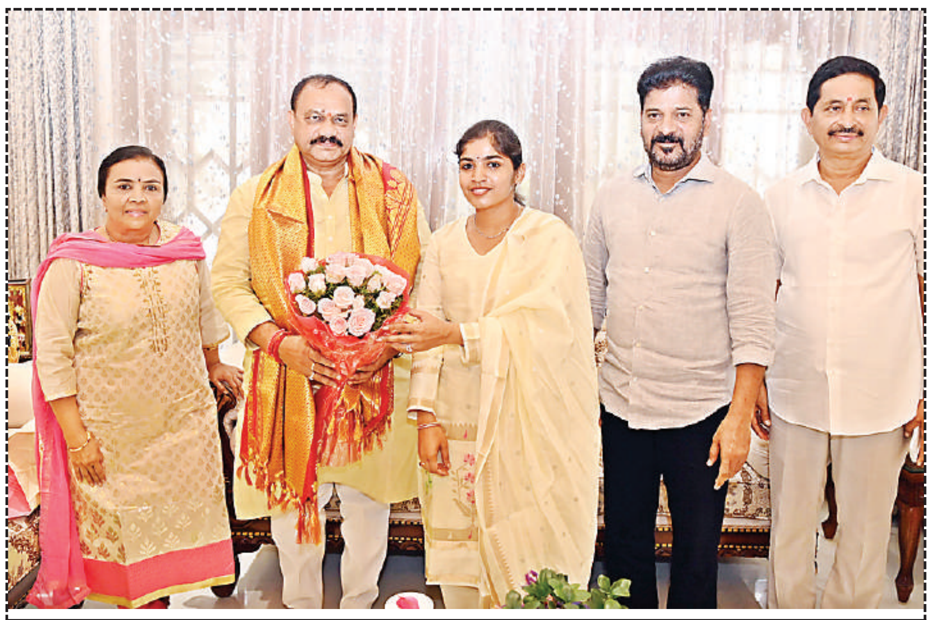

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, पीसीसी अध्यक्ष महेश गौड़ और सीएम के सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी ने हैदराबाद में पालकुर्ती निर्वाचन क्षेत्र की कांग्रेस नेता झांसी रेड्डी से उनके आवास पर मुलाकात की। कुछ साल पहले एक शॉपिंग मॉल के उद्घाटन समारोह में झांसी रेड्डी घायल हो गई थीं।

वेमनापल्ली जंगल में दिखाई दिया बाघ

मंचेरियल, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पड़ोसी कुमराम भीम आसिफाबाद जिले से एक बाघ के यहां जंगलों में घूमने का संदेह है। स्थानीय लोगों ने बताया कि पड़ोसी जिले से एक बाघ महीने में कम से कम 3 बार क्षेत्र और शिकार की तलाश में वेमनपल्ली मंडल के जंगलों में घूमता है। उन्होंने बताया कि इसे कोट्टाजाजुलपेट, ओड्डुगुडा, खारजी और रामपुर गांवों के जंगलों में देखा गया था। इसने एक सप्ताह पहले खारजी और रामपुर के बीच एक सिंचाई टैंक में मवेशियों को मार डाला था।

ग्रामीणों को संदेह था कि बाघ नियमित अंतराल पर वेमनपल्ली मंडल के जंगलों में आता-जाता रहता है। उन्होंने कहा कि उसे जंगली कुत्तों से खतरा हो सकता है। उन्होंने तर्क दिया कि कुत्ते बाघ को तालाब में मवेशियों का बचा हुआ मांस खाने से रोकते हैं। पता चला है कि वन अधिकारियों ने वेमनपल्ली के जंगलों में बाघ के पैरों के निशान एकत्र किए हैं। हालांकि, अधिकारी सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए बाघ के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दे रहे हैं। बताया जा रहा है कि वे सीसीटीवी कैमरे लगाकर और एनिमल ट्रैकर के जरिए बाघ की गतिविधियों पर नजर रख रहे हैं।

विशाल गांधी प्रतिमा के खिलाफ है गांधी परिवार

मैं मूर्तियों की होड़ के खिलाफ : तुषार गांधी

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। लैंगर हाउस में महात्मा गांधी की दुनिया की सबसे बड़ी प्रतिमा स्थापित करने की राज्य सरकार की योजना का राष्ट्रपिता के परिवार के सदस्यों द्वारा विरोध किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने घोषणा की थी कि लैंगर हाउस स्थित बापू घाट को गांधीवादी विचारधारा के वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना बनाई जा रही है। इस स्थल पर पहले से ही महात्मा गांधी की एक प्रतिमा मौजूद है, लेकिन राज्य सरकार अब यहां महात्मा की दुनिया की सबसे बड़ी प्रतिमा स्थापित करने की योजना बना रही है। यह प्रतिमा गुजरात में नर्मदा नदी पर स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा के अनुरूप बनाई जा रही है।

हालांकि, महात्मा गांधी के परिवार के सदस्यों को यह कदम पसंद नहीं आया। गांधी जी के परपोते तुषार गांधी ने कहा कि वे मूर्तियों की इस होड़ के सख्त खिलाफ हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि मुख्यमंत्री को इस फंड का इस्तेमाल स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा क्षेत्र में करना चाहिए। तुषार गांधी ने एक्स पर कहा कि मैं मूर्तियों की इस होड़ के सख्त खिलाफ हूं। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी जी से मेरी विनम्र अपील है कि कृपया इस फंड का इस्तेमाल बापू की ऊंची मूर्ति के बजाय राज्य में स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा पहलों को स्थापित करने के लिए करें...। मुख्यमंत्री को दिए गए उनके सुझावों का कई लोगों ने समर्थन किया। वरुण वर्मा, एक एक्स यूजर ने कहा कि सहमत हूं। हमारे पास पर्याप्त मूर्तियां हैं। हमें बेहतर सड़कों, अस्पतालों, बुनियादी ढांचे, पुलों, स्कूलों, कॉलेजों आदि की ज़रूरत है। हालांकि, हमें बापू के सिद्धांतों का अनुकरण करने और उनका पालन करने के लिए और अधिक राजनेताओं की जरूरत है।

एक अन्य एक्स यूजर साई राम ने कहा कि यह बहुत मजेदार है। मुझे नहीं पता कि तुषार गांधी राजनीतिक रूप से जागरूक व्यक्ति हैं या नहीं या उन्हें पता है कि राजनीतिक दरवाजों के पीछे क्या होता है, लेकिन इस तरह की मूर्तियां बनाना राजनेताओं के लिए पैसे कमाने का एक तरीका है। यह पार्टी लाइन से परे है। चालान जारी करना, रिश्वत लेना, उच्च गुणवत्ता वाले कच्चे माल का चालान जारी करना, सबसे खराब गुणवत्ता वाले कच्चे माल का इस्तेमाल करना... कोई नई कहानी नहीं है। और, यही कारण है कि, वे स्कूलों/अस्पतालों को फंड नहीं देंगे, लेकिन मूर्तियों को फंड करेंगे।

दृष्टिबाधित संगीतकार को कर्नाटक का राज्योत्सव पुरस्कार

संगारेड्डी, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के एक संगीतकार, जो 100 प्रतिशत दृष्टिबाधित हैं, को कर्नाटक सरकार द्वारा राज्योत्सव पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जो हर साल 1 नवंबर को कर्नाटक के स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदान किया जाता है। संगारेड्डी जिले के न्यालकल मंडल के दप्पुर के मूल निवासी संगीतकार नरसिम्हुलु (62) 20 साल से अधिक समय से बीदर में रह रहे हैं। वे एक संगीत विद्यालय खोलकर बीदर में बच्चों को संगीत की विभिन्न विधाएं सिखा रहे हैं।

बीदर शहर दप्पूर से सिर्फ 15 किलोमीटर दूर है, इसलिए नरसिम्हुलु गौड़ अक्सर अपने गांव आते रहते थे। बच्चों को पढ़ाने के अलावा, गौड़ ने पिछले कुछ सालों में कर्नाटक, महाराष्ट्र और तेलंगाना में सैकड़ों कार्यक्रम भी दिए हैं। उनके तीन बच्चे अम्बरीश, उमरानी और पवन, जो 20 साल के थे, अपने पिता से संगीत सीखते थे। वे भी उनके दल का हिस्सा थे। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिव कुमार और अन्य ने गौड़ को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया और शनिवार को बेंगलुरू में विधानसभा परिसर में उन्हें 5 लाख रुपये का नकद पुरस्कार और दो तोला सोना भेंट किया। बीमारी के कारण पांच साल की उम्र में अपनी आंखों की रोशनी खो चुके गौड़ को शुरू में स्कूल जाने के लिए सही जगह खोजने में संघर्ष करना पड़ा। हालांकि, गांव के एक उदार व्यक्ति गुंडेराव महाराज ने गौड़ को मैसूर के एक नेत्रहीन स्कूल में भर्ती करा दिया। गौड़ ने स्नातकोत्तर और एलएलबी की डिग्री हासिल की है। उन्होंने कर्नाटक संगीत में मास्टर डिग्री और हिंदुस्तानी संगीत में प्रवीणता भी हासिल की है। कर्नाटक सरकार द्वारा सम्मानित किए जाने पर पूरा दप्पुर गांव खुशी से झूम उठा। गौड़ ने कहा कि अगर सरकार सहयोग करे तो वह तेलंगाना में भी ऐसा ही एक संगीत विद्यालय खोलेंगे।

वादे लागू करने में असमर्थ, रेवंत हर दिन नाटक कर रहे हैं : लक्ष्मण

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा सांसद के लक्ष्मण ने आज आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी सरकार ने फसल ऋण माफ करने और रैतु भरोसा योजना के तहत मौद्रिक प्रोत्साहन बढ़ाने के अपने वादों को तोड़ दिया है। उन्होंने इस संबंध में एक बयान जारी किया। उन्होंने कहा, किसानों को रैतु बंधु नहीं मिलेगा, फसल ऋण माफी पूरी नहीं होगी। बोनस फर्जी होगा। उन्होंने आलोचना की कि राज्य सरकार के पास किसानों से धान खरीदने का कोई तरीका नहीं है और कहा कि कपास किसानों के लिए कोई समर्थन मूल्य नहीं है। उन्होंने कहा कि सीएम रेवंत रेड्डी ने सत्ता में आने के लिए झूठ बोला और कहा कि सत्ता में आने के बाद, वह हर दिन एक अलग कहानी कहकर किसानों को धोखा दे रहे हैं। उन्होंने तेलंगाना में बेरोजगार युवाओं को नौकरी देने को लेकर भी सीएम पर निशाना साधा। रेवंत रेड्डी का कहना है कि उन्होंने कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद

50,000 नौकरियां दी हैं। क्या आपमें यह बताने की हिम्मत है कि उन नौकरियों के लिए अधिसूचना और परीक्षा कब आयोजित की गई? पिछले साल विधानसभा चुनाव से पहले राहुल गांधी और रेवंत रेड्डी ने छात्रों से वादा किया था कि वे एक साल में दो लाख नौकरियां देंगे। उन सभी आश्वासनों का क्या हुआ? सत्ता में आने के बाद से 10 महीनों में कांग्रेस नेताओं ने 25 विदेश यात्राएं की हैं। रैतु बंधु और ऋण माफी के लिए कोई पैसा नहीं है, लेकिन आपकी विदेश यात्राओं के लिए पैसा कहां से आ रहा है? योजनाओं को लागू किए बिना, हर दिन स्क्रीन पर डायवर्जन लाकर 'हाई ड्रामा' किया जा रहा है। कोई नई परियोजना नहीं बनाई जा रही है। छह गारंटियों को लागू नहीं किया जा रहा है। नमी के नाम पर वे कपास खरीदने से इनकार करते हैं। वे 420 वादों को लागू करने में सक्षम नहीं हैं और हर दिन नाटक कर रहे हैं।

पेद्दा शेष वाहनम 5 नवंबर को

तिरुमला, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। 5 नवंबर को नागुला चविति के सिलसिले में श्री मलयप्पा स्वामी श्रीदेवी और भूदेवी के साथ तिरुमाला में सात फन वाले पेड्डा शेष वाहनम पर सवार होते हैं। नागराज पर जुलूस मंगलवार शाम को चार माडा सड़कों पर शाम 7 बजे से 9 बजे के बीच निकलता है।

लव फॉर काऊ फाउंडेशन की टीम ने सांसद ओवैसी से मुलाकात की

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विभिन्न पशु कल्याण संगठनों के सदस्यों ने रविवार को हैदराबाद के सांसद और एआईएमआईएम पार्टी सुप्रीमो असदुद्दीन ओवैसी से यहां एमआईएम पार्टी कार्यालय में मुलाकात की और उन्हें 'गाय के प्रति प्रेम' का स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस अवसर पर असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि अच्छे कर्म करो और बाकी सब अल्लाह पर छोड़ दो। उन्होंने कहा, हम सभी लोगों के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ करेंगे। हमारी पार्टी के नेता हमेशा किसी भी मदद के लिए उपलब्ध हैं। उन्होंने कई पशु कल्याण संगठनों के संस्थापक स्वर्गीय रमेश जागीरदार की सेवाओं को याद किया और उनकी सराहना की। उन्होंने उन्हें एक महान सैनिक, समाज सुधारक और एक प्यारे इंसान के रूप में वर्णित किया, जिन्होंने राष्ट्र और समाज के लिए असंख्य सेवाएं दी हैं। लव फॉर काऊ फाउंडेशन के अध्यक्ष जसमत पटेल, मैनेजिंग ट्रस्टी रिदेश जागीरदार, ट्रस्टी आर.के. जैन ने उन्हें "लव फॉर काऊ फाउंडेशन" और अन्य पशु कल्याण संगठनों द्वारा की जा रही गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। जसमत पटेल ने हैदराबाद के सांसद को बताया कि संगठन गौ माता के लिए रोजाना कम से कम एक रुपया बचाने का सक्रिय रूप से प्रचार कर रहा है। रोजाना एक रुपया बचाने से यह लगभग 30 रुपये मासिक और 365 रुपये वार्षिक होता है। पैसे बचाकर हम गौ सेवा में योगदान दे सकते हैं। उन्होंने सांसद को भावी पीढ़ियों के लिए गाय को संरक्षित करने के बारे में भी जानकारी दी।

टीपीसीसी की सिफारिशों का विरोध शुरू

मंदिर समितियों में सोशल मीडिया समन्वयकों को शामिल करने की मांग

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ऐसे समय में जब मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने सोशल मीडिया अभियानों पर कड़ी आपत्ति व्यक्त की है, तेलंगाना में कांग्रेस अब चाहती है कि संबंधित मंदिरों की विकासात्मक गतिविधियों के प्रचार के लिए विभिन्न मंदिर समितियों या ट्रस्ट बोर्डों में सोशल मीडिया समन्वयकों को शामिल किया जाए। इस संबंध में तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने शनिवार को धर्मस्व मंत्री कोंडा सुरेखा को पत्र लिखा। उन्होंने मंत्री से अपील की कि वे मंदिर समितियों या ट्रस्ट बोर्डों में सोशल मीडिया समन्वयकों को शामिल करें ताकि आम लोगों तक सोशल मीडिया के माध्यम से गतिविधियों का प्रचार किया जा सके।

गौरतलब है कि कांग्रेस की प्रदेश इकाई ने 25 अक्टूबर को गांधी भवन में अपने सोशल मीडिया योद्धाओं के लिए एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया था। स्वास्थ्य कार्ड और उपयुक्त पद व पदनाम देने के अलावा, एक महीने में शीर्ष स्थान पाने वाले सोशल मीडिया योद्धाओं को पुरस्कार देने का वादा किया गया था। टीपीसीसी अध्यक्ष की धर्मस्व मंत्री से की गई अपील का विभिन्न वर्गों की ओर से कड़ा विरोध किया गया है तथा कई लोगों ने इस विचार के पीछे के उद्देश्य पर सवाल उठाए हैं।

टीपीसीसी अध्यक्ष के पत्र की प्रति साझा करते हुए, बीआरएस नेता मन्ने कृष्णक ने कहा कि प्रत्येक मंदिर में सोशल मीडिया समन्वयक केवल तेलंगाना के मंदिरों में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को नियुक्त करने के लिए है। यह मंदिरों पर एक अतिरिक्त वित्तीय बोझ है। धर्मस्व अधिकारी आध्यात्मिक अभियान चलाने के लिए पर्याप्त योग्य हैं।

विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) ने भी धर्मस्व मंत्री से टीपीसीसी अध्यक्ष की अपील पर कड़ी आपत्ति जताई। विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता आर शशिधर ने कहा कि मंदिर आध्यात्मिक स्थान हैं और धर्मस्व विभाग को विशेष रूप से सभी गतिविधियों को संभालने के लिए नामित किया गया है, जिसमें मंदिरों से संबंधित आध्यात्मिक अभियानों या कार्यक्रमों का प्रचार भी शामिल है। शशिधर ने मांग की कि अगर कांग्रेस पार्टी और राज्य सरकार मंदिरों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है, तो हिंदू प्रचार परिषद है। सरकार को मंदिरों के प्रभावी प्रचार के लिए परिषद को पर्याप्त धनराशि देनी चाहिए।

तलाब में नहाने गए दो युवक डूबे

निजामाबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के मुगपाल मंडल के मनचिप्पा गांव में रविवार को तालाब में नहाने गए दो युवक डूब गए। मृतकों की पहचान हैदराबाद के सैयद मूसा और सैयद वसीक के रूप में हुई है।

रिपोर्ट के अनुसार, मनचिप्पा गांव में एक स्थानीय दरगाह पर नमाज अदा करने के बाद दोनों पास के तालाब में नहाने गए थे। नहाने के दौरान दोनों गहरे पानी में चले गए और डूब गए। स्थानीय लोगों ने घटना को देखा और पुलिस को सूचना दी। पुलिस गोताखोरों के साथ मौके पर पहुंची और दोनों के शवों को बाहर निकाला। शवों को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है। मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.